THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

खरगे और राहुल गांधी की नेताओं के साथ बैठक

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को एक अहम बैठक की। बैठक में कांग्रेस की पश्चिम बंगाल इकाई के वरिष्ठ नेता शामिल हुए। यह बैठक राज्य के आगामी विधानसभा चुनावों से पहले नई दिल्ली के 10 राजाजी मार्ग पर हुई। पश्चिम बंगाल में राजनीति गरमाई हुई है। राज्य में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से चुनौती मिल रही है। इस बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी ने कांग्रेस या किसी भी सहयोगी दल के साथ गठबंधन को लेकर अब तक कोई चर्चा शुरू नहीं की है। जबकि टीएमसी विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का हिस्सा है।

वर्ष-30 अंक : 311 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन कृ.5, 2082 शुक्रवार, 6 फरवरी-2026 प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

तब कोई तैयार नहीं था

आज दुनिया के 27 देशों से ट्रेड डील

> राज्यसभा में पीएम मोदी ने विपक्ष को खूब सुनाया

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। पीएम मोदी ने गुरुवार को राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब दिया। पीएम मोदी ने कहा कि विकसित भारत की यात्रा में, पिछले साल देश के तेज़ी से विकास के साल रहे हैं। यह जीवन के हर क्षेत्र में, समाज के हर वर्ग में बदलाव का दौर रहा है। देश सही दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने दुनिया के 9 देशों के साथ ट्रेड डील का जिक्र किया। इसके साथ ही उन्होंने ईयू के 27 देशों के साथ मदर ऑफ ऑल डील का भी जिक्र किया।

ट्रेड डील पर क्या-क्या बोले मोदी राज्यसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज भारत कई देशों के साथ भविष्य के लिए तैयार ट्रेड डील कर रहा है। हाल के दिनों में, हमने दुनिया की कुछ सबसे महत्वपूर्ण और एडवांस्ड इकोनॉमी के साथ बड़े ट्रेड एग्रीमेंट किए हैं। यूरोपियन यूनियन के साथ एक ऐतिहासिक डील फाइनल हुई है, जिसमें 27 देश शामिल हैं। पीएम मोदी ने कहा कि जो लोग आज थके हुए और निराश हैं, उन्हें देर-सवेर यह जवाब देना होगा कि उन्होंने देश को ऐसी स्थिति में कैसे पहुंचा दिया, जहां दुनिया का कोई भी देश भारत के साथ ट्रेड डील करने को तैयार नहीं था। आपने कोशिश की होगी, आपने बार-बार कोशिश की होगी, लेकिन किसी ने आपकी तरफ देखा भी नहीं। उस समय देश भारत के साथ डील करने को तैयार नहीं थे।

थक गए चले गए, विपक्ष पर पीएम का तंज

पीएम की भाषण के दौरान विपक्षी सदस्यों ने जमकर नारेबाजी की। विपक्षी सदस्य 'नेता प्रतिपक्ष को बोलने दो' के नारे भी लगाए। इसके बाद विपक्षी सदस्यों ने वॉकआउट कर दिया। इस पर पीएम मोदी ने विपक्ष पर तंज कसा। पीएम मोदी ने कहा कि वे थक कर चले गए।

राज्य सरकार लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा को प्रतिबद्ध

कोलकाता, 5 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने गुरुवार को कहा कि राज्य सरकार लोकतांत्रिक और मौलिक अधिकारों की रक्षा करने में दृढ़ रही है। इसके साथ ही विकास के लिए एक लचीला और समावेशी पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने मतदान से पहले बजट सत्र की शुरुआत में विधानसभा के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए यह बात कही।

खदान में विस्फोट, 16 लोगों की मौत

शिलांग, 5 फरवरी (एजेंसियां)। मेघालय के पूर्वी जयंतिया हिल्स जिले में गुरुवार को एक अवैध कोयला खदान में डायनामाइट विस्फोट में 16 लोगों की मौत हो गई। वहीं, एक व्यक्ति के घायल होने की भी खबर है।यह कोयला खदान जिले के मिसिंगेट-थांग्स्को इलाके में है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

पूर्वी जयंतिया हिल्स के पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने बताया कि दूरदराज के इलाके में स्थित इस खदान से चार शव बरामद किए गए हैं और एक झुलसे हुए व्यक्ति को उपचार के लिए शिलांग भेजा गया है।

अधिकारियों ने कहा कि राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल और दमकल व आपात सेवाओं की टीमें मौके पर भेजी गईं। उन्होंने कहा कि मृतकों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका है। घटनास्थल से मिली जानकारी के अनुसार, जिस पहाड़ी में अवैध खनन हो रहा था, विस्फोट के बाद उसका एक हिस्सा धंस गया, जिससे और खनिकों के फंसे होने की आशंका है। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। यह घटना ऐसे समय में हुई है, जब जिले में अवैध कोयला खनन को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। इसी थांग्स्को इलाके में पिछले साल 23 दिसंबर को भी ऐसा ही डायनामाइट विस्फोट हुआ था। उस विस्फोट में दो खनिकों की मौत हो गई थी। तब पुलिस शुरू में विस्फोट की खबरों को बेबुनियाद बताया था।

ओम बिरला बोले–पीएम के साथ हो सकती थी अप्रत्याशित घटना, मैंने आने से मना किया था

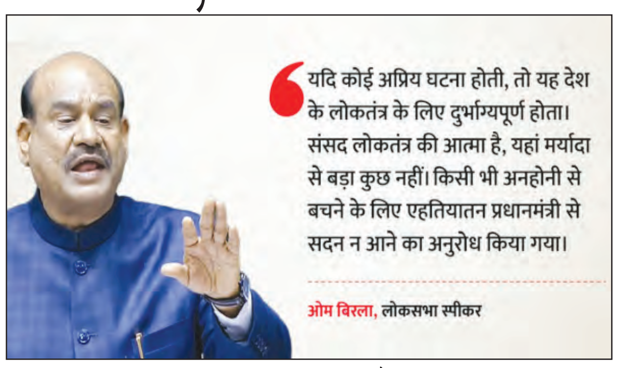

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। संसद के बजट सत्र के दौरान इन दिनों लोकसभा में लगातार हंगामा देखने को मिल रहा है। बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब देना था, लेकिन विपक्ष के विरोध और नारेबाजी के कारण यह संभव नहीं हो सका।

हालात बिगड़ते देख सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। इस पूरे घटनाक्रम को लेकर अब लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने सदन में गंभीर और अहम बयान दिया है। स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि जिस तरह का माहौल उस दिन लोकसभा में बना, उसमें कोई भी अप्रिय और अप्रत्याशित घटना घट सकती थी। उन्होंने साफ कहा कि ऐसा व्यवहार संसद की गरिमा और लोकतांत्रिक मर्यादाओं के बिल्कुल विपरीत था।

विपक्षी व्यवहार को बताया अभूतपूर्व

ओम बिरला ने सदन को बताया कि लोकसभा के इतिहास में पहली बार उन्होंने इस तरह का आचरण देखा है। उन्होंने कहा कि कुछ सदस्यों ने न केवल सदन के भीतर बल्कि अध्यक्ष के कार्यालय में भी जिस प्रकार का व्यवहार किया, वह संसदीय परंपराओं के अनुरूप नहीं था। स्पीकर ने इसे संसदीय व्यवस्था पर काला धब्बा बताया और कहा कि अब तक राजनीतिक मतभेदों को कभी भी अध्यक्ष के कार्यालय तक नहीं ले जाया गया। उन्होंने सभी दलों से अपील की कि मतभेद लोकतंत्र का हिस्सा हैं, लेकिन सदन को सुचारू रूप से चलाने में सभी सांसदों का सहयोग आवश्यक है।

सदन में बने थे असाधारण हालात बुधवार को लोकसभा में उस समय असामान्य दृश्य देखने को मिले, जब विपक्ष की महिला सांसद प्रधानमंत्री के संभावित भाषण से पहले बैनर लेकर उनके आसन की ओर बढ़ने लगीं। उस वक्त प्रधानमंत्री सदन में मौजूद नहीं थे और भाजपा सांसद पी. पी. चौधरी राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर अपनी बात रख रहे थे।

भारतीयों की एनर्जी सिक्योरिटी सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। भारत सरकार के अनुसार देशवासियों की एनर्जी सिक्योरिटी सुनिश्चित करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। वहीं ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाना बाजार की स्थितियों और अंतरराष्ट्रीय गतिशीलता आधारित रणनीति का हिस्सा है। विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को नई दिल्ली में एक साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान ये बात कही।

उन्होंने कहा, जहां तक भारत की एनर्जी सिक्योरिटी या एनर्जी सोर्सिंग का सवाल है, सरकार ने कई मौकों पर सार्वजनिक रूप से कहा है कि 1.4 अरब भारतीयों की एनर्जी सिक्योरिटी सुनिश्चित करना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

ऑब्जेक्टिव मार्केट स्थितियों और बदलते अंतरराष्ट्रीय माहौल के हिसाब से एनर्जी सोर्सिंग में विविधता लाना इसे सुनिश्चित करने की हमारी रणनीति का मुख्य हिस्सा है।

विधानसभा में विशेष गहन पुनरीक्षण के खिलाफ प्रस्ताव पेश

कोलकाता, 5 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर राजनीति तेज हो गई है। एक तरफ मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी इसमें हुई धांधली को लेकर दिल्ली पहुंच गई। वहीं दूसरी इसके सुप्रीम कोर्ट पहुंचने के कारण विधानसभा अध्यक्ष ने एसआईआर पर प्रस्तावित चर्चा पर बहस के लिए मना कर दिया। सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस ने 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले एसआईआर से मतदाताओं के हो रही परेशानी को लेकर चर्चा की मांग की थी। विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने सरकार पर आखिरी समय में बिजनेस एडवाइजरी कमेटी के प्रस्ताव को बदलने का आरोप लगाया। अधिकारी ने कहा हमें बताया गया था कि एसआईआर पर चर्चा होगी और हम तैयारी करके आए थे। अब, इसे बदला जा रहा है उन्होंने अध्यक्ष से सदन के सामने कामकाज की सूची रखने की मांग की।

भारत के कैब सेक्टर में नया अध्याय

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। देश के कैब सर्विस सेक्टर में आज एक नया चैप्टर जुड़ गया है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह गुरुवार (5 फरवरी 2026) नई दिल्ली में भारत का पहला सहकारी मॉडल आधारित राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म भारत टैक्सी लॉन्च कर दिया। यह सहकारी क्षेत्र को मजबूत करने और देश में समावेशी व नागरिक-केंद्रित परिवहन सेवाओं को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस नए प्लेटफॉर्म के साथ डिजिटल मोबिलिटी सेक्टर में बड़े बदलाव की तैयारी है।

अमित शाह ने कहा, 'सहकारिता से बहुत सारे लोग मिलकर छोटी-छोटी पूंजी लगाकर कैसे बड़ी शुरुआत कर सकते हैं, 'भारत टैक्सी' इसका उदाहरण है। आज का दिन टैक्सी चालक बहनों-भाइयों के लिए बहुत ही अहम है। उनके द्वारा शुरू की गई सहकारी क्षेत्र की पहली टैक्सी सर्विस 'भारत टैक्सी' का नई दिल्ली में शुभारंभ होगा। चालक बहन-भाई 'भारत टैक्सी' से न सिर्फ अधिक मुनाफा कमा पाएँगे, बल्कि सम्मान के साथ इसके मालिक भी होंगे।

'स्पीकर के पीछे छिप रहे हैं पीएम मोदी'

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने गुरुवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के पीछे छिप रहे हैं। उन्होंने पीएम मोदी को नुकसान पहुंचाने की किसी भी योजना के दावे को पूरी तरह झूठ बताया। उनकी यह टिप्पणी बिरला के लोकसभा में दिए गए बयान के बाद आई, जिसमें उन्होंने कहा था कि पक्की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने मोदी से सदन में भाषण देने के लिए न आने को कहा था, क्योंकि कई कांग्रेस सांसद प्रधानमंत्री की सीट के पास पहुंचकर कोई अप्रत्याशित हरकत कर सकते थे।

गुरुवार को विपक्षी सदस्यों पर नाराजगी जताते हुए स्पीकर ने यह भी कहा कि बुधवार को उनके कार्यालय में कुछ सांसदों का व्यवहार अनुचित था और इसे उन्होंने उस घटना को एक काले धब्बे जैसा बताया। इन आरोपों पर पलटवार करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि सरकार स्पीकर से यह सब कहलवा रही है, क्योंकि बुधवार को प्रधानमंत्री में सदन में आने की हिम्मत नहीं थी।

कांग्रेस के पूर्व विधायक एम मुरली का निधन, 72 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

तिरुवनंतपुरम, 5 फरवरी (एजेंसियां)। केरल कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक एम मुरली का 72 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने गुरुवार को तिरुवनंतपुरम के एक अस्पताल में अंतिम सांस ली। मुरली 1991 से 2011 तक लगातार 20 साल तक मावेलिक्करा विधानसभा क्षेत्र से विधायक रहे। वे अपने छात्र जीवन से ही राजनीति में सक्रिय थे और पार्टी में कई महत्वपूर्ण पदों पर काम किया। एम मुरली अलप्पुझा जिले के मावेलिक्करा में चेरुकोले के रहने वाले थे। उन्होंने अपना राजनीतिक जीवन 1969 में केरल छात्र संघ (केएसयू) के सदस्य के रूप में शुरू किया था। 1972 में वे अलप्पुझा जिले में केएसयू के महासचिव बने। इसके बाद 1977 में उन्हें जिला अध्यक्ष और 1980 में केएसयू केरल का अध्यक्ष चुना गया। इसके बाद वे युवा कांग्रेस में भी सक्रिय रहे। मुरली 1982 से सात साल तक केरल युवा कांग्रेस के महासचिव के पद पर रहे। अपने लंबे राजनीतिक जीवन में उन्होंने कांग्रेस पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए लगातार काम किया।

बिहार में नए सिरे से विधानसभा चुनाव कराने की मांग, पीके की जन सुराज पार्टी पहुंची एससी

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। चुनावी रणनीतिकार से नेता बने प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज पार्टी ने बिहार विधानसभा चुनाव को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की है जिसमें चुनाव से पहले महिलाओं को सीधे 10,000 रुपये हस्तांतरित करने पर सवाल उठाया गया है। पार्टी ने बिहार चुनाव में अवैध प्रक्रियाओं को चुनौती देते हुए और नए सिरे से चुनाव कराने की मांग करते हुए कोर्ट में रिट याचिका दायर की है। सुप्रीम कोर्ट भी मामले की सुनवाई करने को राजी हो गया है। सुप्रीम कोर्ट में बिहार चुनाव को लेकर नया मामला पहुंचा है।

प्रशांत किशोर की पार्टी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाते हुए कहा है कि बिहार में चुनाव के दौरान महिलाओं को सीधे 10,000 रुपये हस्तांतरित किया जाना गलत है। पार्टी ने राज्य में महिला मतदाताओं को कथित तौर पर आचार संहिता लागू होने के दौरान 10 हजार रुपये के सीधे हस्तांतरण किए जाने को चुनौती दी है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की बेंच इस मामले की सुनवाई कल करेगी।

20 साल की दिव्यांग युवती के साथ रेप, डीएनए टेस्ट के बाद पिता गिरफ्तार

मुंबई, 5 फरवरी (एजेंसियां)। मुंबई से एक बहुत ही परेशान करने वाला मामला सामने आया है। शहर के कफ परेड इलाके में 20 साल की लड़की का उसके पिता ने रेप किया और उसे प्रेग्नेंट कर दिया। लड़की सुन और बोल नहीं सकती थी। इस मामले में डीएनए टेस्ट जांच सामने आया, इससे पता चला कि भ्रूण के साथ लड़की के पिता का कनेक्शन है। उसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, युवती के साथ सितंबर 2025 से दुष्कर्म किया जा रहा था।

पुलिस ने पहले एक दूसरे आदमी को भी गिरफ्तार किया था और एक 17 साल के लड़के को भी हिरासत में लिया था। दोनों की पहचान महिला ने रेप करने वालों के तौर पर की थी। पुलिस ने कहा कि दूसरों की भूमिका की जांच की जा रही है। जांच के दौरान 17 सैंदिग्धों के डीएनए सैंपल के लैब टेस्ट के बाद पिता को गिरफ्तार किया गया था।

बंगाल जनगणना की कमान आईएएस रश्मि कमल को मिली

कोलकाता, 5 फरवरी (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल में जनगणना कराने की कमान चर्चित भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) की अफसर रश्मि कमल को सौंपी गई है। डॉक्टरी से प्रशासनिक सेवा में आने वाली रश्मि तब चर्चा में आई थीं जब 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान भारतीय जनता पार्टी की शिकायत पर उन्हें कोलकाता साउथ में रिटर्निंग ऑफिसर के रूप से हटा दिया गया था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आईएएस रश्मि कमल को पश्चिम बंगाल के लिए जनगणना संचालन निदेशक और नागरिक पंजीकरण निदेशक के रूप में नियुक्त करने की मंजूरी दे दी है। गृह मंत्रालय की ओर से कल बुधवार देर रात जारी एक आदेश में कहा गया कि पश्चिम बंगाल कैडर की 2006 बैच की आईएएस अफसर रश्मि 14 जनवरी, 2026 की तारीख से कार्यभार संभालेंगी। उन्हें केंद्रीय स्टाफिंग योजना के तहत 3 साल की अवधि के लिए या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, सेंट्रल डेप्युटेशन पर नियुक्त किया गया है।

एमबीबीएस की डिग्री, इग्नू से पीजी

रश्मि का मुख्यालय कोलकाता होगा। करीब 2 दशकों के प्रशासनिक अनुभव वाली रश्मि राज्य में जनगणना से संबंधित सभी गतिविधियों और नागरिक पंजीकरण प्रक्रियाओं की देखरेख करेंगी। जनगणना संचालन निदेशक का ऑफिस दशकीय जनगणना करवाने और पंजीकरण से संबंधित नागरिकता अधिनियम के प्रावधानों को लागू करने में अहम भूमिका निभाता है। पश्चिम बंगाल कैडर की 2006 बैच की आईएएस अधिकारी रश्मि कमल का जन्म 1 जुलाई 1977 को हुआ था। उन्होंने पटना यूनिवर्सिटी से एमबीबीएस की डिग्री हासिल की और फिर इग्नू दिल्ली से पोस्ट ग्रेजुएट (पीजी) किया। वह हिंदी और अंग्रेजी के साथ-साथ बंगाली भाषा में भी माहिर हैं। उन्होंने पश्चिमांचल उन्नयन मामलों के विभाग में सचिव के रूप में काम किया है।

2024 में बीजेपी ने क्यों की थी शिकायत

रश्मि तब चर्चा में आई थीं, बीजेपी ने 2024 के लोकसभा चुनाव में उनको हटाने की मांग चुनाव आयोग से कर दी थी। मई 2024 में चुनाव आयोग ने बीजेपी की शिकायत पर रश्मि समेत 2 अफसरों को हटा दिया था। बीजेपी ने कोलकाता दक्षिण की तत्कालीन रिटर्निंग ऑफिसर रश्मि कमल के साथ-साथ बसीरहाट की एडीएम रिटर्निंग ऑफिसर ध्विया लोगनाथन का ट्रांसफर कर दिया। बीजेपी ने अपनी शिकायत में कहा था कि कोलकाता दक्षिण लोकसभा सीट से तृणमूल कांग्रेस पार्टी की उम्मीदवार माला रॉय ने नामांकन दाखिल करते समय केएमसी चेयरपर्सन के पद से इस्तीफा नहीं दिया था, जो कि "लाभ का पद" था। पार्टी ने अफसर से माला रॉय की उम्मीदवारी रद्द करने की मांग की थी, लेकिन रश्मि ने नामांकन स्वीकार कर लिया था क्योंकि उम्मीदवार की ओर से दावा किया गया था कि उन्होंने 2019 से केएमसी से कोई सैलरी नहीं ली है।

जनगणना प्रक्रिया कब से होगी शुरू

गृह मंत्रालय के तहत रजिस्ट्रार जनरल ऑफिस की ओर से यह आदेश ऐसे समय आया है जब मंत्रालय के 7 जनवरी के नोटिफिकेशन के तहत तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। जनगणना 2027 रजिस्ट्रार जनरल की ओर से 2 चरणों में कराई जाएगी, जिसमें पहला चरण, हाउसलिस्टिंग ऑपरेशन (एचएलओ), 1 अप्रैल से शुरू होगा। हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश 1 अप्रैल से 30 सितंबर के बीच इस काम को पूरा करने के लिए 30 दिनों की अवधि तय करेगा। पहले चरण में, एचएलओ में हर घर की आवास स्थितियों, संपत्ति, सुविधाओं आदि से संबंधित जानकारी जुटाई जाएगी। जबकि दूसरे चरण में जनसंख्या गणना (पीई) में, हर व्यक्ति की जनसांख्यिकीय, सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक और अन्य जानकारी एकत्र की जाएगी। दूसरा चरण अगले साल फरवरी में हो सकता है।

300 लोगों से सात करोड़ की ठगी, फर्जी सहकारी समिति के नाम पर लगाया चूना; दो गिरफ्तार

हल्द्वानी, 5 फरवरी (एजेंसियां)। जनता की मेहनत की कमाई हड़पकर तीन साल से फरार रहे करोड़ों की धोखाधड़ी के आरोपित को पुलिस ने लालकुआं क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया है। इनके खिलाफ रामनगर में एक वह मुखानी थाना क्षेत्र में दो मुकदमे पंजीकृत थे। पुलिस के अनुसार जनता को अधिक ब्याज और गारंटी का झांसा देकर करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले गिरोह का नैनीताल पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डा. मंजूनाथ टीसी के निर्देशों में कार्रवाई करते हुए, पुलिस ने दो मुख्य आरोपितों को गिरफ्तार किया है। एसएसपी ने जनता से अपील की है कि किसी भी निवेश योजना में पैसा लगाने से पहले उसकी पूरी जांच-पड़ताल जरूर करें, अन्यथा मेहनत की कमाई ठगों के हाथ लग सकती है। आरोपितों ने फर्जी सहकारी समिति बनाकर भोले भाले लोगों से ठगी की। पुलिस के अनुसार, कोतवाली रामनगर में पंजीकृत मुकदमा संख्या 246/23, धारा 409 के तहत यह मामला दर्ज किया गया था।

राम मंदिर में घुसे चोर, 3 लाख चोरी

इंदौर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। इंदौर में चंदन नगर क्षेत्र के सिंहासा गांव के राम मंदिर में चोरी की वारदात सामने आई है। गुरुवार सुबह जब पुजारी मंदिर के ताले खोलने पहुंचे, तो ताले टूटे हुए मिले। इसके बाद रहवासियों को सूचना दी गई और चंदन नगर पुलिस को बुलाया गया। पुजारी नरेंद्र पाठक ने बताया कि चोर मंदिर से भगवान के आभूषण और दान पेटी में रखे लगभग तीन लाख रुपये लेकर फरार हो गए। चोरों ने दान पेटी तोड़ने का भी प्रयास किया था। पुलिस को मंदिर से कुछ दूरी पर लगे सीसीटीवी कैमरों में चोरों की गतिविधियां कैद मिली हैं। फुटेज में चोर बाइक से आते और जाते हुए नजर आ रहे हैं। पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है।

'किसानों के हित पूरी तरह से सुरक्षित', कांग्रेस के दावों पर कृषि मंत्री शिवराज का बयान

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)।

भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय के अटके व्यापार समझौते पर सहमति बन गई है। राष्ट्रपति ट्रंप ने पीएम मोदी से फोन पर बातचीत के बाद इसकी घोषणा की। हालांकि विपक्ष लगातार ट्रेड डील पर सवाल उठा रहा है कि कृषि क्षेत्र को खोलने से 'किसानों की सुरक्षा' कैसे सुनिश्चित होगी। जिस पर अब कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का बयान आया है। बातचीत में भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के बारे में अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट के एक्स पोस्ट पर कहा कि, 'हमारे मंत्री पीयूष गोयल ने भी संसद में सारी स्थिति स्पष्ट कर दी है।

मैं फिर दोहराता हूं कि भारतीय किसानों के हित पूरी तरह से सुरक्षित हैं। चाहे वे छोटे किसान हों या बड़े किसान, हमारे सभी कृषि उत्पाद सुरक्षित रहेंगे। ऐसी किसी भी चीज के लिए बाजार नहीं खोला गया है।' वहीं भारत के कृषि क्षेत्र, खासकर किसानों पर अमेरिका-भारत व्यापार समझौते के असर के बारे में शिवराज सिंह चौहान ने आगे कहा, 'यह व्यापार समझौता कूटनीति, विकास और सम्मान का एक नया उदाहरण है। हम विवाद नहीं, संतुलित संवाद में विश्वास करते हैं। किसानों के हितों की पूरी तरह से संरक्षित किया गया है। किसानों के हित पूरी तरह से सुरक्षित हैं।

विपक्ष पर गलत सूचना फैलाने का आरोप

उन्होंने आगे कहा कि, 'हमारे मुख्य अनाज, फल, प्रमुख फसलें और बाजरा सब सुरक्षित हैं। डेयरी उत्पाद सुरक्षित हैं'। कृषि मंत्री ने कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए उन पर गलत सूचना फैलाने और अंध विरोध करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अनिश्चितता और अव्यवस्था का माहौल बनाने के लिए अफवाहें फैलाई गईं। कृषि मंत्री ने अपने बयान में कहा कि कांग्रेस और विपक्ष निराश हैं। मानसिक रूप से परेशान हैं। वे मैदान मुकाबला नहीं कर सकते। इसलिए अंधाधुंध विरोध कर रहे हैं। वे अफवाहें फैलाकर अराजकता का माहौल पैदा करना चाहते हैं। जब कपड़ा निर्यात बढ़ेगा, तो कपास किसानों को फायदा होगा।'

राहुल गांधी-बिट्टू विवाद पर बोले शिवराज

वहीं संसद के मकर द्वार पर एक दिन पहले यानी बुधवार (04 फरवरी) को हुई राहुल गांधी और केंद्रीय मंत्री के बीच हुई नोकझोंक पर कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, 'आज मेरा मन दर्द और पीड़ा से भरा हुआ है। मैं यह देखकर हैरान हूं कि नेता प्रतिपक्ष (राहुल गांधी) एक मंत्री को 'गद्दार' कह रहे हैं। ऐसी तुच्छ टिप्पणी कर रहे हैं। वे पीएम के पद का अपमान कर रहे हैं। ये 'छिछोरापन' है। राहुल गांधी और कांग्रेस ने लोकतंत्र को कलंकित करने का काम है। देश सब देख रहा है। जब भी कांग्रेस ने पीएम का अपमान किया है, जनता ने हमेशा उन्हें सबक सिखाया है। कांग्रेस कहां तक गिरेगी?'

अजित पवार के प्लेन क्रैश की प्राथमिक जांच रिपोर्ट सामने आई, हादसे के 2 कारण पता चले

मुंबई, 5 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और एनसीपी के प्रमुख अजित पवार का बीते दिनों प्लेन हादसे में निधन हो गया था। इस हादसे ने महाराष्ट्र समेत पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। प्रशासन की ओर से इस हादसे की जांच शुरू की गई थी। सूत्रों के मुताबिक, बारामती हवाई अड्डे पर हुए विमान दुर्घटना को लेकर प्राथमिक जांच रिपोर्ट सामने आई है। आइए जानते हैं कि प्राथमिक जांच रिपोर्ट में हादसे का कारण क्या बताया गया है। सूत्रों के मुताबिक, अजित पवार के विमान के हादसे से जुड़ी प्राथमिक जांच रिपोर्ट में बड़ी जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि रनवे पर विजिबिलिटी कम होने के बावजूद लैंडिंग का कॉल लिया जाना और तकनीकी खराबी, ये दो बातें जांच में सामने आई है। ब्लैक बॉक्स का डेटा रिकवरी का काम शुरू है। इसकी डेटा रिकवरी के बाद पूरी जांच रिपोर्ट सामने आएगी।

अदालत में आज नो वर्क डे : वकीलों ने एक्शन प्लान और एलएडीसी प्रणाली के खिलाफ खोला मोर्चा

चंडीगढ़, 5 फरवरी (एजेंसियां)। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन (डीबीए), चंडीगढ़ ने अपनी आपात बैठक में एक बड़ा फैसला लेते हुए 6 फरवरी (गुरुवार और शुक्रवार) को राज्य स्तरीय आह्वान पर कार्य न करने का निर्णय लिया है। इस फैसले के बाद वकील समुदाय एकजुट होकर वर्तमान न्यायिक नीतियों का विरोध कर रहा है। विरोध के मुख्य कारण : कार्यकारिणी समिति ने स्पष्ट किया है कि यह आंदोलन मुख्य रूप से दो प्रमुख नीतियों के विरोध में है, जिन्हें वे अधिवक्ता समुदाय के लिए हानिकारक मानते हैं: अधीनस्थ न्यायालयों के लिए एक्शन प्लानः अदालतों में मामलों के निपटारे के लिए लागू किए जा रहे नए 'एक्शन प्लान' को लेकर वकीलों में नाराजगी है। लीगल एड डिफेंस काउंसिल (एलएडीसी) प्रणालीः वकीलों का मानना है कि यह प्रणाली उनके पेशेवर भविष्य, गरिमा और स्वतंत्रता पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही है। डीबीए चंडीगढ़ की कार्यकारिणी समिति ने सभी अधिवक्ताओं से आग्रह किया है कि वे इस दो दिवसीय हड़ताल को सफल बनाने के लिए अदालती कामकाज से दूर रहें।

किन्नर सपना गुरु ने इच्छा मृत्यु मांगी: राष्ट्रपति मुख्यमंत्री, पुलिस कमिश्नर को लिखे पत्र

इंदौर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। इंदौर के नंदलालपुरा क्षेत्र से जुड़े किन्नर गुरु सपना पर दो साल पुरानी शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज होने के बाद मामला तूल पकड़ता जा रहा है। जेल से छूटने के बाद दर्ज हुई एफआईआर को लेकर किन्नर गुरु ने राष्ट्रपति, मुख्यमंत्री, पुलिस कमिश्नर समेत कई प्रशासनिक अधिकारियों को पत्र लिखे हैं। इन पत्रों में इच्छा मृत्यु की मांग करते हुए सीधे तौर पर कुछ पुलिस अधिकारियों के नाम भी लिखे हैं और उन्हें साजिश में शामिल बताया है। पत्र में सपना ने आरोप लगाया है कि कोर्ट के आदेश के बावजूद उनकी ओर से की गई शिकायतों पर कोई जांच नहीं की गई। हालांकि पंढरीनाथ में दर्ज हुए प्रकरण में किन्नर सपना की अभी गिरफ्तारी नहीं हुई है। पंढरीनाथ थाना पुलिस द्वारा सपना किन्नर पर एफआईआर दर्ज किए जाने के बाद सपना ने पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह को एक पत्र सौंपा है। इसमें सपना ने बताया कि उसकी लगातार रैकी करवाई जा रही है और उनकी हत्या की साजिश रची जा रही है।

दिल्ली हाईकोर्टः सिर्फ आरोपों से नहीं रोका जा सकता मेंटेनेंस, पुख्ता सबूत जरूरी

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)।

दिल्ली हाईकोर्ट ने एक अहम फैसले में साफ कहा है कि बिना पक्के सबूत के सिर्फ व्यभिचार (एडल्टी) के आरोप लगाकर पत्नी को अंतरिम भरण-पोषण देने से इंकार नहीं किया जा सकता। यह फैसला घरेलू हिंसा से महिलाओं के संरक्षण कानून, 2005 (डीवी एक्ट) के तहत दिया गया है। जस्टिस स्वर्णा कांता शर्मा ने कहा कि इस कानून में ऐसा कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है, जो सिर्फ आरोपों के आधार पर महिला को राहत पाने से रोकता हो। दिल्ली कोर्ट ने कहा कि डीवी एक्ट की धारा 3 की व्याख्या के मुताबिक यह तय करते समय कि घरेलू हिंसा हुई है या नहीं, मामले के सभी तथ्यों और परिस्थितियों को देखना जरूरी है। यानी पत्नी के आचरण से जुड़े आरोप, जैसे व्यभिचार, जरूर एक महत्वपूर्ण पहलू हो सकते हैं, लेकिन इनका फैसला तभी हो सकता है जब सबूतों की सही जांच हो। सिर्फ आरोप लगा देने से सच्चाई तय नहीं हो जाती।

सेशन कोर्ट के आदेश को चुनौती

दिल्ली हाई कोर्ट में यह मामला उस याचिका से जुड़ा था, जिसमें पति ने मजिस्ट्रेट और सेशन कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उसे पत्नी को हर महीने 26 हजार रुपये अंतरिम भरण-पोषण देने को कहा गया था। पति का दावा था कि पत्नी किसी दूसरे व्यक्ति के साथ लिव-इन में रह रही है, इसलिए उसे डीवी एक्ट के तहत पीड़ित महिला नहीं माना जा सकता। उसने कुछ फोटो भी पेश किए, लेकिन पत्नी ने उन्हें फर्जी और छेड़छाड़ किया हुआ बताया।

हाईकोर्ट का अहम आदेश

दिल्ली हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि अंतरिम चरण में केवल आरोपों के आधार पर मेंटेनेंस रोकना सही नहीं होगा। हालांकि दोनों पक्षों द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों को देखते हुए कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट को निर्देश दिया कि डीवी एक्ट की धारा 12 के तहत लंबित याचिका का फैसला जल्द से जल्द, संभव हो तो एक साल के भीतर किया जाए।

सशर्त आदेश

साथ ही कोर्ट ने साफ किया कि अगर सुनवाई के बाद यह साबित हो जाता है कि पत्नी व्यभिचार में रह रही थी और मेंटेनेंस की हकदार नहीं थी, तो उसे अब तक मिली पूरी अंतरिम राशि 6 प्रतिशत ब्याज के साथ पति को लौटानी होगी। यह फैसला महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करते हुए भी न्याय की प्रक्रिया को संतुलित रखने का प्रयास है।

जम्मू-कश्मीर में 3 रेल प्रोजेक्ट रोके

सेब के 7 लाख पेड़ बचाने की कोशिश स्थानीय लोगों ने जताई थी आपत्ति

श्रीनगर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। रेल मंत्रालय ने जम्मू-कश्मीर में प्रस्तावित तीन परियोजनाओं को रोक दिया है। रेलवे ने दिसंबर 2023 में कश्मीर में तीन नई लाइनों के सर्वे को मंजूरी दी थी। ये रेल लाइनें थीं- सोपोर-कुपवाड़ा (33.7 किमी), अवंतीपोरा-शोपियां (27.6 किमी) और अनंतनाग-बिजबेहारा-पहलगाम (77.5 किमी)। हालांकि स्थानीय लोगों और सरकार की आपत्ति के बाद सर्वे रोक दिया गया है। मालूम हो, श्रीनगर से बारामूला तक एक ट्रैक मौजूद है। प्रस्तावित तीनों लाइन घाटी के प्रमुख बागवानी जिलों से गुजरने वाली थीं। इनमें शोपियां, पुलवामा, अनंतनाग शामिल हैं। किसान इसलिए विरोध कर रहे थे क्योंकि यहां ट्रैक बिछाए जाने से 7 लाख से अधिक सेब के पेड़ काटे जाते।

इतनी कृषि भूमि के नुकसान से हजारों परिवारों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो जाता। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का कहना है कि तीन रेल प्रोजेक्ट जम्मू-कश्मीर सरकार और सांसदों की सिफारिश के बाद फिलहाल रोक दिए गए हैं, ताकि सेब के बागानों को नुकसान से बचाया जा सके। जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला का कहना है कि मकसद अगर पहलगाम के रास्ते लद्दाख या शोपियां के जरिए राजौरी व पुंछ को जोड़ना होता, तो विचार कर सकते थे। रेल लाइन इन इलाकों को छूकर निकल जाती।

तीसरी बार बढ़ी घोटाले की जांच रिपोर्ट जमा करने की समय सीमा, पार्थ पवार को राहत नहीं

पुणे, 5 फरवरी (एजेंसियां)। पुणे में कथित जमीन घोटाले की जांच विकास खड़गे के नेतृत्व वाली समिति कर रही है। इस समिति ने अभी तक अपनी जांच रिपोर्ट सरकार को नहीं सौंपी है। वहीं महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के बेटे पार्थ पवार को राहत के सवाल पर कहा कि रिपोर्ट आने से पहले किसी को भी क्लीन चिट देने का कोई सवाल ही नहीं है।

पुणे के पॉश मुंडवा इलाके में 40 एकड़ जमीन 300 करोड़ रुपये में अमाडिया एंटरप्राइज एलएलपी को बेची गई थी, जिसमें पार्थ पवार एक प्रमुख पार्टनर हैं। यह मामला तब जांच के दायरे में आया जब पता चला कि यह प्लॉट सरकार का है और इसे बेचा नहीं जा सकता था। आरोप है कि फर्म को 21 करोड़ रुपये की स्टांप ड्यूटी से भी छूट दी गई थी। बावनकुले ने कहा कि समिति ने अपनी जांच रिपोर्ट जमा करने के लिए सरकार से आठ दिन का अतिरिक्त समय मांगा है। उन्होंने कहा रिपोर्ट अभी तक आधिकारिक तौर पर राज्य सरकार को नहीं सौंपी गई है। इसलिए, पार्थ पवार या किसी और को क्लीन चिट देने का कोई सवाल ही नहीं है। मैं लोगों से अपील करता हूं कि वे ऐसे गंभीर मुद्दे पर अटकलें न लगाएं और जनता को गुमराह न करें।

अतिरिक्त मुख्य सचिव (राजस्व) विकास खड़गे की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय समिति इस जमीन को बेचने में हुए खामियों की जांच कर रही है। यह पैनल नवंबर की शुरुआत में राजनीतिक विवाद के बीच बनाया गया था और शुरू में इसे पिछले साल 6 दिसंबर तक अपनी रिपोर्ट जमा करने के लिए कहा गया था। बाद में समिति की मांग पर डेडलाइन को दो बार बढ़ाया गया।

प्रिया कपूर की मुश्किलें बढ़ीं

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। कपूर बनाम कपूर संपत्ति विवाद मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने प्रिया कपूर को नोटिस जारी किया है। हाईकोर्ट ने संजय, प्रिया और वसीयत के डिजिटल रिकॉर्ड में शामिल अन्य लोगों के मोबाइल डिवाइस जब्ती के मामले में ये नोटिस जारी किया है। दरअसल, हाईकोर्ट के संयुक्त रजिस्ट्रार ने करिश्मा कपूर के बच्चों द्वारा संजय कपूर के कॉल डेटा रिकॉर्ड को सुरक्षित रखने की मांग वाली नई याचिकाओं पर भी नोटिस जारी किया है। बता दें कि करिश्मा कपूर के बच्चों ने तत्काल सुनवाई की मांग की, क्योंकि कॉल डेटा रिकॉर्ड एक साल के भीतर डिलीट हो सकता है।

तो वहीं प्रिया कपूर के वकील का कहना है कि वे जिन कॉल डेटा रिकॉर्ड की रिपोर्ट पर भरोसा कर रहे हैं, वे अब डिलीट हो चुकी हैं और अविश्वसनीय तथा फर्जी हैं। हाईकोर्ट ने प्रिया को दो सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा है और सुनवाई की तारीख 26 फरवरी तय की। अदालत ने प्रिया के वकीलों को अधिक समय देने की याचिका खारिज कर दी, जिससे उनकी मुश्किलें बढ़ गई हैं।

करिश्मा के बच्चों की ओर से पेश हुए अधिवक्ता शांतनु अग्रवाल ने पूछा कि अगर वसीयत इतनी प्रामाणिक है तो वे इसकी जांच का विरोध क्यों कर रहे हैं? अदालत ने वसीयत की फॉरेंसिक जांच के लिए भी 26 फरवरी की तारीख तय की है, यह देखते हुए कि रानी कपूर ने भी कथित वसीयत की फॉरेंसिक जांच के लिए इसी तरह का आवेदन दायर किया है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने रानी कपूर की वसीयत की फॉरेंसिक जांच की मांग वाली नई याचिका पर भी नोटिस जारी किया है।

विचार: चिन्ताग्रस्त व्यक्ति मृत्यु से पहले कई बार मरता है

एसआईआर से पूर्व राजनीतिक दलों से बीएलए नियुक्त करने की अपील : सी. सुदर्शन रेड्डी

> कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रहे

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन–एसआईआर) के मद्देनज़र राजनीतिक दलों से प्रत्येक मतदान केंद्र पर कम से कम एक बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) नियुक्त करने का आग्रह किया गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) सी. सुर्दशन रेड्डी ने कहा कि इस प्रक्रिया में सशक्त बूथ-स्तरीय समन्वय की अहम भूमिका होगी।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए श्री सुर्दशन रेड्डी ने कहा कि बीएलए को यथासंभव संबंधित मतदान केंद्र के स्थानीय क्षेत्र से नियुक्त किया जाना चाहिए तथा उन्हें बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के साथ निकट समन्वय में कार्य करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदान केंद्र पर कम से कम एक बीएलए की नियुक्ति से मतदाता सूची के पुनरीक्षण में शुद्धता, पारदर्शिता और समयबद्ध शिकायत निवारण सुनिश्चित किया जा सकेगा। सीईओ ने बताया कि वर्तमान में देश के 12 राज्यों में एसआईआर की प्रक्रिया जारी है तथा शेष राज्यों, जिनमें तेलंगाना भी शामिल है, के लिए कार्यक्रम अप्रैल–मई 2026 के दौरान घोषित किए जाने की संभावना है। सीमित समय को ध्यान में रखते हुए राज्य में इसकी पूर्व तैयारियां पहले ही आरंभ कर दी गई हैं। पूर्व तैयारी के तहत वर्ष 2025 की मतदाता सूची में दर्ज मतदाताओं को वर्ष 2002 के एसआईआर के दौरान शामिल मतदाताओं से जोड़ने के लिए टेबल-टॉप मैपिंग की गई है। इसके बाद क्षेत्र स्तर पर मैपिंग का कार्य किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत बूथ लेवल अधिकारी विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में घर-घर जाकर निवास की पहचान एवं सत्यापन कर रहे हैं। एसआईआर के दौरान बीएलओ द्वारा प्रत्येक मतदान क्षेत्र में तीन से चार बार भ्रमण किए जाने की संभावना है। पहले दौर में गणना प्रपत्र वितरित किए जाएंगे, जबकि बाद के दौरों में पहले अनुपस्थित पाए गए परिवारों को कवर किया जाएगा।

सीईओ ने स्पष्ट किया कि जो मतदाता प्रारंभिक मैपिंग के दौरान शामिल नहीं हो पाते हैं, वे एसआईआर के दौरान अपनी जानकारी उपलब्ध करा सकेंगे। राजनीतिक दलों की भूमिका पर बल देते हुए श्री सुर्दशन रेड्डी ने सभी दलों से आग्रह किया कि वे शीघ्र सभी मतदान केंद्रों के लिए बीएलए की नियुक्ति सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि प्रभावी बूथ-स्तरीय सहभागिता से बेहतर समन्वय स्थापित होगा, शिकायतों में कमी आएगी और यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची से वंचित न रहे। बैठक में अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी वासम वेंकटेश्वर रेड्डी, उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी हरि सिंह तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

जब वकील असुरक्षित होते हैं, तब संविधान खतरे में : डॉ. राजेश

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले के चेवेल्ला न्यायालय में कार्यरत अधिवक्ता स्वप्ना की हत्या ने कानून व्यवसायियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. करनम राजेश कुमार ने इसे भारत की संवैधानिक व्यवस्था के लिए सीधा खतरा बताया है। एक कड़े बयान में डॉ. राजेश कुमार ने कहा कि अधिवक्ता लोकतंत्र के महत्वपूर्ण स्तंभ और न्याय के अग्रिम प्रहरी होते हैं।

उन्होंने चेतावनी दी कि वकीलों पर हमले न्याय वितरण प्रणाली को कमजोर करते हैं और संवैधानिक शासन में जनता के विश्वास को चोट पहुंचाते हैं। उन्होंने कहा कि देश में अभी तक कोई व्यापक अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम नहीं है, जबकि देशभर के पांच लाख से अधिक अधिवक्ता लंबे समय से ऐसे कानून की मांग कर रहे हैं। ब्राज़ील, मैक्सिको, कोलंबिया, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और फ्रांस जैसे देशों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि वहां वकीलों की सुरक्षा के लिए विशेष कानून या तंत्र मौजूद हैं।

नगर निकाय चुनावों को सर्वोच्च प्राथमिकता दें : रेवंत रेड्डी

सरकारी डिग्री कॉलेज की स्थापना के लिए शिलान्यास

करीमनगर, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कांग्रेस नेताओं से आह्वान किया कि वे नगर निकाय चुनावों को अत्यंत महत्वपूर्ण मानते हुए पार्टी प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित करने के लिए पूरी गंभीरता से कार्य करें। गुरुवार को करीमनगर जिले के गुमलापुर गांव में करीमनगर नगर निगम और चोप्पादांडी नगरपालिका के कांग्रेस प्रत्याशियों के साथ संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ये चुनाव मूल रूप से कार्यकर्ताओं के चुनाव हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक पार्टी कार्यकर्ताओं को उचित स्थान नहीं दिया जाएगा, तब तक पार्टी सशक्त नहीं हो सकती।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पार्टी नेताओं को इस चुनाव को पूरी गंभीरता से लेना चाहिए और कांग्रेस प्रत्याशियों की सफलता के लिए प्रतिबद्ध रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वोट परिणाम को प्रभावित करता है और जिन नेताओं को टिकट नहीं मिला है, उनके साथ भी समन्वय बनाकर चलना आवश्यक है। रेवंत रेड्डी ने पूर्ववर्ती बीआरएस सरकार पर पात्र लाभार्थियों को राशन कार्ड उपलब्ध न कराने का आरोप लगाया। इसके विपरीत उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने तेलंगाना में सभी पात्र लोगों को राशन कार्ड देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य सरकार ने गरीबों के लिए इंदिरम्मा आवास योजना तथा महिलाओं के लिए आरटीसी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा लागू की है। इसके उपरांत मुख्यमंत्री ने करीमनगर जिले के चोप्पादांडी विधानसभा क्षेत्र में कई विकास कार्यों का शिलान्यास किया। रामदुगु में 45.15 करोड़ की लागत से उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्र तथा गंगाधरा मंडल के मदुरानगर में 5 करोड़ की लागत से सरकारी डिग्री कॉलेज की स्थापना के लिए शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव, श्रीधर बाबू, पोन्नम प्रभाकर, अदलुरी लक्ष्मण कुमार सहित विधायक एवं विधान परिषद सदस्य उपस्थित थे।

किशन रेड्डी का तेलंगाना सरकार पर कड़ा हमला, उठाए कई सवाल

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने गुरुवार को तेलंगाना में कांग्रेस सरकार पर कड़ा हमला किया, और पिछले बीआरएस शासन के दौरान कथित भ्रष्टाचार के मामले में निर्णायक कार्रवाई न करने पर सवाल उठाए। मुशीराबाद के फंक्शन हॉल में एक सभा को संबोधित करते हुए किशन रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस, जो सत्ता में आने से पहले पूर्व मुख्यमंत्री, मंत्रियों और विधायकों के कथित भ्रष्टाचार की जांच का वादा करती रही, अब 26 महीने सत्ता में रहने के बाद अपनी कार्रवाई स्पष्ट करे।

उ न्हों ने पावर प्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से आरोप लगाया कि गंभीर मामलों के बावजूद, जिसमें फोन टैपिंग विवाद भी शामिल है, सरकार ने केवल सीमित कार्रवाई की।

उन्होंने दावा किया कि उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों, फिल्म हस्तियों, मीडिया मालिकों, पत्रकारों और राजनीतिक नेताओं के फोन पिछली सरकार में टेप किए गए थे। किशन रेड्डी ने आरोप लगाया कि सरकार ने केवल एक पुलिस अधिकारी को दोषी ठहराया जबकि , सच्चे अपराधियों को संरक्षण मिला और केवल एक अधिकारी की पदावनति को बड़ी कार्रवाई बताया गया। उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस और बीआरएस नेतृत्व के बीच कथित राजनीतिक समझौते का भी जिक्र किया, जिससे सख्त कार्रवाई रोकी जा रही है। कांग्रेस के पक्ष में पार्टी दलबदल पर ध्यान आकर्षित करते हुए उन्होंने कहा कि कई बीआरएस नेता, जो नगरपालिका परिषद, उपाध्यक्ष और नगरपालिका अध्यक्ष के रूप में बीआरएस के टिकट पर जीते, अंततः कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों पार्टियां मूल रूप से एक जैसी हैं और मतदाताओं से आग्रह किया कि वे दोनों पार्टियों को समर्थन देने पर पुनर्विचार करें।

'हार्वर्ड' टिप्पणी से तेलंगाना की राजनीति में नया विवाद

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री एवं बीआरएस नेता जी. जगदीश रेड्डी ने गुरुवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर तीखा हमला करते हुए उन पर "अज्ञानता" प्रदर्शित करने और मुख्यमंत्री पद की गरिमा के विपरीत भाषा का प्रयोग करने का आरोप लगाया। मीडिया से बातचीत में जगदीश रेड्डी ने मिर्यालगुड़ा में दिए गए मुख्यमंत्री के भाषण की आलोचना करते हुए कहा कि सार्वजनिक मुद्दों पर चर्चा करने के बजाय वे अपमानजनक और उकसाने वाली भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने हार्वर्ड विश्वविद्यालय का उल्लेख करते हुए कहा कि आमतौर पर शिक्षा से ज्ञान बढ़ता है, लेकिन रेवंत रेड्डी ने वहां जाकर 'जो ज्ञान था, वह भी खो दिया।' बीआरएस नेता ने कांग्रेस सरकार पर निराधार आरोप लगाने और शासन से जुड़े मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने का आरोप लगाया।

ऑल इंडिया पुलिस फुटबॉल चैंपियनशिप की तैयारियों की डीजीपी ने की समीक्षा

> 74वीं बी.एन. मलिक मेमोरियल 25 मार्च से हैदराबाद में

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिस द्वारा आयोजित की जा रही 74वीं बी.एन. मलिक मेमोरियल ऑल इंडिया पुलिस फुटबॉल चैंपियनशिप के आयोजन को लेकर राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) बी. शिवधर रेड्डी ने गुरुवार को अपने कार्यालय में संबंधित पुलिस अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

बैठक के दौरान डीजीपी ने प्रतियोगिता की तैयारियों की विस्तार से जानकारी ली और आयोजन को प्रतिष्ठापूर्वक संपन्न कराने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि यह मेगा फुटबॉल टूर्नामेंट 23 मार्च से 5 अप्रैल तक हैदराबाद में आयोजित किया जाएगा। प्रतियोगिता में देशभर के विभिन्न राज्यों एवं केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की 53 टीमें भाग लेंगी, जिनमें लगभग 2100 खिलाड़ी और अधिकारी शामिल होंगे। डीजीपी ने बताया कि सभी टीमें 23 मार्च को हैदराबाद पहुंचेंगी, जबकि 25 मार्च को अपराह्न 3 बजे गच्चीबौली स्थित जीएमसी बालयोगी स्टेडियम में उद्घाटन समारोह आयोजित किया जाएगा। प्रतियोगिताओं के लिए शहर एवं आसपास के विभिन्न खेल मैदानों का निरीक्षण कर उन्हें मैचों और अभ्यास सत्रों के लिए चिन्हित किया गया है।

गच्चीबावली स्टेडियम तथा तेलंगाना पुलिस अकादमी सहित अन्य मैदानों में मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आयोजन को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए विभिन्न समितियां गठित की गई हैं तथा खिलाड़ियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए आवास और परिवहन की पुख्ता व्यवस्था की गई है। डीजीपी ने जानकारी दी कि 5 अप्रैल को फाइनल मुकाबले के बाद समापन समारोह आयोजित किया जाएगा। साथ ही फुटबॉल खिलाड़ियों के बीच एक एग्जीबिशन मैच आयोजित करने की संभावना पर भी विचार किया जा रहा है। बैठक के दौरान डीजीपी ने पिछले वर्ष 73वीं बी.एन. मलिक ऑल इंडिया पुलिस फुटबॉल चैंपियनशिप का आयोजन करने वाले त्रिपुरा राज्य का दौरा कर लौटे पुलिस अधिकारियों से भी उनके अनुभवों की जानकारी ली। डीजीपी ने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने की इच्छुक टीमें 10 फरवरी से 10 मार्च तक ऑल इंडिया पुलिस स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड के आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकती हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि यह प्रतियोगिता देशभर के पुलिस बलों के बीच खेल भावना और एकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उच्चतम स्तर पर आयोजित की जाए। इस समीक्षा बैठक में आरबीवीआरआर तेलंगाना पुलिस अकादमी की निदेशक श्रीमती अभिलाषा बिष्ट, साइबराबाद पुलिस आयुक्त एम. रमेश, हैदराबाद अतिरिक्त पुलिस आयुक्त तफसीर इकबाल, आईजीपी (स्पोर्ट्स) गजरावु भूपाल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

महिला अधिवक्ता की हत्या में भाई समेत 4 गिरफ्तार

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मोइनाबाद पुलिस ने 34 वर्षीय महिला अधिवक्ता जी. स्वप्ना की निर्मम हत्या के मामले में पीड़िता के भाई समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, यह हत्या लंबे समय से चले आ रहे संपत्ति विवाद के चलते की गई थी। गिरफ्तार आरोपियों में स्वप्ना का भाई जी. राजू तथा उसके साथी ई. संदीप, वी. वीरेशम और के. शिवलिंगम शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि हत्या की साजिश राजू ने पहले से रची थी और अपने तीन साथियों की मदद से उसने वारदात को अंजाम दिया। चेवेल्ला कोर्ट में प्रैक्टिस करने वाली अधिवक्ता स्वप्ना की बुधवार सुबह मोइनाबाद के केथिरेड्डीपल्ली गांव में सर्वे नंबर 339 स्थित चार एकड़ भूमि को लेकर हुए विवाद के दौरान हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार, स्वप्ना खेत में भूमि सर्वेक्षण कार्य की निगरानी के लिए गई थी, तभी आरोपियों ने उसे रोक लिया।

आरोप है कि हमलावरों ने पहले कार से उसे टक्कर मारने का प्रयास किया और फिर पत्थरों व लाठियों से हमला किया। इसके बाद धारदार हथियार से गला काटकर उसकी हत्या कर दी गई। वारदात के बाद आरोपी कार और स्कूटर से फरार हो गए। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि स्वप्ना और उसके भाई के बीच पैतृक कृषि भूमि के बंटवारे को लेकर कई वर्षों से विवाद चल रहा था। इसी विवाद के चलते हत्या की गई। मोइनाबाद पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और किसी अन्य साजिश की संभावना से भी इनकार नहीं किया है। पुलिस ने आरोपियों से एक कार, एक स्कूटर, मोबाइल फोन तथा हत्या में प्रयुक्त हंसिया बरामद किया है। इस घटना के विरोध में वकीलों में भारी आक्रोश देखा गया। चेवेल्ला सहित आसपास की अदालतों में वकीलों ने न्यायिक कार्य का बहिष्कार किया और मोइनाबाद पुलिस स्टेशन के सामने प्रदर्शन करते हुए आरोपियों को कड़ी सजा देने तथा महिला अधिवक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, NK DUDEKULA DASTAGIRI , R/O: H.NO.5-74/1, M V NAGAR, ALLAGGADDA, NANDYAL, ANDHRA PRADESH -518543, have changed my Son's name from D NANDA KISHORE to DUDEKULA NANDAKISHORE vide Affidavit dt.04-02-2026 AT Hyderabad

I, D DASTAGIRAMMA, W/O: NK DUDEKULA DASTAGIRI , R/O: H.NO.5-74/1, M V NAGAR, ALLAGGADDA, NANDYAL, ANDHRA PRADESH -518543, have changed my name from D DASTAGIRAMMA to DUDEKULA DASTAGIRAMMA and my Date of Birth is : 07-07-1984 vide Affidavit dt.04-02-2026 AT Hyderabad

वधू चहिए

हैदराबाद, लंगर हाउस के 37 वर्षीय उच्च शिक्षित, सुन्दर, सुशील व सम्पन्न परिवार के लड़के कोहिन्दी भाषी, शुद्ध शाकाहारी, मध्यम वर्गीय परिवार की (तलाकशुदा भी चलेगी) वधू की आवश्यकता है। संपर्क करें - 9618518007, 7799578717.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

मुख्यमंत्री के दौरे से पहले नेताओं की एहतियाती हिरासत

करीमनगर, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के दौरे को लेकर गुरुवार को करीमनगर जिले में पुलिस ने एहतियाती कदम उठाते हुए विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं को हिरासत में लिया। मुख्यमंत्री का चोप्पाडंडी विधानसभा क्षेत्र में कई विकास कार्यक्रमों में भाग लेने और गुमलापुर में एक जनसभा को संबोधित करने का कार्यक्रम है। पुलिस ने किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से बचने के लिए बुधवार रात से ही राजनीतिक गतिविधियों पर नजर तेज कर दी और अलग-अलग दलों के नेताओं को एहतियाती हिरासत में लिया।

आरजीआईए पर डॉक्टर के सामान से जिंदा कारतूस बरामद

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को शमशाबाद स्थित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नियमित सुरक्षा जांच के दौरान सुरक्षा अधिकारियों ने एक डॉक्टर के सामान से कथित तौर पर 50 कारतूस बरामद किए। हालांकि दस्तावेजों के सत्यापन के बाद उन्हें चेतावनी देकर जाने की अनुमति दे दी गई। जानकारी के अनुसार, हैदराबाद निवासी डॉ. मोहम्मद अब्दुल खदीर खान एक निजी अस्पताल में कार्यरत हैं और चेन्नई जाने वाली उड़ान से यात्रा करने के लिए हवाई अड्डे पहुंचे थे। सुरक्षा जांच के दौरान उनके सामान में छिपाकर रखे गए कारतूस पाए गए।

सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि बरामद कारतूसों में 25 जिंदा कारतूस और 0.22 एमएम कैलिबर के 25 इस्तेमाल किए हुए कारतूस शामिल थे। इसके बाद डॉक्टर को रोककर पूछताछ की गई। डॉ. खान ने अधिकारियों के सामने गोला-बारूद से संबंधित वैध दस्तावेज प्रस्तुत किए और कहा कि अनजाने में लापरवाही के कारण कारतूस उनके सामान में रह गए थे। उन्होंने इस चूक के लिए लिखित माफीनामा भी दिया और किसी भी तरह की दुर्भावना से इनकार किया।

सीएम को केसीआर का आभारी होना चाहिए : भास्कर

नालगोंडा, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के पूर्व विधायक एन. भास्कर राव ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर तीखा पलटवार करते हुए बीआरएस अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव के खिलाफ की गई टिप्पणियों और जनता से किए गए छह वादों को पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाया है।

भास्कर राव ने कहा कि बुधवार को नालगोंडा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने के. चंद्रशेखर राव के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं। इस पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मिरयालगुडा के पूर्व विधायक ने कहा कि रेवंत रेड्डी को यह नहीं भूलना चाहिए कि केसीआर के संघर्ष और तेलंगाना राज्य के गठन के लिए किए गए प्रयासों के कारण ही उन्हें मुख्यमंत्री बनने का अवसर मिला है। उन्होंने एक बयान में कहा, "असल में रेवंत रेड्डी को के. चंद्रशेखर राव का आभारी होना चाहिए।" भास्कर राव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार जनता से किए गए वादों को पूरा करने में पूरी तरह नाकाम रही है। उन्होंने कहा कि सरकार अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए ध्यान भटकाने की राजनीति और विरोधियों पर कीचड़ उछालने का सहारा ले रही है।

'अपने पुलिस आयुक्त से मिलें' कार्यक्रम की शुरुआत

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने 'अपने पुलिस आयुक्त से मिलें' नामक एक जनसंपर्क कार्यक्रम की शुरुआत की है। इस पहल के तहत सभी वर्गों के नागरिकों को आयुक्त से सीधे बातचीत कर अपनी चिंताओं, शिकायतों और सुझावों को साझा करने का अवसर मिलेगा।

कार्यक्रम के अनुसार, नागरिक सभी कार्यदिवसों में दोपहर 2 बजे से हैदराबाद शहर पुलिस मुख्यालय स्थित टीजीआईसीसीसी, बंजारा हिल्स में पुलिस आयुक्त से मिल सकते हैं। इसके अलावा, स्थानीय निवासियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक शुक्रवार को यह संवाद पुराने शहर के पुरानी हवेली क्षेत्र में स्थित कोटवाल हाउस में आयोजित किया जाएगा। हैदराबाद पुलिस अधिकारियों ने नागरिकों से इस पहल का अधिकतम लाभ उठाने और पुलिस के सहयोग से अपनी समस्याओं के समाधान के लिए आगे आने की अपील की है।

ऐतिहासिक कैंडल स्टार संरचना को एशिया व इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स की मान्यता

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पश्चिम गोदावरी जिले के तनुकु में आयोजित एक ऐतिहासिक कैंडललाइट कार्यक्रम के आयोजकों को एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स से सम्मानित किया गया है।

यह सम्मान 15 दिसंबर 2025 को मोमबत्तियों के माध्यम से सबसे बड़ी मानव सितारा आकृति बनाने के सफल प्रयास के लिए प्रदान किया गया। रिकॉर्ड प्रमाणपत्र हैदराबाद के पोचारम में आयोजित समारोह में संयुक्त आंध्र प्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नोएल स्वर्णजीत सेन (आईपीएस) तथा आशीर्वाद ग्लोबल लर्निंग सेंटर के संस्थापक डॉ. जे. चिरंजीवी द्वारा प्रदान किए गए। आयोजन समिति की ओर से आरटी. रेव. बिशप डॉ. मैथ्यू मेघर और रेव. ओ. मनोज बॉब ने यह सम्मान ग्रहण किया। इस अवसर पर रेव. जी. टिमोथी राजू, बिशप बी. डेविड राजू, रेव. ए. सैम बॉब, रेव. आर. सैलमन जोसेफ, रेव. ई. विजय प्रसाद सहित कई प्रमुख सहयोगी भी उपस्थित रहे। यह आकर्षक मानव संरचना एकता, शांति और सामूहिक उत्तरदायित्व का प्रतीक बनी, जिसे गणमान्य व्यक्तियों और रिकॉर्ड संस्थाओं से व्यापक सराहना मिली। आयोजकों ने स्वयंसेवकों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि सामूहिक प्रयास और सामाजिक चेतना को प्रेरित करने वाली है।

पति की पिटाई से पत्नी की मौत

बांका, 5 फरवरी (एजेंसियां)। बांका में पति की पिटाई से महिला की मौत हो गई है। मामला कटोरिया थाना क्षेत्र के भोलाडीह गांव की है। रात झारखंड के देवघर में इलाज के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया। मृतका की पहचान भोलाडीह निवासी शंभू यादव की पत्नी बबीता देवी (24) के रूप में हुई है। मृतका के मायके वालों ने पति सहित ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया है। झुनझुनियां गांव के निवासी मृतका के पिता पप्पू यादव ने बताया कि उनकी बेटी बबीता देवी का पति शंभू यादव दूसरे बच्चे के जन्म के बाद से ही उसके साथ हिंसक तरीके से वर्ताव कर रहा था। शंभू यादव अक्सर बबीता पर गैर पुरुष से बातचीत करने का आरोप लगाकर मारपीट करता था। परिजनों ने कई बार पारिवारिक स्तर पर समझौता कराने का प्रयास किया, लेकिन मारपीट जारी रही। बबीता की मौत की सूचना मिलते ही पिता पप्पू यादव अन्य परिजनों के साथ शव लेकर कटोरिया थाना पहुंचे।

राहुल का नाम सुनते ही लटपटा गए तेज प्रताप

पीएम मोदी की तारीफ में नहीं की कोई गलती

पटना, 5 फरवरी (एजेंसियां)।

जनशक्ति जनता दल के नेता तेज प्रताप यादव अपने बयानों और अनोखे अंदाज के चलते बिहार की सुर्खियों में बने रहते हैं। हालांकि इस बार तेज प्रताप यादव अपनी भूल की वजह से चर्चा में आ गए। दरअसल संसद से विपक्ष के 8 सांसदों को सस्पेंड किए जाने और राहुल गांधी को संसद में न बोलने दिए जाने के आरोप पर तेज प्रताप यादव से प्रतिक्रिया ली गई। इसी दौरान तेज प्रताप यादव ने अटपटा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि 'राहुल गांधी को खुद को संसद से सस्पेंड कर देना चाहिए।'

राहुल गांधी को खुद को सस्पेंड कर देना चाहिएः तेज प्रताप

राहुल गांधी के मुद्दे पर बोलते हुए तेज प्रताप यादव शायद भूल गए कि राहुल गांधी सत्ता में नहीं है। वे विपक्षी दल के नेता हैं। तेज प्रताप ने कहा कि 'कौन किसको सस्पेंड कर रहा है? राहुल गांधी जी खुद क्यों नहीं हो जा रहे सस्पेंड? उनको खुद अपने आप को सस्पेंड कर देना चाहिए। सब लोग को सस्पेंड कर रहे हैं। सबसे पहले वही सस्पेंड हो जाए।'

पीएम मोदी देश को क्यों बेचेंगे, राहुल गांधी बेच रहेः तेज प्रताप

लालू परिवार के 'बेदखल' तेज प्रताप यादव यहीं नहीं रुके, उन्होंने राहुल गांधी पर देश को बेचने का भी आरोप लगा दिया। तेज प्रताप यादव से सवाल किया गया कि- राहुल गांधी ने कहा है कि अमेरिका से समझौता कर प्रधानमंत्री नरेंद्र ने देश को बेच दिया है? इस पर तेज प्रताप ने पीएम मोदी का एक तरह से बचाव करते हुए तपाक से कहा कि वो देश को क्यों बेचेंगे, जो बेच रहा है वो सदन में है। राहुल गांधी देश को बेच रहा है। वो (पीएम मोदी) क्यों बेचेंगे? वो अच्छा काम कर रहे हैं।'

वृंदावन घूमने के लिए निशांत को मेरी शुभकामनाएंः तेज प्रताप

वहीं निशांत कुमार के वृंदावन दौरे पर प्रतिक्रिया देते हुए तेज प्रताप यादव ने कहा कि निशांत जी को और पहले वृंदावन जाना चाहिए था। वृंदावन, मथुरा, बरसाना, नंदगांव हम तो पहले ही घूम चुके हैं। वो अभी घूमना चालू किए हैं। पहले घूमे होते तो उनके चेहरे और ललाट पर और तेज झलकता। अच्छी बात है वो वृंदावन गए हैं। उनको मेरी शुभकामनाएं। वो घूमे वृंदावन।'

चाइनीज मांझे पर सीएम का सख्त एक्शन, पूरे प्रदेश से किया बैन

लखनऊ, 5 फरवरी (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ के बाजारखाला में चीनी मांझे में फंसकर एक युवक की मौत के बाद प्रदेश की योगी सरकार ने सख्त निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य में चीनी मांझे के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में पुलिस अधिकारियों को पूरे राज्य में छापेमारी करने का निर्देश दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि चीनी मांझे से होने वाली मौतों को हत्या माना जाएगा। पूरे राज्य में की गई कार्रवाई की उच्च स्तर पर समीक्षा की जाएगी। बाजारखाला में पतंग की डोर से एक युवक का गला रेत गया।

इस दौरान गले की नस कट जाने से युवक की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं, कुछ दिन पहले हवा में उड़ती पतंग के तार के हाईटेंशन लाइन पर गिर जाने से मेट्रो मेट्रो ट्रेनें जहां की तहां रुक गई थीं। वृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चीनी मांझे के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है और इसके कारण होने वाली मौतों को हत्या की श्रेणी में रखा जाएगा। मांझे के इस्तेमाल पर रोक के लिए पूरे राज्य में कार्रवाई की जाएगी जिसकी उच्चस्तर पर समीक्षा करने का निर्देश दिया गया है।

'ममता बनर्जी झांसी की रानी, उन्हें लड़ना आता है'

पश्चिम बंगाल की सीएम के समर्थन में उतरे पप्पू यादव

पटना, 5 फरवरी (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बीते दिनों दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त से मुलाकात की। ममता बनर्जी की इस मुलाकात को लेकर बीजेपी ने सवाल उठाते हुए पूछा कि जब पश्चिम बंगाल में एसआईआर की प्रक्रिया चल रही है, तो मुख्यमंत्री दिल्ली क्यों गईं? इधर पूर्णिया सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने ममता बनर्जी की समर्थन करते हुए उनकी तुलना झांसी की रानी से कर दी। ममता बनर्जी को 'झांसी की रानी' बताते हुए कहा कि 'ममता बनर्जी झांसी की रानी हैं। वो लड़ाकू हैं, वो लड़ना जानती हैं। लगता है जैसे देश में एक ही मर्द पैदा हुआ है।' बता दें, झांसी की रानी लक्ष्मीबाई थीं। उन्होंने 'मैं अपनी झांसी नहीं दूंगी' के नारे के साथ अंग्रेजो के सामने घुटने टेकने से इनकार कर दिया और युद्ध में वीरगति पायी थी।

दोबारा सत्ता में नहीं लौट पाएंगी ममता बनर्जीः दिलीप घोष

पूर्णिया सांसद से पहले बीजेपी नेता दिलीप घोष ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के दिल्ली दौरे को लेकर निशाना साधा था। दिलीप घोष ने कहा था कि जब पश्चिम बंगाल में एसआईआर की प्रक्रिया चल रही है, तो ममता दीदी दिल्ली क्यों गईं? उन्होंने दावा किया कि ममता बनर्जी को समझ आ गया है कि अगर एसआईआर सही तरीके से हुआ, तो वह दोबारा सत्ता में नहीं लौट पाएंगी। इसी वजह से वह दिल्ली जाकर 'ड्रामा' कर रही हैं।

पश्चिम बंगाल में भी एसआईआर पूरा होगाः बीजेपी नेता

दिलीप घोष ने कहा कि जैसे चुनाव आयोग ने बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा किया था, वैसे ही पश्चिम बंगाल में भी किया जाएगा। बिहार जैसे ही नतीजे पश्चिम बंगाल में भी देखने को मिलेंगे।

सनकी छात्र ने शिक्षिका के होंठ काटे, मैनपुरी में एकतरफा प्यार में हैवानियत

मैनपुरी, 5 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। एकतरफा प्यार की सनक में एक छात्र ने हैवानियत की सारी हदें पार कर दीं। कक्षा 12 के छात्र ने अपनी शिक्षिका पर धारदार हथियार से हमला कर उनके दोनों होंठ काट दिए। गंभीर रूप से घायल शिक्षिका को आगरा रेफर किया गया है। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। इस मामले में पुलिस ने आरोपी छात्र पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दरअसल,मैनपुरी के कोतवाली क्षेत्र में कक्षा 12 का छात्र अखंड प्रताप सिंह अपनी ही टीचर से स्कूल में छेड़छाड़ करने लगा। जब इस बात की शिकायत छात्र के परिवार से की गई,तो कुछ समय के लिए सब ठीक रहा। लेकिन छात्र की हरकतें फिर से शुरू हो गईं।आखिरकार, परेशान होकर टीचर ने स्कूल छोड़ दिया और दूसरे स्कूल में नौकरी करने लगीं।

हमले के आरोप में घायलों का हालचाल जाना धनंजय ने

दरभंगा, 5 फरवरी (एजेंसियां)। दरभंगा में अनुसूचित जाति-जनजाति आयोग के अध्यक्ष धनंजय कुमार उर्फ मृणाल पासवान ने दरभंगा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (डीएमसीएच) का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कुशेश्वरस्थान थाना क्षेत्र के हरीनगर गांव में हुई मारपीट की घटना में घायल एससी-एसटी समुदाय के मरीजों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। अध्यक्ष ने अस्पताल अधीक्षक व चिकित्सकों से घायलों के इलाज की विस्तृत जानकारी ली। मरीजों ने बताया कि बकाया मजदूरी की मांग करने पर उन पर हमला किया गया, जिससे वे भयभीत हैं। वहीं परिजनों ने दवाओं के लिए बाहर से पैसे खर्च करने, बेड न मिलने, भोजन की खराब गुणवत्ता और समय पर खाना न मिलने जैसी गंभीर शिकायतें रखीं।

निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष ने डीएमसीएच के पुरुष व महिला वार्ड, इमरजेंसी सहित अन्य विभागों का भी दौरा किया। उन्होंने मरीजों से सीधे संवाद कर दवा, सफाई और भोजन व्यवस्था की स्थिति जानी और संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए। जाति-जनजाति आयोग के अध्यक्ष धनंजय कुमार उर्फ मृणाल पासवान ने स्पष्ट कहा कि एससी-एसटी समुदाय के मरीजों को सरकारी अस्पतालों में बेहतर सुविधा मिलना उनका अधिकार है। उन्होंने निर्देश दिया कि घायलों को जल्दबाजी में डिस्चार्ज न किया जाए तथा गंभीर रूप से घायल बच्चे के पैर में रॉड लगने तक इलाज जारी रखा जाए। लापरवाही पाए जाने पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई।

यूपी में एसआईआर के आखिरी दो दिनों से पहले बड़ा फैसला, सभी 403 विधानसभा सीटों पर होगा लागू

लखनऊ, 5 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 अभियान के अंतर्गत प्रदेश के सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाताओं की सुविधा के लिए प्रत्येक मतदान केंद्र पर मतदाता सहायता केन्द्र स्थापित किए जाएंगे। इस संबंध में समस्त जिला निर्वाचन अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत 06 जनवरी, 2026 को आलेख्य मतदाता सूची प्रकाशित की जा चुकी है, तथा 06 जनवरी 2026 से ही दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की जा रही हैं। मुख्य निर्वाचनी अधिकारी कार्यालय द्वारा इस संबंध में सभी जिलों को पत्र जारी कर निर्देश दिए गए।

इस प्रक्रिया को मतदाताओं के लिए अधिक सुगम और सुलभ बनाने के उद्देश्य से मतदान केंद्रों पर मतदाता सहायता केन्द्र स्थापित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। इससे मिल रहीं तमाम शिकायतों पर रोक के साथ ही मतदाताओं की दिक्कतें कम होंगी।

बीएलओ की मौजूदगी अनिवार्य

मतदाता सहायता केन्द्रों पर प्रत्येक कार्य दिवस में पूर्वाह्न 10 बजे से मध्याह्न 12 बजे तक संबंधित बूथ लेवल अधिकारी की उपस्थिति अनिवार्य होगी। बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) के पास 06 जनवरी 2026 को प्रकाशित आलेख्य मतदाता सूची (ड्राफ्ट लिस्ट), पिछले विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण 2003 की अन्तिम मतदाता सूची तथा मृतक, स्थानांतरित, अनुपस्थित एवं दोहरी प्रविष्टि की सूची भी उपलब्ध रहेगी। साथ ही पर्याप्त मात्रा में फार्म-6, 7, 8 और घोषणा पत्र भी उपलब्ध रहेंगे। मतदाता सहायता केन्द्र पर 2003 की मतदाता सूची से मैपिंग और फार्म-6, 7, 8 को भरने में बूथ लेवल अधिकारी द्वारा पात्र नागरिकों को सहायता प्रदान किये जाने हेतु भी निर्देश दिए गए हैं।

सीधे इटावा के डीएम ऑफिस पहुंच गए शिवपाल यादव और फिर डीएम शुभ्रांत कुमार शुक्ल ने किया ये काम

इटावा, 5 फरवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव इटावा के जिलाधिकारी (डीएम) कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने बीएलओ (बीएलओ) के साथ हुई मारपीट और मतदाता सूची में गड़बड़ी को लेकर प्रशासन को कड़ी चेतावनी दी। शिवपाल यादव के साथ बीएलओ अश्विनी कुमार भी मौजूद थे। अश्विनी कुमार का आरोप है कि भाजपा के मंडल अध्यक्ष ध्रुव कठेरिया और उनके समर्थकों ने उनके साथ मारपीट की और उन्हें जूता मारा।

बीएलओ ने आरोप लगाया कि उन पर 'फॉर्म 7' (वोट कटवाने वाला फॉर्म) पर जबरन हस्ताक्षर करने का दबाव बनाया गया और मोबाइल छीनने की कोशिश की गई। आपको बता दें कि शिवपाल यादव ने शिकायत की कि सत्ता पक्ष के लोग बीएलओ और बीएलए (बीएलए) को धमका रहे हैं ताकि सही वोट काटे जा सकें और मतदाता सूची में हेरफेर की जा सके। शिवपाल यादव ने कहा कि वे आज धरने पर बैठने का मन बनाकर आए थे। उन्होंने प्रशासन को दो टूक कहा कि अगर भाजपा नेताओं की गुंडागर्दी पर लगाम नहीं लगी और बीएलओ को धमकाना बंद नहीं हुआ, तो वे कलेक्ट्रेट में ही धरने पर बैठ जाएंगे। उन्होंने डीएम और एसएसपी से लंबी बातचीत की और मांग की कि सरकारी काम में बाधा डालने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जाए।

इटावा के डीएम शुभ्रांत कुमार शुक्ल ने शिवपाल यादव को आश्वासन दिया कि बीएलओ के साथ मारपीट करने वालों के खिलाफ जांच कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मतदाता सूची की प्रक्रिया को पारदर्शी रखा जाएगा।

रिंकू सिंह और प्रिया सरोज की शादी 8 जून को होना तय

जौनपुर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी रिंकू सिंह और मछलीशहर (जौनपुर) की सपा सांसद प्रिया सरोज जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। दोनों की सगाई 8 जून 2025 को लखनऊ में हुई थी। अब जल्द ही उनकी शादी भी होने वाली है। रिंकू सिंह के बड़े भाई सोनू सिंह ने कन्फर्म किया है। बता दें कि पहले उनकी शादी 18 नवंबर 2025 को वाराणसी में तय थी, लेकिन रिंकू सिंह के क्रिकेट मैचों की व्यस्तता के कारण यह टल गई। इसके बाद फरवरी 2026 की तारीख तय हुई, लेकिन टी-20 विश्वकप (फरवरी-मार्च) और आईपीएल (मार्च-मई) होने की वजह से शादी फिर आगे बढ़ा दी गई। अब दोनों की शादी जून में होगी। रिंकू सिंह के बड़े भाई सोनू सिंह ने बताया कि शादी की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं और एक इवेंट कंपनी इसकी व्यवस्था करेगी। उन्होंने कहा कि रिंकू फिलहाल भारतीय टीम के साथ विश्वकप खेलेंगे और इसके बाद आईपीएल में केकेआर की ओर से मैदान में उतरेंगे। इसके बाद उनकी शादी होगी। बरात लखनऊ जाएगी या वाराणसी, इस पर जल्द फैसला लिया जाएगा। शादी के बाद अलीगढ़ में रिसेप्शन (दावत) रखा जाएगा।

1982 के मर्डर केस में 100 साल का बुजुर्ग हुआ बरी, 42 साल बाद मिला न्याय

प्रयागराज, 5 फरवरी (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने हत्या के एक मामले में दोषसिद्धि के 42 साल बाद करीब 100 वर्षीय एक व्यक्ति को आरोपों से बरी कर दिया है। इस व्यक्ति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। हाई कोर्ट ने कहा कि लंबे समय तक अपील लंबित रहना और काफी उम्र होना, राहत देते समय प्रासंगिक है। यह घटना हमीरपुर में 1982 में घटी थी और मुकदमे के बाद हमीरपुर के सत्र न्यायालय ने अपीलकर्ता धनी राम को 1984 में आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। न्यायमूर्ति चंद्रधारी सिंह और न्यायमूर्ति संजीव कुमार की खंडपीठ ने धनी राम की अपील स्वीकार करते हुए कहा कि पिछले कई दशकों के दौरान आरोपी द्वारा झेली गई चिंता, अनिश्चितता और सामाजिक परिणाम को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। खंडपीठ ने कहा कि चूंकि अपीलकर्ता धनी राम जमानत पर था, इसलिए उसकी जमानत रद्द मानी जाएगी। अदालत ने इस मामले में अभियोजन पक्ष द्वारा उचित संदेह से परे जाकर आरोप साबित करने में विफल रहने के कारण यह आदेश दिया।

'एससी-एसटी एक्ट पर भी संघ परिवार रोक लगा देंगे' ओवैसी के बयान पर बीजेपी फायर, किया तीखा पलटवार

पटना, 5 फरवरी (एजेंसियां)। यूजीसी के नए नियम पर सुप्रीम कोर्ट से लगी रोक के बाद एक तरफ विरोध प्रदर्शन हो रहा है तो दूसरी ओर बयानबाजी भी जारी है। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के एक बयान पर बीजेपी के नेता और बिहार सरकार के मंत्री दिलीप जायसवाल ने तीखा पलटवार किया है। गुरुवार (05 फरवरी, 2026) को दिलीप जायसवाल ने असदुद्दीन ओवैसी के बयान पर कहा, असदुद्दीन ओवैसी जो बोल रहे हैं ये काम ओवैसी और कांग्रेस का है। ओवैसी साहब और कांग्रेस दोनों एक ही चट्टे-बट्टे हैं। उन्होंने कहा, इन लोगों का शुरू से यही काम है अकलियत (अल्पसंख्यक) और मुसलमान को डराकर रखना, कि बीजेपी आएगी तुमको खा जाएगी जबकि नरेंद्र मोदी जी का एक ही नारा है 'सबका साथ, सबका विकास', हिंदू-मुस्लिम, सिख-इसाई... दिलीप जायसवाल ने आगे कहा, रोड बनता है तो क्या एक धर्म के लोग चलते हैं? अस्पताल बनता है तो क्या कोई एक धर्म का लोग जाकर इलाज कराता है? गांव में स्कूल बनता है तो क्या एक धर्म के लोग जाते हैं? ओवैसी और कांग्रेस का तो यही काम है। मुसलमानों को डराना और डराकर बीजेपी से अलग रखना। अलग रखकर अपनी दुकान चलाना।

देश को आगे बढ़ाने की जरूरतः दिलीप जायसवाल

एक सवाल पर जवाब देते हुए बीजेपी नेता ने कहा कि आजादी से लेकर आज तक मुसलमानों को बीजेपी से अलग रखकर देश में इनको अलग-थलग करने का प्रयास किया गया जबकि मुसलमान भाइयों को, सिख भाइयों को, और जितने भी हमारे भाई हैं सबको एक साथ लेकर देश को आगे बढ़ाने की जरूरत है।

असदुद्दीन ओवैसी ने क्या कहा है?

दरअसल असदुद्दीन ओवैसी ने कहा है, यूजीसी का रेगुलेशन निकला कि यूनिवर्सिटी में किसी अकलियत बच्चे या बच्ची से, पिछड़े या दलित के बच्चे-बच्ची से कोई भेदभाव नहीं होगा, तो इसके खिलाफ तूफान खड़ा कर दिया गया। इनके पेट में दर्द होने लगा। सरकार अपने रेगुलेशन को बचा नहीं सकी तो सुप्रीम कोर्ट ने स्टे दे दिया। हम हमारे दलित भाइयों को भी बता रहे हैं कि अगर यही रवैया रहेगा तो फिर एससी-एसटी एक्ट पर भी कभी न कभी ये संघ परिवार के लोग इस पर भी रोक लगा देंगे।

केजीएमयू में मजार पर विवाद, नोटिस का जवाब देने के लिए आज डेडलाइन, इसके बाद ध्वस्तीकरण शुरू होगा

लखनऊ, 5 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के केजीएमयू में मजारों को लेकर राजनीति लगातार हो रही है। तो वहीं 6 फरवरी आखिरी तारीख है मजारों पर चस्पा किये गए नोटिस के जवाब देने की। अगर किसी मजार कमेटी के द्वारा केजीएमयू प्रशासन के नोटिस का जवाब 6 फरवरी तक नहीं दिया जाता है, तब 6 फरवरी के बाद केजीएमयू अवैध मजारों का ध्वस्तीकरण का काम शुरू कर देगा। आपको बता दें की केजीएमयू प्रशासन के तरफ से केजीएमयू कैंपस में बने 6 मजारों पर नोटिस चस्पा किया गया है और नोटिस में कहा गया है कि यह सभी मजारें अवैध हैं।

कैंपस के अंदर कुल 8 मजारें

आपको बता दें की केजीएमयू कैंपस के अंदर कुल 8 मजारें हैं। इन 8 मजारों में से 6 मजारों पर केजीएमयू प्रशासन ने नोटिस चस्पा किया है। केजीएमयू प्रशासन के मुताबिक नोटिस चस्पा करने से पहले वह इस मामले को अदालत में लेकर गए थे। अदालत से अपने पक्ष में फैसला आने के बाद केजीएमयू ने सभी अवैध मजारों पर नोटिस चस्पा किया है।

15 दिन का वक्त दिया गया था

लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी यानी केजीएमयू के कैंपस में बने 6 अवैध मजारों को नोटिस जारी किया गया था और नोटिस में मजार प्रशासन को 15 दिन का वक्त दिया गया था। 6 फरवरी को 15 दिन का वक्त खत्म हो रहा है। इसका मतलब है कि अगर मजार प्रशासन 6 फरवरी तक केजीएमयू को नोटिस का जवाब नहीं देता है। तब ऐसे में केजीएमयू प्रशासन सभी 6 अवैध मजारों की ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू कर देगा। अगर मजार प्रशासन चाहता है कि केजीएमयू मजारों पर कार्रवाई न करें तो ऐसे में मजार प्रशासन को प्रमाण के साथ केजीएमयू प्रशासन को बताना होगा कि यह सभी मजारें केजीएमयू के बनने से पहले के हैं।

बयानबाजी जारी

अवैध मजारों को लेकर लखनऊ में राजनीति भी लगातार गर्म हो रही है। मजारों पर राजनीतिक पार्टियों के नेताओं का जाना शुरू हो गया है। कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष केजीएमयू जाकर मजारों को लेकर बीजेपी सरकार को घेर चुके हैं। राजनीतिक नेताओं के अलावा मजारों के मुद्दे पर मौलवी और साधु संत भी खुलकर सामने आ गए हैं। मौलाना फिरंगी मेहंदी ने दावा किया है कि केजीएमयू में बने मजार केजीएमयू बनने से पहले के हैं। तो वहीं महाराज विष्णु दास ने कहा है कि अगर मजार इतने पुराने हैं तो उसके एविडेंस केजीएमयू प्रशासन को दीजिए।

अल फलाह यूनिवर्सिटी का चेयरमैन गिरफ्तार

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई के बाद अब दिल्ली पुलिस ने अल फलाह यूनिवर्सिटी पर शिकंजा कस दिया है। दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच ने यूनिवर्सिटी के चेयरमैन जवाद अहमद सिद्दीकी को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई यूजीसी की शिकायत के आधार पर दर्ज दो अलग-अलग एफआईआर के तहत की गई है। इन दोनों एफआईआर में यूनिवर्सिटी के चेयरमैन जवाद अहमद सिद्दीकी पर फर्जीवाड़े के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। क्राइम ब्रांच ने आरोपी को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से पुलिस को चार दिन की कस्टडी रिमांड मिली है। अल फलाह यूनिवर्सिटी का नाम दिल्ली बम ब्लास्ट के दौरान सुर्खियों में आया था। तब इस यूनिवर्सिटी में काम करने वाले दो डॉक्टर्स को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। इन दोनों डॉक्टर्स के नाम हैं मुजम्मिल अहमद गनई और शाहीन सईद। अब यूनिवर्सिटी के चेयरमैन की गिरफ्तारी हुई है।

क्यों हुई गिरफ्तारी?

दिल्ली में हुए आतंकी हमले के बाद से ही हरियाणा के फरीदाबाद में मौजूद अल फलाह यूनिवर्सिटी संदेह के घेरे में रही। आतंकी मॉड्यूल के खुलासे में भी यूनिवर्सिटी की भूमिका पर सवाल उठे। कई गिरफ्तारियां हुईं। इस बीच यूनिवर्सिटी के खिलाफ दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने दो एफआईआर दर्ज कीं। इसी मुकदमे के आधार पर ईडी ने भी जांच तेज की। अल फलाह यूनिवर्सिटी पर आरोप है कि अवैध तरीके से लाभ कमाने के लिए यूनिवर्सिटी ने छात्रों, उनके परिजनों और यूनिवर्सिटी से जुड़े अन्य लोगों को गुमराह करने की साजिश रची।

उन्हें एनएएसी से प्रमाणित और यूजीसी मान्यताप्राप्त बताकर झूठ बोला। भ्रम फैलाने वाले कई दावे किए। इन्हीं आरोपों के आधार पर अल फलाह समूह के अध्यक्ष जवाद अहमद सिद्दिकी की गिरफ्तारी हुई है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी जवाद को कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने आरोपी को चार दिन की कस्टडी रिमांड पर भेजा है। कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के आरोपपत्र पर सुनवाई के लिए 13 फरवरी की तारीख दी है। सुनवाई के दौरान यूनिवर्सिटी के पक्ष को सुनने के बाद अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश शीतल चौधरी प्रधान ने इस मामले की सुनवाई टाल दी।

दिल्ली से क्यों गायब हो रही लड़कियां?

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बड़ी संख्या में लापता हो रहे छोटे बच्चों विशेषतौर पर लड़कियां को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। दिल्ली कांग्रेस के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना को पत्र लिखकर दिल्ली से बड़ी संख्या में छोटे बच्चों, खासकर लड़कियों के गायब होने के मामलों की पूरी जांच के लिए एक टास्क फोर्स बनाने की मांग की है।

दिल्ली पुलिस के डेटा के अनुसार, 2026 के पहले 27 दिनों में दिल्ली में 807 बच्चे लापता बताए गए। 1 जनवरी से 27 जनवरी के बीच लापता बताए गए कुल लोगों में से पुलिस 235 लोगों का पता लगा पाई, जबकि 572 लोग अभी भी लापता हैं। डेटा से पता चलता है कि इस अवधि के दौरान औसतन हर दिन लगभग 27 लोग लापता हुए, जबकि लगभग नौ लोगों का पता लगाया गया। लापता होने के मामलों में बच्चों की संख्या काफी ज़्यादा है। दिल्ली पुलिस के रिकॉर्ड से यह भी पता चलता है कि लापता नाबालिगों में किशोर लड़कियों (12-18 साल) का अनुपात लगातार ज़्यादा रहा है, जिससे यह चिंता बढ़ रही है कि ये मामले हमेशा सामान्य लापता होने की घटनाओं तक सीमित नहीं हो सकते हैं और इनमें तस्करी, अपहरण या दूसरी आपराधिक गतिविधियां शामिल हो सकती हैं।

साल के पहले 27 दिनों में लापता बताए गए 191 नाबालिगों में से केवल 48 बच्चों का पता लगाया जा सका, जबकि 137 बच्चे अभी भी लापता हैं। इन लापता नाबालिगों में से 120 लड़कियां हैं। बच्चों के उम्र के हिसाब से डेटा पर करीब से नज़र डालने पर चिंताजनक रुझान सामने आते हैं। 0-8 साल के आयु वर्ग में, 2026 के पहले 27 दिनों में नौ बच्चे लापता बताए गए। उनमें से तीन का पता लगा लिया गया है, जबकि बाकी छह का पता लगाने के प्रयास जारी हैं। इसकी तुलना में, 2025 में इस आयु वर्ग के 368 बच्चे लापता हो गए थे, जिनमें से 149 का पता लगाया गया और 219 अभी भी लापता हैं। 8-12 साल के आयु वर्ग में, 2026 की शुरुआत में 13 बच्चे लापता बताए गए। केवल तीन का पता लगाया जा सका, जबकि 10 अभी भी लापता हैं। सबसे ज़्यादा मामले 12-18 साल के किशोरों के बीच हैं। इस समूह में, साल के पहले 27 दिनों में 169 बच्चे लापता हो गए, जिनमें से 48 का पता लगाया गया और 121 अभी भी लापता हैं।

कांग्रेस ने एलजी सक्सेना को लिखा पत्र, टास्क फोर्स बनाने की मांग

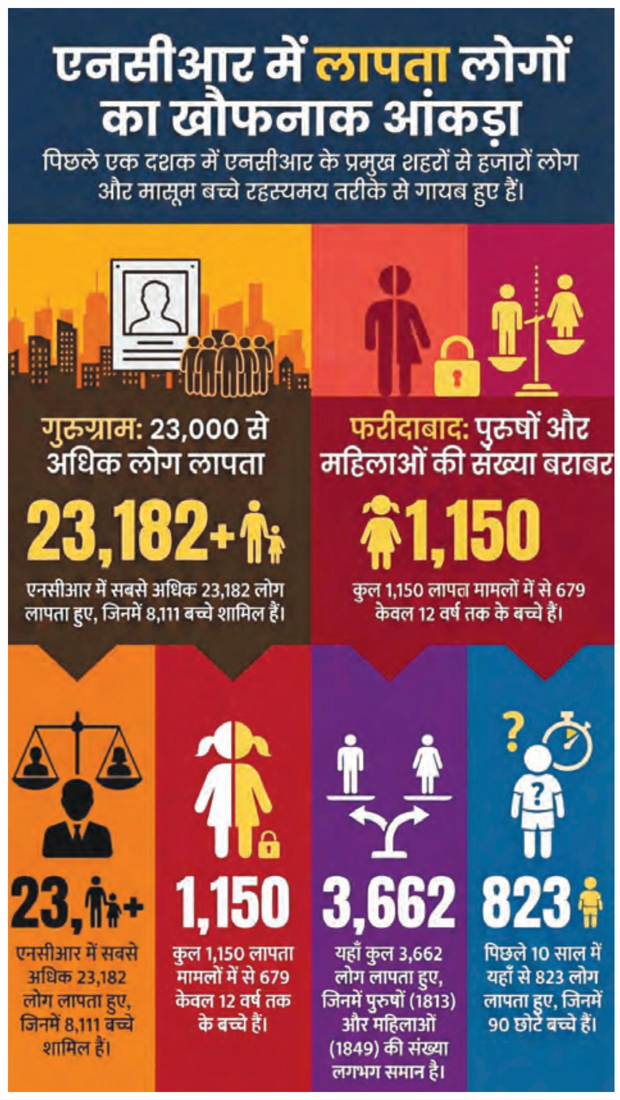

'सांसद अफजाल की पत्नी के कुर्क मकान पर डीएम पारित करें आदेश'

प्रयागराज, 5 फरवरी (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने सांसद अफजाल अंसारी की पत्नी फरहत अंसारी के मकान की कुर्की मामले में डीएम गाजीपुर को पांच सप्ताह में कारण सहित आदेश पारित करने का निर्देश दिया है। यह आदेश गैंग्स्टर एक्ट के तहत कुर्क मकान को लेकर जारी हुआ है। वर्ष 2022 में अफजाल अंसारी की पत्नी के लखनऊ स्थित मकान को कुर्क किया गया था। इसको खोलने का आदेश हाई कोर्ट ने दिया था, आदेश के बावजूद इसे

नहीं खोले जाने को फरहत ने हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति सीडी सिंह की एकल पीठ ने की। कोर्ट ने डीएम गाजीपुर को सकारण आदेश पारित करने का निर्देश देते हुए याचिका निस्तारित कर दिया। अधिवक्ता उपेंद्र उपाध्याय ने फरहत का पक्ष रखा। गाजीपुर की गैंग्स्टर कोर्ट ने सात अप्रैल 2025 को आदेश दिया था कि लखनऊ का आवासीय मकान गैंग्स्टर से अर्जित संपत्ति नहीं है। कोर्ट ने डीएम गाजीपुर को 30 दिनों के अंदर मकान को खोलने का खोलवाने का आदेश दिया था। इस आदेश के बावजूद डीएम गाजीपुर ने मकान नहीं खुलवाया। गाजीपुर के डीएम ने 23 अक्तूबर 2022 को उत्तर प्रदेश गैंग्स्टर एक्ट की धारा 14 (1) के तहत इस लखनऊ स्थित मकान को कुर्क कराया था।

निकलने वाली थी बारात, चाची की हो गई मौत, दूल्हे ने फ्रिज में डाला शव और ले आया अपनी दुल्हनिया; मचा बवाल

कोलकाता, 5 फरवरी (एजेंसियां)। वेस्ट बंगाल के पश्चिम मेदिनीपुर इलाके में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां एक महिला की मौत के बाद उसके भतीजे ने शव को फ्रिजर में रख दिया और शादी करने चला गया। जब घटना की जानकारी आसपास के लोगों को हुई, तो विवाद शुरू हो गया। घटना दासपुर के चैपत बेलडांगा गांव की है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। शादी की तारीख पहले से ही तय हो चुकी थी और तैयारियां खत्म हो चुकी थीं। इसी बीच बीते सोमवार को दुल्हे की चाची का किसी बीमारी की वजह से मौत हो गई। युवक ने अपनी चाची के शव को फ्रिजर में रखा दिया और शादी करने चला गया। जब वह शादी करके आया तो, मृतका का शव इलाके के एक क्लब रूम में फ्रिजर में मिला।

साइबर ठगी से जुड़े सिम कार्ड घोटाले में दिल्ली एचसी सख्त

दो डायरेक्टर की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने साइबर अपराध से जुड़े एक बड़े सिम कार्ड घोटाले में सख्त रुख अपनाते हुए एक निजी कंपनी के दो निदेशकों को अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया है। इन पर आरोप है कि इन्होंने धोखाधड़ी करके हजारों मोबाइल सिम कार्ड हासिल किए और उनका इस्तेमाल साइबर ठगी से जुड़ी गतिविधियों में किया गया।

जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने कहा कि भ्रामक मैसेज और फर्जी लिंक के जरिए लोगों को ठगने वाले अपराध आज तेजी से बढ़ रहे हैं और इससे डिजिटल सुरक्षा व आम जनता का भरोसा गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है। कोर्ट ने माना कि ऐसे मामलों में अग्रिम जमानत देने में बेहद सावधानी बरतनी चाहिए।

फर्जी केवाईसी से हासिल किए सिम कार्ड

सीबीआई द्वारा दर्ज इस मामले में आरोप है कि याचिकाकर्ताओं ने दूरसंचार विभाग के नियमों और केवाईसी गाइडलाइंस का उल्लंघन करते हुए टेलीकॉम कंपनी से थोक में सिम कार्ड हासिल किए। इसके लिए फर्जी एंड-यूजर डिटेल्स और नकली दस्तावेजों का इस्तेमाल किया गया। बाद में इन सिम कार्ड्स का इस्तेमाल साइबर अपराधों में किया गया, जिनमें लोगों को लोन, क्रेडिट सुविधा और अन्य आर्थिक लाभ का झांसा देने वाले एसएमएस और शॉर्ट लिंक भेजे गए।

बचाव पक्ष ने कहा- सिम कार्ड सिर्फ एसएमएस के लिए था

दिल्ली हाई कोर्ट में आरोपियों का बचाव था कि ये सिम कार्ड सिर्फ एसएमएस-ओनली थे और उनका इस्तेमाल वैध प्रचार कार्यों के लिए किया गया। हालांकि कोर्ट ने इस दलील को खारिज करते हुए कहा कि कई कथित एंड-यूजर्स के बयानों से साफ होता है कि उनकी जानकारी के बिना उनके नाम पर सिम लिए गए और केवाईसी प्रक्रिया का दुरुपयोग हुआ।

तकनीकी सबूत मिले

कोर्ट ने तकनीकी सबूतों का भी हवाला दिया, जिसमें कई आईएमईआई नंबरों के जरिए बल्क एसएमएस भेजे जाने की बात सामने आई है। इससे यह संकेत मिलता है कि नियमों को जानबूझकर दरकिनार किया गया। हाईकोर्ट ने कहा कि जांच अभी शुरुआती चरण में है और आरोपियों से कस्टोडियल पूछताछ जरूरी है। इसी आधार पर दोनों याचिकाओं को खारिज कर दिया गया।

पिक-अप वैन से मिले विस्फोटकों से भरे 100 से ज्यादा बक्से, तरबूज की खेप के नीचे छिपाए गए थे

पाल्लक्काड, 5 फरवरी (एजेंसियां)। केरल के पाल्लक्काड जिले से बेहद ही हैरान करने वाली खबर सामने आई है, पुलिस ने केरल के पालक्काड शहर के पास से एक पिक-अप वैन से विस्फोटकों से भरे 100 से ज़्यादा बक्सों को ज़ब्त किया है। पालक्काड़ टाउन साउथ पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि पाल्लक्काड मेडिकल कॉलेज के पास उन्हें गाड़ी में जिलेटिन स्टिक्स के 100 से ज़्यादा बॉक्स और डेटोनेटर के 20 से ज़्यादा बॉक्स मिले। पुलिस ने बताया विस्फोटक के ये बॉक्स कि तरबूज की एक खेप के नीचे छिपाए गए थे, उन्होंने कहा कि जब्ती देर रात हुई। पुलिस ने वाहन के चालक सैंथिल को हिरासत में ले लिया है, प्रारंभिक पूछताछ के दौरान चालक ने खुलासा किया कि उसने बक्से कोयंबटूर से लोड किए थे और उन्हें त्रिशूर में एक खदान में ले जा रहा था। अधिकारी ने बताया कि राज्य में बड़ी मात्रा में विस्फोटक लाए जाने की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने वाहनों की जांच के दौरान पिकअप वैन को रोका। लेकिन पुलिस के कहने पर चालक ने वाहन को नहीं रोका, इसके बाद वाहन का पीछा किया गया, चालक के खिलाफ विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है। आरम्भिक जाँच में ये भी जानकारी मिली है कि ब्लैक स्टोन क़्वारी में इस्तेमाल करने के लिए विस्फोटक की छिपाकर लाया जा रहा था, इससे पहले भी इस तरह के कुछ मामले सामने आए हैं,

'मंत्री का बेटा या कोई मंत्री होगा शामिल', नीट छात्रा केस पर राबड़ी देवी ने कही बड़ी बात

पटना, 5 फरवरी (एजेंसियां)। राजधानी पटना के मेदांता अस्पताल में कुछ दिनों पहले हुई नीट की छात्रा की मौत मामले की गुत्थी नहीं सुलझ सकी है। यही कारण है कि सरकार ने सीबीआई जांच के लिए केंद्र से अपील की है। विपक्ष लगातार कई तरह के आरोप लगा रहा है। वहीं सत्ता पक्ष का कहना है कि दूध का दूध और पानी का पानी हो जाए इसलिए ही यह जांच सीबीआई को दी जा रही है। इस बीच अब गुरुवार (05 फरवरी) को राबड़ी देवी ने हैरान करने वाला बयान दे दिया है। बिहार विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष राबड़ी देवी ने इस पूरे मसले पर कहा है कि इस केस में मंत्री का बेटा या कोई मंत्री शामिल हो सकता है। उन्होंने साफ कहा कि केस की लीपापोती की गई और फिर सीबीआई को दिया गया। दूसरी ओर सदन में वित्त मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने बिहार का बजट पेश किया है। इस पर राबड़ी देवी ने कहा कि बजट में भी कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता को ठगने का काम किया गया है।

पूरी तरह जंगलराज हो गया है: भाई वीरेंद्र

दूसरी ओर आरजेडी के विधायक भाई वीरेंद्र ने भी बिहार के लॉ एंड ऑर्डर को लेकर सवाल उठाया है। विधानसभा परिसर में गुरुवार को मीडिया से बातचीत में भाई वीरेंद्र ने कहा कि प्रतिदिन बिहार में घटनाएं घट रही हैं, यहां पूरी तरह जंगलराज हो गया है। बच्चियां हों या कोई भी, लोग सुरक्षित नहीं हैं। नीट छात्रा हत्या मामले पर उन्होंने कहा कि सरकार इस मामले में लीपापोती करने का प्रयास कर रही है। जो कोई बोल रहा है उस पर दबाव बनाया जा रहा है।

वहीं सदन में जाने से पहले भाई वीरेंद्र ने कहा कि अगर सरकार बजट पर मन मुताबिक जवाब नहीं देगी तो हम लोग बायकॉट करेंगे। विरोध भी करेंगे। राज्यपाल के अभिभाषण को लेकर कहा, राज्यपाल ने वही कहा है जो सरकार ने लिखकर दिया है। कोई नई बात नहीं है, ना कोई नई योजना का जिक्र राज्यपाल के अभिभाषण में रहा।

ब्रिटिश नागरिकता छिपाकर सरकारी नौकरी पाने का मामला, ईओडब्ल्यू ने दाखिल की चार्जशीट

जम्मू, 5 फरवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) कश्मीर, क्राइम ब्रांच ने एक बड़े फर्जीवाड़े के मामले में चार्जशीट दाखिल की। ईओडब्ल्यू कश्मीर ने एफआईआर संख्या 76/2022 के तहत आरपीसी की धारा 199 और 420 में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम), श्रीनगर की अदालत में अफशां शबीर के खिलाफ आरोप पत्र पेश किया है। आरोपी अफशां शबीर, शिबाथ जदीबल की रहने वाली हैं और सैयद अकील अहमद की पत्नी हैं। जानकारी के मुताबिक, यह मामला एसकेआईएमएस सौरा में वर्ष 2019 में सहायक प्रोफेसर के पद पर नियुक्ति से जुड़ा है। जांच में सामने आया कि अफशां शबीर यूनाइटेड किंगडम की नागरिक हैं

जाजपुर में चेन्नई सेंट्रल एक्सप्रेस ट्रेन हुई डिरेल तीन कोच पटरी से उतरे, मचा हड़कंप

भुवनेश्वर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। ओडिशा के जाजपुर जिला में गुरुवार सुबह एक रेल घटना सामने आई। जखपुरा स्टेशन के पास चेन्नई सेंट्रल एक्सप्रेस ट्रेन के तीन कोच पटरी से उतर गए। यह घटना सुबह करीब 08:51 बजे हुई। जानकारी के अनुसार, ट्रेन यार्ड क्षेत्र से गुजर रही थी और उस समय उसकी रफ्तार काफी धीमी थी। डिरेल हुए कोचों में एक एसी कोच और दो जनरल कोच शामिल हैं। घटना के बाद रेलवे प्रशासन में हड़कंप मच गया और तुरंत राहत कार्य शुरू किया गया। रेलवे ने इस मामले में एक आधिकारिक प्रेस नोट जारी करते हुए कहा," ट्रेन संख्या 22611 चेन्नई–न्यू जलपाईगुड़ी एक्सप्रेस का जाजपुर यार्ड में सुबह 08:51 बजे मामूली डिरेलमेंट हुआ। इस दौरान एक एसी कोच और दो जनरल कोच पटरी से उतरे। घटना के समय ट्रेन बहुत धीमी गति से चल रही थी। इस हादसे में किसी भी यात्री की जान नहीं गई है और न ही कोई घायल हुआ है।" रेलवे ने आगे अपने बयान में यह भी स्पष्ट किया,"यात्री ट्रेन संचालन पूरी तरह सामान्य है। प्रभावित यात्रियों को उचित रूप से समायोजित किया जा रहा है। डिरेल हुए कोचों को अलग किया जा रहा है और यात्रियों की सुविधा के लिए जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त कोच लगाए जाएंगे।" रेलवे के मुताबिक, सूचना मिलते ही भुवनेश्वर और खुर्दा रोड से एक्सीडेंट रिलीफ ट्रेन और खुर्दा रोड से एक्सीडेंट रिलीफ मेडिकल इक्विपमेंट को सुबह 08:53 बजे घटनास्थल के लिए रवाना कर दिया गया।

इसके साथ ही भद्रक से भी एक रेस्क्यू टीम को मौके पर भेजा गया है। रेलवे ने यह भी कहा,"वरिष्ठ रेलवे अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और बहाली एवं सुरक्षा से जुड़े सभी कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। डिरेलमेंट के कारणों की जांच की जा रही है और आगे की जानकारी समय पर साझा की जाएगी।" फिलहाल इस घटना में किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। डिरेलमेंट की सटीक वजह का पता जांच के बाद ही चल सकेगा।

तमिलमंत्री पर नीतीश की पार्टी का बड़ा हमला 'उत्तर भारतीय जहां भी गए हालात बेहतर किए

पटना, 5 फरवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु के कृषि मंत्री एमआरके पन्नीरसेल्वम ने उत्तर भारतीयों को लेकर कहा है कि ये लोग सिर्फ हिंदी जानते हैं इसलिए उन्हें अच्छी नौकरी नहीं मिलती। वे तमिलनाडु आकर टेबल साफ करने, मजदूरी करने या पानी पूरी बेचने जैसे काम करते हैं। उनके इस बयान पर अब सियासत तेज हो गई है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी से लेकर कई अन्य दल के नेताओं ने पन्नीरसेल्वम पर हमला किया है। जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने कहा, उत्तर भारतीय जहां भी गए हैं, उन्होंने वहां की इकॉनमी को मजबूत किया है। कांग्रेस को इस पर जवाब देना चाहिए और डीएमके ने जो कहा है, उस पर अपना रुख साफ करना चाहिए।।।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा, कुछ नेता ऐसे हैं जो अपने बयानों से सुर्खियों में बने रहना चाहते हैं और जिनकी राजनीति सिर्फ बांटों और शासन करो पर चलती है। बांटने का काम कभी जाति के नाम पर, धर्म के नाम पर, कभी भाषा के आधार पर तो कभी क्षेत्र के आधार पर... ऐसे में एनडीए गठबंधन प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सिर्फ एक सोच के साथ आगे बढ़ रहा है कि सबका साथ, सबका विकास। अब जिनती योजनाओं का, नीतियों का निर्माण होता है, उसका आधार सिर्फ देश की आबादी होती है।।।सांसद अरुण भारती ने कहा, उत्तर भारत के लोग जो तमिलनाडु में जाकर काम कर रहे हैं, वो अपनी मेहनत की कमाई खा रहे हैं। माननीय मंत्री जी जिन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं... वो तमिलनाडु के लोगों का हक खा रहे हैं, ऐसा कोई काम उत्तर भारतीय नहीं कर रहा है।।।

बीजेपी के सांसद संजय जायसवाल ने कहा, जिस प्रकार की ओछी टिप्पणियां डीएमके के नेता करते हैं, वो उनकी मानसिकता को दिखाता है। हम सभी देशवासियों का सम्मान करते हैं... इस बार तमिलनाडु में डीएमके का सफाया तय है।।। बिहार सरकार के मंत्री दीपक प्रकाश ने कहा, इस तरह की विभाजनकारी बातें किसी भी नेता को शोभी नहीं देती हैं। देश में एकता का माहौल होना चाहिए। हम इस तरह के बयान की सख्त निंदा करते हैं।।। बिहार सरकार के मंत्री संतोष कुमार सुमन ने कहा, ये मानसिक दिवालियापन का परिचय है। इससे ज्यादा कुछ नहीं है। ऐसे लोगों को पागलखाने में भेज देना चाहिए। बिहार भारत का गौरव है, हमें बिहारी होने पर गर्व है।

बीजेपी की सुजाता पाटिल बनीं नवी मुंबई की महापौर, दशरथ भगत उप महापौर चुने गए

मुंबई, 5 फरवरी (एजेंसियां)। नवी मुंबई नगर निगम महापौर चुनाव में बीजेपी की सुजाता पाटिल निर्विरोध जीत हासिल कर चुकी हैं। वहीं, बीजेपी के ही दशरथ भगत उप महापौर चुने गए हैं। पहले शिवसेना एकनाथ शिंदे गुट की तरफ से सरोज पाटिल ने भी नामांकन किया था। हालांकि, गुरुवार को उन्होंने नामांकन वापस ले लिया। इसके बाद बीजेपी उम्मीदवार की जीत तय हुई। बीजेपी के 65 नगरसेवकों को जीत मिली थी। वहीं, शिवसेना एकनाथ शिंदे के गुट के 42 नगरसेवक हैं। दोनों पार्टियों ने गठबंधन में चुनाव लड़ा था। ऐसे में इसी गठबंधन का महापौर चुना जाना तय था। हालांकि, दोनों गुटों के बीच अनबन हो गई थी और दोनों ने अपने उम्मीदवार उतार दिए थे।

राहुल गांधी और रवनीत बिट्टू मामले पर प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा 'न आपसी तालमेल है, न बीच का रास्ता और न ही संवाद'

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा केंद्रीय राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को 'गद्दार' कहे जाने के मामले पर शिवसेना (यूबीटी) की राज्यसभा सदस्य प्रियंका चतुर्वेदी ने प्रतिक्रिया दी। प्रियंका चतुर्वेदी ने आईएएनएस से कहा कि यह पूरा मामला लोकसभा सत्र के दौरान बने तनावपूर्ण माहौल को दर्शाता है, जहां कड़वाहट और टकराव चरम पर है। उन्होंने कहा, "संसद में जो कुछ हो रहा है, वही इस बयानबाजी में भी दिखता है। दोनों पक्ष अपनी-अपनी जिद पर अड़े हैं। न आपसी तालमेल है, न बीच का रास्ता और न ही संवाद।

प्रियंका चतुर्वेदी ने माना कि संसद परिसर में जो कुछ हुआ, वह उसी माहौल का प्रतिबिंब था। हालांकि, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि दुर्भाग्यवश दोनों तरफ से अनुचित शब्दों का इस्तेमाल किया गया। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर भी प्रियंका चतुर्वेदी ने गंभीर सवाल उठाए।

उन्होंने कहा कि रूस क्या कहेगा, यह उतना महत्वपूर्ण नहीं है, जितना यह समझना जरूरी है कि भारत ने अपने रणनीतिक हितों को एक तरफ रखकर ऐसा व्यापार समझौता क्यों किया, जिसमें ऐसा लगता है कि भारत को अमेरिका के निर्देशों पर रूस से तेल न खरीदने के लिए मजबूर किया जा रहा है। एसआईआर के मुद्दे पर बोलते हुए प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि जब इसे लागू किया गया था, तब उद्देश्य चुनाव आयोग को मतदाता सूची में पारदर्शिता लाने और मृत या फर्जी मतदाताओं के नाम हटाने की जिम्मेदारी देना था। उन्होंने आरोप लगाया कि अब चुनाव आयोग ने एसआईआर को मतदाताओं के अधिकारों को सीमित करने का साधन बना दिया है। इस प्रक्रिया में वैध मतदाताओं के नाम भी हटाए जा रहे हैं। वहीं, लखनऊ में समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता आशुतोष वर्मा ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का समर्थन करते हुए भाजपा पर चुनावों में हेरफेर का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, भाजपा एसआईआर के बहाने लगातार चुनावों में गड़बड़ी कर रही है।

हमने यह सिर्फ बंगाल में ही नहीं, बल्कि असम और देश के अन्य हिस्सों में भी देखा है। अशुतोष वर्मा ने कहा कि जब भी कोई विपक्षी दल या इंडिया ब्लॉक का कोई दल शिकायत करता है, तो चुनाव आयोग की ओर से कोई ठोस जवाब नहीं मिलता। उन्होंने इसे देश के लिए दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि एक निर्वाचित मुख्यमंत्री, जिसने लगातार तीन कार्यकाल पूरे किए हों, उसे सुप्रीम कोर्ट जाकर खुद का बचाव करना पड़ रहा है।

खतरे में खाड़ी देश ! जेडी वेंस बोले- अगर ईरान ने बनाया परमाणु बम

तो सऊदी अरब भी पीछे नहीं रहेगा

वॉशिंगटन, 5 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने चेतावनी दी है कि अगर ईरान परमाणु हथियार हासिल कर लेता है, तो इससे मध्य पूर्व में बड़े पैमाने पर न्यूक्लियर हथियारों की होड़ शुरू हो जाएगी। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अगर ईरान परमाणु हथियार बनाता है तो सऊदी अरब भी पीछे नहीं करेगा। उन्होंने इसे न्यूक्लियर दलदल बताया। अमेरिका को पारंपरिक तौर पर ईरान विरोधी और सऊदी अरब का समर्थक माना जाता है। सऊदी अरब और ईरान परंपरागत रूप से एक दूसरे के विरोधी हैं। ऐसे में ईरान के परमाणु हथियारों को सऊदी अरब अपने अस्तित्व के खतरे के रूप में देखता है।

जेडी वेंस ने मेगिन केली के साथ एक इंटरव्यू के दौरान कहा, अगर ईरानियों को न्यूक्लियर हथियार मिल जाते हैं, तो आपको पता है कि अगले ही दिन किसे न्यूक्लियर हथियार मिलेंगे? सऊदी अरब और फिर खाड़ी के अरब देशों में किसी और को। वेंस ने इस बात पर जोर दिया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एजेंडे में दुनिया भर में परमाणु हथियारों के खतरे को कम करना सबसे ऊपर है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप को 2000 के दशक की शुरुआत में इराक संघर्ष के दौरान की गई गलतियों को दोहराने में कोई दिलचस्पी नहीं है। उन्होंने कहा कि अमेरिका को कूटनीतिक बातचीत और कड़े रुख के बीच सावधानी से संतुलन बनाने की जरूरत है। वेंस ने कहा, ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो सकते। यह अमेरिका के राष्ट्रपति का घोषित नीतिगत लक्ष्य है। वेंस ने आगे कहा, राष्ट्रपति जो करने जा रहे हैं, वह यह है कि वह अपने विकल्प खुले रखेंगे। अगर उन्हें लगता है कि सेना ही एकमात्र विकल्प है, तो वह आखिरकार उसी विकल्प को चुनेंगे। जब केली ने शासन के खिलाफ चल रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच ईरान के भविष्य के बारे में वेंस से सवाल किया। इस पर अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप इन सभी बातों से बहुत अच्छी तरह वाकिफ हैं। उन्होंने कहा, एक आदर्श दुनिया में, मुझे बहुत अच्छा लगेगा अगर आज़ादी पसंद करने वाले कुछ ईरानी, अपने देश पर कब्जा कर लें और एक ऐसी सरकार हो जो संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए कहीं ज्यादा दोस्ताना हो? बिल्कुल, यह एक अच्छी बात होगी।

दहला नाइजीरिया !

गांव में घुसकर आईएसआईएस से जुड़े समूह ने 200 लोगों को उतारा मौत के घाट

क्वारा, 5 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिमी नाइजीरिया के क्वारा राज्य में मंगलवार (3 फरवरी 2026) की शाम एक बेहद भयावह हमला हुआ। इस हमले में दो गांवों वोरो और नुकु में कम से कम 200 लोगों की जान चली गई। यह हमला हाल के महीनों में नाइजीरिया में हुआ सबसे घातक हमला माना जा रहा है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक स्थानीय सांसद मोहम्मद उमर बायो ने बताया कि इस नरसंहार के पीछे लकुरावा नाम का एक सशस्त्र समूह है। यह समूह आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। हमलावरों ने गांवों में घुसकर अंधाधुंध लोगों पर हमला किया, जिससे बड़ी संख्या में ग्रामीणों की मौत हो गई।

रेड क्रॉस के अनुसार, जिन इलाकों में हमला हुआ है, वे बेहद दूरदराज इलाके में बसे हुए हैं। ये गांव राज्य की राजधानी से लगभग आठ घंटे की दूरी पर स्थित हैं। इसके अलावा, ये क्षेत्र बेनिन सीमा के पास हैं और वहां सड़क व संचार सुविधाएं भी बेहद कमजोर हैं। खराब कनेक्टिविटी के कारण राहत और बचाव कार्यों में काफी परेशानी हो रही है।

क्वारा राज्य के गवर्नर अब्दुल रहमान अब्दुल रजाक ने इस हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इसे कायरतापूर्ण कार्रवाई बताया है। गवर्नर के अनुसार, यह हमला राज्य में चल रहे सैन्य अभियानों के जवाब में किया गया है, क्योंकि सुरक्षा बल उग्रवादी समूहों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रहे हैं। नाइजीरिया इस समय गंभीर सुरक्षा संकट का सामना कर रहा है। देश के उत्तर-पूर्वी हिस्से में लंबे समय से विद्रोह चल रहा है। वहीं उत्तर-पश्चिम और उत्तर-मध्य क्षेत्रों में अपहरण, फिरौती वसूलने और सशस्त्र डकैती की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। आम नागरिक सबसे ज्यादा इस हिंसा का शिकार हो रहे हैं।

भारत-अमेरिका डील से घबराए यूनुस

ट्रंप के साथ सीक्रेट समझौते की कोशिश में लगे, आखिर क्यों बढ़ी बौखलाहट

ढाका, 5 फरवरी (एजेंसियां)। भारत के अमेरिका के साथ बहुचर्चित व्यापार समझौते ने बांग्लादेश सरकार की चिंता बढ़ा दी है। डोनाल्ड ट्रंप के भारत के साथ ट्रेड डील की घोषणा के बाद बांग्लादेश भी जल्दी से जल्दी अमेरिका के साथ समझौता चाहता है। बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने अमेरिका के साथ इस ट्रेड एग्रीमेंट को सीक्रेट रखा है, जिसे वह 12 फरवरी यानी चुनाव से पहले करना चाहते हैं। यूनुस के अमेरिकी डील को सीक्रेट रखने पर कई सवाल उठ रहे हैं। एक्सपर्ट पूछ रहे हैं कि यूनुस को इस डील की जल्दी क्यों है। चुनाव के बाद बनने वाली सरकार के लिए यूनुस इसे क्यों नहीं छोड़ रहे हैं।

इंडिया टुडे के मुताबिक, यूनुस की अमेरिका संग डील की गोपनीयता ने बांग्लादेश में निर्यातक संगठनों और टेक्सटाइल सेक्टर के स्टेकहोल्डर्स को फिक्र में डाल रखा है। इनका कहना है कि डील की शर्तें अमेरिका को होने वाले बांग्लादेशी निर्यात की कमर तोड़ सकती हैं। बांग्लादेश से अमेरिका को भेजे जाने वाले सामान में 90 फीसदी हिस्सा रेडीमेड कपड़े और टेक्सटाइल का है। बांग्लादेशी कारोबारियों का कहना है कि देश का टेक्सटाइल उद्योग बीते साल डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लगाए गए टैरिफ के चलते कमजोर पड़ गया है। इस मुश्किल वक्त में सीक्रेट डील से ये सेक्टर और कमजोर हुए तो बांग्लादेशी अर्थव्यवस्था को पूरी तरह से हिला सकती है। बांग्लादेशी कारोबारियों को लगता है कि ट्रंप की नजर उनके देश के सबसे प्रमुख रेडीमेड कपड़े के व्यापार पर है। एक्सपर्ट इस डील की वैधता पर भी सवाल उठा रहे हैं। मोहम्मद यूनुस को अगस्त, 2024 में शेख हसीना की सरकार बनने के बाद सत्ता सौंपी गई थी। उनकी अंतरिम सरकार का मुख्य काम देश में चुनाव कराने का था। उन्होंने काफी लेट लतीफी के बाद आखिरकार 12 फरवरी को चुनाव कराने का ऐलान किया है। उनकी चुनाक के समय डील में दिलचस्पी ने सवाल खड़े किए हैं।

अमेरिका-बांग्लादेश ट्रेड डील 9 फरवरी को साइन होने की संभावना जताई गई है। इसके तीन बाद यानी 12 तारीख को बांग्लादेश में चुनाव होना है। इससे स्वभाविक रूप से यह सवाल उठ रहा है कि यूनुस सरकार क्यों डील साइन कर रही है। वह इसे 12 फरवरी के बाद बनने वाली चुनी हुई सरकार के लिए क्यों नहीं छोड़ रही है।

ट्रम्प पर हमले की कोशिश करने वाले शख्स को उम्रकैद

2024 में एके-47 जैसी राइफल लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति के गोल्फ क्लब आया था

वाशिंगटन, 5 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के फ्लोरिडा में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की हत्या की कोशिश के मामले में दोषी ठहराए गए रयान राउथ को फेडरल कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। सजा बुधवार को सुनाई गई। यह घटना 15 सितंबर 2024 को हुई थी, जब ट्रम्प राष्ट्रपति चुनाव के लिए प्रचार कर रहे थे। राउथ एके-47 जैसी सोवियत शैली की राइफल और बॉडी आर्मर के साथ ट्रम्प के गोल्फ कोर्स के पास झाड़ी में पास छिपा था।

एक सीक्रेट सर्विस एजेंट ने राइफल की नली और आरोपी का चेहरा देखा और गोली चलाई, जिसके बाद राउथ मौके से भाग गया। बाद में उसकी गाड़ी की नंबर प्लेट के आधार पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था। अदालत ने रयान राउथ को सितंबर 2024 में पांच आरोपों में दोषी ठहराया था। इनमें घटना के समय राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार ट्रम्प की हत्या की कोशिश का मामला भी शामिल है। यह फैसला अमेरिकी जिला जज एलीन कैनन ने सुनाया। अदालत की कार्यवाही के दौरान जज कैनन ने कहा कि आरोपी ने रयान का इरादा साफ तौर पर ट्रम्प की हत्या करना था और अपने मंसूबे को अंजाम देने के बेहद करीब पहुंच गया था। उम्रकैद के अलावा राउथ को कई अन्य सजाएं भी दी गईं, जो साथ-साथ चलेंगी। इनमें हिंसक अपराध के दौरान हथियार रखने पर 84 महीने, एक फेडरल अधिकारी पर हमला करने के लिए 240 महीने, सजायाफ्ता अपराधी होने के बावजूद हथियार रखने पर 18 महीने और सीरियल नंबर मिटे हथियार के कब्जे के लिए 60 महीने की सजा शामिल है।

चीन की नई चाल, जे-10सी और जेएफ-17 को बेचने के लिए शुरू किया प्रोपेगैंडा

ऑपरेशन सिंदूर का ले रहा नाम

बीजिंग, 5 फरवरी (एजेंसियां)। चीन हथियारों के सप्लायर के तौर पर ग्लोबल मार्केट में अपनी जगह बनाने के लिए पूरा जोर लगा है। इसके लिए वह दक्षिण-एशियाई बाजार को सक्रिय रूप से टारगेट कर रहा है। चीन की नजर इस इलाके में अपने लड़ाकू विमान बेचने की है और यही वजह है कि उसने अपने कुछ सबसे एडवांस्ड लड़ाकू विमानों को एशिया के सबसे बड़े एयर शो में दिखाया है। इसमें चीन का J-10C फाइटर जेट और लेटेस्ट J-35A पांचवीं पीढ़ी का स्टील्थ फाइटर भी शामिल है। हर दो साल में होने वाले सिंगापुर एयर शो को एशिया के सबसे प्रतिष्ठित एयर शो के रूप में जाना जाता है।

खास बात है कि चीन अपने जे-10सी फाइटर को बेचने के लिए प्रोपेगैंडा फैला रहा है और इसे बढ़ा-चढ़ाकर दिखा रहा है। इसके लिए भारत और पाकिस्तान के बीच पिछले साल मई में हुए सैन्य टकराव का इस्तेमाल कर रहा है। चीन इसे युद्ध में आजमाया हुआ कॉम्बैट फाइटर बता रहा है। दरअसल, चीन के इस विमान का इस्तेमाल पाकिस्तान भी करता है। पाकिस्तान का कहना है कि उसने भारत के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान J-10C का इस्तेमाल किया था। अब चीन इसे भुनाने की कोशिश में लग गया है।

पाकिस्तान वाला JF-17 भी दिखा रहा चीन

एयरशो में दिखाया जा रहा चीन का तीसरा प्रमुख फाइटर JF-17 है, जिसने उसने पाकिस्तान के साथ मिलकर तैयार किया है। JF-17 की भागी ऐसे समय में हो रही है, जब कथित तौर पर पाकिस्तान को हाल ही में अपने इस फाइटर की खरीद के लिए अनुरोध मिला है। इसमें इराक, बांग्लादेश, इंडोनेशिया, सऊदी अरब और लीबिया शामिल है। पाकिस्तान ने मई में भारत के साथ टकराव के दौरान JF-17 का इस्तेमाल करके भारत के राफेल को गिराने का दावा किया था। इसे चीन की प्रोपेगैंडा मशीनरी ने हवा दी थी, लेकिन बाद में यह प्रोपेगैंडा ध्वस्त हो गया।

प्रोपेगैंडा के सहारे बेचने की कोशिश

इसके बावजूद चीनी J-10C और JF-17 के लिए मार्केट में अच्छी संभावना बता रहे हैं और एक बार फिर मई में उनके कथित सफल परफॉर्मेंस का हवाला दे रहे हैं। चीन दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ ही मिडिल ईस्ट में भी अपने एयरक्राफ्ट को प्रमोट कर रहा है। चीन अमेरिकी मिलिट्री हार्डवेयर की तुलना में जल्दी डिलीवरी और कम शर्तों पर पर जोर दे रहा है, ताकि नए ग्राहकों को लुभाया जा सके।

अमेरिकी कानून का सामना कर रहे मादुरो की बढ़ी मुश्किलें

वाशिंगटन, 5 फरवरी (एजेंसियां)। अर्जेंटीना के एक जज ने बुधवार को अमेरिका से वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सौंपने की औपचारिक मांग की है। फिलहाल वह न्यूयॉर्क की एक जेल में बंद हैं और उन पर नशीले पदार्थों की तस्करी के आरोप हैं। गौरतलब है कि अमेरिकी सेना ने एक विशेष ऑपरेशन में पिछले महीने मादुरो को पकड़ा था।

मामले में अर्जेंटीना के संघीय जज ने एक वारंट पर हस्ताक्षर किए हैं। इस काराकास में मादुरो पर कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने अपने शासन के दौरान प्रदर्शनकारियों और राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ हिंसा करवाई। इसमें लोगों को प्रताड़ित करना और जबरन गायब करना शामिल है। इस मामलों में उन वेनेजुएला के नागरिकों को वादी बनाया गया है जिन्होंने सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंटों के हाथों भयानक यातनाएं झेली हैं। यह कानूनी लड़ाई साल 2023 में ब्यूनस आयर्स में मानवाधिकार संगठनों ने शुरू की थी। यहां की अदालतें पहले भी देश के बाहर मानवाधिकार हनन के मामलों की जांच करती रही हैं। तीन जनवरी को अमेरिकी सेना ने मादुरो को सत्ता से हटाया था, जिसके बाद अर्जेंटीना के सरकारी वकीलों ने जज रामोस से इस प्रत्यर्पण अनुरोध को आगे बढ़ाने का आग्रह किया था।

अर्जेंटीना ने 1997 की प्रत्यर्पण संधि का हवाला देते हुए यह मांग की है। हालांकि, इसकी संभावना कम है कि ट्रंप प्रशासन इस पर तुरंत अमल करेगा। इसका मुख्य कारण अमेरिका में मादुरो पर चल रहा मुकदमा है। मादुरो और उनकी पत्नी सीलिया फ्लोर्स अभी ब्रुकलिन की जेल में हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने 25 वर्षों तक ड्रग कार्टेल के साथ मिलकर अमेरिका में हजारों टन ड्रग भेजने में मदद की।

अमेरिकी अखबार में छंटनी-शशि थरूर के बेटे की नौकरी गई

वॉशिंगटन पोस्ट ने 300 स्टाफ को निकाला स्पोर्ट्स सेक्शन बंद, भारत में पूरी टीम खत्म

वॉशिंगटन, 5 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के मशहूर अखबार वॉशिंगटन पोस्ट ने बुधवार को 800 पत्रकारों में से 300 कर्मचारियों की छंटनी कर दी है। इसमें सीनियर कॉलमिस्ट ईशान थरूर भी शामिल हैं। वे कांग्रेस सांसद शशि थरूर के बेटे हैं। ईशान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि वॉशिंगटन पोस्ट ने इंटरनेशनल टीम के कई शानदार पत्रकारों के साथ उन्हें भी नौकरी से निकाल दिया है। यह न्यूज रूम के लिए बेहद दुखद दिन है।

एग्जीक्यूटिव एडिटर मैट मरे ने बताया कि जेफ बेजोस की कंपनी पिछले कई सालों से घाटे में चल रही थी। इस छंटनी में स्पोर्ट्स सेक्शन पूरी तरह बंद कर दिया गया है, हालांकि कुछ रिपोर्टर फीचर्स डिपार्टमेंट में शिफ्ट होकर स्पोर्ट्स की कल्चर कवरेज जारी रखेंगे।

लोकल न्यूज सेक्शन छोटा हो जाएगा, बुक्स सेक्शन बंद हो जाएगा और डेली न्यूज पॉडकास्ट 'पोस्ट रिपोर्ट्स' भी खत्म हो जाएगा। वॉशिंगटन पोस्ट ने मिडिल ईस्ट, इंडिया और ऑस्ट्रेलिया से भी रिपोर्टर और एडिटर निकाल दिए हैं।

एग्जीक्यूटिव एडिटर मैट मरे ने कर्मचारियों से कहा कि अखबार पाठकों की जरूरतों को पूरा नहीं कर पा रही है। मरे ने कहा कि यह फैसला दर्दनाक, लेकिन जरूरी है। अखबार को बदलती तकनीक और पाठकों की आदतों के अनुसार खुद को ढालना होगा। अखबार का फोकस मुख्य रूप से राष्ट्रीय खबरों, राजनीति, बिजनेस और स्वास्थ्य पर ज्यादा होगा, जबकि अन्य क्षेत्रों में कवरेज काफी कम हो जाएगी। जिन कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया गया है, वे 10 अप्रैल तक कंपनी में बने रहेंगे, हालांकि उनसे काम करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी। उन्हें छह महीने तक स्वास्थ्य बीमा का लाभ मिलता रहेगा। काहिरा (मिस्र) ब्यूरो चीफ क्लेयर पार्कर ने एक्स पर लिखा कि पूरी मिडिल ईस्ट रिपोर्टिंग टीम को निकाल दिया गया है, जिसे समझना मुश्किल है।

यूक्रेन से युद्ध क्षेत्र में रिपोर्टिंग करने वाली लिजी जॉनसन को भी निकाल दिया गया है। एक स्पोर्ट्स रिपोर्टर को इटली में विंटर ओलंपिक्स कवर करने के दौरान छंटनी की सूचना मिली, लेकिन उन्होंने कहा कि वे स्टोरी फाइल करते रहेंगे।

एपस्टीन फाइल्स में बौध धर्मगुरू दलाई लामा का 157 बार जिक्र

तिब्बत, 5 फरवरी (एजेंसियां)। यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़े रिकॉर्ड में तिब्बत के धर्मगुरू दलाई लामा का नाम 157 बार आया है। 21 अक्टूबर 2012 के एक ईमेल में एप्स्टीन ने एक अनाम शख्स को लिखा है कि वह किसी आइलैंड पर होने वाले एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहा है, जिसमें दलाई लामा भी मौजूद रहेंगे। दलाई लामा इससे पहले भी विवादों में रहे हैं।

2023 में एक घटना सामने आई थी, जब उनका एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें वे एक नाबालिग छात्र से “मेरी जीभ चूसो” कहते हुए दिखे। इस पर दुनियाभर में कड़ी आलोचना हुई थी।

ब्रिटिश पर्यटकों को निकालने पर इजरायलियों ने की भारत की तारीफ

तेल अवीव, 5 फरवरी (एजेंसियां)। पर्यटन वीजा पर भारत आए दो ब्रिटिश नागरिकों को देश छोड़ने के लिए कहा गया है। अधिकारियों ने पुष्कर में सार्वजनिक स्थानों पर फिलिस्तीन के समर्थन और इजरायल विरोधी स्टिकर चिपकाने के लिए ये कार्रवाई की गई है। राजनीतिक गतिविधियों में शामिल पाते हुए राजस्थान पुलिस ने दोनों ब्रिटिश पर्यटकों को भारत छोड़ने का नोटिस दिया है। इस कार्रवाई ने इजरायलियों को खुश कर दिया है। इजरायल के कई सोशल यूजर्स ने इस कदम की खुले दिल से सराहना की है।

इजरायली हनन्या नफ्ताली ने एक्स पर लिखा, 'पुष्कर में इजरायल के खिलाफ नफरत फैलाने की कोशिश करने वाले दो ब्रिटिश टूरिस्ट को भारत से बाहर निकाला गया है। ये लोग यहूदी देश को निशाना बनाने के लिए अपने वीजा नियमों का उल्लंघन करते हैं। ऐसे लोगों के लिए जीरो टॉलरेंस रखकर भारत ने अच्छा किया है।'

एक और इजरायली माइकल डिक्सन ने एक्स पर भारत से निकाले गए दोनों टूरिस्ट का फोटो शेयर किया है। उन्होंने फोटो शेयर करते हुए अपने पोस्ट में लिखा, 'इन ब्रिटिश टूरिस्ट ने भारत के पुष्कर में इजरायल विरोधी स्टिकर बांटे थे। अब उन्हें वीजा की शर्तों का उल्लंघन करने के लिए देश से निकाल दिया जाएगा।'

जापान को मार्कस द्वीप के पास मिला 'जादुई कीचड़' क्या है ?

टोक्यो में खुशी की लहर, चीन की दादागिरी होगी खत्म ?

टोक्यो, 5 फरवरी (एजेंसियां)। जापान ने रेयर अर्थ की खोज पर बड़ी सफलता का ऐलान किया है। जापान को अपने एक द्वीप से दुर्लभ खनिज वाले गहरे समुद्र के तलछट को सफलतापूर्वक ड्रिल करके निकालने में कामयाबी मिली है। इसे जापान की रेयर अर्थ रिच मड (जादुई कीचड़) कहा जा रहा है। इसने जापान की रेयर अर्थ से जुड़ी उम्मीदों को बढ़ा दिया है। जापानी सरकार को उम्मीद है कि इससे रेयर अर्थ के लिए उनकी चीन पर निर्भरता कम हो जाएगी।

जापानी प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची ने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा, 'गहरे समुद्र में ड्रिलिंग करने वाले जहाज चिक्यू ने मिनमिटोरिशिमा (मार्कस द्वीप) के पास 6,000 मीटर (19,700 फीट) की गहराई से तलछट सफलतापूर्वक इकट्ठा किया। इतनी गहराई से दुर्लभ खनिजों को निकालने का यह परीक्षण दुनिया में पहली बार हुआ है।'

ताकाइची ने कहा है कि यह जापान में घरेलू स्तर पर दुर्लभ खनिजों के औद्योगीकरण की दिशा में पहला कदम है। हम किसी एक देश पर अत्यधिक निर्भरता से बचने के लिए दुर्लभ खनिजों के लिए मजबूत आपूर्ति श्रृंखला हासिल करने की दिशा में प्रयास करेंगे। इस समय रेयर अर्थ की ग्लोबल सप्लाई पर चीन का प्रभाव है।

जापानी आधिकारियों ने बताया है कि उनका रिसर्च जहाज चिक्यू 12 जनवरी को टोक्यो से रवाना होकर 1,900 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में मिनमिटोरिशिमा द्वीप पहुंचा। उसने 30 जनवरी को रिकवरी ऑपरेशन शुरू किया और 1 फरवरी को इनोवेटिव ओशन डेवलपमेंट ने समुद्र तल से दुर्लभ तलछट के सफल निष्कर्षण का ऐलान किया।

डोभाल की बैकडोर बातचीत के बाद अमेरिकी ट्रेड डील

विदेश मंत्री से कहा था- भारत झुकेगा नहीं, ट्रम्प के हटने का इंतजार करेंगे

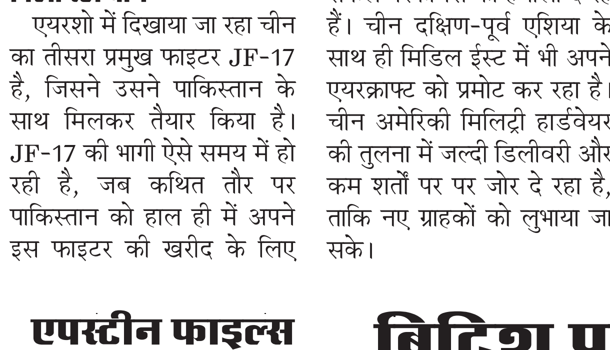

नई दिल्ली/वॉशिंगटन, 5 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले साल सितंबर की शुरुआत में चीन गए थे, जहां उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से दोस्ताना मुलाकात की थी। इसके कुछ ही दिनों बाद भारत ने अमेरिका के साथ बिगड़ते रिश्तों को संभालने की कोशिशें तेज कर दीं। इसी सिलसिले में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल को वॉशिंगटन भेजा गया। वहां उन्होंने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो से मुलाकात की। यह जानकारी अमेरिकी मीडिया ब्लूमबर्ग ने सूत्रों के हवाले से दी है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, इस बातचीत में डोभाल ने साफ कहा कि भारत अमेरिका के साथ चल रही कड़वाहट को खत्म करना चाहता है और दोबारा ट्रेड डील पर बातचीत शुरू करने के लिए तैयार है। हालांकि, डोभाल ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत किसी भी तरह के दबाव में नहीं आएगा।

उन्होंने कहा कि अगर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उनकी टीम सख्त रुख अपनाती है, तो भारत मौजूदा सरकार के कार्यकाल के खत्म होने का इंतजार भी कर सकता है। भारत इससे पहले भी अमेरिका की मुश्किल सरकारों का सामना कर चुका है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, डोभाल ने यह भी कहा था कि भारत चाहता है कि ट्रम्प और उनके सहयोगी भारत के खिलाफ खुलेआम बयान देना बंद करें, ताकि रिश्ते दोबारा पटरी पर आ सकें। उस वक्त भारत ट्रम्प के बयानों से नाराज था, क्योंकि अगस्त में ट्रम्प ने भारतीय सामान पर 50% टैक्स लगा दिया था। ट्रम्प ने भारत की अर्थव्यवस्था को 'डेड' (मरी हुई) कहा था और आरोप लगाया था कि भारत रूस से तेल खरीदकर यूक्रेन युद्ध में मदद कर रहा है।

बोकारो के ये हैं टॉप फेमस शिव मंदिर महाशिवरात्रि पर उमड़ती है लाखों की भीड़!

शिवरात्रि का पर्व हर साल बोकारो में श्रद्धा और आस्था के साथ बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है जहां जिले के प्रसिद्ध शिवालय और शिव मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना, जलाभिषेक और भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिलती है ऐसे में आज बोकारो के प्रसिद्ध शिव मंदिर के बारे में जानेंगे जहां दुर दराज से लोग दर्शन के लिए पहुंचते हैं बोकारो के सेक्टर 12 में स्थित ओंकारेश्वर मंदिर अपनी अनोखी बनावट और विशाल आकार के शिवलिंग के लिए प्रसिद्ध है। जहां महाशिवरात्रि और सावन महीने में भव्य पूजा का आयोजन किया जाता है। इस मंदिर के ऊपर 30 फीट ऊंचा शिवलिंग स्थापित है, जिसे देखने दुर-दुर से लोग आते हैं। इस मंदिर का निर्माण 2001 में हुआ था और मंदिर के अंदर शिवलिंग के साथ भगवान शिव परिवार की मूर्तियां भी स्थापित हैं।

बोकारो के चास प्रखंड के कुमहरी पंचायत में स्थित चेचका धाम बोकारो के ऐतिहासिक धार्मिक स्थलों में से एक है। जहां 19 से भी अधिक मंदिर जैसे शिव पार्वती, हनुमान, शीतला मां ,काल भैरव और अन्य मंदिर स्थापित हैं। इस स्थल पर भगवान विष्णु के पदचिन्ह , शंख, चक्र और गदा के निशान सबसे अनोखा बनती है, जिसे स्थानीय लोगों मे गहरी आस्था है वहीं, चेचका धाम मंदिर के पुजारी और स्थानीय लोगों के मान्यता अनुसार चेचका धाम में भगवान विष्णु जी द्वारा शिवलिंग की स्थापना की गई थी और वर्षों बाद मंदिर की पुरोहित के स्वपन में भगवान शिव आकर उन्हें शिवलिंग में पूजा अर्चना करने की आज्ञा दिए थे। तभी से चेचका धाम मंदिर में स्थापित शिवालय बहुत ही प्रसिद्ध है। यहां दूर-दूर से लोग शिवरात्रि, सावन और सोमवार को जल चढ़ाने आते हैं।

बोकारो के चास प्रखंड के नारणपुर में स्थित जरुआटाड़ बूढ़ा बाबा मंदिर विशेष रूप से मनोकामना शिवलिंग के लिए प्रसिद्ध है। क्योंकि, इस मंदिर से रहस्यमई कथा भी जुड़ी हुई है। मंदिर के पुजारी के अनुसार 17वीं सदी के दोरान इस स्थान पर घाना जंगल हुआ करता था। एक दिन एक लोहार शिवलिंग को पत्थर समझकर इसी पर अपने औजार तेज कर रहा था तभी पत्थर पर लगातार चोट पड़ने से अचानक दूध की धारा फूट पड़ी। यह देख लोहार हैरान रह गया। दूध की धारा इतनी तेज थी कि सामने स्थित तालाब मिनटों में भर गया।

तभी इस घटना से आसपास के इलाके में हलचल मच गई। कुछ दिनों बाद काशीपुर के राजा को भगवान शिव ने सपने में दर्शन दिया। भगवान शिव ने राजा को आदेश दिया कि वे शिवलिंग के रूप में प्रकट हुए हैं। इसके बाद राजा ने बनारस से पंडित बुलाकर यहां पर पूजा-अर्चना शुरू कराई। तभी से यहां बूढ़ा बाबा मंदिर में भगवान शंकर की आराधना हो रही है।

बोकारो जिले के चास में स्थित बूढ़ा बाबा धाम प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। शिवरात्रि, सावन मास और प्रत्येक सोमवार को यहां भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है।

यह मंदिर चास वासियों की आस्था का प्रमुख केंद्र माना जाता है। और स्थानीय लोगों की मान्यता अनुसार सच्चे मन से पूजा करने पर मनचाहा वर या वधू की प्राप्ति होती है।

वहीं, मंदिर के पुजारी विजय शास्त्री ने बताया कि इस मंदिर का इतिहास 200 वर्षों से भी अधिक पुराना है। यहां विराजमान शिवलिंग स्वयंभू शंकर हैं। यानी भगवान शिव स्वयं यहां प्रकट हुए थे। बीते कई वर्षों से इस मंदिर में पूजा-अर्चना होती आ रही है। करीब 80 साल पहले यहां एक पक्के मंदिर का निर्माण किया गया था।

बोकारो चास प्रखंड के डूमर जोड़ में स्थित बाबा भूतनाथ मंदिर भी प्रसिद्ध शिव मंदिरों में से एक है।

जहां दूर-दूर से श्रद्धालु पूजा अर्चना करने के लिए आते हैं। यह मंदिर विशेष तौर पर गाड़ी पूजन के लिए भी जाना जाता है।

शिवरात्रि पर यहां भव्य शिव बारात

वहीं, भूतनाथ मंदिर के रहस्य के बारे में पुजारी बाबा बनवारी लाल का कहना है कि इस अद्भुत शिवलिंग के नीचे बाबा मगधदास की समाधि है। यह बाबा भूतनाथ द्वारा स्थापित किया गया था। वह एक अघोरी संत थे। उन्होंने राजस्थान के जयपुर से झारखंड आकर श्मशान घाट में उन्होंने तपस्या की थी। फिर बाबा ने छोटी सी कुटिया पर छोटा सा मंदिर बनाया।

पूर्णिया का यह शिव मंदिर 500 साल पुराना है

बरसात में इंद्रदेव भी करते हैं भोलेनाथ का जलाभिषेक

आज तक आपने अलग-अलग मंदिरों की अलग-अलग मान्यताओं के बारे में आपने जरूर सुना होगा लेकिन बिहार के पूर्णिया के फोर्ड कंपनी चौक स्थित बाबा पूर्णेश्वर नाथ शिव मंदिर की भी कुछ ऐसी अनोखी मान्यता है। यहां आने वाले भक्तों की हर कामना पूरी होती है।

यह मंदिर पूर्णिया जिला के ऐतिहासिक और प्राचीन मंदिरों में एक माना जाता है।वही इस मंदिर की स्थापना से लेकर पूजा पाठ तक लोगों के लिए खूब फलीभूत देखा जा रहा है। इस मंदिर में एक साथ कई प्रतिमाये हैं।जिनकी रोजाना पूजा की जाती हैं।वही यह मंदिर फोर्ड कंपनी चौक पर स्थित देव आनंदालय के नाम से मंदिर परिसर प्रसिद्ध है।वही इस मंदिर परिसर में आपको भगवान भोलेनाथ से लेकर माता काली एवं राधा कृष्ण सहित अन्य कई देवी देवताओं के दर्शन होंगे।

पूर्णिया के फोर्ड कंपनी चौक पर स्थित यह मंदिर

वही मंदिर कमेटी के सदस्य एवं स्थानीय लोग स्वामी परवीन आनंद कौर,रणवीर सिंह एवं प्रेमकांत सहित अन्य लोगों ने बताया कि यह मंदिर लगभग 500 साल पुरानी मंदिर है।वहीं इस मंदिर में सुबह से शाम तक श्रद्धालुओं की अपार भीड़ देखी जाती है।जबकि उन्होंने कहा कि यह मंदिर पूर्णिया के शम्बुकेश्वरी काली मंदिर परिसर में बाबा पुर्नेश्वर नाथ शिव मंदिर भी स्थित है।वही यह शिव मंदिर और काली मंदिर गुरु शंभूकानंद महाराज की प्रेरणा से बनी थी।वही इस मन्दिर का निर्माण हुआ और उनकी के मार्गदर्शन पर ही बना। मा काली और भगवान भोलेनाथ ने स्वप्न देकर वरदान दिया था।

छत में भी छिद्र जिससे बारिश की बूंदे शिवलिंग का जलाभिषेक करती हैं

वही इस मंदिर कमेटी के सदस्य एवं मंदिर के पुजारी बताते हैं कि इस मंदिर में आने वाले भक्तों की हर मनोकामना पूरी होती है। इस मंदिर परिसर में बने शिव मंदिर बाबा पूर्णेश्वर नाथ शिव मंदिर बहुत प्रसिद्ध के साथ अनोखी मान्यताओं से भी जुड़ा है। वही उन्होंने कहा इस मंदिर के परिसर में स्थित पूर्णेश्वर नाथ शिव मंदिर में अनोखी शिवलिंग होने के साथ-साथ उनकी छत पर भी शिवलिंग का भव्य आकार बनाया गया है।वहीं इस शिवलिंग पर नागदेव एवं त्रिशूल डमरू को भी दर्शाया गया है। इसे खास कारीगरी के द्वारा बनाया गया था।साथ ही साथ इस शिवलिंग वाली छत में एक ऐसी छिद्र दी गई है। जिसमें बारिश होने से बारिश की बूंदे भगवान भोलेनाथ के शीर्ष शिवलिंग पर चढ़ते हैं तो वहीं धूप की किरने भी उन तक पहुंचती है।साथ ही साथ यह मंदिर खास मान्यताओं के कारण यह मंदिर पूर्णिया जिले में खूब फेमस है।

रात में कपड़े धोने की आदत कहीं आपकी खुशियों पर तो नहीं डाल रही अदृश्य ग्रहण?

वास्तु शास्त्र के अनुसार दिन का समय सूर्य की सक्रिय ऊर्जा से जुड़ा होता है। सुबह और दोपहर के समय वातावरण में सकारात्मकता अधिक रहती है। वहीं रात का समय तामसिक ऊर्जा का माना जाता है, जब नकारात्मक शक्तियां ज़्यादा सक्रिय होती हैं।

ऐसे समय में अगर कपड़े धोए जाते हैं, खासकर खुले स्थान पर सुखाने के लिए डाले जाते हैं, तो माना जाता है कि वे नकारात्मक ऊर्जा को सोख लेते हैं। बाद में जब वही कपड़े पहने जाते हैं, तो उसका असर सीधे व्यक्ति के मन और शरीर पर पड़ सकता है।

गीले कपड़े और नकारात्मक ऊर्जा का संबंध

वास्तु विशेषज्ञों के अनुसार गीले कपड़े ऊर्जा को जल्दी करते हैं।

रात के समय वातावरण में मौजूद भारी और नकारात्मक कंपन गीले कपड़ों के ज़रिए घर में प्रवेश कर सकते हैं। यही वजह है कि पुराने समय में कपड़े हमेशा दिन में धोने और धूप में सुखाने की परंपरा थी।

रात में कपड़े धोने से क्या समस्याएं हो सकती हैं? कई लोगों को लगता है कि यह सिर्फ एक मान्यता है, लेकिन वास्तु के अनुसार इसके प्रभाव धीरे-धीरे सामने आते हैं।

रात में धुले कपड़े पहनने से व्यक्ति को बेचैनी, अनचाहा तनाव और नींद से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। कई लोग बिना वजह चिड़चिड़ापन महसूस करने लगते हैं।

घर में बढ़ता वास्तु दोष

अगर यह आदत रोज़ की बन जाए, तो घर में वास्तु दोष बढ़ने लगता है। इसका असर पारिवारिक रिश्तों, आर्थिक स्थिति और स्वास्थ्य पर भी पड़ सकता है।

सकारात्मक ऊर्जा में कमी

दिन में धूप में सुखाए गए कपड़ों में प्राकृतिक ऊर्जा होती है, जो मन को शांत रखने में मदद करती है। रात में धोए गए कपड़ों में यह ऊर्जा नहीं रह पाती।

अगर मजबूरी हो तो क्या करें?

आज के समय में हर किसी के लिए नियमों का पालन करना आसान नहीं होता। अगर कभी-कभार रात में कपड़े धोने की मजबूरी हो, तो उन्हें बाहर खुले में सुखाने से बचें। बेहतर है कि सुबह धूप निकलने पर ही कपड़े सुखाएं और पहनने से पहले अच्छे से हवा लगने दें।

सही समय पर सही आदत

वास्तु शास्त्र का मकसद डर पैदा करना नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित रखना है। छोटी-छोटी आदतों में बदलाव करके आप घर के माहौल को बेहतर बना सकते हैं।

कपड़े धोने जैसे रोज़मर्रा के काम अगर सही समय पर किए जाएं, तो उसका सकारात्मक असर लंबे समय तक महसूस होता है।

सिर्फ शादी नहीं, हर नई शुरुआत में क्यों गूंजता है "मंगलम भगवान विष्णुः"?

क्या है इसका अर्थ और महत्व

घर में कोई नया काम शुरू होना है शादी की तैयारी, गृह प्रवेश, या फिर किसी नए प्रोजेक्ट की पहली फाइल। ऐसे मौकों पर अक्सर एक संस्कृत श्लोक अपने आप जुबान पर आ जाता है "मंगलम भगवान विष्णुः..."। यह सिर्फ परंपरा नहीं, बल्कि सदियों से चली आ रही एक आस्था है, जो आज भी उतनी ही जीवित और प्रासंगिक है। यह मंत्र न तो किसी एक वर्ग तक सीमित है और न ही किसी खास समय तक। कारण साफ है लोग मानते हैं कि जब शुरुआत मंगलमय हो, तो रास्ते खुद-ब-खुद आसान हो जाते हैं। यही वजह है कि मंगलम भगवान विष्णु मंत्र आज भी धार्मिक आस्था, मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा का मजबूत प्रतीक बना हुआ है। असल में इसका अर्थ और महत्व क्या है आइए जानते हैं भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा से।

क्या है मंगलम भगवान विष्णु मंत्र

यह प्रसिद्ध संस्कृत मंत्र भगवान विष्णु की स्तुति में रचा गया है, जिसमें उन्हें मंगल, कल्याण और संरक्षण का स्रोत माना गया है।

"मंगलम भगवान विष्णुः, मंगलम गरुणध्वजः..." इन पंक्तियों में विष्णु को न केवल सृष्टि का पालनकर्ता बताया गया है, बल्कि जीवन के हर कार्य को शुभ बनाने

वाला भी माना गया है। धार्मिक ग्रंथों में इसे मंगलाचरण कहा गया है, यानी किसी भी शुभ कार्य से पहले बोला जाने वाला मंत्र।

मंगलम भगवान विष्णु, मंगलम गरुड़ ध्वजा" प्रसिद्ध विष्णु मंत्र का प्रारंभिक भाग है,जिसका अर्थ हैः

"सर्वव्यापी भगवान विष्णु मंगलकारी हैं, और गरुड़ को अपने ध्वज (पताका) पर धारण करने वाले (भगवान विष्णु) भी मंगलकारी हैं"। यह श्लोक किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत में भगवान विष्णु से कल्याण और समृद्धि की प्रार्थना करने के लिए उपयोग किया जाता है।

विस्तार अर्थ और महत्वः

मूल मंत्रः मंगलम भगवान विष्णुः, मंगलम गरुड़ध्वजः। मङ्गलं पुण्डरीकाक्षः, मङ्गलाय तनो हरिः॥

मंगलम भगवान विष्णुः भगवान विष्णु स्वयं मंगल (कल्याण/शुभ) स्वरूप हैं।

मंगलम गरुड़ ध्वजः जिनके ध्वज में गरुड़ अंकित हैं, वे विष्णु भी मंगलकारी हैं।

मंगलम पुंडरीकाक्षः कमल के समान नेत्रों वाले भगवान विष्णु (पुंडरीकाक्ष) का हर कार्य मंगलमय है।

मंगलाय तनो हरिः सर्व-कल्याण करने वाले हरि (विष्णु) सभी का कल्याण (मंगल) करें।

क्यों हर शुभ काम से पहले होता है इसका जाप

परंपरा और मनोविज्ञान का मेल

भारत में किसी भी पूजा, विवाह या संस्कार की शुरुआत इस मंत्र से होना आम बात है। बुजुर्ग मानते हैं कि यह मंत्र बाधाओं को दूर करता है। वहीं, मनोवैज्ञानिक नजरिए से देखें तो यह मंत्र मन को स्थिर करता है और आत्मविश्वास बढ़ाता है। जब मन शांत होता है, तो फैसले भी बेहतर होते हैं।

वास्तविक जीवन से जुड़ा विश्वास

आज भी कई लोग नया बिजनेस शुरू करने, परीक्षा देने या इंटरव्यू से पहले इस मंत्र का जाप करते हैं। उनका मानना है कि इससे नकारात्मक सोच कम होती है और फोकस बना रहता है।

मंत्र जाप की सही विधि

समय और वातावरण

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, ब्रह्म मुहूर्त यानी सुबह 4 से 6 बजे का समय सबसे उपयुक्त माना गया है। साफ-सुथरे वातावरण में, भगवान विष्णु की प्रतिमा या चित्र के सामने बैठकर मंत्र जाप किया जाता है।

साथ भोजन करने से शांति व प्रेम का माहौल बनता है

जीवन में अशांति आने के अनेक रास्ते हैं, पर शांति के मार्ग सीमित हैं। उनमें से एक है- भोजन। अन्न भी हमें बहुत शांति पहुंचा सकता है। भोजन का संबंध तीन बातों से हैं- बनाना, परोसना, खाना। और यदि ये ठीक हों तो पचाना आसान है।

अन्न की ये तीनों प्रक्रियाएं मनुष्य को शांत कर सकती हैं। अब तो मनोवैज्ञानिकों ने भी मान लिया है कि साथ बैठकर जो लोग भोजन करते हैं, उनके परिवारों में शांति और प्रेम का वातावरण बनता ही है। नए प्रयोग इस बात के हो रहे हैं- जिसको वेल बीइंग थ्रू कुकिंग कहते हैं- कि यदि कोई एक-दो सदस्य भोजन बना रहे हों तो दो-चार को और उसमें जुट जाना चाहिए।

बनते हुए भोजन को जितने हाथों का साथ मिलेगा, भोजन में उतना ही आनंद आएगा। आज एकल खाने की वृत्ति बढ़ गई है। लेकिन सिंगल डाइनर्स आगे जाकर अपने को अशांत पाएंगे। हमारे यहां सभी धार्मिक अनुष्ठानों में इसीलिए अन्न का बड़ा महत्व बताया है। वैसे आजकल अनुष्ठानों की बनावट बड़ी जटिल है और आयोजनों की सजावट कुटिल है। ऐसे में कम से कम घर में तो अन्न देवता का मान करें।

जिसे लोग पापी कहते हैं, क्या उसकी मदद करना है पुण्य?

कभी सड़क किनारे किसी परेशान व्यक्ति को देखकर मन में सवाल उठा है "ये अपने कर्मों का फल भोग रहा होगा"? या किसी ने मदद से पहले कान में फुसफुसाया हो "पापी आदमी है, दूरी रखो"?

कर्म, पाप और इंसान की पीड़ा का सच

भारतीय दर्शन में कर्म को जीवन का आधार माना गया है। अच्छे कर्म सुख देते हैं, बुरे कर्म दुख। यही वजह है कि जब कोई व्यक्ति संकट में होता है, तो अक्सर समाज उसे उसके "पूर्व कर्मों" से जोड़ देता है। लेकिन यहीं से एक उलझन शुरू होती है अगर कोई अपने कर्मों का फल भोग रहा है, तो क्या हमें हस्तक्षेप करना चाहिए? या उसे उसके हाल पर छोड़ देना ही धर्म है?

रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ा सवाल मान लीजिए, कोई व्यक्ति आर्थिक तंगी से जूझ रहा है। लोग कहते हैं, "जरूर कुछ गलत किया होगा।" ऐसे में मदद करने वाला भी हिचकता है कहीं मैं उसके पाप का भागीदार न बन जाऊं। यही सोच प्रेमानंद जी महाराज ने पूरी तरह खारिज की है।

प्रेमानंद जी महाराज से पूछा गया सीधा सवाल

एक भक्त ने उनसे साफ पूछा

"अगर कोई व्यक्ति पापी है और दुख भोग रहा है, तो क्या उसकी मदद करनी चाहिए? और अगर की, तो क्या मदद करने वाले को भी पाप लगता है?" यह सवाल जितना सीधा है, उतना ही आम भी। और जवाब उतना ही गहरा।

पापी की मदद पर प्रेमानंद जी महाराज की स्पष्ट राय

प्रेमानंद जी महाराज ने बिना किसी घुमाव के कहा

"पापी की मदद करने वाला पापी नहीं, बल्कि पुण्यात्मा होता है।"

उनका कहना है कि बिना ईश्वर की इच्छा के हमारी दृष्टि किसी दुखी व्यक्ति पर पड़ ही नहीं सकती। अगर कोई पीड़ित आपकी नजर में आता है, तो यह संकेत है कि ईश्वर आपको सेवा का अवसर दे रहे हैं। भगवान सेवा का माध्यम बनाते हैं महाराज के अनुसार, हम सिर्फ माध्यम होते हैं। ईश्वर किसी के पाप नष्ट करने के लिए किसी और को सेवा का अवसर देते हैं। ऐसे में मदद से पीछे हटना वास्तव में उस अवसर को ठुकराना है।

सेवा से बढ़ता है पुण्य, घटता है पाप

प्रेमानंद जी महाराज का मानना है कि सेवा दो तरफा होती है।

-मदद करने वाले का पुण्य बढ़ता है

-दुख झेल रहे व्यक्ति के पापों का क्षय होता है

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे अंधेरे में दिया जलाने से अंधेरा नहीं फैलता, वैसे ही सेवा करने से पाप नहीं बढ़ता। सेवा तो प्रकाश है।

स्वतंत्र वार्ता
शुक्रवार, 6 फरवरी - 2026

राजनीति अंधे मोड पर

राजनीति सक्रिय ही नहीं, बल्कि आक्रामक होती जा रही है। मणिपुर में नई चुनी हुई सरकार ने तो वापसी कर ली लेकिन, पश्चिम बंगाल में संवैधानिक संस्थाओं से सीधी भिड़ंत दिख रहा है। दिल्ली में बढ़ता सियासी तनाव अलग-अलग दिखती जरूर हैं, लेकिन इनके भीतर छिपी बेचैनी एक ही है। लाख टके का सवाल यह नहीं कि कौन सत्ता में है, बल्कि यह है कि लोकतंत्र की सीमाएं कहां तक सुरक्षित हैं। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन हटाकर नई सरकार की बहाली हो चुकी है, लेकिन यह वापसी भी राहत से अधिक परीक्षा है। जिस राज्य में सामाजिक ताना-बाना तार-तार हो चुका हो, वहां केवल सरकार बना देना ही समाधान नहीं होता। आने वाला विधानसभा चुनाव मणिपुर की राजनीतिक परिपक्वता का असली इम्तिहान होगा। सरकार को साबित करना होगा कि वह सिर्फ सत्ता संभालने नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने में भी सक्षम है। यदि जातीय संतुलन और कानून-व्यवस्था पर नियंत्रण नहीं हुआ, तो यह वापसी केवल कागज़ी उपलब्धि बनकर रह जाएगी। दूसरी ओर, पश्चिम बंगाल की राजनीति देश के संघीय ढांचे के लिए कहीं अधिक गंभीर संकेत दे रही है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का चुनाव आयोग और केंद्र सरकार के खिलाफ खुला संघर्ष अब राजनीतिक बयानबाजी से आगे बढ़ चुका है। एसआईआर जैसे संवेदनशील मुद्दों को लेकर संवैधानिक संस्थाओं पर सीधे सवाल खड़े करना न केवल राज्य-केंद्र संबंधों को ज़हरीला बनाता है, बल्कि लोकतंत्र की नींव को भी झकझोर देता है। चुनाव आयोग पर पक्षपात के आरोप कोई नए नहीं हैं, लेकिन जब इन्हें सत्ता से हवा मिलती है, तो संस्थागत विश्वास कमजोर हो जाता है। यह संघर्ष यदि इसी दिशा में बढ़ता रहा, तो बंगाल केवल राजनीतिक रणभूमि नहीं, बल्कि संवैधानिक संकट का केंद्र भी बन सकता है। राजधानी दिल्ली में भी संसद से सड़क तक संवाद कम, टकराव ज्यादा दिख रहे हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे गंभीर मुद्दों पर भी राजनीतिक सहमति बन पाने में असफलता चिंता बढ़ाने वाली है। विपक्ष के आरोप कि उसे बोलने से रोका जा रहा है और सत्ता पक्ष का यह दावा कि बहस बाधित की जा रही है, दोनों ही लोकतांत्रिक गरिमा के खिलाफ हैं। यदि ऐसा ही चलता रहा तो जनता का भरोसा कहां टिकेगा? मणिपुर, बंगाल और दिल्ली मोर्चों का साझा संकट यही है कि राजनीतिक समाधान से ज्यादा टकराव पर केंद्रित हो गई है। दोनों की प्राथमिकता चुनावी लाभ की हो कर रह गई है, न कि लोकतांत्रिक संतुलन की। संस्थाओं को कमजोर कर देश को नहीं संभाला जा सकता। सरकारों को यह नहीं भूलना चाहिए कि शक्ति अस्थायी होती है, लेकिन संस्थाएं स्थायी। वहीं विपक्ष को भी जिम्मेदारी है कि वह विरोध को अवरोध में न बदले। सियासत का उद्देश्य जनता की समस्याओं का समाधान होना चाहिए, न कि लगातार संकट पैदा करना। आज ज़रूरत इस बात की है कि मणिपुर में शांति को केवल राजनीतिक नहीं, सामाजिक आधार मिले; बंगाल में टकराव की राजनीति की जगह संवैधानिक संवाद लौटे; और दिल्ली में संसद फिर से बहस का केंद्र बने।

एक 'ऐतिहासिक सफलता' या 'राजनीतिक संकेत'

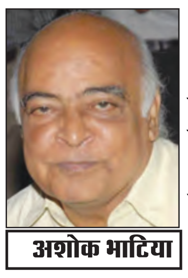

अशोक भाटिया

भारत और अमेरिका के बीच हाल ही में घोषित व्यापार समझौता (फरवरी 2026) पारदर्शिता की कमी, रूसी तेल आयात पर मौन और वाशिंगटन द्वारा बड़े दावों के कारण रहस्यमय और संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। हालाँकि अमेरिकी टैरिफ में 18% तक की कटौती हुई है, लेकिन पूर्ण दस्तावेज न होने से भारतीय कृषि और रणनीतिक स्वायत्तता पर इसके प्रभाव को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं जैसे पारदर्शिता का अभाव - भारत सरकार ने समझौते के विशिष्ट विवरण, लिखित शर्तों या आधिकारिक पाठ को पूरी तरह से सार्वजनिक नहीं किया है, जिससे यह संदेह गहरा गया है रूसी तेल और भू-राजनीतिक दबाव - राष्ट्रपति ट्रम्प ने दावा किया कि भारत ने रूसी तेल आयात बंद करने का वादा किया है, लेकिन भारत की ओर से इस पर कोई पुष्टि नहीं की गई है, जो एक बड़ा रहस्य बना हुआ है। कृषि और डेयरी क्षेत्र पर खतरा: विपक्षी दलों ने चिंता जताई है कि भारत ने अपने कृषि और डेयरी बाजारों को अमेरिकी उत्पादों के लिए खोल दिया है, जो भारतीय किसानों के हितों के खिलाफ हो सकता है।दावों में अंतर- अमेरिका ने दावा किया कि भारत $500 बिलियन से अधिक के अमेरिकी सामान खरीदेगा, जबकि भारत ने केवल टैरिफ में कमी (18% तक) पर ही ध्यान केंद्रित किया, न कि बड़ी खरीदारी के दावों पर।संप्रभुता का सवाल: इस बात पर बहस है कि क्या यह समझौता भारत की स्वतंत्र विदेश और व्यापार नीति के अनुरूप है, या यह अमेरिकी दबाव में लिया गया कोई निर्णय है। इस प्रकार, इस समझौते को एक 'ऐतिहासिक सफलता' के बजाय 'राजनीतिक संकेत' या 'विश्वास बहाली का उपाय' अधिक माना जा रहा है तथा भारत और अमेरिका के बीच तथाकथित व्यापार समझौता बेहद रहस्यमय मामला नजर आ रहा है। देखा जाय तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा इस समझौते की एकतरफा घोषणा का स्वागत किया क्योंकि किसी भी कारण से किसी भी तरह के व्यापार और उद्योग का विरोध करना अवैध है, लेकिन अगर समझौते की घोषणा के 24 घंटे बाद भी किसी भी विवरण के बारे में कोई जानकारी नहीं है, तो संदेह होना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच तथाकथित समझौता, जिसमें कोई विवरण, कोई क्लॉज, कोई रिकॉर्ड नहीं है, एक रहस्य है जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है।

उन्होंने कहा कि किसी भी समझौते के लिए कम से कम दो पक्षों और सभी संबंधित लोगों की सहमति की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि भारत को साथ नहीं लिया गया, लेकिन उन्होंने पारस्परिक रूप से घोषणा की कि भारत को साथ लेकर बिना किसी समझौते के दोनों देशों के बीच समझौता हुआ है और अब समय आ गया है कि हम इसे एमयू कहें। उन्होंने कनाडा के साथ भी ऐसा ही करने की कोशिश की। हालांकि, देश के प्रधान मंत्री, मार्क कार्नी ने ट्रम्प को मना लिया, और कनाडा-अमेरिका सौदा गुब्बारा गया। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने ट्रम्प की घोषणा पर टिप्पणी की और आश्वासन दिया कि तथाकथित समझौते से भारतीय कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के हितों को किसी भी तरह से नुकसान नहीं होगा। हालांकि, उसके बाद, भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच व्यापार के आकार की वर्तमान वास्तविकता के साथ-साथ संयुक्त राज्य अमेरिका में इस पर टिप्पणी के लिए लगातार दूसरे दिन टिप्पणी की आवश्यकता थी।

सबसे पहले संयुक्त राज्य अमेरिका में क्या हुआ। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कथित सौदे के विवरण पर चर्चा करने के लिए मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। ये ट्रम्प की घोषणा की रिपीट है, जिसका मतलब है कि ट्रम्प ने जो घोषणा की है, उसे अमेरिकी सरकार ने बहुत गंभीरता से लिया है और उसी के अनुसार आगे भी कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। लेकिन ये कुछ बहुत महत्वपूर्ण सवाल उठाता है। पहला मुद्दा भारत की तेल खरीद का है, हम रूस से तेल खरीदना बंद करने जा रहे हैं क्योंकि अमेरिका ऐसा नहीं चाहता है। ट्रम्प और लेविट यही कहते हैं। लेकिन तेल खरीदना पानी का नल नहीं है। जब आप इसे चालू करेंगे, तो पानी आएगा और जब आप इसे बंद करेंगे, तो यह बंद हो जाएगा। ये खरीद समझौते, जो हफ्तों और महीनों पहले किए जाते हैं, क्या उन्हें अचानक रद्द किया जा सकता है क्योंकि ट्रम्प ऐसा कहते हैं? उत्तर सकारात्मक हो सकता है, लेकिन इस तरह के समझौते में अक्सर मुआवजे का मुद्दा शामिल होता है, जो खरीद को एकतरफा रद्द करने और दूसरे पक्ष को नुकसान को रोकने के लिए है। यदि भारत और रूस के बीच तेल सौदा समाप्त हो जाता है तो भुगतान किए जाने वाले मुआवजे के बारे में क्या? इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि वेनेजुएला के तेल और रूसी तेल के बीच एक मूलभूत अंतर है: रूसी तेल हल्का और परिष्कृत करने में आसान है, और वेनेजुएला का तेल इसके ठीक विपरीत है, और यह सल्फर और अन्य प्रदूषकों के साथ भी अधिक प्रदूषणकारी है। और क्या उन्हें इसे सबसे पहले करना चाहिए? क्योंकि आप रूसी तेल को मौजूदा बाजार मूल्य की तुलना में 10 डॉलर प्रति बैरल सस्ता करते हैं, क्या आप इस लाभ को छोड़ देंगे क्योंकि ट्रम्प ऐसा सोचते हैं? ट्रम्प और लेविट के बीच दूसरा मुद्दा इस घोषणा के बारे में है कि वे संयुक्त राज्य अमेरिका से 50,000 बिलियन मूल्य का सामान खरीदेंगे, जो न केवल एक बड़ी राशि है, बल्कि भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच वर्तमान कारोबार केवल 4100 बिलियन है, और यदि आप सेवा क्षेत्र में लेनदेन मूल्य जोड़ते हैं, तो यह समान राशि से बढ़कर 8,000 बिलियन हो जाएगा, यानी हम संयुक्त राज्य अमेरिका से जो सामान और सेवाएं खरीदते हैं यह 50 ट्रिलियन डॉलर तक कैसे बढ़ सकता है? एक व्यवसाय ऐसे समय में 500 प्रतिशत कैसे बढ़ सकता है जब यह निश्चित है कि एक बकवास को छोड़कर कुछ भी इतनी तेजी से बढ़ सकता है? इस पर कुछ सरकारी समझदार लोगों का कहना है कि 50 हजार करोड़ डॉलर का लक्ष्य पांच साल का है; पहले वर्ष में नहीं। यह एक बार है, लेकिन यदि आप ऐसा करते भी हैं, तो आपको पहले वर्ष में $4100 मिलियन से संयुक्त राज्य अमेरिका से $10,000 बिलियन मूल्य की वस्तुएं और सेवाएं खरीदनी होंगी, एक ही वर्ष में 100 प्रतिशत की वृद्धि? ट्रंप और लेविट का तीसरा मुद्दा यह है कि भारत अमेरिकी उत्पादों पर शून्य प्रतिशत और अमेरिका में बिकने वाले भारतीय उत्पादों पर 18 प्रतिशत शुल्क लगाएगा। लेकिन जिन्हें साधारण एक्सचेंजों का व्यावहारिक ज्ञान है, वे भी इस पर विश्वास नहीं करेंगे। हम 18 प्रतिशत टैरिफ कैसे दे सकते हैं और अमेरिकी उत्पादों पर सभी करों को छूट कैसे दे सकते हैं। वर्तमान में, हम उस देश के उत्पादों पर 16 प्रतिशत का न्यूनतम आयात शुल्क लगाते हैं जिसे हमने 'विशेष दर्जा' दिया है, जिसका अर्थ है कि जब उस देश के उत्पाद भारतीय बाजार में पहुंचते हैं, तो उनकी कीमत 16 प्रतिशत बढ़ जाती है, कृषि उत्पादों पर आयात शुल्क 36.8 प्रतिशत है और कुछ उत्पादों के लिए 64.3 प्रतिशत है। यह है। ऐसा इसलिए, क्योंकि अगर ऐसा नहीं होता है, तो विदेशी उत्पाद भारतीय बाजार में घरेलू उत्पादों की तुलना में सस्ते होंगे, और हमारे किसान, उद्यमी सचमुच बर्बाद हो जाएंगे।

सेब से खेजड़ी तक : विकास बनाम पर्यावरण की एक जैसी लड़ाई

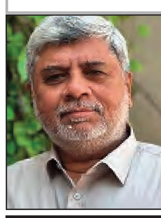

अमरपाल सिंह वर्मा

केंद्र सरकार ने हाल ही में कश्मीर में प्रस्तावित तीन रेलवे परियोजनाओं पर रोक लगाकर एक महत्वपूर्ण संदेश दिया है। यह फैसला सेब के बागों को बचाने के लिए लिया गया है, जिन पर इन रेल लाइनों के निर्माण से सीधा खतरा मंडरा रहा था। यह कदम न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सराहनीय है बल्कि उन किसानों के लिए भी बड़ी राहत है जिनकी आजीविका सेब के बागों पर निर्भर है।

प्रस्तावित रेलवे लाइनों के कारण पुलवामा, शोपियां और अनंतनाग जैसे इलाकों में सेब के हजारों पेड़ों के कटने की आशंका थी। ये इलाके कश्मीर के सेब उत्पादन का केंद्र हैं और वहां की ग्रामीण अर्थ व्यवस्था की रीढ़ माने जाते हैं। बीते एक साल से किसान इस डर में जी रहे थे कि विकास के नाम पर उनकी जमीन और रोजगार छिन जाएगा। इसी आशंका के चलते किसानों ने विरोध प्रदर्शन भी किए और सरकार से इन परियोजनाओं को रद्द करने की मांग की। रेल मंत्री ने स्पष्ट किया कि जम्मू-कश्मीर सरकार और राज्य के सांसदों की सिफारिश पर इन परियोजनाओं को रोका गया है ताकि बागों को नुकसान से बचाया जा सके। यह निर्णय इस बात की मिसाल है कि यदि सरकार चाहे, तो वह विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बना सकती है। पर बड़ा सवाल यह है कि क्या यही संवेदनशीलता देश के अन्य हिस्सों में भी दिखाई जा रही है?

इस सवाल के जवाब में राजस्थान के बीकानेर में चल रहा 'खेजड़ी बचाओ-प्रकृति बचाओ' आंदोलन ध्यान खींचता है। राजस्थान में सौर ऊर्जा परियोजनाओं के नाम पर हो रही पर्यावरणीय क्षति के विरोध में खड़ा हुआ है। इस आंदोलन के तहत पर्यावरण संघर्ष समिति ने बीकानेर में तीन दिन पहले महापड़ाव डाला है। महापड़ाव स्थल पर आमरण अनशन पर पहले 363 पर्यावरण प्रेमी बैठे, जिनकी संख्या बाद में 450 हो गई। इनमें 29 संत, एक साध्वी और 68 महिलाएं हैं। अनशन पर 18 के युवा से लेकर 80 साल तक के बुजुर्ग बैठे हुए हैं। कल तीसरे दिन आमरण अनशन पर बैठे 17 अनशनकारियों की तबीयत बिगड़ गई। 3 को गंभीर हालत में पीबीएम हॉस्पिटल में भर्ती करवाना पड़ा है। अब अनशनस्थल पर 75 बेड के 2 अस्थायी अस्पताल बनाए गए हैं। यह आदोलन राजस्थान मे खेजड़ी बचाने के लिए किया जा रहा है। अनशनकारियों की बिगड़ती तबीयत और अस्थाई अस्पतालों की व्यवस्था इस आंदोलन की गंभीरता को दर्शाती है।

यह सर्वविदित है कि राजस्थान आज देश में सौर ऊर्जा का बड़ा केंद्र बनता जा रहा है। जैसलमेर, बाड़मेर, बीकानेर और जोधपुर जैसे जिलों में बड़े पैमाने पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए जा रहे हैं। सरकार और कंपनियों का दावा है कि इससे भविष्य की ऊर्जा जरूरतें पूरी होंगी और देश का ऊर्जा परिदृश्य बदलेगा लेकिन इस विकास की कीमत क्या है, इस पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

पर्यावरण कार्यकर्ताओं का आरोप है कि सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए राजस्थान में पिछले एक दशक में लाखों पेड़ काटे गए हैं। इनमें खेजड़ी जैसे पारंपरिक और जीवनदायी वृक्ष भी शामिल हैं। खेजड़ी को राजस्थान में 'कल्प वृक्ष' का दर्जा प्राप्त है। यह न केवल मरुस्थलीय पर्यावरण को संतुलन देता है बल्कि इससे सांगरी जैसी सब्जी, पशुओं के लिए चारा और ग्रामीण समुदाय की आजीविका भी जुड़ी हुई है। जन्म से मृत्यु तक के सामाजिक संस्कारों में भी खेजड़ी की मौजूदगी अपरिहार्य है। महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के पर्यावरण विभाग के प्रो. अनिल छंगाणी की स्टडी में यह तथ्य उजागर हुआ है कि सोलर लगाने के लिए 10 साल में 50 लाख पेड़ काटे जा चुके हैं। इनमें खेजड़ी, बेर, केर, रोहिड़ा, बबूल आदि शामिल हैं। अध्ययनों में यह भी सामने आया है कि सौर प्लांटों के आसपास का तापमान औसतन 4-5 डिग्री तक बढ़ जाता है। पेड़ों की कटाई से कीट-पतंगों, मधुमक्खियों, पक्षियों और अन्य जीवों के आवास नष्ट हो रहे हैं। गोंद और चारे की उपलब्धता घट रही है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर सीधा असर पड़ रहा है। इसके अलावा, सौर संयंत्रों को साफ और ठंडा रखने के लिए भारी मात्रा में पानी की आवश्यकता होती है जबकि राजस्थान पहले से ही जल संकट से जूझ रहा है।

यह सच है कि सौर ऊर्जा समय की जरूरत है। कोयला, परमाणु और गैस आधारित बिजली उत्पादन से प्रदूषण फैलता है और कोयले के भंडार भी सीमित हैं। ऐसे में वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को अपनाना अपरिहार्य है। लेकिन क्या इसका मतलब यह होना चाहिए कि पर्यावरण और पारंपरिक जीवन प्रणालियों की अनदेखी कर दी जाए? यहीं पर कश्मीर और बीकानेर के मामलों की तुलना करना आवश्यकता लगता है। कश्मीर में सरकार ने सेब के बागों को बचाने के लिए विकास परियोजनाओं पर रोक लगाई। वहां यह माना गया कि किसानों की आजीविका और पर्यावरण को नुकसान पहुंचा कर विकास का कोई औचित्य नहीं है। वहीं राजस्थान में खेजड़ी और मरुस्थलीय पारिस्थितिकी के संरक्षण की मांग करने वालों को अभी भी संघर्ष करना पड़ रहा है। कश्मीर के सेब के बाग और राजस्थान की खेजड़ी दोनों ही अपने-अपने क्षेत्रों की अर्थ व्यवस्था और संस्कृति के आधार हैं। अंतर केवल इतना है कि एक मामले में सरकार ने संवेदनशीलता दिखाई है जबकि दूसरे मामले में अब भी आवाजें अनसुनी हैं। सवाल है कि क्या विकास की परिभाषा क्षेत्र के अनुसार बदल जानी चाहिए? क्या एक राज्य के पेड़ ज्यादा कीमती हैं और दूसरे के कम? जरूरत इस बात की है कि सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए स्पष्ट और सख्त पर्यावरणीय नियम बनाए जाएं। कंपनियों को पेड़ कटाई, जल उपयोग और स्थानीय जैव विविधता के संरक्षण के लिए जवाबदेह ठहराने की जरूरत है। नीतियों में स्थानीय समुदायों की भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए ताकि विकास उनके खिलाफ नहीं बल्कि उनकी सहभागिता से हो। केन्द्र सरकार द्वारा कश्मीर के लिए लिया गया फैसला यह दिखाता है कि यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति हो, तो पर्यावरण और आजीविका दोनों को बचाया जा सकता है। यह फैसला सराहनीय है और आवश्यकता इस बात की है कि इसी तरह राजस्थान में भी खेजड़ी के संरक्षण को लेकर ठोस कदम उठाए जाने चाहिए। क्योंकि जितनी जरूरत हमें नई ऊर्जा की है, उतनी ही जरूरत उस प्रकृति की भी है जिसके बिना न विकास संभव है और न जीवन। खेजड़ी न केवल प्रकृति बल्कि लोक जीवन और लोक संस्कृति का भी महत्वपूर्ण अंग है। इस की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए।

एक मां, बीस जिंदगियां और अमर बलिदान

कृति आरके जैन

रानापुर गांव की साधारण-सी मिट्टी पर उस दिन असाधारण इतिहास अंकित हुआ, जब एक सामान्य महिला ने अद्वितीय साहस दिखाकर अपने प्राणों की आहुति दे दी। मध्य प्रदेश के नीमच जिले की कंचनबाई मेघवाल ने मधुमक्खियों के उग्र झुंड के सामने अडिग दीवार बनकर बीस मासूम बच्चों की रक्षा की। वह न कोई सैनिक थीं, न अधिकारी, न योद्धा-फिर भी उस क्षण वे साहस, ममता और त्याग की जीवंत प्रतिमा बन गईं। हजारों डंक सहते हुए भी उन्होंने बच्चों को अपनी बाहों में समेटा, सुरक्षित कमरों तक पहुंचाया और स्वयं पीड़ा के अथाह सागर में डूबती चली गईं। उनका यह बलिदान केवल एक घटना नहीं, बल्कि नारी शक्ति की अमर गाथा है, जो सदियों तक समाज को दिशा और प्रेरणा देती रहेगी।

कंचनबाई का जीवन संघर्षों की कठोर कसौटी पर गढ़ा गया था। पति गंभीर बीमारी से ग्रस्त थे, घर की सारी जिम्मेदारियां पूरी तरह उनके कंधों पर थीं। एक बेटा और दो बेटियों का भविष्य संवारना उनका प्रतिदिन का संकल्प था। आर्थिक तंगी, सामाजिक चुनौतियां और पारिवारिक दायित्व-सब कुछ उन्होंने मुस्कान के साथ निभाया। आंगनवाड़ी केंद्र में भोजन बनाना उनके लिए केवल नौकरी नहीं, बल्कि बच्चों के प्रति स्नेह और सेवा का माध्यम था। वे हर बच्चे को अपने ही परिवार का हिस्सा मानती थीं। उनकी दिनचर्या में थकान थी, पर शिकायत नहीं; पीड़ा थी, पर निराशा नहीं। यही गुण एक साधारण स्त्री को असाधारण ऊंचाइयों तक पहुंचा देता है।

जब मधुमक्खियों का झुंड बच्चों पर टूट पड़ा, तब कंचनबाई पास ही कपड़े धो रही थीं। उन्होंने एक पल भी नहीं सोचा, न अपनी जान की परवाह की, न परिणामों का अनुमान लगाया। बिना किसी शोर, बिना किसी सहायता की प्रतीक्षा किए, वे दौड़ पड़ीं। बच्चों को दरी और तिरपाल में लपेटा, उन्हें ढाल बनाकर भीतर पहुंचाया और स्वयं खतरे के बीच अडिग खड़ी रहीं। यह क्षण महिलाओं की निर्णय क्षमता और मानसिक दृढ़ता का प्रतीक बन गया। संकट की घड़ी में उन्होंने सिद्ध कर दिया कि नारी कभी कमजोर नहीं होती, वह परिस्थिति आने पर सबसे मजबूत और विश्वसनीय कड़ी बन जाती है।मातृत्व की भावना कंचनबाई के व्यक्तित्व की आत्मा थी। वे केवल अपने बच्चों की ही नहीं, बल्कि पूरे गांव के बच्चों की सजीव मां थीं। आंगनवाड़ी के वे मासूम चेहरे उनके लिए अपने ही परिवार का विस्तार थे। जब खतरा आया, तो उनका हृदय किसी अडिग कवच की तरह बच्चों के सामने खड़ा हो गया। उन्होंने अपने जीवन को तुच्छ समझकर बच्चों के भविष्य को सर्वोपरि रखा। यही मातृत्व का वास्तविक स्वरूप है- जहां स्त्री स्वयं को विस्मृत कर दूसरों का जीवन संवारती है। कंचनबाई ने मातृत्व को केवल जन्म तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे करुणा और संरक्षण का व्यापक, दिव्य रूप दिया। समर्पण कंचनबाई के जीवन का मूल मंत्र था। स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष के रूप में वे गांव की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में निरंतर लगी रहती थीं। वे दूसरों के दुख को अपना दुख समझती थीं और सहायता को अपना पवित्र कर्तव्य। आंगनवाड़ी में बच्चों के लिए भोजन बनाना उनके लिए सेवा और समर्पण का माध्यम था। उन्होंने कभी अपनी परेशानियों को सामने नहीं रखा, बल्कि हर परिस्थिति में दूसरों को प्राथमिकता दी। मधुमक्खियों के हमले के समय भी उनका समर्पण चरम पर था-अपने जीवन की आहुति देकर उन्होंने समाज को बचाया। यही त्याग नारी को सभ्यता की सशक्त रीढ़ बनाता है।

करुणा और संवेदनशीलता कंचनबाई की आत्मा में गहराई से रची-बसी थी। वे हर पीड़ा को महसूस करती थीं, हर आंसू का मौन अर्थ समझती थीं। बच्चों की चीखें उनके हृदय को चीर गईं और उन्होंने बिना विलंब अपने प्राणों की बाजी लगा दी। हजारों डंक उनके शरीर को घायल करते रहे, लेकिन उनकी चेतना बच्चों की सुरक्षा में अडिग लगी रही। यह करुणा महिलाओं का वह अमूल्य गुण है जो संसार को मानवीय बनाता है। जब समाज कठोर होता है, तब नारी की संवेदना उसे संतुलन और संवेदना प्रदान करती है। कंचनबाई ने यह सिद्ध किया कि करुणा कमजोरी नहीं, बल्कि सबसे बड़ी शक्ति है। सहनशीलता कंचनबाई की पहचान थी। जीवन की कठिनाइयों-आर्थिक संकट, पति की बीमारी, पारिवारिक जिम्मेदारियां-को उन्होंने मौन साहस के साथ सहा। कभी हार नहीं मानी, कभी पीछे नहीं हटीं। मधुमक्खियों के डंक उनकी त्वचा को जलाते रहे, लेकिन उनका संकल्प अडिग और अचल रहा। यह सहनशीलता महिलाओं को टूटने नहीं देती, बल्कि उन्हें भीतर से और अधिक मजबूत बनाती है। वे दर्द को हृदय में समेटकर भी दूसरों को मुस्कान देती हैं। कंचनबाई की कहानी हमें सिखाती है कि सहनशीलता से ही सच्चा साहस और आत्मबल जन्म लेता है।कंचनबाई की वीरता आज पूरे क्षेत्र के लिए जीवंत प्रेरणा बन चुकी है। उन्होंने दिखाया कि नेतृत्व केवल पद से नहीं, बल्कि निःस्वार्थ कर्म से पैदा होता है। स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष के रूप में वे पहले ही नेतृत्व कर रही थीं, लेकिन उस दिन उन्होंने जीवन और मृत्यु के बीच खड़े होकर सच्चा नेतृत्व दिखाया।

देश में सामाजिक-आर्थिक असमानता बेहद बढ़ चुकी है

स्नेहा सिंह

दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था माने जाने वाले भारत में कल केंद्रीय बजट पेश किया गया। देश की आय-व्यय का लेखा जनता के सामने रखा गया। नए विचारों और नए वादों का शोर मचाया गया और पुराने व अधूरे वादों व कामों पर चतुराई से पर्दा डाल दिया गया। लोगों को बड़े-बड़े आंकड़ों से इस कदर चकाचौंध किया गया कि सामाजिक-आर्थिक स्तर पर मौजूद जमीनी असमानता और भेदभाव की जलन उन्हें महसूस ही नहीं हुई। हकीकत यह है कि विश्व की शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं की दौड़ में शामिल भारत के विकास के आंकड़े इतने चमकदार हैं कि उनके पीछे छुपी आर्थिक असमानता और भेदभाव के काले सच किसी को दिखाई ही नहीं देते। यही समाज के लिए सबसे ज्यादा चिंताजनक है।

विशेषज्ञ मानते हैं कि एक ओर दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ रही है, वहीं दूसरी ओर देश के भीतर अमीर और गरीब के बीच की खाई खतरनाक रूप से चौड़ी होती जा रही है। यह खाई इतनी गहरी हो चुकी है कि चाहकर भी इसे पाटना संभव नहीं है। केवल जीडीपी के बड़े आंकड़ों से यह मान लेना कि देश का विकास हो रहा है, बेहद मुश्किल है। ये आंकड़े संपत्ति के बंटवारे की तस्वीर नहीं दिखाते, बल्कि केवल औसत आय को दर्शाते हैं।

वास्तविकता यह है कि देश की संपत्ति और आय में हो रही वृद्धि का बड़ा हिस्सा मुट्ठीभर लोगों और अति-धनाढ्य वर्ग तक ही सीमित रह गया है। दूसरी ओर मध्यम वर्ग और उससे नीचे के वर्ग आज भी असमानता का जहर पीकर जी रहे हैं। वे गुणवत्तापूर्ण जीवन के सपने देखते-देखते संघर्षमय जीवन जीने को मजबूर हैं। ये आंकड़े केवल आर्थिक नहीं हैं, बल्कि समाज के सर्वांगीण विकास के दावों पर खड़े गंभीर सवाल हैं, जो हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था की जड़ों से जुड़े हुए हैं। कोरोना महामारी के दौरान और उसके बाद यह सामाजिक-आर्थिक असमानता और गहरी हो गई। लाखों मध्यम और निम्न मध्यम वर्गीय परिवारों की जमा-पूंजी, जीवन भर की बचत और संपत्ति जीवन बचाने और बेरोजगारी से लड़ने में खत्म हो गई। करोड़ों लोग जो आत्मनिर्भर हो चुके थे, वे फिर से शून्य पर लौट आए। छोटे व्यापार बंद हो गए, लाखों नौकरियां चली गईं। प्रवासी मजदूरों की भयावह और पीड़ादायक स्थिति ने समाज की समानता और मानवता के तथाकथित आधारों को हिला कर रख दिया। लाखों लोग तबाह हो गए और फिर से दर-दर भटकने को मजबूर हुए। सिक्के का दूसरा पहलू बिलकुल अलग है। इसी अवधि में देश के शीर्ष उद्योगपतियों और अरबपतियों की संपत्ति में अकल्पनीय वृद्धि हुई। जब आम आदमी संघर्ष कर रहा था, तब शेयर बाजार बिना ठोस वजह के तेजी से चढ़ रहा था। अर्थशास्त्री भी इसे असामान्य सुधार मान रहे थे।

विशेषज्ञ कहते हैं कि जब आम आदमी की थाली में दाल-सब्जी भी मुश्किल से आ रही हो और दूसरी ओर महंगी कारों व लग्जरी सामान की बिक्री बढ़ रही हो, तो यह साफ संकेत है कि समाज का संतुलन बिगड़ चुका है। यह असंतुलन नीतियों और कर ढांचे का नतीजा है। सरकार की यह सोच थी कि धनाढ्य वर्ग और बड़ी कंपनियों को मजबूत किया जाएगा तो निवेश बढ़ेगा और उसका लाभ नीचे तक पहुंचेगा। लेकिन हकीकत यह रही कि मुनाफा ऊपर ही जमा होता गया और आम आदमी तक केवल नाममात्र की बूंदें पहुंचीं। रोजगार सृजन के बजाय पूंजी सट्टेबाजी और निजी संपत्ति में लगाई गई। सरकारी नीतियां और कर ढांचा ऐसा बना दिया गया है कि आम आदमी पिसता जा रहा है और अमीर और अमीर होते जा रहे हैं। गरीबों को राहत देने पर उसे रेवड़ी कहा जाता है, जबकि उद्योगपतियों को दी गई छूट को प्रोत्साहन बताया जाता है। यह दोहरा रवैया सामाजिक-आर्थिक असंतुलन को और गहरा करता है। देश के 65 प्रतिशत लोग अपनी पूरी आय केवल रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने में ही खर्च कर रहे हैं। मध्यम वर्ग, जिसे भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहा जाता है, धीरे-धीरे कमजोर होता जा रहा है।

वेलेंटाइन वीक यानी लेन देन सप्ताह

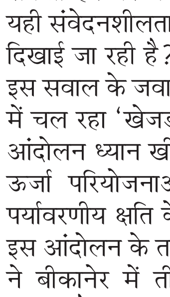

डॉ टी महादेव राव

लो भैया! कल से फिर शुरू हो गया बेलनटाईन सप्ताह। इन सात दिनों में गुलाब दे, प्रस्ताव दे, चॉकलेट दे, भालू का गुड्डा दे, वादा दे, आलिंगन दे, चुम्मा दे और अंत में वेलेंटाइन दे। अनुवाद तो अच्छा किया रे छोटू। लेकिन डे का दे कहां तक ठीक है? मैंने शब्दानुवाद नहीं भावानुवाद किया है। वैसे डे का मतलब दिन या दिवस होता है लेकिन अंत में लेन देन का ही तो सारा फंडा है। एक दूसरे से कहेंगे रोज यानी गुलाब दे, भले ही अलग अलग दिन अलग अलग चीजें देने को कहें।

अंतिम परिणाम तो सिर्फ लेन देन ही तो होता है इसमें। भले ही प्रमोद की जेबें इस देने में खाली होजाये उसका दिवाला निकल जाए एकिन प्रेम सप्ताह तो मनाएंगे ही मनाएंगे। तेरे ज्ञान नेत्र तो खुलते और बढ़ते ही जा रहे हैं छोटू! प्यार के नाम पर यह सब जो प्रेम सप्ताह मना रहे हैं इस बसंत में, युवक युवतियां, इसका अंजाम क्या होगा?

चिंता की बात नहीं है भैया! आपके समय में प्रेम, प्यार, देवदास पारो, लैला मजनूं, शीरी फरहाद, सोहनी महीवाल, हीर रांझा, रोमियो जूलियट जैसा प्रेम और दुखांत कथाएं होती रहीं। पर अब तो ज़माना बदल गया भैया।

आज तुमसे ही सुन लूं नए ज़माने की कुछ बातें छोटू! पहले प्यार, प्रेम, इश्क़, कादल, जो भी कह लें, का आगाज़ मानते हैं ये लड़के, लड़कियां। फिर इस तरह वेलेंटाइन वीक आपके शब्दों में वसंत में प्रेम सप्ताह मनाते हैं। सहजीवन यानी लाइव इन रिलेशनशिप में दिन बिताते हैं। जमा तो ठीक नहीं जमा तो तू नहीं और सही, और नहीं और सही। प्रेम के गीत, मिलना बिछड़ना, विरह, आंसू, जीवन के प्रति विरक्ति यह सब बातें इस तथाकथित प्रेम पाश में नहीं आते, क्योंकि ये रिश्ते सिर्फ भौतिक सुख संपदा पर अन्योन्याश्रित हैं। मानसिक रूप से जुड़ाव से ये कम्प्यूटर युग के युवा दूर हैं, बहुत दूर। हां आडंबर, दिखावा, बेबू, बेबी जैसे शब्दों में ये मगन रहते हैं भैया!अरे वाह छोटू! तो तो बड़े भैया से भी बड़ा ज्ञानी है। वे कभी प्यार, प्रेम, रिश्ते बातों के चक्कर में नहीं पड़ते, तभी तो इतने सालों से सफल हैं। उनका सिद्धांत है जो भी प्यार से मिला हम उसी को धो दिए। भैया! आप बात को कहां से कहां ले जाते हैं? कल रोज दे सॉरी गुलाब दिवस था। फूल दुकान वालों की बन आई। दस रुपए का गुलाब पच्चीस में। ढाई सौ का पुष्प गुच्छ पांच सौ में बेच बेच कर वे कृतकृत्य हो गए। आज भी वही होगा। प्रोपोज डे यानी प्रस्ताव दिवस। प्रेम प्रस्ताव यानी प्यार का आवेदन मतलब लव एप्लिकेशन। बहुत खूब। सरकारी नौकरियां नहीं मिल रही हैं तो छोकरियों के पास प्यार का आवेदन करते हैं। वाह बहुत अच्छे। मेरा सरकार से एक सुझाव है कि इन बेलन टाई न वालों को प्रेम प्रोत्साहन पेंशन दिया जाय ताकि वे बड़े बूढ़ों की तरह शादी के पचड़े में न पड़ें। सह जीवन बिताए और तलाक, विवाह विच्छेद, परित्यकता या परित्यक्त होने से बचें। जीवन का आनंद लें और अंत में मोक्ष प्राप्त करें।

भैया! आपको हो क्या गया है। प्रेम सप्ताह और प्रियतम दिवस की बात आप कहां ले गए। इन लोगों को पैसों की कमी नहीं है। इन्हें मानसिक रूप से बदलना होगा। तो इन सबको आयुष्मान योजना के अंतर्गत मानसिक रुग्णालय भेजा जाए ताकि समाज स्वस्थ रहे, मस्त रहे और अन्य बातों में व्यस्त रहे।

नसीरुद्दीन शाह का दावा- मुंबई यूनिवर्सिटी ने कार्यक्रम से हटाया एक्टर बोले- सरकार की आलोचना करता रहा हूं और आगे भी करता रहूंगा

सीनियर एक्टर नसीरुद्दीन शाह ने कहा है कि उन्हें मुंबई यूनिवर्सिटी के एक कार्यक्रम से आखिरी समय पर बिना किसी वजह बताए और बिना माफी मांगे हटा दिया गया। उन्होंने इस अनुभव को अपमानजनक और निराशाजनक बताया, क्योंकि वे छात्रों से बातचीत करने के लिए उत्साहित थे। नसीरुद्दीन शाह ने गुरुवार को अपने आर्टिकल में कहा कि वे 1 फरवरी को होने वाले इस कार्यक्रम में शामिल होना चाहते थे। यह कार्यक्रम मुंबई यूनिवर्सिटी के उर्दू विभाग ने आयोजित किया था, लेकिन 31 जनवरी की रात देर से उन्हें बताया गया कि अब उन्हें आने की जरूरत नहीं है।

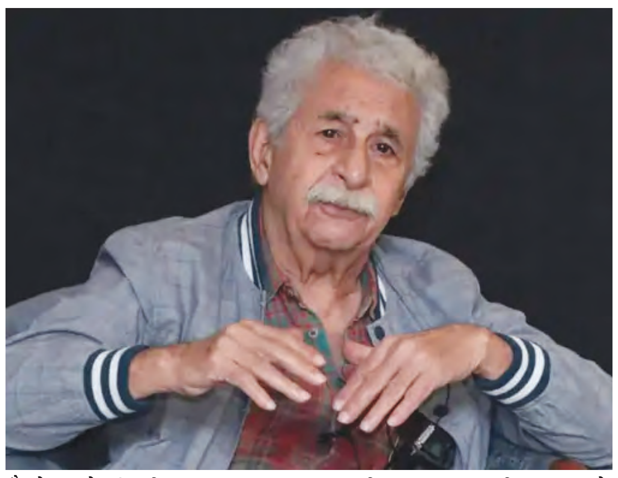

शाह ने आरोप लगाया कि बाद में यूनिवर्सिटी ने दर्शकों से कहा कि उन्होंने खुद कार्यक्रम में आने से मना कर दिया था। उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी ने सच बताने की हिम्मत नहीं की और कथित तौर पर यह कहा गया कि वे देश के खिलाफ बयान देते हैं। इस पर शाह ने चुनौती दी कि अगर ऐसा है तो उनके किसी एक बयान का उदाहरण दिया जाए, जिसमें उन्होंने देश को बुरा कहा हो।

नसीरुद्दीन शाह ने कहा कि वे सत्ताधारी सरकार के कई कामों की पहले भी आलोचना करते रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे। उन्होंने कहा, "मैं अक्सर इस बात पर चिंता जताता रहा हूं कि हमारे देश में सिविक सेंस और एक-दूसरे के प्रति संवेदनशीलता लगातार कम होती जा रही है।" शाह ने कहा कि वे कई दूसरे मुद्दों पर भी खुलकर अपनी बात रखते रहे हैं, ऐसे मुद्दे, जो मेरे जैसे लोगों को इस दिशा को लेकर परेशान करते हैं, जिस ओर हम जाते हुए दिख रहे हैं।"

नसीरुद्दीन शाह ने यह भी लिखा, मैंने कभी खुद को "विश्वगुरु" कहने वालों की तारीफ नहीं की। मैं उनके काम करने के तरीके से सहमत नहीं हूं। मुझे उनका खुद को बड़ा दिखाना पसंद नहीं। पिछले दस सालों में उनका एक भी काम मुझे प्रभावित नहीं कर पाया।

उन्होंने कहा, "जहां स्टूडेंट एक्टिवस्ट को बिना मुकदमे के सालों तक जेल में रखा जाता है, लेकिन दोषी बलात्कारियों और हत्यारों को अक्सर जमानत मिल जाती है। जहां गो-रक्षक खुलेआम लोगों को घायल करते हैं और मार देते हैं। जहां इतिहास को दोबारा लिखा जा रहा है और पाठ्यपुस्तकों का कटेंट बदला जा रहा है। जहां विज्ञान तक के साथ छेड़छाड़ की जा रही है और जहां एक मुख्यमंत्री तक 'मियों' को परेशान करने की बात करता है।"

शाह ने आखिर में यह भी लिखा, "यह नफरत आखिर कब तक चलेगी? यह वह देश नहीं है जिसमें मैं बड़ा हुआ और जिसे मुझे प्यार करना सिखाया गया था। आज सोच पर पहरा है। निगरानी बढ़ गई है। नफरत अब दो मिनट की नहीं रही। यह चौबीस घंटे चलती है। क्या यह कहना गलत होगा कि हालात जॉर्ज ऑरवेल की किताब 1984 जैसे हो रहे हैं? जहां बड़े नेता की तारीफ न करना देशद्रोह माना जाता है?"

'चेन्नई' सुन शरमाई मृणाल ठाकुर, सिद्धांत चतुर्वेदी ने चिढ़ाया, फिर उड़ी धनुष संग डेटिंग की अफवाह

मृणाल ठाकुर और धनुष के बीच इश्क की अफवाहों को एक बार फिर हवा लगी है। बीते दिनों दोनों की शादी की अफवाहों ने भी खूब जोर पकड़ा था, लेकिन तब अलग-अलग रिपोर्ट्स में करीबियों के हवाले से दावा किया गया कि ऐसी खबरें फर्जी हैं। लेकिन अब एक बार फिर कुछ ऐसा हुआ है, जिसने फैंस को खलिखलिाने का मौका दिया है। मृणाल ठाकुर इन दिनों सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ अपनी नई फिल्म 'दो दीवाने सहर में' के प्रमोशन में बिजी हैं। एक हालिया इवेंट में सिद्धांत ने मृणाल को उनके 'चेन्नई कनेक्शन' को लेकर चिढ़ाया। इस पर एक्ट्रेस दबी जुबान में शरमाने लगीं। उनका चेहरा गुलाबी पड़ गया। अब सोशल मीडिया पर सब कह रहे हैं कि हो ना हो, धनुष और मृणाल के बीच कुछ तो है!

धनुष और मृणाल की डेटिंग की चर्चा बीते साल अगस्त से ही चल रही है। खासकर 'सन ऑफ सरदार 2' के प्रीमियर पर दोनों जिस तरह एक-दूसरे से मिले, उसके बाद इन अफवाहों को खूब पंख लगे। हालांकि, ऐश्वर्या रजनीकांत से तलाकशुदा धनुष के एक करीबी सूत्र के हवाले से साफ किया गया कि एक्टर दूसरी शादी करने का इरादा बिल्कुल नहीं रखते हैं। यह भी कहा गया कि वह अपने दोनों बेटों की परवरिश पर ध्यान दे रहे हैं।

रिपोर्टर का सवाल, चेन्नई कनेक्शन और सिद्धांत का इशारा

खैर, बुधवार को मृणाल और सिद्धांत अपनी आने वाली फिल्म 'दो दीवाने सहर में' के प्रमोशन के लिए निकले थे। इस प्रमोशनल इवेंट के दौरान, एक रिपोर्टर ने पूछा, 'वो चेन्नई वाले कुछ सवाल पूछ रहे थे आपसे?' इस पर सिद्धांत ने झट मृणाल की ओर इशारा करते हुए कहा, 'वो सवाल इनसे था, वो चेन्नई वाला या मुझसे था?' इस पर मृणाल ने तुरंत कहा कि सवाल उनके लिए था।

रिपोर्टर ने कहा- हम समझ रहे हैं!

अब जैसे ही मृणाल ने यह जवाब दिया, सिद्धांत और वहां मौजूद रिपोर्टर्स हंसने लगे। उन्होंने चेन्नई के रेफरेंस पर मृणाल को चिढ़ाना जारी रखा। जबकि एक्ट्रेस मुस्कुराना और शरमाना बंद नहीं कर पाईं। इस पर रिपोर्टर ने कहा, 'हम समझ रहे हैं।'

चेन्नई में रहते हैं धनुष, फिल्म के टीजर पर किया था कमेंट

जानकारी के लिए बता दें कि तमिल फिल्मों के सुपरस्टार धनुष फिलहाल चेन्नई में रहते हैं। बीते दिनों जब मृणाल और सिद्धांत की फिल्म 'दो दीवाने सहर में' का टीजर रिलीज हुआ था, तब उस पर धनुष ने कमेंट किया था। उन्होंने सामान्य लहजे में लिखा था कि टीजर 'अच्छा लग रहा है।' इस पर मृणाल ने दिल और सूरजमुखी का इमोजी बनाया था। फैंस को यह भी इश्क की रवानगी लगी थी।

धनुष और मृणाल की शादी की अफवाहें

मृणाल और धनुष को लेकर बीते दिनों यह अफवाह उड़ी कि दोनों वैलेंटाइन डे के मौके पर 14 फरवरी 2026 को शादी करने वाले हैं। हालांकि, इसके बाद एक रिपोर्ट में एक्ट्रेस के करीबी के हवाले से बताया गया कि मृणाल अगले महीने शादी नहीं कर रही हैं। यह सिर्फ एक अफवाह है। इसमें कहा गया कि एक्ट्रेस अभी फरवरी में अपनी नई फिल्म पर फोकस कर रही हैं। साथ ही वह आगे एक तेलुगू फिल्म में भी बिजी हैं। धनुष दो बड़े बेटों के पिता हैं। वह अपने पिता होने की जिम्मेदारियां निभा रहे हैं और दोबारा शादी करने में इंटरेस्टेड नहीं हैं। धनुष और ऐश्वर्या दोनों मिलकर यात्रा और लिंगा की को-पेरेंटिंग कर रहे हैं। उनका फोकस बच्चों को एक स्टेबल और प्यार भरा माहौल देने पर रहा है।

धनुष के करीबी सूत्रों के हवाले से खबर दी कि एक्टर का दूसरी शादी को लेकर कोई प्लान नहीं है। उनके दोनों बेटे यात्रा और लिंगा बड़े हो रहे हैं। ऐसे में एक्टर का ध्यान उनकी परवरिश और अपने करियर पर है। यह भी बताया गया कि धनुष ऐसा कोई फैसला नहीं लेना चाहते हैं, जिससे उनके बेटों की जिंदगी में कोई बदलाव आए।

अकबर-बाबर पर ही फिल्में क्यों बनती हैं, राजपूत राजाओं-शिवाजी महाराज पर क्यों नहीं : सुनील शेट्टी

सुनील शेट्टी ने 2025 में रिलीज हुई फिल्म 'केसरी वीर' में अभिनय किया था, जो गुजरात के सोमनाथ मंदिर के कई बार हुए विध्वंस पर आधारित थी। हालांकि, फिल्म रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई और उसे हटा दिया गया। हाल ही में एक बातचीत में सुनील ने बताया कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर क्यों नहीं चली और अकबर और बाबर जैसे ऐतिहासिक व्यक्तित्वों पर बन रही फिल्मों पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि राजपूत राजाओं और छत्रपति शिवाजी महाराज के बारे में उतनी चर्चा नहीं होती जितनी होनी चाहिए।

'केसरी वीर' और फिल्म में एक्टिंग से पहले सोमनाथ मंदिर के इतिहास पर किए गए अपने रिसर्च पर बात करते हुए उन्होंने 'लेहरें रेट्रो' से कहा, 'हमने फिल्म बनाने से पहले बहुत रिसर्च किया, लेकिन दुर्भाग्य से फिल्म ठीक से नहीं चली। डिस्ट्रीब्यूशन एक बड़ा खेल है, हमें थिएटर नहीं मिले। निर्माता को भी भारी नुकसान हुआ क्योंकि वह खुद ही लोगों के साथ डिस्ट्रीब्यूशन कर रहे थे और यह तरीका कारगर नहीं रहा। एक अच्छी फिल्म बर्बाद हो गई।'

जब सुनील शेट्टी से पूछा गया कि क्या वे इस विषय पर गंभीरता से सोचते हैं तो उन्होंने कहा, 'हम औरंगजेब, अकबर, बाबर, बीरबल के बारे में ही क्यों बात करते हैं? हमारा इतिहास हमारी संस्कृति के बारे में होना चाहिए। यह वेदों, राजपूत राजाओं, शिवाजी महाराज और बाकी सभी के बारे में होना चाहिए, हर राज्य के हर नायक के बारे में बात होनी चाहिए।'

इससे पहले, अपनी फिल्म 'पृथ्वीराज चौहान' के प्रचार के दौरान एक्टर अक्षय कुमार ने मांग की थी कि भारतीय इतिहास के सिलेबस में 'हमारी संस्कृति' पर ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा था, 'दुर्भाग्य से, हमारी इतिहास के सिलेबस में सम्राट पृथ्वीराज चौहान के बारे में केवल 2-3 पंक्तियां हैं, जबकि आक्रमणकारियों के बारे में बहुत कुछ लिखा गया है। हमारी संस्कृति और हमारे महाराजाओं के बारे में शायद ही कुछ लिखा गया है। मुझे यह जानकर आश्चर्य हुआ कि सम्राट पृथ्वीराज चौहान के बारे में इतना कुछ ऐसा है जिसके बारे में हम नहीं जानते।'

जनवरी की शुरुआत में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात के सोमनाथ मंदिर में 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' में शामिल होने गए, जो 1026 में मंदिर पर हुए पहले आक्रमण की 1,000वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में मनाया गया। इस अवसर पर 72 घंटे तक लगातार ओंकार मंत्र का जाप किया गया। प्रधानमंत्री ने शौर्य यात्रा का नेतृत्व भी किया और 3,000 ड्रोन द्वारा संचालित लाइट शो देखा।

काम की बात करें तो सुनील शेट्टी ने हाल ही में 'बॉर्डर 2' में एक कैमियो रोल किया था, जिसमें उनके बेटे अहान शेट्टी के साथ सनी देओल, दिलजीत दोसांझ और वरुण धवन लीड रोल्स में थे। सुनील की मल्टी-स्टारर फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' भी आने वाली है और वे 'हेरा फेरी 3' का भी हिस्सा हैं।

'धुरंधर 2' के लिए 150 करोड़ रुपये की डील मिली

एक तरफ जहां सिनेमाघरों में आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' ने कमाई के रेकॉर्ड्स जमकर तोड़े हैं वहीं ओटीटी पर भी ये फिल्म बवाल काट रही है। केवल भारत ही नहीं बल्कि पाकिस्तान में भी इस फिल्म को लोग बेशुमार प्यार जता रहे हैं। फिलहाल इस फिल्म के पार्ट 2 यानी 'धुरंधर 2' की रिलीज का लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, वहीं रणवीर सिंह की 'धुरंधर' को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। बताया जा रहा है कि 'धुरंधर' ने ओटीटी राइट्स के मामले में भी एक नया रेकॉर्ड बना डाला है।

बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचाने के बाद अब 'धुरंधर' ने हाल ही में 30 जनवरी को ओटीटी पर एंट्री कर ली है। खबर है कि 'धुरंधर 2' की रिलीज से पहले मेकर्स ने इसके डिजिटल राइट्स जियो हॉटस्टार को बेच दिए गए हैं। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट्स के मुताबिक, जियो स्टूडियोज ने नॉन-थिएट्रिकल राइट्स का वैल्युएशन बढ़ाने के लिए ये बड़ा कदम उठाया है।

'धुरंधर' से डबल 'धुरंधर 2' की डील

इस रिपोर्ट में बताया गया है कि नेटफ्लिक्स पहले भाग की रिलीज से पहले 'धुरंधर' के दोनों पार्ट को एक साथ 175 करोड़ रुपये में खरीदना चाहता था। चूंकि इस फिल्म को लेकर मेकर्स को कॉन्फिडेंस था, अपनी फिल्म पर उन्हें पूरा भरोसा था इसलिए जियो स्टूडियोज ने पहले पार्ट यानी 'धुरंधर' की रिलीज का इंतजार किया। अब फिल्म के सिर्फ दूसरे पार्ट के लिए अकेले 150 करोड़ रुपये की डील करने की खबर है।

बता दें कि ये राशि 'धुरंधर' की डील से ठीक डबल है। यानी यह नेटफ्लिक्स की तरफ से पहले भाग को खरीदने के लिए किए गए पेमेंट से दोगुना है। सूत्रों के मुताबिक, 'धुरंधर' पार्ट वन के डिजिटल राइट्स 85 करोड़ रुपये में बेचे गए थे और अब दूसरे पार्ट के लिए 150 करोड़ रुपये की डील मिली है।

इस 150 करोड़ रुपये की डील को 'जियो स्टूडियोज' की पिछले कुछ सालों के सबसे बड़े डिजिटल डील में से एक माना जा रहा है। कहा जा रहा है कि 'धुरंधर' की ब्लॉकबस्टर सफलता और दर्शकों की डिमांड को देखते हुए ओटीटी प्लेटफॉर्म्स को इतनी बड़ी कीमत चुकाने के लिए मजबूर होना पड़ा।

यहां बताते चलें कि 'धुरंधर' के सीक्वल, 'धुरंधरः द रिवेंज' का टीजर हाल ही में जारी किया गया है । ये जासूसी-एक्शन फ्रैंचाइजी की अगली फिल्म 19 मार्च, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। बताया गया है कि इस सीक्वल के टीजर को सेंसर बोर्ड (केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड) से पहले ही मंजूरी दे दी गई है। सेंसर सर्टिफिकेट के मुताबिक, ये टीजर 1 मिनट से थोड़ा अधिक लंबा है और इसे 'ए' सर्टिफिकेट दिया गया है।

हालांकि पहले उम्मीद थी कि बॉर्डर 2 के रिलीज के साथ टीजर को दिखाया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

5 दिसंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई 'धुरंधर' साल 2025 की सबसे बड़ी हिंदी बॉक्स ऑफिस ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक बनकर सामने आई है। अक्षय खन्ना, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल और आर. माधवन जैसे सितारों से सजी ये जासूसी एक्शन थ्रिलर में एक भारतीय खुफिया एजेंट की कहानी है जो भारत को निशाना बनाने वाले आतंकी नेटवर्क को खत्म करने के लिए कराची के आपराधिक गिरोहों और पाकिस्तानी की राजनीति में घुसपैठ करता है।

मनोज बाजपेयी की फिल्म 'घूसखोर पंडित' पर विवाद

मेकर्स को कानूनी नोटिस भेजा गया, 'पंडित' शब्द को अपमानित करने का आरोप

मनोज बाजपेयी इन दिनों अपनी नई फिल्म घूसखोर पंडित को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में एक इवेंट में फिल्म का टीजर जारी किया गया, जिसके बाद यह विवादों में घिर गया। मुंबई के एक वकील का आरोप है कि 'पंडित' जैसे सम्मानजनक शब्द को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। इस कारण उन्होंने फिल्म के मेकर्स को कानूनी नोटिस भेजा है।

यह नोटिस मुंबई के वकील आशुतोष दुबे ने भेजा है। उनका आरोप है कि 'पंडित' जैसे सम्मानजनक शब्द को भ्रष्टाचार के साथ जोड़ना न केवल गैर-जिम्मेदाराना है, बल्कि इससे पूरे समुदाय की गरिमा को ठेस पहुंचती है। नोटिस में कहा गया है कि यह फिल्म जानबूझकर एक समुदाय की छवि को खराब करने की कोशिश कर रही है।

वकील ने आगे यह भी कहा कि नेटफ्लिक्स जैसी बड़ी कंपनी इस तरह के कंटेंट को प्रमोट कर रही है। 'पंडित' शब्द भारतीय सभ्यता में नैतिकता और आध्यात्मिक अधिकार का प्रतीक है। इसे रिश्वतखोरी और अपराध के साथ जोड़कर दिखाना गलता है।यह केवल क्रिएटिव फ्रीडम नहीं है बल्कि कला के नाम पर किसी समुदाय की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाना है। उनका कहना है कि फिल्म का नाम केवल सनसनी फैलाने के इरादे से रखा गया है, जिसमें सामाजिक संवेदनशीलता की अनदेखी की गई है। इसके साथ ही, वकील ने फिल्म का नाम बदलने की मांग भी की है।

नेटफ्लिक्स और फिल्म के मेकर्स ने अभी तक इस कानूनी नोटिस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

टीर में मनोज बाजपेयी सीनियर इंस्पेक्टर अजय दीक्षित के किरदार में नजर आ रहे हैं, जिन्हें दिल्ली में 'पंडित' के नाम से जाना जाता है। फिल्म में उन्हें एक बदनाम पुलिस अधिकारी के रूप में दिखाया गया है। टीजर के मुताबिक, दीक्षित 20 साल पहले एसआई के रूप में भर्ती हुए थे और अपने किए गए कारनामों की वजह से उन्हें बार-बार डिमोट किया गया।

रोहित शेट्टी फायरिंग केस : एंटी-एक्सटॉर्शन सेल ने एक और आरोपी को किया गिरफ्तार

शूटर को हथियार मुहैया कराया था; मुख्य आरोपी अब भी फरार

मुंबई में फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के घर के बाहर शनिवार देर रात चार राउंड फायरिंग हुई थी। इस मामले में अब मुंबई क्राइम ब्रांच की एंटी-एक्सटॉर्शन सेल ने कार्रवाई की है। टीम ने एक और शख्स को गिरफ्तार किया है, जिसके बाद इस मामले में कुल 5 आरोपी पुलिस की गिरफ्त में हैं। हालांकि, रोहित के घर पर फायरिंग करने वाला मुख्य आरोपी अभी भी फरार है।

एंटी-एक्सटॉर्शन सेल ने जिस आरोपी को गिरफ्तार किया है, उसने उसी हथियार की सप्लाई की थी जिसका इस्तेमाल रोहित शेट्टी के घर पर फायरिंग में किया गया था। मुंबई क्राइम ब्रांच की टीम आज आरोपी को मुंबई के किला कोर्ट में पेश करेगी और उसकी पुलिस कस्टडी की मांग करेगी।

इससे पहले, चार अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था, जिनकी पुलिस कस्टडी आज खत्म हो रही है।

चार आरोपी पुणे के रहने वाले हैं

इस केस में 2 फरवरी को गिरफ्तार किए गए चार आरोपियों की पहचान हो गई थी। गिरफ्तार आरोपी पुणे के रहने वाले हैं। इनके नाम आदित्य ज्ञानेश्वर गायकवाड़ (19 साल), सिद्धार्थ दीपक येनपुरे (20 साल), समर्थ शिवशरण पोमाजी (18 साल) और स्वप्निल बंडू सकट (23 साल) हैं। सभी आरोपियों के खिलाफ धारा 109 और 61(2) के साथ शस्त्र अधिनियम की धारा 3 और 25 और भारतीय न्याय संहिता की धारा 37(1), 37(2) और 135 के तहत मामला दर्ज कर उन्हें 5 फरवरी तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है।

शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपियों की भूमिका घटना के लिए वाहन उपलब्ध कराने और साजिश रचने से जुड़ी हुई है। वहीं, आरोपी शुभम लोंकर को वांटेड घोषित किया गया है, जिसकी तलाश जारी है।

पुलिस जांच के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों ने शुभम लोनकर के संपर्क में रहकर रोहित शेट्टी के घर पर फायरिंग करने वाले मुख्य आरोपी को हर तरह की मदद उपलब्ध कराई।

बताया जा रहा है कि शिवशरण पोमाजी ने शुभम लोंकर के साथ मिलकर पूरी साजिश को अंजाम देने की योजना बनाई। वहीं गिरफ्तार आरोपी आदित्य ज्ञानेश्वर गायकवाड़ की सलाह पर होंडा डियो स्कूटर (MH 12 FN 2205) सहित अन्य संसाधनों की व्यवस्था की गई, जिससे हमलावर को घटना को अंजाम देने में आसानी हो सके।

जांच में यह भी सामने आया है कि शुभम लोंकर से मिली आर्थिक सहायता के जरिए ही मुख्य आरोपी के लिए वाहन की व्यवस्था की गई थी।

जेल में कैद विक्रम भट्ट पर अब कास्टिंग डायरेक्टर ने लगाया बकाया पैसे नहीं चुकाने का आरोप

फिल्ममेकर विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी श्वेतांबरी भट्ट जहां एक ओर 30 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी मामले में अभी भी जेल में कैद हैं, वहीं अब उन पर एक और मामले में नए आरोप लगे हैं। बीते दिनों राजस्थान हाई कोर्ट ने दोनों को जमानत देने से इनकार कर दिया था। अब, फिल्ममेकर की 2023 में रिलीज फिल्म '1920: हॉरर्स ऑफ द हार्ट' के कास्टिंग डायरेक्टर ने उन पर वेतन नहीं देने का आरोप लगाया है। पराग चड्ढा ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया है कि विक्रम ने अभी तक फिल्म की कास्ट और क्रू का बकाया पेमेंट क्लियर नहीं किया है। यह आरोप ऐसे समय में भी आ रहे हैं, जब शुक्रवार, 6 फरवरी को विक्रम भट्ट की फिल्म 'हॉन्टेड 3D: घोस्ट्स ऑफ द पास्ट' सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

पराग चड्ढा बॉलीवुड के नामी कास्टंगि डायरेक्टर हैं। वह 'एक था टाइगर', 'बैंड बाजा बारात' और 'रब्बा मैं क्या करूं' जैसी फिल्मों में कास्टिंग टीम का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में विक्रम भट्ट के खिलाफ एक नोट शेयर किया है। इसमें उन्होंने फिल्ममेकर के साथ टेक्स्ट चैट के स्क्रीनशॉट भी शेयर किए हैं।

फल्मि की रलीज के बाद बकाया भुगतान का था वादा

पराग चड्ढा ने आरोप लगाया कि वह सालों से बकाया भुगतान के लिए पूछ रहे हैं, पर उन्हें टीम से कभी कोई जवाब नहीं मिला। वह लिखते हैं कि यह फिल्म जून 2023 में रिलीज हुई थी, और भरोसा दिलाया गया था कि कास्टिंग की फीस रिलीज के बाद दे दी जाएगी। '1920: हॉरर्स ऑफ द हार्ट' ने बॉक्स ऑफिस पर 14.26 करोड़ रुपये की कमाई की थी। जबकि इसका बजट कथति तौर पर 5-10 करोड़ रुपये बीच था।

फल्मि की कास्ट और क्रू के भी पैसे हैं बकाया

कास्टंगि डायरेक्टर ने अपने पोस्ट में लिखा है, 'फरवरी 2026 में, हमारा पूरा पेमेंट अभी भी बाकी है, पिछले कुछ साल में एकमात्र जवाब यह रहा है कि 'हमारे पास फंड नहीं हैं'। फिल्म के कई कास्ट और क्रू को अभी भी पेमेंट नहीं मिला है।'

क्या है विक्रम भट्ट से जुड़ा 30 करोड़ की धोखाधड़ी का मामला

जानकारी के लिए बता दें कि बीते साल दिसंबर 2025 में, फिल्ममेकर विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी श्वेतांबरी भट्ट को राजस्थान पुलिस ने मुंबई से गिरफ्तार किया। उन्हें उदयपुर में न्यायिक हिरासत में रखा गया है। भट्ट के खलिाफ इंदिरा IVF और फर्टिलिटी सेंटर के फाउंडर और उदयपुर के रहने वाले अजय मुर्डिया ने मामला दर्ज किया है। आरोप है कि विक्रम भट्ट, उनकी पत्नी और अन्य आरोपियों ने फिल्म बनाने के नाम पर 30 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की है। विक्रम भट्ट और श्वेतांबरी भट्ट के ऊपर गबन, और आपराधिक विश्वासघात का मुकदमा दर्ज हुआ है।

दिशा पाटनी संग रिश्ते की खबरों पर तलविंदर का रिएक्शन

बोले- अफवाहों को अफवाह ही रहने दो, अभी एक-दूसरे को समझ रहे हैं

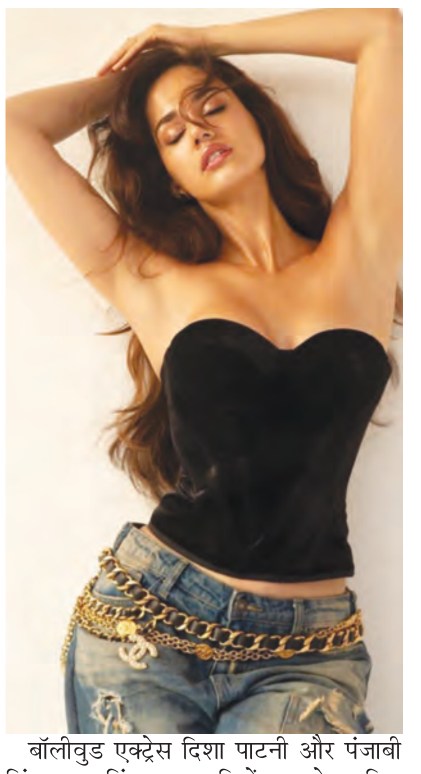

बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी और पंजाबी सिंगर तलविंदर इन दिनों अपने कथित रिलेशनशिप को लेकर सुर्खियों में हैं। दोनों को मुंबई में हुए एक कॉन्सर्ट में हाथ में हाथ डाले देखा गया था, जिसके बाद उनके डेटिंग की खबरें आने लगीं। अब इन खबरों पर तलविंदर ने अपनी चुप्पी तोड़ी है।

तलविंदर ने कहा, हमारी मुलाकात शादी से ठीक पहले हुई थी और अचानक मिली इतनी सारी चर्चा ने हमें हैरान कर दिया। हम न तो किसी दबाव में आना चाहते हैं और न ही अफवाहों पर ध्यान देना चाहते हैं। हम अभी खुद को समझने और एक-दूसरे को जानने की प्रक्रिया में हैं। मैं बस इतना ही कहना चाहूंगा कि अगर लोग अफवाहें फैलाने की कोशिश करेंगे तो मैं उन्हें अफवाह ही रहने दूंगा।

जब तलविंदर से पूछा गया कि क्या वह प्यार और रिश्तों के बारे में सोचते हैं, तो उन्होंने जवाब दिया, मैं हर दिन प्यार में पड़ जाता हूं। मैं अभी भी प्यार में पड़ रहा हूं।

गौरतलब है कि लोलापालूजा इंडिया 2026

म्यूजिक फेस्टिवल में दिशा पाटनी और तलविंदर को एक साथ देखा गया था। दोनों का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें वे इवेंट के दौरान एक-दूसरे का हाथ पकड़े नजर आए।

इसके अलावा, दोनों हाल ही में उदयपुर में कृति सेनन की बहन नूपुर सेनन और सिंगर स्टेबिन बेन की डेस्टिनेशन वेडिंग में भी शामिल हुए थे। इस शादी में दिशा अपनी बेस्ट फ्रेंड मौनी रॉय और उनके पति के साथ पहुंची थीं।

प्री-वेडिंग फंक्शन का एक वीडियो भी इंटरनेट पर वायरल हुआ, जिसमें दिशा और तलविंदर साथ में हंसते हुए बातचीत करते दिखे। इस दौरान भी दोनों एक-दूसरे का हाथ थामे नजर आए। बता दें कि दोनों की उम्र में करीब 5 साल का अंतर है। जहां दिशा पाटनी 33 साल की हैं, वहीं तलविंदर की उम्र 28 साल है।

चेक बाउंस मामले में राजपाल यादव ने तिहाड़ जेल में किया आत्मसमर्पण

बॉलीवुड एक्टर राजपाल यादव ने दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश के बाद गुरुवार को जेल में सरेंडर कर दिया। यह मामला चेक बाउंस से जुड़ा है, जिसमें हाल में दिल्ली हाई कोर्ट ने राजपाल यादव को निर्देश दिया था कि वे 4 फरवरी 2026 को संबंधित जेल अधीक्षक के सामने पेश हों।

सरेंडर करने के बाद राजपाल एक बार फिर व्यक्तिगत रूप से दिल्ली हाई कोर्ट में पेश हुए और राहत की मांग की। उन्होंने कोर्ट को बताया कि वे 25 लाख रुपए का चेक लेकर आए हैं और बाकी रकम भी चुकाने का भरोसा दिया। उन्होंने इसी आधार पर राहत देने की मांग की। हालांकि, कोर्ट ने साफ कहा कि किसी भी राहत पर विचार करने से पहले सरेंडर जरूरी है। कोर्ट ने कहा कि सरेंडर के बाद ही यह देखा जाएगा कि कोई राहत दी जा सकती है या नहीं। हाई कोर्ट ने यह भी साफ किया कि पहले जो राहत दी गई थी, वह बार-बार दिए गए आश्वासनों के आधार पर थी कि विवाद को आपसी सहमति से सुलझाया जाएगा और शिकायतकर्ता कंपनी को भुगतान किया जाएगा, लेकिन कोर्ट ने पाया कि कई मौके मिलने के बावजूद ये वादे पूरे नहीं किए गए। कोर्ट के अनुसार, अब भी करीब 9 करोड़ रुपए बकाया हैं।

जब बंदूक लेकर बदमाशों के पीछे भागे थे गोविंदा घर पर हुआ था हमला; मैनेजर ने किया बड़ा खुलासा

गोविंदा के मैनेजर ने जानकारी दी है कि गोविंदा को बीते कई दिनों से धमकियां आ रही हैं। उन्होंने हाल ही में हुई एक घटना की बात

करते हुए बताया कि एक बार गोविंदा पर हमला होने वाला था। उन्होंने कहा कि जब गोविंदा अपने घर पर थे, तब कुछ हमलावरों ने उन पर अटैक करने की कोशिश की थी। लेकिन गोविंदा बच निकले, क्योंकि उनके पास बंदूक और फोन था।

घटना के बाद कराई थी एफआईआर

शशी सिन्हा ने कहा, 'गोविंदा को जान से मारने की धमकियां मिलती रहती हैं। भगवान का शुक्र है कि जिस दिन उन पर हमला हुआ, उस दिन उनके पास बंदूक थी। नहीं तो भगवान जाने उस दिन क्या होता। उस दिन मैं भागकर सुबह 4 बजे उनके पास पहुंचा। हमने इस घटना के बाद एक एफआईआर भी फाइल की थी। हमारे पास उस रात का वीडियो भी है।' हालांकि, शशी ने इस बात का खुलासा नहीं किया कि ये घटना कब हुई।

जब गोविंदा को लगी थी गोली!

शशी ने यह भी कहा कि एक बार गलती से गोविंदा को गोली लग गई थी। अक्टूबर 2024 में जब गोविंदा अपनी बंदूक साफ कर रहे थे, तभी गलती से गोली चल गई और उनके पैर में लग गई। इसके बाद गोविंदा को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

पुलिस ने बताया था कि घटना मुंबई स्थित उनके घर पर हुई थी। गोविंदा उस समय एयरपोर्ट जाने की तैयारी कर रहे थे, तभी अचानक उनकी बंदूक से गोली चल गई, जिससे उनके पैर में चोट आई। इसके बाद गोविंदा ने भी एक बयान जारी कर जानकारी दी थी कि डॉक्टरों ने उनके घाव से गोली निकाल दी।

राशा थडानी ने फिल्म 'लईकी लईका' में सिंगिंग डेब्यू किया, गाना भगवान शिव को किया समर्पित

राशा थडानी ने अपनी आने वाली फिल्म 'लईकी लईका' के गाने 'छाप तिलक' से सिंगिंग में भी डेब्यू किया है। इस फिल्म में उनके साथ अभय वर्मा भी हैं। राशा ने हाल ही में सिंगिंग करने से जुड़ा अपना एक्सपीरियंस एक इंटरव्यू में साझा किया है। उन्हें इसे सपने के सच होने जैसा बताया।

गाने को लेकर अपना अनुभव किया साझा

एक इंटरव्यू में राशा थडानी बताती हैं कि उन्होंने बचपन से ही म्यूजिक में ट्रेनिंग ली है। वह कहती हैं, 'मैं जब 5 साल की थी, जब मैंने उस्ताद कादिर मुस्तफा खान से हिंदुस्तानी क्लासिकल म्यूजिक सीखना शुरू किया। इसके अलावा मैंने जैज म्यूजिक भी सीखा है। म्यूजिक मेरे लिए एक तरह का सुकून है। जब मैं रियाज करती हूं, तो वो एक घंटा सिर्फ मेरा होता है। मैं हमेशा से गाना चाहती थी, यही मेरा पैशन रहा है। लेकिन मैं पूरी तरह एक शॉवर सिंगर हूं। आज मुझे म्यूजिक इंडस्ट्री में कदम रखने का मौका मिला है, इसके लिए मैं बहुत शुक्रगुजार हूं।'

डेब्यू गाना भगवान शिव को समर्पित किया

राशा थडानी ने फिल्म 'लईकी लईका' में जो गाना गया है, उसके बारे में जानकारी साझा की है। इस गाने को भगवान शिव को समर्पित किया है। वह कहती हैं, 'मैंने 12 ज्योतिर्लिंगों की यात्रा की है। मेरे लिए भगवान शिव सिर्फ एक भगवान नहीं, जिंदगी का हिस्सा हैं। वो हर दिन मेरे साथ रहते हैं। इस गाने में जब डमरू की बात होती है, तो मुझे नटराज का नृत्य याद आता है। भगवान शिव कला और नृत्य के देवता हैं। यह गाना उन्हीं को समर्पित है। मेरी कला उन्हीं की है।'

इस एक्टर की तारीफ पाकर खुश हुईं एक्ट्रेस

हाल ही में एक्टर प्रभास ने राशा थडानी की आवाज की तारीफ की है। राशा ने इस तारीफ को कॉन्फिडेंस बूस्टर बताया। वह कहती हैं, 'प्रभास मुझे बहुत ईस्पायर करते हैं। उनका सपोर्ट मेरे लिए बहुत मायने रखता है। वो इतने बड़े स्टार हैं, फिर भी बहुत सिंपल और सपोर्टिव हैं। उनसे थोड़ा भी मोटिवेशन मिलना, मेरे कॉन्फिडेंस को बहुत बढ़ा देता है।' राशा थडानी की फिल्म 'लईकी लईका' की बात करें तो यह एक रोमांटिक-एक्शन फिल्म है। यह फिल्म 2026 के समर सीजन में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

बेटे ने दिया एआर रहमान के बयान पर रिएक्शन क्या पिता से अलग राह पर हैं एआर अमीन?

हाल ही में संगीतकार एआर रहमान ने फिल्म इंडस्ट्री में सांप्रदायिकता की ओर इशारा करते हुए एक बयान दिया, जिस पर बहस जारी है। इस मामले पर रहमान ने सफाई दी है। अब 23 साल के एआर अमीन ने अपने पिता के बयान पर प्रतिक्रिया दी है। हाल ही में उनका गाना 'भीगी भीगी' रिलीज हुआ है। इस गाने को एआर रहमान ने कंपोज किया है। इसमें मृणाल ठाकुर और दुलकर सलमान ने अभिनय किया है। एआर अमीन इस गाने से बतौर सिंगर-

प्रोड्यूसर जुड़े हैं।

एआर अमीन के गाने के बारे में

गाना 'भीगी भीगी' के बारे में एआर अमीन ने बताया 'मेरे पिता ने इस पर काम करने के बारे में बताया था। मुझे यह आइडिया अच्छा लगा। गाने में जसलीन रॉयल की आवाज ने गहराई पैदा की। मुझे लगता है कि इसमें सब कुछ बहुत अच्छे से हुआ है। यह गाना बहुत जल्दी बन गया। इसके प्रोसेस को समझाना थोड़ा मुश्किल है।'

अलग राह पर हैं अमीन

अपने पिता से अलग अपनी पहचान बनाने के सवाल पर एआर अमीन ने बताया 'मैं अपना रास्ता खुद बना रहा हूं। मैं हर बातचीत में यही कहता हूं। मैं एकदम अलग रास्ते पर हूं। मैं इस जगह के बारे में और जानना चाहता हूं।'

पिता के बयान पर एआर अमीन का रिएक्शन

एआर अमीन से जब इंडस्ट्री को लेकर उनके पिता के दिए गए बयान के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा 'मैं इस विषय से अलग रहना पसंद करूंगा।'

'दलदल' से पहले भी दम नहीं दिखा सके भूमि पेडनेकर और आदित्य रावल, करियर ग्राफ पर डालें एक नजर

रहमान ने दी सफाई

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री को लेकर दिए गए अपने बयान पर एआर रहमान ने सफाई दी है और कहा कि उनका इरादा कभी किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का नहीं था। उन्होंने कहा जो लोग उन्हें जानते हैं, उन्हें किसी सफाई की जरूरत नहीं है।

क्या था रहमान का बयान?

एआर रहमान ने कहा था, 'आजकल फिल्म इंडस्ट्री में लोग रचनात्मक नहीं हैं, वो सही ढंग से फैसला नहीं ले सकते। मुझे कम काम मिलना एक सांप्रदायिक मुद्दा भी हो सकता है, लोग मेरे पीछे बातें करते हैं। मुझे कानाफूसी की तरह पता चला कि उन्होंने आपको बुक किया था, लेकिन संगीत कंपनी ने आगे बढ़कर अपने पांच संगीतकारों को काम पर रख लिया।'

प्रियंका ने दिया डॉन-3 और कृष-4 से जुड़ने का हिंट कहा- पता नहीं इस बारे में बोल सकती हूं या नहीं

प्रियंका चोपड़ा करीब छह साल बाद भारतीय सिनेमा में वापसी करने जा रही हैं। वह एस.एस. राजामौली की फिल्म वाराणसी में नजर आएंगी। इसी बीच एक्ट्रेस ने अपनी फिल्म डॉन और कृष को लेकर बात की।

जब प्रियंका चोपड़ा से डॉन 3 और कृष 4 का हिस्सा होने के बारे में पूछा गया तो एक्ट्रेस ने कहा, यह ऐसे किरदार हैं, जिन्हें वो हमेशा करने के लिए तैयार रहेंगी लेकिन कहानी भी अच्छी होनी चाहिए। मुझे नहीं पता कि मैं दोनों में से किसी के बारे में बात कर भी सकती हूं या नहीं इसी दौरान प्रियंका के को-एक्टर महेश बाबू ने मजाक में कहा, तो फिर कुछ न कुछ जरूर चल रहा है। आगे एक्ट्रेस ने कहा, वाराणसी भारत में लगभग छह साल बाद मेरी पहली फिल्म है और यहां वापस आना बेहद खास है।

उन्होंने यह भी कहा कि अगर किसी किरदार या फ्रेंचाइजी में दमदार कहानी हो तो वह उसे दोबारा निभाने के लिए तैयार हैं। ऋतिक रोशन की कृष 3 में प्रियंका चोपड़ा नजर आई थीं। इसके अलावा वो शाहरुख खान की 'डॉन 2' का भी हिस्सा रह चुकी हैं। बता दें, प्रियंका चोपड़ा इन दिनों एसएस राजामौली के निर्देशन में बनने जा रही फिल्म वाराणसी में दिखाई देंगी। इस मूवी में प्रियंका चोपड़ा को महेश बाबू नजर आएंगे। यह फिल्म 2027 में रिलीज होगी।

पहली बार आलिया भट्ट और राजकुमार राव की बनेगी जोड़ी

आलिया भट्ट इन दिनों एक्शन फिल्म अल्फा और पीरियड रोमांस लव एंड वार को लेकर चर्चा में हैं। अब खबर है कि एक्ट्रेस जल्द ही हाउसवाइफ का हिस्सा भी होंगी। यह एक रिश्तों पर आधारित ड्रामा फिल्म है और इसे 'दृश्यम 2' के निर्देशक अभिषेक पाठक प्रोड्यूस कर रहे हैं।आलिया भट्ट फिल्म में हाउसवाइफ का किरदार निभाएंगी। फिल्म में लीड एक्टर के तौर पर राजकुमार राव से बातचीत चल रही है, लेकिन अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

आलिया भट्ट केवल मुख्य भूमिका निभाएंगी ही नहीं, बल्कि अपनी प्रोडक्शन कंपनी, एटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस के तहत इस फिल्म की को-प्रोड्यूसर भी होंगी। वह इस प्रोजेक्ट में अभिषेक पाठक की पैनोरमा स्टूडियोज के साथ भी सहयोग करेंगी। फिल्म की शूटिंग इस साल अगस्त-सितंबर में शुरू होने की संभावना है। यह प्रोजेक्ट तब शुरू होगा जब अभिषेक पाठक अपनी नई फिल्म 'दृश्यम 3' की शूटिंग पूरी कर लेंगे। इसके अलावा आलिया भट्ट 2027 के लिए कई अन्य प्रोजेक्ट्स पर भी बातचीत कर रही हैं, जिनमें मैडॉक फिल्म्स की हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'चामुंडा' भी शामिल है।

आलिया की अगली फिल्म 'अल्फा' होगी, जो शिव रवल के निर्देशन में बनने वाला एक हाई-ऑक्टेन एक्शन थ्रिलर है। इस फिल्म में वह एलिट ऑल-वुमेन कॉम्बैट यूनिट की कमांडिंग ऑफिसर का किरदार निभाएंगी, जिसमें उनके साथ शर्वरी वाघ भी हैं। यह फिल्म YRF स्पाय यूनिवर्स में सेट की गई है और इसमें बॉबी देओल भी अहम भूमिका में होंगे। यह फिल्म कब रिलीज होगी इसको लेकर अब तक कोई भी ऑफिशियल जानकारी सामने नहीं आई है।

इसके अलावा आलिया भट्ट को फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वार' में रणबीर कपूर और विक्की कौशल के साथ भी देखा जाएगा। उन्हें आखिरी बार वासन बाला की 'जिगरा' में अभिनेता वेदांग रैना के साथ स्क्रीन पर देखा गया था।

50 के हुए अभिषेक बच्चन: काजोल से लेकर रितेश देशमुख तक कई सेलेब्स ने दी जन्मदिन की बधाई

अभिनेता अभिषेक बच्चन आज अपना 50 वां जन्मदिन मना रहे हैं। एक्टर को फैंस और सेलेब्स के बधाई दे रहे हैं। एक्टर को काजोल,अजय देवगन और रकुलप्रीत समेत कई फिल्मी दुनिया के सितारों ने शुभकामनाएं दीं।

काजोल, अजय देवगन और सोनाली ने किया विश

अभिषेक बच्चन के जन्मदिन पर उनके फैंस समेत सेलिब्रिटीज भी काफी प्यार लुटा रहे हैं। अभिनेत्री काजोल ने सोशल मीडिया पर फोटो शेयर करते हुए लिखा ' हैप्पी बर्थ डे अभिषेक ,तुम्हारा दिन अच्छा जाए ' । वहीं काजोल के पति और अभिनेता अजय देवगन ने अपनी और अभिषेक बच्चन की ' बोल बच्चन ' की फोटो शेयर करते हुए एक्टर को विश किया और कैप्शन दिया ' हैप्पी बर्थ डे अब्बास अली , मेरा मतलब है अभिषेक ' । एक्ट्रेस सोनाली बेंद्रे ने भी एक्टर की तस्वीर साझा करते हुए लिखा ' एक और अच्छे साल के लिए

तुम्हें मुबारकबाद '।

'मेरे लिए शोहरत सफलता का पैमाना नहीं', सुभाष घई ने बताया कैसे मनाते हैं जन्मदिन; इस फिल्म को बताया सबसे खास।

अभिषेक बच्चन के जन्मदिन पर उनके फैंस समेत सेलिब्रिटीज भी काफी प्यार लुटा रहे हैं। अभिनेत्री काजोल ने सोशल मीडिया पर फोटो शेयर करते हुए लिखा ' हैप्पी बर्थ डे अभिषेक ,तुम्हारा दिन अच्छा जाए ' । वहीं काजोल के पति और अभिनेता अजय देवगन ने अपनी और अभिषेक बच्चन की ' बोल बच्चन ' की फोटो शेयर करते हुए एक्टर को विश किया और कैप्शन दिया ' हैप्पी बर्थ डे अब्बास अली , मेरा मतलब है अभिषेक ' । एक्ट्रेस सोनाली बेंद्रे ने भी एक्टर की तस्वीर साझा करते हुए लिखा ' एक और अच्छे साल के लिए तुम्हें मुबारकबाद '।

कृति सेनन ,सोनम कपूर और रकुलप्रीत ने शेयर की पोस्ट

एक्ट्रेस कृति सेनन ने एबी को जन्मदिन की बधाइयां देते हुए लिखा 'जन्मदिन की शुभकामनाएं अभिषेक आपको बहुत प्यार और आप हमेशा खुश रहें। सोनम कपूर ने लिखा ने भी एक्टर को जन्मदिन पर ढेर सारी बधाईयां दी।

वही अभिनेता रितेश देशमुख ने अपना और अभिषेक का एक विडियो शेयर किया। जिसमें वो और एक्टर साथ में चलते हुए आ रहे हैं और बैकग्राउंड में 'तेरे जैसा यार कहां ' गाने की आवाज आ रही है। रकुलप्रीत ने लिखा 'हैप्पी बर्थ डे , अभिषेक ये साल आपके लिए नए अवसर लेकर आए ।

अभिषेक बच्चन के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

अभिषेक बच्चन इस साल काफी व्यस्त हैं। जून 2026 में एक्टर की एक्शन थ्रिलर किंग आने वाली है। वहीं दूसरी तरफ वो एक मराठी हिस्टोरिकल ड्रामा राजा शिवाजी में भी नजर आयेगें इसके साथ ही एक्टर बी हैप्पी, बच्चन सिंह और बिग बुल के सीक्वल में भी दिखाई देगें।

सात साल बाद अभिनय में वापसी पर क्या बोलीं रिया चक्रवर्ती

एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती अपकमिंग सीरीज 'फैमिली बिजनेस' से स्क्रीन पर सात साल बाद वापसी कर रही हैं। इस प्रोजेक्ट के एलान के बाद एक्ट्रेस ने एक पोस्ट शेयर की है। इसमें उन्होंने अपने काम पर लौटने के लंबे सफर के बारे में बताया। उन्होंने पर्दे पर वापसी के लिए आभार जताया है।

एक्टिंग में दोबारा आने पर क्या बोलीं रिया?

हाल ही में रिया ने इंस्टाग्राम पर अपना एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह तैयार हो रही हैं। एक्टिंग में दोबारा वापसी करने पर उन्होंने कहा कि उन्होंने आखिरी बार 2019 में 'चेहरे' के लिए शूटिंग की थी। रिया ने कहा, '7 साल। यह सच में बहुत अजीब है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं फिर से एक्टिंग करूंगी। यह अविश्वसनीय है क्योंकि यह एक सपने जैसा है। जब मैं 17 साल की थी, तब यह मेरा सपना था। फिर यह सब हुआ। इसके बाद मुझे काम मिलना बंद हो गया। फिर मैं वापस आ गई। हालांकि अब मैं बहुत बदल गई हूं। अब

मेरा एक अलग करियर है। अब कई मायनों में यह मायने नहीं रखता। कई मायनों में यह अभी भी पहले से कहीं ज्यादा मायने रखता है।'

कौन सा सपना लेकर आईं थीं रिया?

पोस्ट के कैप्शन में रिया ने लिखा 'सेट पर गए हुए 7 साल हो गए हैं। हालांकि मैं आज भी वही लड़की हूं जो 17 साल की उम्र में एक्ट्रेस बनने का सपना लेकर मुंबई आई थी। मेरा एक हिस्सा आगे बढ़ गया, लेकिन एक हिस्सा वहीं रुका रहा और इंतजार करता रहा। अब मैं यहां हूं, एक बार फिर अपने चैप्टर 2 में।'

बेटे ने दिया एआर रहमान के बयान पर रिएक्शन, क्या पिता से अलग राह पर हैं एआर अमीन?

'फैमिली बिजनेस' की स्टारकास्ट

सीरीज 'फैमिली बिजनेस' में रिया के अलावा विजय वर्मा, अनिल कपूर, ध्रुव सहगल, नेहा धूपिया, राइमा सेन, आकाश खुराना, अपरा मेहता, नंदीश संधू, अनंत नाग, रोहन विनोद मेहरा, टीना देसाई, कंवलजीत सिंह, मधु और इनायत सूद प्रमुख भूमिकाओं में हैं। सीरीज की अभी रिलीज डेट सामने नहीं आई है।

आसाराम के अहमदाबाद आश्रम पर चलेगा बुलडोजर

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को जमीन वापस लेने का आदेश दिया, 500 करोड़ से ज्यादा है कीमत

अहमदाबाद, 5 फरवरी (एजेंसियां)। अहमदाबाद के मोटेरा में स्थित आसाराम का मुख्य आश्रम अब कानूनी विवादों में है। गुजरात हाईकोर्ट ने 45,000 वर्ग मीटर से अधिक की आश्रम की जमीन को राज्य सरकार के कब्जे में लेने और अवैध ढांचों को हटाने की मंजूरी दे दी है।

इस आश्रम की जगह अब 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनेगा। वर्तमान में इस जमीन की मार्केट वैल्यू 500 करोड़ रुपए से ज्यादा की है।

गुजरात हाईकोर्ट की जस्टिस वैभवी नानावती ने इस मामले में गुरुवार को फैसला सुनाते हुए राज्य सरकार को जमीन वापस लेने की अनुमति दे दी।

कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि विकास परियोजना की आवश्यकता और नियमों के उल्लंघन को देखते हुए सरकारी कार्रवाई उचित है। इस फैसले के बाद अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) अब किसी भी समय अवैध निर्माणों को हटाने की कार्रवाई शुरू कर सकता है।

32 अवैध यूनिट स्थापित हो थीं आश्रम में

राज्य सरकार की ओर से पेश हुए वरिष्ठ लोक अभियोजक जीएच विर्क ने तर्क दिया कि मोटेरा स्थित आश्रम परिसर में करीब 32 अवैध यूनिट स्थापित कर ली गई थीं। जबकि सार्वजनिक भूमि पर धीरे-धीरे अतिक्रमण करना और फिर उसे वैध ठहराना स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि आश्रम को कानूनी रूप से आवश्यक संख्या से अधिक नोटिस भेजे गए, एक के बाद एक कई सुनवाई भी हुईं।

प्रशासन को जांच के दौरान पता चला कि इन इकाइयों का इस्तेमाल व्यावसायिक गतिविधियों और अनधिकृत निर्माण के लिए किया जा रहा था। नियमों के उल्लंघन और सरकारी जमीन पर अतिक्रमण के आरोपों के चलते कलेक्टर कार्यालय की ओर से भी आश्रम को कई बार नोटिस जारी किया जा चुका है।

राज्य अधिकारियों ने अदालत के सामने ठोस साक्ष्य प्रस्तुत किए थे कि दशकों पहले सीमित धार्मिक उपयोग के यह भूमि आवंटित की गई थी। लेकिन, धीरे-धीरे आश्रम का दायरा कानूनी सीमा से काफी बाहर निकल गया था।

आसाराम ने 1972 में की थी आश्रम की स्थापना

साबरमती नदी किनारे इस आश्रम की स्थापना आसाराम ने 1972 में की थी। आसाराम ने यहां सबसे पहले एक कुटिया बनाई थी, जिसे 'मोक्ष कुटिया' के रूप में पहचाना जाता था। धीरे-धीरे इसी कुटिया के आसपास निर्माण कार्य होता चला गया और बाद में इसे आसाराम मोटेरा आश्रम के नाम से पहचाना जाने लगा।

यह आश्रम आसाराम की गतिविधियों का केंद्र था। 2001 से 2006 के बीच एक महिला शिष्या के साथ यौन शोषण का मामला इसी आश्रम से जुड़ा था, जिसके लिए उन्हें गांधीनगर कोर्ट से सजा मिली है

आसाराम 2 मामलों में गुनहगार

जोधपुर कोर्ट: आसाराम को जोधपुर पुलिस ने इंदौर के आश्रम से साल 2013 में गिरफ्तार किया था। इसके बाद से आसाराम जेल में बंद था। पांच साल तक लंबी सुनवाई के बाद 25 अप्रैल 2018 को कोर्ट ने आसाराम को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

गांधीनगर कोर्ट: आसाराम के खिलाफ गुजरात के गांधीनगर में आश्रम की एक महिला ने रेप का मामला दर्ज करवाया था। कोर्ट ने 31 जनवरी 2023 को इस मामले में आसाराम को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

बेटा नारायण साईं भी रेप के आरोप में उम्रकैद की सजा काट रहा

आसाराम के साथ उसका बेटा नारायण साईं भी उम्रकैद की सजा काट रहा है। साईं के खिलाफ दुष्कर्म की शिकायत सूरत के जहांगीरपुरा थाने में 2013 में दर्ज हुई थी। सूरत सेशंस कोर्ट में 2014 में मामले की सुनवाई शुरू हुई और 2019 में इस पर फैसला सुनाया गया।

इसमें नारायण साईं को आजीवन कैद की सजा सुनाई गई थी। वहीं, दुष्कर्म के ही मामले में आसाराम को साल 2018 में जोधपुर के एक कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है।

कार से 40.20 लाख रुपए बरामद

नगर पंचायत चुनाव को लेकर सख्ती, रांची से पटना जा रही थी कार

लातेहार, 5 फरवरी (एजेंसियां)। नगर पंचायत चुनाव को लेकर जिले में चलाए जा रहे सघन वाहन चेकिंग अभियान के दौरान लातेहार पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस टीम ने जांच के दौरान एक स्विफ्ट कार से 40 लाख 20 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं।

यह कार्रवाई करकट स्थित चेक नाका के पास की गई, जहां रांची से आ रही कार को जांच के लिए रोका गया था। बताया गया कि कार लातेहार होते हुए बिहार राज्य की ओर जा रही थी। भारी मात्रा में नकदी मिलने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया, वहीं चुनावी माहौल में इस बरामदगी ने कई सवाल भी खड़े कर दिए हैं।

पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने बताया कि नगर पंचायत क्षेत्र में चल रहे नियमित वाहन जांच अभियान के क्रम में संदिग्ध स्विफ्ट कार को रोका गया। जब वाहन की तलाशी ली गई तो कार के अंदर से कुल 40 लाख 20 हजार रुपये नकद बरामद किए गए।

इतनी बड़ी राशि को लेकर तुरंत वरीय अधिकारियों को सूचना दी गई। इसके बाद आयकर विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची और

नकदी से संबंधित दस्तावेजों की जांच शुरू कर दी गई। पुलिस और आयकर विभाग संयुक्त रूप से यह पता लगाने में जुटे हैं कि इतनी बड़ी रकम किस उद्देश्य से और कहां ले जाई जा रही थी।

एसपी कुमार गौरव ने बताया कि फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि बरामद नकदी का स्रोत क्या है और इसका इस्तेमाल किस लिए किया जाना था। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत चुनाव को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है।

अवैध धन के इस्तेमाल की आशंका को लेकर लगातार वाहन जांच और निगरानी की जा रही है। प्रारंभिक जांच में कार सवारों से पूछताछ की जा रही है और उनके बयान दर्ज किए जा रहे हैं। जांच पूरी होने के बाद पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा और नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस बड़ी बरामदगी के बाद नगर पंचायत क्षेत्र समेत पूरे जिले में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है। चुनावी समय में इतनी बड़ी नकदी मिलने से प्रशासनिक सख्ती और सतर्कता साफ झलकती है।

पुलिस प्रशासन का कहना है कि निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराने के लिए अवैध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

टायर प्लांट में ब्लास्ट: 8 मजदूर 80% तक झुलसे

9 महीने की मासूम भी जख्मी, हालत नाजुक, टायर गलाने के दौरान हुआ विस्फोट

रायगढ़, 5 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के खरसिया स्थित मंगल कार्बन प्लांट में टायर गलाने के दौरान जोरदार ब्लास्ट हो गया। जिसकी चपेट में आने से 8 मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए। घायलों में एक 9 महीने की मासूम भी शामिल है। घटना खरसिया थाना इलाके के बानीपाथर की है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, विस्फोट इतना तेज था कि आसपास काम कर रहे लोग आग और गर्म गैस की चपेट में आ गए। सभी घायलों को गंभीर हालत में जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार, कई मरीज 70 से 80 प्रतिशत तक झुलसे हुए हैं, जिससे उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।

मंगल कार्बन प्लांट में पुराने टायर पिघलाकर सड़क बनाने के लिए ऑयल तैयार किया जाता था। सुबह काम के दौरान मशीन का ढक्कन खोलते ही तेज धमाका हुआ। ऑक्सीजन अंदर जाते ही आग भड़क उठी, जिससे कई मजदूर झुलस गए।

घटना के बाद घायलों को जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन प्लांट के कर्मचारियों ने जानकारी देने से बचते रहे। इस हादसे में प्लांट प्रबंधन की लापरवाही सामने आ रही है।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

प्लांट परिसर को घेरकर जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारी यह भी देख रहे हैं कि, प्लांट में सुरक्षा मानकों का पालन किया जा रहा था या नहीं। फिलहाल, मामले की जांच जारी है।

झारखंड में फिर बढ़ेगी ठंड

रांची, 5 फरवरी (एजेंसियां)। राजधानी रांची समेत पूरे झारखंड में अगले 24 घंटों के दौरान ठंड बढ़ने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार से राज्य में तापमान में गिरावट शुरू होगी और रात के समय कनकनी बढ़ेगी। सुबह के समय कुहासा छाने की भी संभावना जताई गई है। अगले पांच दिनों के भीतर रांची के न्यूनतम तापमान में करीब पांच डिग्री तक की गिरावट दर्ज की जा सकती है। राजधानी और आसपास के क्षेत्रों में सुबह हल्के से मध्यम कुहासे का असर देखने को मिलेगा। बुधवार को राजधानी समेत राज्य के कुछ हिस्सों में हल्के बादल छाए रहे, लेकिन शुक्रवार से आसमान साफ होने की संभावना है, जिससे सर्द हवाओं का प्रभाव और बढ़ेगा। मौसम विभाग के अनुसार उत्तर से आने वाली सर्द हवाओं के कारण राज्य में ठंड बढ़ेगी। राजधानी रांची में बुधवार को न्यूनतम तापमान 13.1 डिग्री और अधिकतम 26.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

22 जवानों की शहादत में शामिल नक्सली कमांडर उधम ढेर

छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर पर एनकाउंटर, शव-हथियार बरामद, 1 साल में मारे गए 232 नक्सली

बीजापुर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों ने नक्सली कमांडर उधम सिंह का एनकाउंटर कर दिया है। उधम सिंह साल 2021 में हुए टेकुलगुड़ेम एनकाउंटर में शामिल था। जहां नक्सली हमले में 22 जवान शहीद हुए थे। इसके साथ ही वह कई वारदातों में शामिल रहा।

डीवीसीएम उधम सिंह प्लाटून नंबर 30 का कमांडर था और वह जागूरगुंडा एरिया कमेटी का कमांडर भी था। इस पर 8 लाख का इनाम था। बता दें कि छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा क्षेत्र में गुरुवार (5 फरवरी) सुबह साढ़े 7 बजे से मुठभेड़ हुई थी, जवान शव और हथियार लेकर लौट आए हैं।

डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) और सीआरपीएफ कोबरा के जवानों ने साउथ बस्तर के

पेद्दागेलूर जंगल क्षेत्र में नक्सलियों को घेरा था। दोनों ओर से रुक-रुककर फायरिंग चली। मौके से एक एके-47 राइफल भी बरामद की गई है। घटना तर्रेम थाना क्षेत्र की है।

3 अप्रैल 2021 को बीजापुर और सुकमा जिले से लगे तर्रेम के टेकलगुडुम गांव में हुए मुठभेड़ में 22 जवान शहीद हुए थे। एनआईए की जांच में यह बात सामने आई थी कि जवानों पर करीब 350 से 400 नक्सलियों ने हमला किया था और उनके हथियार भी लूट लिए थे।

नक्सलियों ने जवानों पर बैरल ग्रेनेड लांचर (बीजीएल) और स्वचालित हथियारों से हमला किया था। यह हमला नक्सलियों ने अपने टीसीओसी (टैक्टिकल काउंटर ऑफेंसिव कैंपेन) तहत किया था। बीजापुर एसपी डॉ जितेंद्र कुमार यादव ने बताया कि साल 2025 में जिले में हुए अलग-अलग मुठभेड़ों में 163 माओवादी को मार गिराने में सुरक्षा बलों को सफलता मिली है। वहीं, साल 2026 में 11 माओवादी ढेर हुए है।

इस प्रकार जनवरी 2024 से अब तक जिले में चलाये गये माओवादी विरोधी अभियान में कुल 232 माओवादी मारे गये, 1163 माओवादी गिरफ्तार हुए और 888 माओवादियों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल हुए।

जिले में आज 12 नक्सलियों ने आत्मसमर्पित किया है। इनमें नार्थ और साउथ बस्तर में सक्रिय बड़े नक्सली भी शामिल है, जिन्होंने बस्तर आईजी सुंदरराज पी और बीजापुर एसपी जितेंद्र यादव के सामने हथियार डाल दिए है। इन सभी पर कुल मिलाकर 54 लाख का इनाम था।

अमेरिकी दुल्हन बनी भारतीय बहू

पेंड्रा के युवक ने अमेरिकी युवती से रचाई शादी भारतीय रीति-रिवाजों से अमरकंटक में हुआ विवाह

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, 5 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में एक अनोखी शादी हुई है। जहां अमेरिकी दुल्हन भारतीय बहू बनकर आई है। पेंड्रा के रहने वाले अंकित साहू सॉफ्टवेयर इंजीनियर है, वे अमेरिकी में जॉब करते थे जहां उनकी मुलाकात कायला से हुई थी।

दोस्ती के बाद दोनों ने छत्तीसगढ़ में शादी की प्लानिंग की। 5 फरवरी यह शादी भारतीय रीति रिवाज से अमरकंटक के नर्मदे आनंदम रिसॉर्ट में हुई। इस दौरान कई मेहमान अमेरिका से पहुंचे थे। शहर में इस शादी की काफी चर्चा है।

बता दें कि पेंड्रा निवासी रमेश साहू होटल व्यसायी है, अंकित साहू उनके पुत्र है। वे इंजीनियरिंग

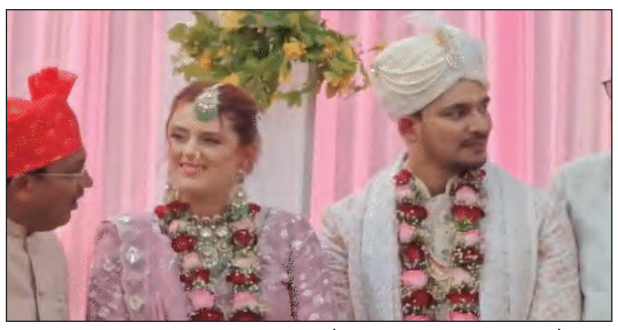

की पढ़ाई के लिए अमेरिका के मिलवोकी गए थे। सॉफ्टवेयर इंजीनियर बनने के बाद उन्होंने वहीं एक कंपनी में नौकरी शुरू की। इसी दौरान उनका परिचय मिस कायला से हुआ, जो अमेरिका की एक कंपनी में मैकेनिकल इंजीनियर के तौर पर पार्ट्स डिजाइन का काम करती हैं।

अंकित और कायला ने आपसी सहमति से विवाह का निर्णय लिया। उनका विवाह 5 फरवरी को पूर्णतः भारतीय पारंपरिक तौर-तरीकों से संपन्न हुआ।

विवाह समारोह में वधू पक्ष से लगभग डेढ़ दर्जन लोग अमेरिका से पहुंचे थे, जबकि वर पक्ष से भी बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। यह विवाह समारोह अत्यंत हर्षोल्लास के माहौल में संपन्न हुआ।

भारतीय मूल के युवक और अमेरिकी युवती के इस विवाह की सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हो रही है और लोग इसकी सराहना कर रहे हैं। शादी के दौरान विदेशी मेहमानों और नवविवाहित जोड़े के साथ तस्वीरें लेने के लिए लोगों में उत्साह देखा गया।

ज्वेलरी दुकान से 11 लाख के जेवर लूटे

हाजीपुर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। अपराधियों के हौसले दिनों दिन बुलंद होते जा रहे हैं। वैशाली थाना क्षेत्र के जातकौली चौक स्थित मां दुर्गा ज्वेलर्स में तीन बाइक सवार बदमाशों ने दिनदहाड़े हथियार के बल पर लूट की वारदात को अंजाम दिया। घटना शाम 4 बजकर 5 मिनट की है। बदमाशों ने दुकानदार और एक स्टाफ को बंधक बनाकर करीब 11 लाख रुपये के आभूषण और 22 हजार रुपये नकद लूट लिए, फिर पिस्तौल लहराते हुए फरार हो गए। पीड़ित दुकान के स्टाफ मोहम्मद नौशाद के मुताबिक, तीनों बदमाश एक ही बाइक से आए थे और दुकान से कुछ दूरी पर वाहन खड़ा किया था। दुकान में घुसते ही बिना किसी बातचीत के शटर गिरा दिया और पिस्तौल तानकर हाथ ऊपर करने को कहा।

हाथियों ने 3 लोगों को कुचल कर मारा

रामगढ़, 5 फरवरी (एजेंसियां)। बोकारो जिले के गोमिया प्रखंड अंतर्गत छुटकी पुन्नू गांव में हाथियों ने एक बार फिर रौद्र रूप दिखाया है। हाथियों के झुंड ने एक ही करमाली परिवार के तीन सदस्यों की जान ले ली, जबकि पांच अन्य ग्रामीण घायल हो गए। ग्रामीणों के अनुसार बुधवार की शाम करीब 7 बजे हाथियों का झुंड गांव में घुस आया था। उस समय ग्रामीणों ने मशाल, शोर और अन्य उपायों से हाथियों को किसी तरह भगा दिया। हालांकि खतरा टला नहीं था। गुरुवार तड़के करीब 3 बजे हाथियों का झुंड दोबारा गांव में घुसा और इस बार जमकर उत्पात मचाया। हाथियों ने घरों के गेट तोड़े और अंदर घुसकर सो रहे लोगों पर हमला कर दिया।

हाथियों के अचानक हमले से गांव में अफरा-तफरी मच गई। घरों के भीतर सो रहे बुजुर्ग जान बचाने के लिए बाहर निकले, लेकिन हाथियों ने उन्हें चारों ओर से घेर लिया।

इंडियन आर्मी की सराहनीय पहल

बदल दिए अंग्रेजों के दिए सड़कों और इमारतों के नाम

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। इंडियन आर्मी कई सड़कों, इमारतों के नाम बदल रही है। औपनिवेशक दौर के नामों की जगह अब वीरता पुरस्कार विजेताओं, युद्ध नायकों के नाम पर जगहों के नाम रखे गए हैं। एक अधिकारी ने कहा कि अपनी सैन्य विरासत को मजबूत पहचान देने और अंग्रेज़ों के समय के प्रतीकों से दूरी बनाने के लिए यह पहल की गई है।

सेना ने बदले इतने नाम

भारतीय सेना ने 246 सड़कों, इमारतों और अन्य सुविधाओं के नाम बदले हैं। वीरता पुरस्कार विजेताओं, युद्ध नायकों और प्रमुख सैन्य नेताओं के योगदान को सम्मान देते हुए नए नाम उनके नाम पर रखे गए हैं। कुल 124 सड़कें, 77 रिहायशी कॉलोनियां, 27 इमारतें और सैन्य सुविधाएं, 18 अन्य सुविधाएं, जैसे पार्क, ट्रेनिंग एरिया, खेल मैदान, गेट और हेलिपैड के नाम बदले गए हैं।

बहादुरी के सम्मान देने के लिए अहम हिस्सा

ये पहल देशभर में बहादुरी और सर्वोच्च बलिदान को सम्मान देने की व्यापक कोशिशों का हिस्सा

है। देश के अलग-अलग कैंटोनमेंट और सैन्य ठिकानों पर पहले जो नाम ब्रिटिश दौर के थे उन्हें अब भारत के सैन्य इतिहास से जुड़े नामों से बदल दिया गया है। दिल्ली कैंट में किर्बी प्लेस का नाम बदलकर केनुगुरुसे विहार, मॉल रोड का नाम बदलकर अरुण खेतरपाल मार्ग रखा गया है। अंबाला कैंट में पैटरसन रोड क्वार्टर्स का नाम बदलकर धन सिंह थापा एन्क्लेव रखा गया है।

मथुरा कैंट में न्यू हॉर्न लाइन का नाम बदलकर अब्दुल हमीद लाइन्स कर दिया गया है। जयपुर कैंट में क्वींस लाइन रोड का नाम बदलकर सुंदर सिंह मार्ग किया गया है। बरेली कैंट में न्यू बर्डवुड लाइन का नाम बदलकर थिमैया कॉलोनी किया गया है। महू कैंट में मैल्कम लाइन्स का नाम बदलकर पीरू सिंह लाइन्स कर दिया गया है। भारतीय सैन्य अकादमी देहरादून में कॉलिन्स ब्लॉक का नाम बदलकर नुब्रा ब्लॉक, किंग्सवे ब्लॉक का नाम बदलकर कारगिल ब्लॉक किया गया है।

कोलकाता में फोर्ट विलियम का नाम बदलकर विजय दुर्ग पहले ही कर दिया गया था। रंगापहाड़ मिलिट्री स्टेशन में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का नाम बदलकर लैशराम ज्योतिन सिंह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स किया गया है। जखामा मिलिट्री स्टेशन में स्पीयर लेक मार्ग का नाम बदलकर हैंगपन दादा मार्ग किया गया है।

भिनभिनाती मक्खियों के बीच बना ब्रेड

चांद ब्रेड फैक्ट्री सील, 50 दुकानों में खारी-टोस्ट, डोनट, क्रीम-रोल की होती थी सप्लाई

रायपुर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के चौरसिया कॉलोनी स्थित चांद ब्रेड फैक्ट्री में अनहाइजीन तरीके से बेकरी आयटम्स बनकर तैयार हो रहे थे। गुरुवार (5 फरवरी) को जब नगर निगम की टीम जांच के लिए पहुंची तो वहां ब्रेड, टोस्ट, क्रीम रोल, डोनट और अन्य खाद्य सामान पर मक्खियां भिनभिना रही थी।

फ्रैक्ट्री में हाइजीन नियमों को फॉलो नहीं किया जा रहा था। इस दौरान वर्कर बिना मास्क और ग्लव्स के काम करते मिले और परिसर में चारों तरफ गंदगी फैली हुई थी। जिसके बाद नगर निगम जोन 6 की टीम ने फैक्ट्री को तुरंत सील कर दिया है। दरअसल बेकरी में गंदगी के बीच बन रहे बेकरी आयटम्स की नगर निगम में जन शिकायत हुई थी। जिसके बाद टीम जोन 6 कमिश्नर हितेन्द्र यादव और स्वास्थ्य विभाग की 6 सदस्यीय संयुक्त टीम जांच के लिए पहुंची थी। चंद्रशेखर आजाद वार्ड के चौरसिया कॉलोनी में अचानक बिना सूचना के पहुंचने पर शिकायत सही मिली। जहां खाद्य सुरक्षा मानकों का गंभीर उल्लंघन किया जा रहा था।

जानकारी के मुताबिक फैक्ट्री में रोजाना बड़े पैमाने पर खारी, टोस्ट, डोनट, ब्रेड, क्रीम रोल बनता था। जिसकी शहर के तकरीबन 50 दुकानों में सप्लाई होती है। निगम की टीम ने निरीक्षण में पाया कि फैक्ट्री में साफ-सफाई की व्यवस्था खराब थी और खाद्य सुरक्षा गाइड लाइन का भी पालन नहीं किया जा रहा था। जिसके बाद जोन 6 स्वास्थ्य अधिकारी आदिव्य हाजरी, स्वच्छता निरीक्षक महेन्द्र कलीहारी, अजय शर्मा, अभिषेक जायसवाल तथा कार्य सहायक टोकेश्वर ध्रुव की मौजूदगी में जोन फैक्ट्री को तत्काल सीलबंद किया गया है।

साथ ही निगम प्रशासन ने सभी फूड़ प्रोडक्शन करने वाली संस्थाओं से अपील की है कि फूड प्रोडक्शन युनिट में खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता नियमों का पालन किया जाए। साथ ही आस-पास गंदगी ना फैलाए, नियमों की अनदेखी करने वालों पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है।

झारखंड में बिहार के शख्स की हत्या

देवघर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। देवघर जिले के जसीडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत डिगरिया पहाड़ के 62 माइल के पास सड़क किनारे स्थित एक पुलिया के नीचे अधेड़ व्यक्ति का शव बरामद किया गया। सुबह-सुबह शव देख स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई और मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण जुट गए। सूचना मिलने पर जसीडीह थाना की पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची।

मृतक की पहचान बिहार के जमुई जिले के लहुआ गांव निवासी लड्डू उर्फ हेमंत यादव (42 वर्ष) के रूप में की गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा तैयार किया और पोस्टमॉर्टम के लिए देवघर सदर अस्पताल भेज दिया। प्रारंभिक जांच में पुलिस ने मौत के कारणों को संदिग्ध बताया है।

मृतक के पिता सुग्रीव यादव और अन्य परिजन घटनास्थल पर पहुंचे और शव की पहचान की। परिजनों ने पुलिस को बताया कि गांव के ही कुछ परिचित लोग लड्डू यादव के घर आए थे। उन्होंने देवघर स्थित श्मशान काली मंदिर में पूजा-अर्चना कराने की बात कही और उसे अपने साथ ले गए।

परिजनों के अनुसार, शाम को मोबाइल पर संपर्क करने पर लड्डू ने बताया था कि वह जल्द ही घर लौट आएगा। इसके बाद देर रात तक वह वापस नहीं लौटा। रात में कई बार फोन करने पर पहले घंटी जाती रही, फिर अचानक मोबाइल स्विच ऑफ हो गया। इसके बाद परिजनों ने आसपास और रिश्तेदारों के यहां उसकी खोजबीन की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी।

स्वतंत्र वार्ता,हैदराबाद

अमेरिका के चक्कर में तेल के खेल में फंस गया भारत!

चीन के हाथ में है रूसी सप्लाई की चाबी

नई दिल्ली,5 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के साथ ट्रेड डील के बाद भारत की अपनी तेल खरीद नीति में बड़ा बदलाव कर सकता है। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि तेल मंत्रालय और भारतीय कंपनिया अब अमेरिका से ज्यादा तेल खरीदने की तैयारी कर रही हैं जबकि रूस से आयात में गिरावट आने की संभावना है। सरकारी तेल कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने हाल में मंत्रालय के अधिकारियों के साथ मुलाकात करके इस बात पर विचार किया कि अमेरिका से और कितना तेल तथा गैस खरीदी जा सकती है। सूत्रों का कहना है कि घरेलू मांग बढ़ने और रूस से सप्लाई कम होने से सरकारी कंपनियों को ही ज्यादा एडजस्टमेंट करना पड़ेगा। पश्चिम एशिया से आने वाले तेल की तुलना में अमेरिका से आने वाले तेल पर अमूमन दो डॉलर प्रति बैरल ज्यादा लागत आती है। पिछले साल फरवरी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका की यात्रा की थी। तब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि वह चाहते हैं कि अमेरिका भारत में तेल और गैस का सबसे बड़ा सप्लायर बने। बाद में विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा था कि भारत अमेरिका से तेल का आयात 15 अरब डॉलर से बढ़ाकर 25 अरब डॉलर करना चाहता है।

अमेरिका से सप्लाई

ट्रंप ने दोनों देशों के बीच ट्रेड डील की घोषणा करते हुए कहा था कि भारत अमेरिका से 500 अरब डॉलर का सामान खरीदेगा। इसमें तेल और गैस भी शामिल है। पिछले साल अमेरिका से भारत को तेल की सप्लाई में काफी तेजी आई। केप्लर के आंकड़ों के मुताबिक यह 60% की तेजी के साथ रोजाना 3,18,000 बैरल पहुंच गई। भारत ने अमेरिका से 2.2 मिलियन टन एलपीजी खरीदने के लिए भी पिछले साल दिसंबर में एक डील की थी। यह भारत के कुल एलपीजी आयात का करीब 10 फीसदी है। भारत पहले ही अमेरिका से एलएनजी मंगा रहा है। आने वाले महीनों में भारत के अमेरिका से ज्यादा तेल मंगाने की उम्मीद है। सूत्रों का कहना है कि भारतीय कंपनियां रूस से तेल की खरीद में काफी कटौती कर सकती है। हालांकि रूस से तेल का आयात पूरी तरह बंद नहीं होगा। जो कार्गो पहले ही बुक किए जा चुके हैं, उनके मार्च तक भारत पहुंचने की संभावना है। जनवरी में केवल इंडियन ऑयल, बीपीसीएल और रोसनेफ्ट के निवेश वाली कंपनी नयारा एनर्जी को रूसी सप्लाई मिली। हालांक 2025 के एवरेज की तुलना में इसमें 30 फीसदी गिरावट आई है।एक सूत्र ने कहा कि रूस से तेल खरीदने का फैसला कमर्शियर के साथ-साथ डिप्लोमैटिक भी हो गया है। भारतीय कंपनियों के लिए रूसी तेल को रिप्लेस करना बड़ी चुनौती नहीं है। समस्या यह है कि रूसी तेल कहां जाएगा। अगर चीन ज्यादा डिस्काउंट पर इसे ले लेता है तो भारत के लिए दूसरी सप्लाई फ्री हो सकती है। इससे बैलेंस बना रहेगा और कीमतें स्थिर रहेंगी। लेकिन अगर ऐसा नहीं होता है तो रूसी उत्पादन बाधित होगा और सप्लाई टाइट होने से कीमतें बढ़ सकती हैं।

संसदीय समिति बोली-रेलवे आरएसी बर्थ मिलने पर आंशिक किराया लौटाए

सुपरफास्ट ट्रेनों का बेंचमार्क बदलें; अभी 55केएमपीएच की रफ्तार को सुपरफास्ट मानता है विभाग

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। संसदीय समिति ने मंगलवार को कहा आरएसी कैटेगरी के तहत बुक किए गए टिकटों के लिए यात्री से पूरा किराया लेना सही नहीं है।

समिति ने रेल मंत्रालय को सुझाव दिया कि रेल मंत्रालय को ऐसे यात्री को आंशिक किराया वापस करने के लिए नियम बनाना चाहिए। मौजूदा नियम के तहत, रेलवे आरएसी कैटेगरी के तहत ट्रेनों में बर्थ बुक करने के लिए यात्री से पूरा किराया लेता है। हालांकि, यात्री आरएसी कैटेगरी में रह सकता है और बर्थ दूसरे आरएसी यात्री के साथ साझा कर सकता है। दोनों यात्री रेलवे को पूरा किराया देते हैं। वहीं, सुपरफास्ट ट्रेनों को कैटेगराइज करने के लिए समिति ने कहा कि इसके लिए 55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार का बेंचमार्क बेहद कम है। समिति ने कहा कि 2007 से सुपरफास्ट ट्रेनों के कैटेगराइजेशन के नियमों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। अभी 55 किमी/घंटे की रफ्तार वाली ट्रेनें सुपरफास्ट मानी जाती हैं। लेख लेखा समिति ने बुधवार को संसद में पेश की गई अपनी रिपोर्ट 'भारतीय रेलवे में ट्रेन संचालन में समय की पाबंदी और यात्रा का समय' में कहा कि आरएसी (कैंसलेशन के बदले आरक्षण) के तहत टिकटों के लिए पूरा किराया लेना सही नहीं है। इसमें चार्ट बनने के बाद भी टिकट धारक को बिना बर्थ की सुविधा के आरएसी कैटेगरी में रहना पड़ता है। समिति ने रेलवे से ऐसे यात्रियों को आंशिक किराया वापस करने और इस संबंध में उठाए गए कदमों के बारे में उसे सूचित करने का आग्रह किया समिति ने भारतीय रेलवे में सुपरफास्ट ट्रेनों के नियमों की समीक्षा करने की आवश्यकता पर ध्यान देने के लिए कहा। समिति ने कहा कि मई 2007 में रेलवे ने फैसला किया था कि यदि किसी ट्रेन की ऐवरेज स्पीड दोनों अप और डाउन दिशाओं में, ब्रॉड गेज पर न्यूनतम 55 किमी प्रति घंटा और मीटर गेज पर 45 किमी प्रति घंटा है, तो उसे सुपरफास्ट ट्रेन माना जाएगा। समिति ने कहा कि ऑडिट में पाया गया कि किसी ट्रेन को सुपरफास्ट के रूप में कैटेगराइज करने के लिए 55 किमी प्रति घंटे का बेंचमार्क कम है। समिति ने कहा, 2007 से एसएफ ट्रेनों के वर्गीकरण के मानदंडों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

इसके साथ ही 478 सुपरफास्ट ट्रेनों में से 123 सुपरफास्ट ट्रेनों की निर्धारित गति 55 किमी प्रति घंटे से कम है। अपने जवाब में मंत्रालय ने समिति को बताया कि सुपरफास्ट के रूप में कैटेगराइज्ड 123 ट्रेनों की सूची की जांच से पता चला कि मौजूदा आंकड़ों के अनुसार 47 ट्रेनों की गति 55 किमी प्रति घंटे से अधिक है।

चांदी आज 28 हजार सस्ती हुई

वायदा बाजार में भाव 2.40 लाख/किलो पर आया; 10 ग्राम सोना 3 हजार रुपए सस्ता

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। गोल्ड और सिल्वर मार्केट में लगातार दो दिन की तेजी के बाद आज 5 फरवरी को गिरावट है। वायदा बाजार में चांदी का दाम करीब 28 हजार रुपए (11%) कम हो गया है। 1 किलो चांदी का भाव 2.40 लाख रुपए पर आ गया है। सोने का दाम भी करीब 3 हजार रुपए (2%) गिर गया है। 10 ग्राम सोना 1.50 लाख रुपए पर है। इससे पहले 29 जनवरी से 2 फरवरी के बीच चांदी की कीमत 1.60 लाख रुपए कम हुई थी। वहीं सोने की कीमत में 26 हजार रुपए कम हुई थी। सर्राफा बाजार के दाम दोपहर 12 बजे जारी की जाएंगे।

सर्राफा बाजार में चांदी 2.52 लाख प्रति किलो बिक रही

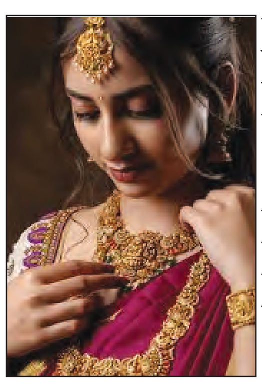

इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, आज सर्राफा बाजार में चांदी 30,230 रुपए गिरकर 2,52,232 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई है। वहीं 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 3,613 रुपए कम होकर 1,53,012 रुपए पर आ गया है। मुनाफा वसूली के कारण सोने-चांदी की कीमत में गिरावट है।

चीन ने ईवी के मोर्चे पर कर दिया बड़ा कमाल, भारत को लगेंगे अभी कई साल

नई दिल्ली,5 फरवरी (एजेंसियां)। चीन में इलेक्ट्रिक गाड़ियों की बिक्री पहली बार पेट्रोल और डीजल से चलने वाली गाडियों से आगे निकल गई है। पिछले साल देश में 13.1 मिलियन इलेक्ट्रिक गाड़ियां बिकीं जबकि पेट्रोल और डीजल से चलने वाली गाड़ियों की बिक्री 12.3 मिलियन यूनिट रही जो 15 साल में सबसे कम है। पिछले साल पेट्रोल-डीजल से चलने वाली गाड़ियों की बिक्री में 13 फीसदी गिरावट रही। यह लगातार आठवां साल है जब देश में पेट्रोल-डीजल से चलने वाली गाड़ियों की बिक्री में गिरावट आई है। चीन में पेट्रोल-डीजल से चलने वाली कारों की बिक्री 2017 में पीक पर पहुंची थी लेकिन तबसे इसमें 49% यानी 11.6 मिलियन यूनिट की गिरावट आई है। माना जा रहा है कि 2030 तक चीन में ईवी की बिक्री 21.2 मिलियन यूनिट पहुंच सकती है। इस दौरान पेट्रोल-डीजल से चलने वाली कारों की बिक्री घटकर 4.9 मिलियन यूनिट रहने का अनुमान है। चीन की कंपनी बीवाईडी ने पिछले साल पहली बार एलन मस्क की कंपनी टेस्ला से ज्यादा कारों का उत्पादन किया। टेस्ला केवल ईवी बनाती हैं जबकि बीवाईडी ईवी के साथ-साथ प्लग इन हाइब्रिड कार भी बनाती है।

भारत का हाल

हालांकि चीन के मुकाबले भारत को अभी लंबा रास्ता तय करना है। भारत में पिछले साल ईवी की बिक्री 2.3 मिलियन यूनिट रही जो कुल नए रजिस्ट्रेशन का करीब 8 फीसदी है। इनमें 1.28 मिलियन यानी 57 फीसदी दोपहिया वाहन रहे। तिपहिया वाहनों की हिस्सेदारी 35 फीसदी यानी 8 लाख और कारों की हिस्सेदारी 1.75 लाख यूनिट रही। पिछले साल उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा ईवी मार्केट रहा। इस दौरान राज्य में 4 लाख से अधिक ईवी बिके। हालांकि दिल्ली, केरल और गोवा में ईवी एडॉप्शन ज्यादा रहा।

अमेरिका में 500 अरब डॉलर निवेश के दावे को गोयल ने किया खारिज, आयात बढ़ने की जताई संभावना

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को स्पष्ट किया कि भारत की ओर से अमेरिका में किसी निवेश की कोई प्रतिबद्धता नहीं की गई है। हालांकि, 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ते भारत को आने वाले वर्षों में अमेरिका से बड़ी मात्रा में ऊर्जा, डेटा सेंटर उपकरण, आईसीटी उत्पाद और अन्य वस्तुओं की जरूरत होगी। गोयल ने कहा कि अमृतकाल के दौरान भारत की तेज आर्थिक वृद्धि के साथ-साथ स्टील क्षमता मौजूदा 140 मिलियन टन से बढ़कर अगले कुछ वर्षों में करीब 300 मिलियन टन तक पहुंचने की योजना है। इसी तरह, ऊर्जा और डिजिटल अवसंरचना की मांग भी तेजी से बढ़ेगी। उनके अनुसार, अगले पांच वर्षों में भारत अमेरिका से लगभग 500 अरब डॉलर के सामान का आयात कर सकता है। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपित ट्रंप ने हाल ही में एक व्यापार समझौते की घोषणा करते हुए दावा किया था कि भारत ने अमेरिका में 500 अरब डॉलर के निवेश का वादा किया है। इस पर सफाई देते हुए गोयल ने कहा कि यह निवेश प्रतिबद्धता नहीं, बल्कि संभावित सोर्सिंग और खरीद का आकलन है। उन्होंने बताया कि भारत की अमेरिका से होने वाली विमान खरीद मौजूदा और प्रस्तावित ऑर्डर करीब 70 से 80 अरब डॉलर की है। इंजनों

और स्पेयर पार्ट्स को जोड़ने पर यह खर्च 100 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। इसके अलावा, बजट में डेटा सेंटरों को दी गई टैक्स हॉलिडे का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि अगर डेटा सेंटरों में 100 से 150 अरब डॉलर का निवेश आता है, तो उनके लिए आवश्यक उपकरणों की मांग भी बड़े पैमाने पर होगी।भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बात करते हुए गोयल ने कहा कि फरवरी 2025 में औपचारिक रूप से प्रस्तावित इस समझौते का लक्ष्य 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को मौजूदा 191 अरब डॉलर से बढ़ाकर 500 अरब डॉलर करना है। इसके लिए दोनों देशों को निर्यात और सोर्सिंग दोनों मोर्चों पर प्रयास बढ़ाने होंगे। गोयल ने यह भी बताया कि बीटीए का पहला चरण लगभग तैयार है और अगले चार-पांच दिनों में एक संयुक्त बयान जारी होने की उम्मीद है। इसके बाद मार्च के मध्य तक कानूनी समझौते पर हस्ताक्षर किए जा सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट बोला- अनिल अंबानी देश नहीं छोड़ेंगे

बैंक फ्रॉड केस में ईडी–सीबीआई को फटकार ; कहा– जांच में देरी की, अब ढिलाई बर्दाश्त नहीं करेंगे

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने अनिल धीरुभाई अंबानी ग्रुप जुड़े 40 हजार करोड़ के बैंक फ्रॉड केस में जांच एजेंसियों पर नाराजगी जताई। कोर्ट ने कहा- सीबीआई और ईडी जांच में देरी का कारण नहीं बता सकीं। दोनों एजेंसियां पहले ही काफी समय ले चुकी हैं। आगे ऐसी ढिलाई बर्दाश्त नहीं करेंगे। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की बेंच ने सीबीआई और ईडी से चार हफ्ते में ताजा स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने को कहा है। कोर्ट ने यह रिकॉर्ड किया कि अनिल अंबानी उसकी पूर्व अनुमति के बिना देश नहीं छोड़ेंगे।

असल में याचिकाकर्ता और पूर्व आईएएस अफसर ईएएस सरमा ने अनिल के देश छोड़ने की आशंका जताई थी। सुनवाई के दौरान अनिल अंबानी ने अपने वकील मुकुल रोहतगी के जरिए कोर्ट को आश्वासन दिया कि वे कोर्ट की अनुमति के बिना देश नहीं छोड़ेंगे। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि अनिल अंबानी के खिलाफ पहले ही लुकआउट सर्कुलर जारी किए जा चुके हैं। मेहता ने कोर्ट को बताया- अनिल समूह की कंपनियों के जरिए करीब 40 हजार करोड़ सायफन किए जाने का आरोप है। इस पर कोर्ट ने मौखिक टिप्पणी की- यह इतनी बड़ी रकम सायफन होने का मामला है। कोर्ट ने ईडी के हलफनामे को रिकॉर्ड में लिया कि अपराध से अर्जित आय 20 हजार करोड़ से अधिक आंकी गई है। एजेंसी 8,078 करोड़ की संपत्ति अस्थायी रूप से अटैच कर चुकी है। अनिल अंबानी की ओर से पेश वकील श्याम दीवान ने सार्वजनिक धन की हेराफेरी के आरोपों से इनकार किया। उन्होंने कहा- रिलायंस पावर और रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने करीब 20 हजार करोड़ चुका दिए हैं। कारोबारी घाटे व कर्ज में चूक को आपराधिक केस नहीं बनाना चाहिए।इससे पहले 23 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई और ईडी को सीलबंद लिफाफे में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने को कहा था और अनिल अंबानी और एडीएजी को नोटिस जारी किया था। याचिका में आरोप है कि 2007-08 से फ्रॉड चल रहा था, लेकिन एफआईआर 2025 में दर्ज हुई।याचिका के मुताबिक 2013-17 के बीच आरसीओम, रिलायंस इंफ्राटेल और रिलायंस टेलिकॉम ने एसबीआई और अन्य बैंक से 40 हजार करोड़ से ज्यादा का कर्ज लिया था।

लाल निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 503 अंक टूटा, निफ्टी 25700 के नीचे

मुंबई,5 फरवरी (एजेंसियां)। वैश्विक शेयर बाजारों में कमजोरी के रुझान के बीच, बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी गुरुवार को तीन दिन की तेजी को तोड़ते हुए गिरावट के साथ बंद हुए। मंदी के साथ कारोबार शुरू करने के बाद, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 503.76 अंक या 0.60 प्रतिशत और गिरकर 83,313.93 पर बंद हुआ। दिन के दौरान, यह 666.07 अंक या 0.79 प्रतिशत गिरकर 83,151.62 पर पहुंच गया।

50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 133.20 अंक या 0.52 प्रतिशत गिरकर 25,642.80 पर बंद हुआ। सेंसेक्स सूची में शामिल कंपनियों में से, इटरनल, भारती एयरटेल, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटीसी, इंफोसिस, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक और एशियन पेंट्स प्रमुख रूप से पिछड़ने वाली कंपनियों में शामिल थीं। वहीं ट्रेंट, टाटा स्टील, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और बजाज फाइनेंस को लाभ हुआ। एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक लगभग 4 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ। जापान का निक्केई 225 सूचकांक और शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक भी नकारात्मक दायरे में बंद हुए, जबकि हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुआ। यूरोपीय बाजारों में गिरावट देखी गई। बुधवार को अमेरिकी बाजार अधिकतर गिरावट के साथ बंद हुए। नैस्डैक कंपोजिट इंडेक्स में 1.51 प्रतिशत की गिरावट आई और एसएंडपी 500 में 0.51 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। वहीं, डाउ जोन्स इंडसट्रियल एवरेज 0.53 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के अनुसंधान प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि भारतीय शेयर बाजारों में स्थिरता देखी गई, क्योंकि हाल के सत्रों में अमेरिका-भारत व्यापार समझौते को लेकर आशावाद के चलते कमजोरी के बाद तेज उछाल आया था, जिससे पता चलता है कि मुनाफावसूली हो रही थी। उन्होंने कहा कि वैश्विक संकेतों ने और दबाव डाला, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में व्यापक तकनीकी बिकवाली की चिंताओं और अमेरिका-ईरान तनाव में वृद्धि के कारण जोखिम से बचने की भावना पैदा हुई। नायर ने आगे कहा कि बाजार के भागीदार अब आगामी आरबीआई नीति बैठक पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। ऑनलाइन ट्रेडिंग और वेल्थ टेक फर्म एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर ने कहा कि भारतीय शेयर बाजार सीमित दायरे में कारोबार करते रहे, जो घरेलू स्तर पर नए संकेतों की अनुपस्थिति में निवेशकों की सतर्कता को दर्शाता है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सूर्य	मकर	मे
चंद्र	कन्या	मे
मंगल	मकर	मे
बुध	कुंभ	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	कुंभ	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय	
मकर...	05-24 बजे
कुंभ....	07-14 बजे
मीन....	08-53 बजे
मेष.....	10-29 बजे
वृष....	12-13 बजे
मिथुन..	14-13 बजे
कर्क...	16-26 बजे
सिंह---	18-38 बजे
कन्या--	20-45 बजे
तुला----	22-50 बजे
वृश्चिक..	01-00 बजे
धनु.....	03-13 बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे ,ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426874
कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885126

सूर्योदय 06-50
सूर्यास्त. 18-09

दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
मास - फाल्गुन कृष्ण पक्ष शुक्रवार 06 February 2026
तिथि - पंचमी 01-18 रात तक उपरान्त षष्ठी
नक्षत्र - हस्त 00-23 रात तक उपरान्त चित्रा
योग - धृति 23-37 रात तक उप. शूल
करण - कौलव 12-45 तक तैतिल

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 11-05 से 12-30 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		
चंचल	06-50 - 08-14	शुभ
लाभ	08-14 - 09-39	शुभ
अमृत	09-39 - 11-05	शुभ
काल	11-05 - 12-30	अशुभ
शुभ	12-30 - 13-56	शुभ
रोग	13-56 - 15-22	अशुभ
उत्पात	15-22 - 16-47	अशुभ
चंचल	16-47 - 18-09	शुभ

रात का चौघड़िया		
रोग	18-09 - 19-47	अशुभ
काल	19-47 - 21-21	अशुभ
लाभ	21-21 - 22-56	शुभ
उत्पात	22-56 - 00-30	अशुभ
शुभ	00-30 - 02-05	शुभ
अमृत	02-05 - 03-39	शुभ
चंचल	03-39 - 05-13	शुभ
रोग	05-13 - 06-50	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आप में लोगों के जीवन में एक फर्क लाने एवं उनकी सहायता का भाव रहेगा । आप धर्मार्थ कार्य में शामिल हो सकते है जो की आपका समय और प्रतिबद्धता को छीन सकता है । आपको ये निर्णय लेना होगा की धर्मार्थ कार्यो से जुड़े रहकर कुछ करना चाहते है , जिससे आपके वित्तीय स्थिति पर प्रभाव पड़े या वापस अपने कार्य क्षेत्र से जुड़कर धन की वृद्धि करना चाहते है ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आपका स्वाभाविक करिश्मा निखरता है, जिससे आपके आस-पास के लोगों को प्रेरित और प्रोत्साहित करना आसान हो जाता है। आप साहसिक विचारों और स्पष्ट लक्ष्यों के साथ पहल करेंगे और उत्साह के साथ परियोजनाओं को आगे बढ़ाएँगे। भावनात्मक बुद्धिमत्ता अब एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आपके कार्यस्थल पर कोई अपने घमंड में अपनी उपलब्धियों को गिना सकता है , परन्तु आप बुरा न माने क्यों की वह आपको बुरा महसूस कराना चाहता है। आपने इस अनुपात में पहले ही इन उपलब्धियों को छुआ है । वित्तीय मोर्चे पर आप को पहले ही आपकी जरुरत या उससे ज्यादा ही मिला है जिसे आप संजोके रख सकते है ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आपके करियर और पढ़ाई पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा, जिससे आपके काम में भावनात्मक गहराई आएगी। आपकी विश्लेषणात्मक क्षमता में वृद्धि होगी, जिससे आपको विवरणों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलेगी। सफलता और मान्यता आपके लिए क्षितिज पर हैं।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज आप एक लापरवाह और असाधारण अवस्था में रहेंगे । आज के दिन आप किसी पार्टी के आयोजन में आनंद लेंगे और आस पास के व्यक्तियों को प्रभावित भी करेंगे । आज आप ये नहीं सोचेंगे की धन कहा से आ जा रहा है जिसकी वजह से आपके वित्त पर एक नकारात्मक असर पड़ने की संभावना है।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आपकी रचनात्मकता बढ़ रही है, जो प्रभावशाली लोगों का ध्यान आकर्षित कर रही है। भावनात्मक उतार-चढ़ाव आपके संतुलन की परीक्षा ले सकते हैं, इसलिए स्थिर रहें। आप उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल करने में सक्षम हैं, लेकिन खुद को अलग-थलग करने से बचें। दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सतर्क रहें और अपने पेशेवर जीवन में आत्मविश्वास और स्पष्टता के साथ आगे बढ़ने के लिए इस गतिशील ऊर्जा का उपयोग करें।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
अगर आपने हाल ही में कोई परीक्षा दी है , तो आपको सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो सकता है । आपको कड़ी मेहनत और समर्पण का फल मिलेगा । आप आज वित्तीय योजना के बारे मैं जानेंगे । निवेश करने से पहले , सही योजना पर अपने मित्रों और सहयोगियों से सलाह ले । प्रस्ताव आपके लिए अच्छा साबित हो सकता है । आपका दिन ऑफिस में अछा रहेगा ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आपका करियर पथ रोशन है, जो काम के प्रति एक पोषण दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करता है। विवरण पर अपना ध्यान दें और इससे उत्पादकता बढ़ेगी। काम पर आपका आकर्षण उजागर होगा। आपके अपरंपरागत विचार आपको अलग पहचान दिलाएंगे। शुरुआत और अंत को गले लगाओ, क्योंकि वे ताज़ा बदलाव लाते हैं।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज आपको छिपे हुए शत्रु से सावधान रहने की जरुरत है जो की आपके कार्य क्षेत्र में आपको नुकसान पंहुचा सकते है। वे आपके बारे में अति गोपनीयता से आपके बारे में गलत बाते आपके मालिक तक पंहुचा सकते है जिसका साक्ष्य भी आपको मिल सकता है अंत सावधान रहने की जरुरत है ।

मकर भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी
आज आपको एक सुपर हीरो की तरह शक्तिया मिल सकती है । आपके लंबित कार्य और परियोजनाओं के पूरा होने के संकेत दिखाई देंगे। आप अपने करीबी लोगों के साथ आज मिल सकते है। अपनी टीम को प्रेरित और प्रोत्साहित करे । आपका सहयोगी अपनी जिम्मेदारियों से दूर भाग सकता है।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आपकी महत्वाकांक्षाएँ सुर्खियों में हैं, और आप काम या अध्ययन में नए रास्ते तलाशने के लिए उत्सुक हैं। आपका जुनून रचनात्मकता को बढ़ावा देता है, जो आपकी परियोजनाओं में चमक जोड़ता है। हालाँकि, तनाव या तीखी नोकझोंक के माध्यम से चुनौतियाँ उत्पन्न हो सकती हैं। शांत और केंद्रित रहें। तीव्रता को सार्थक प्रगति में बदलने के लिए अपनी ऊर्जा को बुद्धिमानी से लगाएँ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
जैसे जैसे दिन आगे की और बढ़ेगा ये और बेहतर होता चला जाएगा। आपने पिछले कुछ दिनों में जो निराशाओं का अनुभव किया है , उनका अंत हो जाएगा और आप आशावादिता की ताजा हवा में सांस ले सकते हैं। आपके वरिष्ठ अधिकारी आपकी क्षमता के अनुरूप कठिन मुद्दों से निपटने के लिए आपको पुरस्कृत भी कर सकते है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

डॉलर खत्म हो जाएगा, सोना उसकी जगह लेगा,2008 मंदी की भविष्यवाणी करने वाले इकोनॉमिस्ट बोले- बड़ा संकट आने वाला है

वॉशिंगटन,5 फरवरी (एजेंसियां)। मशहूर अमेरिकी इकोनॉमिस्ट पीटर शिफ ने बड़े आर्थिक संकट की चेतावनी दी है। शिफ का मानना है कि हम एक ऐसे आर्थिक संकट की तरफ बढ़ रहे हैं, जिसके सामने 2008 की मंदी बच्चों के खेल जैसी लगेगी। डॉलर धराशायी होने वाला है और इसकी जगह सोना ले लेगा। पीटर शिफ के मुताबिक दुनिया भर के केंद्रीय बैंक डॉलर पर निर्भरता कम कर रहे हैं। वे सोने का रिजर्व बढ़ा रहे हैं। शिफ का यह बयान ऐसे समय में आया है जब ग्लोबल मार्केट में सोने-चांदी की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव है। 2025 में सोना 75% और चांदी 167% बढ़ी है।

2008 से अलग होगा संकट, अमेरिका पर केंद्रित रहेगा

शिफ ने कहा- आने वाला संकट 2008 से बिल्कुल अलग होगा। पिछला संकट पूरी दुनिया में फैल गया था, लेकिन ये अमेरिका के भीतर ही केंद्रित रहेगा। 2008 संकट अमेरिका के हाउसिंग मार्केट के गिरने से शुरू हुआ था, जब बड़ी संख्या में लोगों ने होम लोन चुकाना बंद कर दिए थे। इसने पूरी दुनिया की बैंकिंग प्रणाली को हिला दिया और 1930 की महामंदी के बाद का यह सबसे बड़ा वैश्विक आर्थिक संकट बन गया। पीटर शिफ ने उन दावों को भी खारिज कर दिया जिनमें अमेरिकी अर्थव्यवस्था को बहुत मजबूत बताया जा रहा है। शिफ ने कहा कि दुर्भाग्य से ये आंकड़े सही नहीं हैं। ये बहुत ज्यादा घुमावदार हैं और इनमें सुधार किया जाएगा। इन पर महंगाई का बहुत असर है। आने वाले कुछ सालों में महंगाई, बाइडन के समय से भी ज्यादा खतरनाक होने वाली है। शिफ ने कहा कि सोने की बढ़ती कीमतें उस बड़े संकट की चेतावनी दे रहे हैं जो या तो इस साल के आखिर में या अगले साल आने वाला है। दुनिया भर के केंद्रीय बैंक सोना खरीदकर डॉलर से छुटकारा पा रहे हैं। वे अमेरिकी ट्रेजरी बेच रहे हैं। सोना असली तस्वीर दिखा रहा है। शिफ ने कहा कि हम दुनिया पर निर्भर हैं। वे हमें वो सामान देते हैं जो हम नहीं बनाते। ट्रम्प इसे उल्टा समझ रहे हैं। दुनिया की अर्थव्यवस्था हमारे कारण नहीं चलती, बल्कि हमारी अर्थव्यवस्था दुनिया के कारण चलती है। हमारी क्रेडिट आधारित इकोनॉमी खराब हो चुकी है जो डॉलर के 'रिजर्व करेंसी' स्टेटस पर टिकी है। डॉलर धराशायी हो जाएगा और इसकी जगह सोना ले लेगा।हालांकि व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई ने अमेरिकी इकोनॉमिस्ट के दावे के उलट बताया कि अमेरिकी ट्रेजरी की विदेशी होल्डिंग्स हाल ही में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई हैं। बिजनेस लीडर्स अमेरिका में निवेश करने और नौकरियां देने के लिए लाखों-करोड़ों रुपए लगा रहे हैं। जब से राष्ट्रपति ट्रम्प ने पद संभाला है, घबराहट फैलाने वाले लोग ऐसी भविष्यवाणी कर रहे हैं। अमेरिकियों ने देखा है कि महंगाई कम हुई है और जीडीपी ग्रोथ तेज हुई है।पीटर शिफ अमेरिका के जाने-माने इकोनॉमिस्ट और यूरो पैसिफिक एसेट मैनेजमेंट के संस्थापक हैं। उन्हें 2008 के वित्तीय संकट की सटीक भविष्यवाणी करने के लिए जाना जाता है।

सीएम ने किया इंडिया स्टोनमार्ट 2026 का उद्घाटन
बोले– राजस्थान का पत्थर हमारी विरासत और भविष्य

जयपुर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। सीतापुरा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इंडिया स्टोनमार्ट 2026 का उद्घाटन किया। 5 से 8 फरवरी तक चलने वाले इस चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय आयोजन में देश-विदेश की स्टोन इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनियां हिस्सा ले रही हैं। मुख्यमंत्री ने इसे व्यापार के साथ संस्कृति और उद्योग का संगम बताया। उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि स्टोनमार्ट अब वैश्विक मंच बन चुका है।

राजस्थान की राजधानी जयपुर के जयपुर एग्ज़ीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर, सीतापुरा स्थित मुग्धा कन्वेंशन हॉल में आयोजित भव्य समारोह में माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इंडिया स्टोनमार्ट 2026 का विधिवत उद्घाटन किया। इसके साथ ही 5 से 8 फरवरी तक चलने वाले चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय स्टोन उद्योग आयोजन का औपचारिक शुभारंभ हुआ।

उद्घाटन के बाद अपने संबोधन में भजनलाल शर्मा ने कहा कि इंडिया स्टोनमार्ट केवल व्यापारिक आयोजन नहीं है, बल्कि भारतीय संस्कृति, शिल्प परंपरा और औद्योगिक शक्ति का साझा मंच है। उन्होंने मंचासीन उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, संगठन मंत्री प्रकाश चंद, लघु उद्योग भारती के पदाधिकारी, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों, व्यापारियों और श्रमिकों का अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज दुनिया भारत को निवेश और बाजार के रूप में देख रही है, और संगमरमर व सैंडस्टोन जैसे प्राकृतिक संसाधन निवेश के लिए उभरते हुए क्षेत्र हैं। उन्होंने बताया कि राजस्थान में 85 प्रकार के खनिज पाए जाते हैं और लगभग हर जिले की अपनी विशिष्ट स्टोन पहचान है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति भवन, संसद भवन और सुप्रीम कोर्ट जैसे प्रतिष्ठित भवनों में राजस्थान के पत्थर का उपयोग हुआ है। राजस्थान के पत्थर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि एक बार सही निर्माण हो जाए तो मेंटेनेंस बेहद कम होता है।

एमएसएमई, श्रमिक सम्मान और स्किल डेवलपमेंट पर विशेष जोर

मुख्यमंत्री ने वन डिस्ट्रिक्ट–वन प्रोडक्ट और वन डिस्ट्रिक्ट–वन स्टोन के विज़न को साझा करते हुए एमएसएमई, छोटे और मध्यम उद्योगों को विशेष प्रोत्साहन देने की बात कही। उन्होंने श्रमिकों के सम्मान, उचित मजदूरी, सुरक्षा और स्किल एन्हांसमेंट कार्यक्रमों को सरकार की प्राथमिकता बताया। उन्होंने उद्योग जगत से आह्वान किया कि वे टीम बनाकर आगे बढ़ें, आधुनिक तकनीक अपनाएँ और राजस्थान के पत्थर को वैश्विक बाज़ार तक पहुँचाएँ। सरकार आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है, ऐसा उन्होंने स्पष्ट किया।

आरयूडीए द्वारा आयोजित शिल्पग्राम बना आकर्षण का केंद्र

इंडिया स्टोनमार्ट 2026 के अंतर्गत ग्रामीण गैर-कृषि विकास अभिकरण द्वारा आयोजित शिल्पग्राम भी आयोजन का एक प्रमुख आकर्षण रहा। शिल्पग्राम में राजस्थान के विभिन्न जिलों से आए शिल्पकारों और कारीगरों ने अपनी पारंपरिक कला, हस्तशिल्प और निर्माण तकनीकों का जीवंत प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री एवं अन्य अतिथियों ने शिल्पग्राम का अवलोकन करते हुए इस पहल की सराहना की और इसे ग्रामीण गैर-कृषि आजीविका, स्वरोजगार और कौशल विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

बी2बी मीटिंग्स और ग्लोबल नेटवर्किंग का मंच

इंडिया स्टोनमार्ट 2026 में बी2बी मीटिंग्स, उद्योग संवाद, निर्यात-निवेश चर्चा और नेटवर्किंग सेशन आयोजित किए जा रहे हैं। देश-विदेश से आए खरीदार, आर्किटेक्ट्स, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स और स्टोन इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स ने प्रदर्शनी में विशेष रुचि दिखाई। यह आयोजन अब तक के सबसे बड़े क्षेत्रफल में आयोजित किया गया है, जहाँ स्टोन, मशीनरी, नई तकनीक, डिजाइन और वैल्यू-एडिशन से जुड़े स्टॉल्स लगाए गए हैं।

कोड्याई महिला हत्याकांड पर राजनीति गरमाई
नरेश मीणा ने प्रशासन को दिया अल्टीमेटम

सवाई माधोपुर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। जिले के बौंली थाना क्षेत्र के कोड्याई गांव में सोने-चांदी के जेवरात के लिए अज्ञात लुटेरों द्वारा एक महिला की निर्मम हत्या के बाद इलाके में जबरदस्त आक्रोश व्याप्त है। इस घटना ने न केवल स्थानीय लोगों को झकझोर दिया है, बल्कि जिले की राजनीति में भी भूचाल ला दिया है। घटना को लेकर बामनवास विधायक इंदिरा मीणा ने विधानसभा में सरकार को जमकर घेरा। वहीं अब युवा नेता नरेश मीणा ने भी प्रशासन को कड़ी चेतावनी दी है।

नरेश मीणा मंगलवार रात कोड्याई गांव पहुंचे, जहां उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। इसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि ग्रामीणों और प्रशासन के बीच हुए समझौते के सभी बिंदुओं को 10 दिन के भीतर हर हाल में पूरा किया जाए।

नरेश मीणा ने कहा कि जिन मुद्दों पर प्रशासन और ग्रामीणों के बीच सहमति बनी है, उन्हें तय समय सीमा में लागू करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। यदि 10 दिन के भीतर समझौते की सभी मांगें पूरी नहीं की गईं, तो आगामी 14 फरवरी को वे पुनः कोड्याई पहुंचेंगे और ग्रामीणों से चर्चा कर बड़े आंदोलन की रणनीति तय करेंगे।

उन्होंने प्रशासन को सख्त चेतावनी देते हुए यह भी कहा कि कोड्याई के साथ-साथ बामनवास के जाहिरा हत्याकांड का भी शीघ्र खुलासा किया जाए। अन्यथा क्षेत्र में हुई निर्मम हत्याओं और बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर कोड्याई से एक बड़े आंदोलन का आगाज किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

गौरतलब है कि मंगलवार को कोड्याई गांव में अज्ञात लुटेरों ने जेवरात के लिए एक महिला की बेरहमी से हत्या कर दी थी। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने शव रखकर करीब 23 घंटे तक धरना-प्रदर्शन किया। इसके बाद प्रशासन और ग्रामीणों के बीच आठ बिंदुओं पर समझौता हुआ, जिसमें 10 दिन के भीतर आरोपियों की गिरफ्तारी सहित सभी मांगें पूरी करने का आश्वासन दिया गया। समझौते के बाद ग्रामीणों ने धरना समाप्त कर शव का पोस्टमार्टम करवाया।

धरना समाप्त होने के बाद कोड्याई पहुंचे नरेश मीणा ने एक बार फिर सोशल मीडिया के जरिए प्रशासन को समझौते के पालन को लेकर सख्त चेतावनी दी है।

एसआईआर पर कांग्रेस विधायक रफीक खान का गजब दावा, भाजपा नेता को 2000 साल की सजा होगी

जयपुर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस विधायक रफीक खान ने एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) प्रक्रिया को लेकर सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि एसआईआर में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं हुई हैं और इसे लेकर सदन में विस्तृत चर्चा कराई जानी चाहिए।

रफीक खान ने कहा 'एसआईआर में जमकर हुआ फर्जीवाड़ा'

विधानसभा में अपनी बात रखते हुए रफीक खान ने कहा कि एसआईआर के दौरान भारी फर्जीवाड़ा किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि हजारों की संख्या में फर्जी फॉर्म भरे गए और जमा कराए गए। कांग्रेस विधायक के अनुसार, इस प्रक्रिया में ऐसे लोगों के नाम भी मतदाता सूची से हटाए गए, जो सरकारी सेवा में रह चुके हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि इतनी बड़ी संख्या में फर्जी फॉर्म आखिर किसने और कैसे भरवाए।

भाजपा उम्मीदवार पर लगाया आरोप, कहा 2000 साल सजा होगी

रफीक खान ने राजस्थान विधानसभा में यह भी कहा कि उनके सामने चुनाव लड़ चुके एक भाजपा उम्मीदवार ने स्वयं स्वीकार किया है कि उसने एसआईआर के दौरान 2000 फॉर्म भरकर जमा किए। विधायक ने कहा कि नियमों के अनुसार एसआईआर में फर्जीवाड़े पर एक साल की सजा और जुर्माने का प्रावधान है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि सरकार ज्यादा दिन नहीं रहेगी। जिस दिन सजा होगी 2000 साल की सजा होगी। बता दें कि आदर्श नगर विधानसभा सीट से जीत कर आए रफभ्क खान के सामने इस बार भाजपा के प्रत्याशी रवि नय्यर थे। यहां उन्हीं के खिलाफ आरोप लगाए गए।

'मतदाता सूची से खिलवाड़ लोकतंत्र पर हमला'

कांग्रेस विधायक ने आरोप लगाया कि कई मामलों में जिन लोगों के नाम से फॉर्म भरे गए, उन्होंने खुद स्वीकार किया कि उन फॉर्म पर उनके हस्ताक्षर नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जब मतदाता सूची के साथ ही छेड़छाड़ कर दी जाएगी, तो निष्पक्ष चुनाव का कोई अर्थ नहीं रह जाता। रफीक खान ने इसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए गंभीर खतरा बताया।

एसआईआर के नाम पर मतदाता सूची से खिलवाड़ लोकतंत्र पर सीधा हमला है और इस पर सदन में खुली चर्चा होनी चाहिए।

अपने भाषण के अंत में रफीक खान ने सरकार से मांग की कि एसआईआर जैसे संवेदनशील मुद्दे पर विधानसभा में पूरे एक दिन की चर्चा कराई जाए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता सीधे तौर पर लोकतंत्र से जुड़ी हुई है और इस पर किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जा सकती।

क्या अनपढ़ नहीं लड़ पाएंगे चुनाव?
सरकार ने पहली बार साफ किया रुख
3 बच्चों वाले भी बन सकेंगे सरपंच-प्रधान

जयपुर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार ने विधानसभा में स्पष्ट किया है कि नगरीय निकाय चुनाव में उम्मीदवारों की शैक्षणिक योग्यता की अनिवार्यता का प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है, जबकि दो से ज्यादा संतान वालों के चुनाव लड़ने पर लगी रोक हटाने की पत्रावली विधि विभाग में प्रक्रियाधीन है। कांग्रेस सदस्य पूसाराम गोदारा के अतारांकित प्रश्न के जवाब में यह जानकारी दी गई। सरकार ने पहली बार लिखित में यह स्थिति साफ की है। बताया जा रहा है कि शैक्षणिक योग्यता तय करने को लेकर विचार चल रहा था, लेकिन कई जनप्रतिनिधियों ने इस पर सहमति नहीं जताई। ऐसा होता है तो हर बार की तरह निरक्षर भी चुनाव लड़ सकेंगे।

राजस्थान नगरपालिका अधिनियम में उम्मीदवारों की शैक्षणिक योग्यता को लेकर कोई शर्त नहीं है। विधि विभाग को संतान मामले को लेकर भेजे गए प्रस्ताव में यह लिखा गया है कि दो संतान होने की बाध्यता हो हटाना प्रस्तावित है।

पूसाराम गोदारा ने सवाल किया था कि क्या सरकार नगर निकायों के चुनाव में उम्मीदवारों की शैक्षणिक योग्यता और संतान संबंधी प्रावधानों में संशोधन करने का विचार रखती है?

सरकार ने दिया लिखित में जवाब

दोनों मुद्दों पर सरकार की तरफ से पहली बार लिखित में जवाब दिया गया। जिसमें कहा गया कि सरकार का नगर निकाय चुनाव में उम्मीदवारों की योग्यता के संबंध में वर्तमान में राजस्थान नगरपालिका अधिनियम 2009 की धारा 21 में प्रावधान हैं, जिनमें शैक्षणिक योग्यता के संबंध में कोई नियम नहीं है। शैक्षणिक योग्यता के लिए नियमों में संशोधन किए जाने का वर्तमान में कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

साथ ही 2 से ज्यादा संतान वालों को चुनाव लड़ने की छूट देने वाले प्रावधान के सवाल के जवाब में लिखा कि राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा 24 के प्रावधानों में संशोधन के लिए विधि विभाग को फाइल भेजी गई है, जो प्रक्रियाधीन है।

मकान का छज्जा गिरने से जुड़वा बच्चों को स्कूल छोड़ने जा रहे युवक की मौत

अलवर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के बहरोड़ शहर के वार्ड नंबर 15 व 16 के मध्य स्थिति खटीकों का मोहल्ला में एक जर्जर मकान का छज्जा वहां से गुजर रहे बाइक सवार युवक रत्नलाल (32) पर जा गिरा। मलबे में दबने से रत्नलाल की मौत हो गई। रत्नलाल के साथ बाइक पर सवार उसके जुड़वा पुत्र-पुत्री हिमांशी (10) व हिमांशु (10) भी घायल हो गए, जिन्हें जयपुर रेफर किया गया है। यह हादसा उस वक्त हुआ, जब रत्नलाल अपने जुड़वा बच्चों को स्कूल छोड़ने जा रहा था। मृतक रत्नलाल मूलतः नीमराणा के कोलीला गांव का निवासी था। वर्तमान में वह अपने ससुराल में परिवार सहित रह रहा था। वह एक निजी अस्पताल में लैब टेक्नीशियन था। जिस मकान का छज्जा गिरने से यह हादसा हुआ, वह मृतक रत्नलाल के घर के समीप ही है।

आईटी घोटालों की जांच में देरी, हाईकोर्ट ने एसीबी के डीआईजी को तलब किया

जयपुर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग में कथित करोड़ों रुपये के घोटालों की जांच में ढिलाई पर राजस्थान हाईकोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताई है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के अधिकारियों को फटकार लगाते हुए हाईकोर्ट ने एसीबी के डीआईजी आनंद शर्मा को 5 फरवरी को दोपहर 2 बजे व्यक्तिगत रूप से न्यायालय में उपस्थित होने के आदेश दिए हैं।

यह आदेश न्यायमूर्ति अशोक कुमार जैन ने डॉ. टी.एन. शर्मा की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। न्यायालय ने बताया कि 6 सितंबर 2024 को सूचना प्रौद्योगिकी विभाग में पिछले पांच वर्षों के टेंडरों की जांच के निर्देश दिए गए थे। साथ ही याचिकाकर्ता को एसीबी के समक्ष अभ्यावेदन देने की अनुमति दी गई थी। इसके तहत याचिकाकर्ता ने 27 मामलों से जुड़े दस्तावेजी सबूत एसीबी को सौंपे थे।

हालांकि न्यायालय ने कहा कि आदेश के करीब डेढ़ वर्ष बीत जाने के बावजूद एसीबी की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। केवल प्रद्युमन दीक्षित से जुड़े एक मामले में एफआईआर दर्ज की गई, लेकिन उसमें भी अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने एसीबी के अतिरिक्त एसपी और डीएसपी से पूछा कि डेढ़ साल में क्या कार्रवाई की गई है। इस पर अधिकारियों ने बताया कि मामले में एक विशेष जांच दल का गठन किया गया है। वहीं याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता पूनमचंद भंडारी ने न्यायालय को अवगत कराया कि एसआईटी गठन के बावजूद कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई और पूरा मामला ठंडे बस्ते में पड़ा है। इस पर हाईकोर्ट ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए SIT के प्रमुख डीआईजी आनंद शर्मा को 5 फरवरी को दोपहर 2 बजे व्यक्तिगत रूप से न्यायालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया।

अधिवक्ता भंडारी ने यह भी बताया कि याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत कई मामले केवल भ्रष्टाचार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उनमें गंभीर फर्जीवाड़े भी शामिल हैं। कुछ मामलों में अधिकारियों की मिलीभगत से फर्जी दस्तावेजों के आधार पर टेंडर जारी किए गए और करोड़ों रुपये का भुगतान उठाया गया। एक मामले में तो कार्य आदेशों में काट-छांट कर उन्हें दो वर्षों तक बढ़ाया जाता रहा, फिर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई।

ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर 7.20 लाख की ठगी

अलवर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। अलवर शिवाजी पार्क थाना क्षेत्र में ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर 7.20 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित नरेश गुप्ता पुत्र मंगतूराम गुप्ता निवासी शिवाजी पार्क ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि उसने ऑनलाइन शेयर मार्केट क्लासेज ज्वॉइन की थी। इसी दौरान आरोपी शीतल अविनाश जगदाले निवासी महाराष्ट्र तथा उसके सहयोगी हिमांशु और दीपक सहित अन्य लोगों ने उसे लुभावने ऑफर दिए।

7 हजार रुपए देने का दावा

आरोपियों ने बताया कि 50 हजार रुपए के निवेश पर प्रतिमाह 2500 रुपए का लाभ मिलेगा। बाद में नई योजना आने की बात कहकर 25 हजार रुपए के निवेश पर प्रतिमाह 7 हजार रुपए देने का दावा किया गया। इन योजनाओं से प्रभावित होकर नरेश गुप्ता ने 16 फरवरी से 2 मार्च 2025 के बीच अलग-अलग किश्तों में कुल 7 लाख 20 हजार रुपए निवेश कर दिए। इस दौरान आरोपियों ने 35 दिन में निवेश की राशि लाभ सहित लौटाने का भरोसा भी दिया था।

राशि नहीं मिली, ठगी का खुलासा

पीड़ित के अनुसार तय समय बीत जाने के बावजूद न तो लाभ मिला और न ही मूल राशि लौटाई गई। इसके बाद उसे ठगी का एहसास हुआ। मामले में शिवाजी पार्क थाना पुलिस ने जीरो एफआइआर दर्ज कर प्रकरण को जांच व आगे की कार्रवाई के लिए महाराष्ट्र भेज दिया है।

खेजड़ी बचाओ आंदोलन : अनशन खत्म कराने बीकानेर पहुंचे मंत्री केके बिश्नोई

बीकानेर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के बीकानेर में चल रहे खेजड़ी बचाओ आंदोलन का असर अब होने लगा है। अनशन कर रहे संतों और कुछ अन्य लोगों की तबीयत खराब होने के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मामले को गंभीरता से लिया है। सीएम भजनलाल के निर्देश पर गुरुवार को मंत्री केके बिश्नोई को बीकानेर भेजा गया, जहां वे अनशन स्थल पर पहुंचकर आंदोलनकारियों से वार्ता कर रहे हैं।

मंत्री केके बिश्नोई के साथ विधायक पब्बा राम बिश्नोई, जसवंत बिश्नोई और भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष बिहारी बिश्नोई भी मौजूद रहे। सभी जनप्रतिनिधियों ने अनशन कर रहे संतों और समिति के पदाधिकारियों से मुलाकात कर उनकी मांगों की जानकारी ली और समाधान का भरोसा दिलाया।

मंत्री के सामने अनशनकारी मुखराम हुए अचेत

अनशनस्थल पर गोरधन महाराज सभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मंच पर मंत्री के.के. बिश्नोई और जसवंत सिंह बिश्नोई भी मौजूद थे। इसी दौरान अनशनकारी मुखराम धरणीया अचानक अचेत हो गए। इसके अलावा एक महिला भी बेहोश हो गई। दोनों को तुरंत मंच के पीछे बने अस्थायी अस्पताल ले जाया गया। अनशनकारी संत लालदास और मांगीलाल की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें पीबीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

लिखित आश्वासन नहीं मिलने तक जारी रहेगा अनशन

पर्यावरण संघर्ष समिति के नेता परसराम बिश्नोई, रामगोपाल बिश्नोई और सुभाष बिश्नोई ने स्पष्ट कहा कि जब तक सरकार उनकी मांगों पर लिखित आश्वासन नहीं देती, तब तक अनशन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और क्षेत्र की समस्याओं को लेकर वे लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन अब तक ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

चौथे दिन भी महापड़ाव जारी

बता दें कि खेजड़ी संरक्षण और ट्री प्रोटेक्शन कानून बनाने की मांग को लेकर बीकानेर कलक्ट्रेट के सामने चल रहा महापड़ाव गुरुवार को चौथे दिन भी जारी है। महापड़ाव में 29 संतों, 60 महिलाओं सहित कुल 458 पर्यावरण प्रेमी अन्न-जल त्याग कर अनशन पर बैठे हैं।

बसों-ट्रेनों के जरिए ओडिशा से गांजे की सप्लाई
8 केजी गांजे समेत 4 तस्कर गिरफ्तार

कोटा, 5 फरवरी (एजेंसियां)। कोटा सिटी पुलिस ने ऑपरेशन गरुड़ व्यूह के तहत बसों और ट्रेनों के माध्यम से हो रही गांजा तस्करी के एक बड़े नेटवर्क का सिटी पुलिस ने खुलासा किया है। रेलवे कॉलोनी थाना पुलिस ने सुनियोजित कार्रवाई करते हुए चार गांजा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से करीब 8 किलो गांजा जब्त किया है। खास बात यह है पुलिस ने पहली बार 'चेन सिस्टम' के जरिए शहर में गांजा सप्लाई के पूरे तंत्र को तोड़ा है। पुलिस ने बताया कि उज्जैन निवासी दीपक उर्फ दीपू को रेलवे कॉलोनी थाना पुलिस ने 5 किलो गांजे के साथ गिरफ्तार किया। पूछताछ में सामने आया कि दीपक अकेला तस्कर नहीं है, बल्कि शहर में गांजा की पुड़िया बनाकर बेचने वाले तीन अन्य सप्लायर भी इससे जुड़े हुए थे। पुलिस ने घोड़ा बस्ती निवासी बाबू गुर्जर, नयापुरा निवासी श्याम उदयवाल और नयापुरा निवासी सिकंदर को गिरफ्तार किया है। उनके पास से क्रमशः डेढ़ किलो, डेढ़ किलो और एक किलो गांजा बरामद किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दीपक उर्फ दीपू बीते करीब एक साल से पत्नी के साथ रोटेदा रोड स्थित किराए के मकान में रह रहा था। वह पहले मजदूरी करता था और गांजा पीने का आदी था।

'ताऊ' ने 2 लाख रुपए दिलवाकर नाबालिग 'भतीजी' की करवाई शादी
पुलिस पहुंची तो बदल दी दुल्हन

कोटा, 5 फरवरी (एजेंसियां)। कोटा के चेचट थाना क्षेत्र में नाबालिग बालिका का बाल विवाह कराने के मामले में राजस्थान पत्रिका में खबर प्रकाशित होने के बाद प्रशासन ने दोबारा सख्त रुख अपनाया है। जिला कलेक्टर के निर्देशों पर जिला बाल संरक्षण इकाई एवं बाल अधिकारिता विभाग की टीम ने कार्रवाई करते हुए नाबालिग को संरक्षण में लिया है।

जांच के दौरान सामने आया कि नाबालिग का विवाह 23 जनवरी को उसके ताऊ द्वारा झालावाड़ निवासी युवक से कराया गया था। बालिका ने पूछताछ में बताया कि इस विवाह के लिए उसके परिजनों ने वर पक्ष से करीब दो लाख रुपए की राशि ली थी।

ये खुलासा होने के बाद मामला और गंभीर हो गया है। जिला बाल संरक्षण अधिकारी दिनेश शर्मा, चाइल्ड हेल्पलाइन को-ऑर्डिनेटर नरेश मीणा, काउंसलर महिमा पांचाल एवं सृष्टि सेवा समिति के डिस्ट्रिक्ट को-ऑर्डिनेटर भूपेंद्र सिंह की संयुक्त टीम ने कैथून थाना पुलिस की मदद से बूटा सिंह कॉलोनी में दबिश दी और पुलिस की सहायता से बालिका को तलाश कर संरक्षण में लिया गया।

काउंसलिंग के दौरान नाबालिग ने बताया कि बाल विवाह की सूचना मिलने पर पहले भी प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची थी, लेकिन परिजनों ने उसके स्थान पर उसकी बड़ी बहन को दुल्हन बताकर पेश कर दिया था। इस तरह टीम को गुमराह कर बाल विवाह के तथ्य छिपा लिए गए थे। बाद में शिकायतकर्ता की सूचना पर मामला दोबारा उजागर हुआ। संरक्षण में लेने के बाद बालिका को बाल कल्याण समिति कोटा के अध्यक्ष राजेंद्र राठौड़ और सदस्य बाबूलाल मेहरा के समक्ष पेश किया गया। समिति ने मामले की जांच और अग्रिम आदेश तक बालिका को राजकीय बालिका गृह में अस्थायी आश्रय देने के निर्देश दिए हैं।

बाल संरक्षण अधिकारी दिनेश शर्मा ने बताया कि बालिका के विवाह को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के तहत शून्य घोषित कराने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। साथ ही बाल विवाह कराने, राशि लेने और तथ्य छिपाने में शामिल लोगों के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अपहरण कांड में बड़ा फैसला, सरपंच पति सहित 6 दोषियों को 10 साल की सजा

नागौर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। नागौर अपर जिला एवं सत्र न्यायालय संख्या-02 की न्यायाधीश कुमकुम सिंह ने वर्ष 2013 के बहुचर्चित अपहरण और जानलेवा हमले के मामले में अहम फैसला सुनाया। न्यायालय ने सरपंच पति पुखराज काला सहित सभी छह आरोपियों को दोषी करार देते हुए गंभीर धाराओं में सजा सुनाई है। न्यायालय ने दोषियों को धारा 307 (हत्या का प्रयास) के तहत 10-10 वर्ष का कठोर कारावास और 20 हजार रुपये का जुर्माना, जबकि धारा 365 (अपहरण) के तहत 5 वर्ष का कठोर कारावास और 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। इसके अलावा अन्य धाराओं में भी अलग-अलग सजा सुनाई गई है। सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी।

परिवादी ने बताया कि उन्होंने मोटर साइकिल से आरोपियों का पीछा किया लेकिन आरोपी करीब डेढ़ किलोमीटर दूर ले जाकर श्रवणराम के साथ बेरहमी से मारपीट करने लगे। जब उन्हें लगा कि पुलिस या ग्रामीण पीछे आ सकते हैं, तो वे उसे दोबारा गाड़ी में डालकर आगे ले गए और मरा हुआ समझकर एक सूनसान स्थान पर फेंककर फरार हो गए।

शंकरपल्ली नगरपालिका चुनाव: पर्यवेक्षक ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए

> कलेक्टर व पर्यवेक्षक ने ईवीएम गोदाम का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मयंक मित्तल, चुनाव पर्यवेक्षक, ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि 11 फरवरी को होने वाले नगरपालिका चुनाव में कोई भी चूक न हो और हर कोई अपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा से निभाए।

गुरुवार को शंकरपल्ली नगरपालिका के स्ट्रांग रूम, काउंटिंग सेंटर और पोलिंग केंद्र का निरीक्षण पर्यवेक्षक मयंक मित्तल ने जिला निर्वाचन अधिकारी और कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी के साथ किया। गुरुवार को चुनाव पर्यवेक्षक मयंक मित्तल ने जिला निर्वाचन अधिकारी कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी के साथ शंकरपल्ली नगरपालिका के स्ट्रांग रूम, मतगणना केंद्र और मतदान केंद्र का निरीक्षण किया। इस अवसर पर, चुनाव पर्यवेक्षक मयंक मित्तल और जिला निर्वाचन अधिकारी कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी ने शंकरपल्ली नगरपालिका से संबंधित व्यवस्थाओं और चुनाव सामग्री का निरीक्षण किया और अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विभिन्न सुझाव एवं सलाह दीं। उन्होंने नगर आयुक्त योगेश से स्टेशनरी और चुनाव से संबंधित अन्य वस्तुओं के बारे में जानकारी ली और उनका निरीक्षण किया। उन्होंने स्ट्रांग रूम, मतगणना कक्ष और मतदान स्थल वाले विद्यालय का भी निरीक्षण किया। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सुचारू रूप से चुनाव कराने के लिए कड़ी मेहनत करने का आदेश दिया। नगर आयुक्त ने वितरण व्यवस्था, मतदान केंद्रों की स्थापना और मतगणना व्यवस्था के बारे में विस्तार से बताया। कलेक्टर के साथ शंकरपल्ली तहसीलदार, संबंधित अधिकारी और अन्य लोग भी मौजूद थे। इसी क्रम में रंगारेड्डी जिला कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी और जिला चुनाव पर्यवेक्षक मयंक मित्तल ने रंगारेड्डी जिले के राजेंद्र नगर स्थित ईवीएम गोदाम का दौरा किया।

यह दौरा पर्यवेक्षण प्रक्रिया के अंतर्गत किया गया। ईवीएम गोदाम पर लगी मुहरों का निरीक्षण किया गया और मतपेटियों, नियंत्रण इकाइयों, वीवीपीएटी और अन्य चुनाव सामग्री के भंडारण की व्यवस्था का भी जायजा लिया गया। ईवीएम गोदाम में पुलिस सुरक्षा का भी निरीक्षण किया गया। कलेक्टर के साथ राजेंद्र नगर तहसीलदार, गोदाम प्रभारी रामुलु, चुनाव विभाग के अधिकारी, संबंधित अधिकारी और अन्य लोग मौजूद थे। इसी क्रम में चुनाव पर्यवेक्षक मयंक मित्तल ने संबंधित अधिकारियों को सलाह दी है कि वे जिम्मेदारी से काम करें ताकि 11 फरवरी को होने वाले नगरपालिका चुनावों के संचालन में कोई गलती न हो।

मौसम बदलते ही वायरल बुखार के मामलों में बढ़ोतरी

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में सर्दी से गर्मी के मौसम में बदलाव के साथ ही मौसमी बीमारियों का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। शहर के लोग इन दिनों वायरल बुखार और इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारियों से जूझ रहे हैं। सरकारी अस्पतालों में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। नल्लाकुंटा स्थित फीवर हॉस्पिटल, गांधी और उस्मानिया जनरल हॉस्पिटल के साथ-साथ बस्ती दवाखानों में वायरल बुखार के मामले बड़ी संख्या में सामने आ रहे हैं। गांधी और फीवर अस्पताल के रेजिडेंट मेडिकल ऑफिसर के अनुसार, ओपीडी में आने वाले अधिकतर मरीज ऊपरी श्वसन पथ संक्रमण से पीड़ित हैं।

निजी क्लीनिकों और नर्सिंग होम में भी मरीजों की भारी भीड़ देखी जा रही है। जिला स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि बस्ती दवाखानों में आने वाले मरीजों में सूखी खांसी, थकान, हल्का बुखार और शरीर में तेज दर्द जैसे लक्षण आम हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार कुछ मरीजों में कोविड जैसे लक्षण भी पाए गए हैं, जिन पर इन्फ्लूएंजा होने का संदेह है। उन्होंने बताया कि इन्फ्लूएंजा जैसे लक्षण (आईएलआई) और तीव्र श्वसन संक्रमण (एआरआई) के मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है। शुष्क और ठंडी हवा के कारण एच3एन2 और इन्फ्लूएंजा बी जैसे वायरस तेजी से फैल रहे हैं।

डॉक्टरों का कहना है कि मौसम में बार-बार बदलाव और दिन-रात के तापमान में अधिक अंतर से शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर पड़ रही है। सिकंदराबाद के एक कॉर्पोरेट अस्पताल के वरिष्ठ डॉक्टर ने बताया कि हाल ही में वारंगल की 30 वर्षीय महिला को गंभीर हालत में भर्ती किया गया, जिसमें कोविड जैसे लक्षण थे और उसके फेफड़े संक्रमित पाए गए। मरीज को वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है। डॉक्टरों ने बताया कि मौजूदा मौसम वायरस के फैलने के लिए अनुकूल है और लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। जिला स्वास्थ्य अधिकारियों ने भी लोगों से सावधानी बरतने और लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करने की अपील की है। हालांकि, जन स्वास्थ्य निदेशालय की ओर से इन्फ्लूएंजा को लेकर अभी तक कोई विशेष एडवाइजरी जारी नहीं की गई है और उपप्रकारों को लेकर भी कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

मीरपेट के फूड कोर्ट में भीषण आग-50 लाख का नुकसान

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार तड़के मीरपेट इलाके में स्थित एक फूड कोर्ट में भीषण आग लग गई। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन फूड कोर्ट मालिक को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। पुलिस को आशंका है कि आग बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण लगी।

जानकारी के अनुसार, स्थानीय निवासी वेमुला नरसिम्हा द्वारा संचालित फूड कोर्ट में सुबह तड़के आग भड़क उठी। आसपास के लोगों ने घना धुआं और लपटें देखीं, जिसके बाद तुरंत अग्निशमन विभाग और मीरपेट पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही दमकल कर्मी और पुलिस मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया। समय रहते आग को आसपास की इमारतों तक फैलने से रोक लिया गया।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमे X@SCRailwayindia पर फालो करें। दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे की निविदा सूचनाओं का विवरण हमारे साइटःwww.scr.indianrailways.gov.in पर भी देखें।

ई-निविदा सूचना सं. एन-एसजी-36-2025-26-एचएनएल-36, दि..31-01-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए सीनि. डीएसटीइ /एनइडी द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं. व तिथिः एन-एसजी-36-2025-26-एनएचएल-36, दि.31-01-2026, कार्य विवरणः हिंगोली गूड्स शेड पर तत्संबंधित सुधार कार्य/ सुविधाओं के प्रावधान सहित हिंगोली स्टेशन पर आयपी आधारित वीडियो सर्वेलेंस सिस्टम (सीसीटीवी कैमेरे) का प्रावधान। अनुमानित परियोजना मूल्य रु.21,37,555.00, बोली सुरक्षा रु.42,800.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 06 महिने, बोली बंद तिथि (बोली तय तिथि)-23-02-2026 के 15.00 बजे, बोली खोलने की तिथिः 23-02-2026 **समय- 15.00 बजे के बाद, आफर की वैधताः** बोली बंद करने की तिथि से लेकर 60 दिन, निविदा **पुस्तिका मूल्य रु. शून्य**

इण्डियन रेलवे ई-टेंडरिंग पोर्टलः www.ireps.gov.in पर सभी बिड्डिंग उपलब्ध हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं। अधिक जानकारी www.ireps.gov.in पर देख सकते हैं।

—सीनि. डीएसटीइ/एनइडी

ई-निविदा सूचना सं.एन-एसजी-36-2025-26-पार्सल-37, दि.31-01-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, सीनि. डीएसटीइ/एनइडी द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं. व तिथिः एन-एसजी-36-2025-26-पार्सल-37, दि.31-01-2026, कार्य विवरणः—एनइडी डिवीजन के एनएसएल, सीपीएसएन, जे, सेलु, पीटीयु, पीबीएन, पीएयु, एचएनएल, डब्ल्यूएचएम, एनइडी, एमयुइ, केएनवीटी तथा एडीबी पार्सल कार्यालयों पर आयपी आधारित वीडियो सर्वेल्लेंस सिस्टम (सीसीटीवी कैमरे) का प्रावधान। अनुमानित परियोजना मूल्य रु.60,79,327.00, बोली सुरक्षा रु.1,21,600.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, बोली बंद तिथि (बोली तय तिथि)- 23-02-2026 के 15.00 बजे,

बोली खोलने की तिथि -23-02-2026 समय 15.00 बजे के बाद, **आफर वैधः बोली बंद करने की तिथि से लेकर 60 दिन, निविदा पुस्तिका मूल्य रु. शून्य**

इण्डियन रेलवे ई-टेंडरिंग पोर्टलः www.ireps.gov.in पर सभी बिड्डिंग उपलब्ध हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं। अधिक जानकारी www.ireps.gov.in पर देख सकते हैं।

सीनि. डीएसटीइ/एनइडी

निविदा सूचना सं. एनइडी/इ-45, 46, 47 व 48/2025-26, दि. 02-02-2026

निम्न ई-निविदाओं हेतु www.ireps.gov.in पर आफर्स आमंत्रित है।

क्रम सं.1, एनइडी/इ-45/2025-26, कार्य विवरणः नांदेड डिवीजन के एनइडी, एडीबी, पीएयु, एके, जे, एनएसएल व एडब्ल्यूबी पर एग्जामिनेशन लाइट पाइंट्स के भीतर व बाहर न्यू रोल्लिंग का प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेंट /एडीशनल तथा वाटरिंग स्टेशनों पर फ्लड लाइट्स की व्यवस्थाएं। अनुमानित मूल्य रु. 1,84,07,990/-बोली सुरक्षा रु.2,42,000.00, वैध आफरः 60 दिन, कार्य पूरा करने की अवधिः 9 महिने, वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर नांदेड डिवीजन एडमिनिस्ट्रेशन के तहत तत्संबंधित **विवरण उपलब्ध, बंद करने की तिथि व समयः 25-02-2026 के 15.00 बजे**

क्रम सं.2, एनइडी/इ-46/2025-26, कार्य विवरणः नांदेड डिवीजन के ट्रैक मशीन कैम्पिंग कोचेस (11 संख्यक) में अल्पावधि सुरक्षा उपायों हेतु बिजली व्यवस्थाओं का प्रावधान। अनुमानित मूल्य रु.9,49,484.00, बोली सुरक्षा रु.19,000.00, वैध आफरः 60 दिन, कार्य पूरा करने की अवधिः 6 महिने, वेबसाइटः **www.ireps.gov.in** पर नांदेड डिवीजन एडमिनिस्ट्रेशन के तहत तत्संबंधित विवरण उपलब्ध, **बंद करने की तिथि व समयः25-02-2026 के 15.00 बजे**

क्रम सं.3, एनइडी/इ-47/2025-26, कार्य विवरणः अदिलाबाद स्टेशन पर प्रस्तावित कम्पाउण्ड वाल तथा एप्रोच रोड सहित 17 बेड्स क्षमतायुक्त नई टीटीई रेस्ट रूम का निर्माण कार्य—बिजली व्यवस्थाएं। अनुमानित मूल्य रु.25,45,781.00, बोली सुरक्षा रु.50,900.00, वैध आफरः 60 दिन, कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर नांदेड प्रभाग प्रशासन के तहत संबंधित विवरण उपलब्ध, **बंद करने की तिथि व समयः 25-02-2026 के 15.00 बजे**

क्रम सं.4, एनइडी/इ-48/2025-26, कार्य विवरणःनांदेड डिवीजनः 1) एडीइएन/एडब्ल्यूबी सेक्शन में 8 -टाइप-।।। क्वार्टर्स का प्रावधान—बिजली व्यवस्थाएं। 2) पूर्णा- डीइएन पश्चिम सेक्शन में पुराने जर्जर क्वार्टर्स (5-टाइप-।।। तथा 5-टाइप-।।) का रिप्लेसमेंट या प्रतिस्थापन—बिजली व्यवस्थाएं। अनुमानित मूल्य रु.41,41,563.00, बोली सुरक्षा रु.82,800.00, वैध आफरः 60 दिन, कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, वेबसाइटःwww.ireps.gov.in पर नांदेड डिवीजन एडमिनिस्ट्रेशन के तहत संबंधित विवरण उपलब्ध, **बंद करने की तिथि व समयः 25-02-2026 के 15.00 बजे**

निविदा दस्तावेज, योग्यता मानदंड, खास शर्ते आदि हेतु हमारे उपरोक्त वेबसाइट पर जाएं। यह सलाह दी जाती है, आनलाइन पर यदि कोई शुध्दिपत्र प्रकाशित होनेपर उसे इस आफर की प्रस्तुति के पहले चेक करें।

विभागीय रेल प्रबंधक (बिजली), नांदेड

A2386

निविदा नियम शर्ते /अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमे X@SCRailwayindia पर फालो करें। दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे की निविदा सूचनाओं का विवरण हमारे साइटःwww.scr.indianrailways.gov.in पर भी देखें।

ई-निविदा सूचना

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु आईआरइपीएस में निविदाएं आमंत्रित हैं।

खुली निविदा सूचना सं. बी-ई29-टीआरडी-टीएनडीआर-41-2025-26, दि.02—02-2026 निविदा सं. बी-ई29-टीआरडी-टीएनडीआर-41-2025-26, **कार्य विवरणः** विजयवाडा डिवीजन-बीजेडए डिवीजन पर विश्वसनीयता के दृष्टिगत बहुत पुराने पीएसआई उपकरण का प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेंट करना। **अनुमानित मूल्य रु.** 1,27,15,630.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, बोली सुरक्षा (अग्र धन) रु.2,13,600.00, बंद करने की तिथिः 05-03-2026 के 15.00 बजे

क्रम सं.1-निविदा प्रपत्र मूल्य रु.शून्य

विस्तृत विवरण तथा नियम शर्तो हेतु हमारे वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें।

महत्वपूर्ण सूचनाः यदि निविदा खोलने की तिथि को अवकाश घोषित होता है तो, निविदा को उसके अगले कार्यदिन में खोला जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/टीआरडी/विजयवाडा

ई-निविदा सूचना सं. जीएनटी/ई.27, 28 & 29/टीआरडी/2025-26

अधोहस्ताक्षरी द्वारा ठेकेदारों से निम्न कार्यो हेतु दि.25-02-2026 के 15.30 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम संख्याः 01, टेंडर टाइटलः जीएनटी-एनडीकेडीः पेदाकुरापाडू स्टेशन यार्ड में किमी 29/13-14 पर एलसी नं. 27 के स्थानपर 2 -लेन आरओबी का निर्माण कार्य तथा तुम्मलाचेरुवु —नडीकुडी स्टेशनों के बीच किमी 93/16-17 पर एलसी नं.81 के स्थान पर 2-लेन आरओबी का निर्माण कार्य—25केवी ओएचइ परिवर्तन कार्य। निविदा संदर्भ संख्याः जीएनटी/ई.27/टीआरडी/2025-26, दि.03-02-2026, अनुमानित मूल्य रु.36,04,274.75, पूर्व धरोहर राशि रु.72,100.00, निविदा प्रपत्र मूल्य (गैर-वापसी) रु. शून्य

क्रम सं.02 निविदा टाइटलः जीएनटी-केसीसी सेक्शनः गुंटूर- नाम्बूर स्टेशनों के बीच किमी 3/25-27 पर एलसी नं.03 के स्थान पर 4-लेन आरओबी का निर्माण कार्य—25 केवी ओएचइ परिवर्तन कार्य। निविदा संदर्भ संख्याः जीएनटी/ई.28/टीआरडी/2025-26, दि.03-02-2026, अनुमानित मूल्य रु.44,67,842.56, पूर्व धरोहर राशि रु.89,400.00, निविदा प्रपत्र मूल्य (गैर-वापसी) रु.शून्य

क्रम सं.03, टेंडर टाइटलः जीएनटी डिवीजन-तत्संबंधित डिवीजन में ओएचइ इनफ्रास्ट्रक्चर हेतु विश्वसनीयता का सुधार कार्य। पीएसआई टेंडर संदर्भ संख्याः जीएनटी/ई.29/टीआरडी/2025-26, दि.03-02-2026 अनुमानित मूल्य रु.2,40,27,761.21 (जीएसटी को मिलाकर), पूर्व धरोहर राशि रु.2,70,200.00, निविदा प्रपत्र मूल्य (गैर-वापसी) रु. शून्य

ई-बिड्स की आनलाइन प्रस्तुति हेतु अंतिम तिथि व समयः 25-02-2026 के 15.30 बजे तक

यदि तदनंतर निविदा खोलने की तिथि को छुट्टी घोषित होती है तो निविदाओं को उसके अगले कार्यदिवस पर खोला जायेगा।

किसी भी विस्तृत विवरण हेतु दि.03-02-2026 से या इसके बाद 25-02-2026 के 15.30 बजे तक वेबसाइटः **www.ireps.gov.in** पर लाग आन करें। किसी भी अधिक संचार/शुध्दिपत्र को केवल ई-पोर्टलः **www.ireps.gov.in** द्वारा सूचित किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/टीआरडी/गुंटूर

ई-निविदा सूचना सं.जीइएम/2026/बी/7172502

अधोहस्ताक्षरी द्वारा ठेकेदारों से निम्न कार्यों हेतु दि.23-02-2026 के 10.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.01, टेंडर टाइटलः जीएनटी डिवीजनः दो वर्षो की अवधि हेतु टीआरडी डिपो जीएनटी एण्ड जीआईडी टीआरडी पर टीआरडी एस्सेट्स के नियमित रखरखाव या तथा ब्रेकडाउन एटेंशन या तत्संबंधित खराबी पर ध्यान देने हेतु कैरियर डायमेंशन्स या आयाम कम से कम 19एलx7डब्ल्यूx7एच फीट युक्त न्यूनतम क्षमता 6.0 टन कैरियर सहित 2 संख्यक हेवी ड्यूटी लारियों को भाडे पर लेना या इसकी हायरिंग करना। निविदा सूचना सं.जीइएम /2026/बी/ 7172502 दि.30-01-2026, **अनुमानित मूल्य रु.49,74,068.16, पूर्व धरोहर राशि रु.99,500.00 निविदा प्रपत्र मूल्य (गैर-वापसी) रु.शून्य**

ई-बिड्स की आनलाइन प्रस्तुति की अंतिम तिथि व समयः 23-02-2026 के 10.00 बजे

किसी भी विस्तृत विवरण हेतु दि. 30-01-2026 से 23-02-2026 के 10.00 बजेतक वेबसाइटः www.GeM.gov.in पर लाग आन करें। किसी भी अधिक संचार/शुध्दिपत्र को केवल ई-पोर्टलःwww.ireps.gov.in द्वारा सूचित किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/टीआरडी/गुंटूर

A2383

निविदा नियम शर्ते /अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मियापुर इलाके में बुधवार को एक 31 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने अपने आवास पर आत्महत्या कर ली। प्रारंभिक जांच में यह मामला गंभीर कार्य-संबंधी तनाव से जुड़ा होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान सतीश कुमार के रूप में हुई है, जो गचीबोवली स्थित एक प्रतिष्ठित आईटी कंपनी में कार्यरत थे। वह मूल रूप से आंध्र प्रदेश के अमलापुरम जिले के तिलकुप्पा गांव के रहने वाले थे और मियापुर में रह रहे थे। उनकी शादी करीब एक वर्ष पहले हुई थी। बताया गया है कि उनकी पत्नी हाल ही में संक्रांति पर्व के लिए अपने मायके गई हुई थी।

पुलिस ने बताया कि सतीश काफी देर तक अपने कमरे से बाहर नहीं निकले, जिससे परिवार के सदस्यों को शक हुआ। इस पर उनके छोटे भाई ने दरवाजा खोलकर देखा तो सतीश कमरे के अंदर मृत अवस्था में पाए गए। सूचना मिलने पर मियापुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पेशेवर तनाव समेत अन्य संभावित कारणों को ध्यान में रखकर मामले की जांच की जा रही है।

कांग्रेस सरकार पर बरसे श्रीनिवास गौड़

महबूबनगर की उपेक्षा का आरोप

महबूबनगर, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री वी. श्रीनिवास गौड़ ने महबूबनगर की उपेक्षा करने और बीआरएस सरकार के दौरान शुरू की गई परियोजनाओं में देरी को लेकर कांग्रेस सरकार की कड़ी आलोचना की है। गुरुवार को कुछ इलाकों में चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि महिलाएं पानी की अपर्याप्त आपूर्ति की शिकायत कर रही हैं, वहीं बाजार क्षेत्र में पुस्तकालय स्थापित करने की योजना समझ से परे है। उन्होंने कहा कि शहर के मध्य स्थित टाउन हॉल लंबे समय से बंद पड़ा है। बीआरएस सरकार के दौरान निर्मित एक हजार बिस्तरों वाला अस्पताल अब तक जनता के लिए नहीं खोला गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि हरिथा होटल पिछले दो वर्षों से जर्जर अवस्था में पड़ा हुआ है। श्रीनिवास गौड़ ने कहा कि कांग्रेस सरकार को अस्पताल के लिए आवश्यक उपकरण जुटाने के लिए दोबारा निविदाएं जारी करनी पड़ीं। उन्होंने कहा कि जनहित में शुरू की गई परियोजनाओं में हो रही देरी का कोई औचित्य नहीं है। पूर्व मंत्री ने मांग की कि बाजार क्षेत्र में पुस्तकालय स्थापित करने की योजना को रद्द किया जाए और इसे जनसुविधा को ध्यान में रखते हुए किसी अन्य स्थान पर बनाया जाए।

भाजपा ने उजागर किया बीआरएस और कांग्रेस सरकारों का कुप्रबंधन

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा के राज्य अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने गुरुवार को आरोप लगाया कि बीआरएस-कांग्रेस शासन, जिसने पिछले 12 वर्षों में तेलंगाना को लूटने का काम किया, ने राज्य को विकासहीन और भारी कर्ज के बोझ तले दबा दिया है। मुशीबाद में आयोजित 'शहरी तेलंगाना में 12 वर्षों का पतन' विषय पर पावर प्वाइंट प्रस्तुति के दौरान, जिसमें केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी और वरिष्ठ पार्टी नेता उपस्थित थे, राव ने बताया कि बीआरएस के 10 वर्ष के शासन और उसके बाद कांग्रेस के 2 वर्ष के कार्यकाल में तेलंगाना के शहरी क्षेत्रों में गंभीर आर्थिक और प्रशासनिक संकट उत्पन्न हुआ। रामचंद्र राव ने कांग्रेस पार्टी की आलोचना करते हुए कहा कि उसने चुनाव से पहले की गई अपनी '6 गारंटियाँ' और 420 वादों में से एक भी पूरा नहीं किया। उन्होंने सरकार पर हमला करते हुए कहा कि राज्य में महिलाओं को मुफ्त बस सेवा देने का दावा किया गया था, लेकिन वास्तव में झूल-झूलकर चलने वाली बसों में महिलाओं की सुरक्षा खतरे में डाल दी गई। उन्होंने खुलासा किया कि तेलंगाना की 123 नगरपालिकाओं का कुल कर्ज 3,600 करोड़ रुपए है, जबकि केवल ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) का कर्ज 5,000 करोड़ रुपए है। उन्होंने आरोप लगाया कि शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) का संचालन विकास के बजाय कमीशन, भ्रष्टाचार और शोषण के माध्यम से किया गया, जिससे स्थानीय शासन अंधकार में चला गया। भाजपा राज्य प्रमुख ने भ्रष्टाचार रोकने वाली व्यवस्थाओं की विफलता की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान एसीबी द्वारा रिश्वत लेते पकड़े गए 1,500 अधिकारियों के खिलाफ उचित कार्रवाई न करने से और अधिक भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिला। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने केवल 'परिवर्तन' के बहाने एक वर्ष में 80,000 करोड़ रुपए उधार लेकर राज्य को कर्ज जाल में फंसा दिया। उन्होंने यह भी बताया कि मुख्यमंत्री ने स्वयं सार्वजनिक रूप से कर्मचारियों के वेतन भुगतान के लिए धन की कमी पर चिंता व्यक्त की। राव ने राज्य कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाया कि उसने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के रिटायरमेंट लाभ नहीं दिए, जिससे लगभग 40 सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारियों ने आत्महत्या कर ली।

अभिनेता चंद्रहास के खिलाफ माधापुर थाने में मामला दर्ज

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एक वरिष्ठ पत्रकार की शिकायत के बाद लोकप्रिय टेलीविजन अभिनेता प्रभाकर के बेटे और युवा फिल्म अभिनेता चंद्रहास के खिलाफ माधापुर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। यह मामला चंद्रहास की आगामी फिल्म 'बराबर प्रेमिष्ठा' के प्री-रिलीज इवेंट से जुड़ा है, जो हाल ही में शहर में आयोजित किया गया था। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, कार्यक्रम के दौरान युवा अभिनेता ने कथित तौर पर मंच पर एक ऐसा गीत गाया, जिसमें अश्लील और अनुचित शब्दों एवं भाषा का इस्तेमाल किया गया था। इसके बाद स्थानीय भाषा के एक समाचार चैनल में कार्यकारी संपादक के रूप में कार्यरत वरिष्ठ पत्रकार अशोक कुमार ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो जारी कर इस पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक मंच पर इस तरह की भाषा का प्रयोग अस्वीकार्य है।

गौ सेवार्थ एक शाम गौमाता के नाम 21 फरवरी को मेड़चल सोमारम विलेज स्थित विश्व मंगल गौशाला में जागरण अनिता जांगिड़ एवं दिव्या वैष्णव की मधुर आवाज मे आयोजित विशाल जागरण के लिए कार्यकर्ताओफ्ल को पधारे भक्तोफ्ल की सेवार्थ व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी से अवगत कराकर विचार-विमर्श करते हुए टी.वी. सुरेश, उदय भास्कर, वेंकट रेड्डी, शांतिलाल सुथार, नारायणलाल सुथार, महेंद्र सिंह आगलेचा, हनवंत धन्वा, प्रकाश सीरवी, बाबूलाल नायक, बालाजी, रत्नाराम देवासी, मंगलाराम मुलेवा सज्जन सीरवी, गणेश जांदू, धर्माराम सेणचा, संगीता सीरवी, पदाधिकारी व सदस्यगण।

आदिवासी युवक को प्रताड़ित करने का आरोप

मंचेरियल, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दांडेपल्ली मंडल में आदिवासियों ने वन अधिकारियों पर बिना ठोस सबूत के एक युवक को हिरासत में लेकर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है।

गुरुवार को वन अतिक्रमण के आरोप में हिरासत में लिए गए युवक की रिहाई की मांग को लेकर आदिवासियों ने दांडेपल्ली मंडल मुख्यालय स्थित वन रेंज अधिकारी कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन किया। सिंगरायापेट गांव के आदिवासियों का आरोप है कि वन अधिकारी युवक और अन्य लोगों के खिलाफ पूर्व में दर्ज मामलों की जांच के नाम पर उसे प्रताड़ित कर रहे हैं।

केबीआर पार्क में गणेशजी की पूजा-आरती वीए प्रसाद विजय रेड्डी सेसैया सुदर्शन किशन दास डागा एवं विजय कुमार थंबी, राजेंद्र अग्रवाल सुरेंद्र अग्रवाल गोपाल बलदवा किशन दास डागा विजय अग्रवाल विनोद टिकमणि अशोक सरायवाला राहुल सिंघल अशोक रुंगटा पीसी जैन प्रमोद सरायवाला दीपक सरायवाला अशोक लाखोटिया पीसी जैन विजय रेड्डी संध्या अग्रवाल विजय लक्ष्मी एवं अन्य।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अमेरिका के साथ ऐतिहासिक व्यापार समझौता होने पर आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पालाभिषेक करते बीजेपी के वरिष्ठ नेता एवं जामबाग के कॉर्पोरेटर राकेश जायसवाल एवं बीजेपी कार्यकर्ताओं के कार्यकर्तागण।

शारीरिक अक्षमता से परेशान व्यक्ति ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कुकटपल्ली इलाके में शारीरिक अक्षमता के कारण अविवाहित रहने से कथित तौर पर परेशान एक 40 वर्षीय व्यक्ति ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार इस घटना से इलाके में शोक का माहौल है। पुलिस ने मृतक की पहचान आंध्र प्रदेश के राजामंड्री निवासी पी श्रीनिवास के रूप में की है। वह कई वर्षों से कुकटपल्ली के प्रशांत नगर में अकेले रह रहा था और एक स्थानीय त्वचा देखभाल अस्पताल में कार्यरत था। पुलिस के मुताबिक श्रीनिवास जन्म से ही शारीरिक रूप से विकलांग था और कम उम्र में ही उसके पिता का निधन हो गया था। उसकी मां पार्वती कभी-कभार उससे मिलने आती थी। बताया गया है कि शादी के प्रस्ताव न मिलने से वह लंबे समय से मानसिक तनाव में था और इसे सामाजिक कलंक के रूप में महसूस करता था।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 160 वां निशुल्क मेगा मेडिकल कैंप 8 को

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा सेंट्रल पीस एंड वेलफेयर कमेटी साउथ जोन, चारमीनार डिवीजन एवं अग्रवाल समाज तेलंगाना घांसी बाजार झूला शाखा के सहयोग से 160 वां निशुल्क मेगा मेडिकल कैंप रविवार 8 फरवरी को सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक घांसी बाजार स्थित गायत्री भवन में आयोजित किया जाएगा। आज यहां अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, किम्स सनशाइन हॉस्पिटल बेगमपेट द्वारा जनरल फिजिशियन, कार्डियोलॉजी, हड्डी रोग विशेषज्ञ, ईसीजी, 2 डी इको, बीएमडी, बीपी जांच.आरबीएस की सेवा दी जाएगी। शिविर में लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम आई हॉस्पिटल, दोमल गुडा द्वारा रोगियों के नेत्रों की जांच कर योग्यों को निशुल्क चश्मे तथा मोतियाबिंद के ऑपरेशन की व्यवस्था की जाएगी। अवसर पर सामान्य जांच डॉ अखिल क्लिनिक पूरणदास रणछोडदास के जनरल फिजिशियन डॉ. अखिल सुगंधी और डॉ. मीनल खिरैया सुगंधी द्वारा दी जाएगी।

अवसर पर फिजियोथैरेपी की सेवा बजाज फिजियो केयर की डॉ.मीता बजाज द्वारा दी जाएगी। दांतों की जांच एसएनआर डेंटल के डॉ. एस. तेजस्वी नवनीत राज, डॉ.एस.निशिल राज द्वारा की गई। शिविर में श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति द्वारा रोगी को कृत्रिम अंग, कैलिपर्स, हैंड किट्स, कृत्रिम हाथ सहित रोगियों के लिए निशुल्क डायलिसिस की सेवा दी जाएगी। इसके लिए रोगी को अपने पूर्व के चिकित्सा रिपोर्ट लानी होगी ताकि उनको सही परामर्श दिया जा सके। यह शिविर सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक होगा लेकिन शिविर में नाम पंजीकरण दोपहर 12 बजे तक ही किया जाएगा। शिविर के लिए संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, श्रीकिशन शर्मा, के.ए.मोइजुद्दीन, गोपाल दास, अनिल धरसूवाला, योगेंद्र कटारुका, शिव भगवान से संपर्क किया जा सकता है।

गांधीनगर में बहुमंजिला इमारत में आग

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार दोपहर गांधीनगर इलाके में एक बहुमंजिला इमारत की दूसरी मंजिल पर आग लग गई। पुलिस के अनुसार इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। बताया गया है कि पूजा स्थल में जलाया गया दीपक पास रखे फर्नीचर पर गिर गया, जिससे आग लग गई। आग धीरे-धीरे कमरे के पर्दों तक फैल गई।

स्वतंत्र वार्ता

Email : svaarttha2006@gmail.com svaarttha@rediffmail.com svaarttha2006@yahoo.com

Epaper : epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement : swadds1@gmail.com

ईशान को बैटर्स रैंकिंग में 32 स्थान का फायदा

ऑलराउंडर्स में पाकिस्तान के सईम अयूब नंबर-1, शिवम दुबे टॉप-10 में आए

दुबई, 5 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय बैटर ईशान किशन को एसीसी रैंकिंग में 32 स्थान का फायदा हुआ है। प्लेयर्स रैंकिंग में ईशान 584 रेटिंग पॉइंट्स के साथ 32वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में पाकिस्तान के सईम अयूब ने पहला स्थान हासिल कर लिया है। उन्होंने जिम्बाब्वे के अनुभवी खिलाड़ी सिकंदर रजा को पीछे छोड़ा।

भारत के शिवम दुबे को भी ऑलराउंडर्स में दो स्थान का फायदा हुआ। वे अब 186 रेटिंग पॉइंट्स के साथ 11वें से नौवें पायदान पर पहुंच गए हैं।

अभिषेक शर्मा टॉप पर काबिज

टी-20 बल्लेबाजों की टॉप-10 रैंकिंग में भारत के अभिषेक शर्मा पहले स्थान पर बने हुए हैं। इंग्लैंड के जोस बटलर, श्रीलंका के पथुम निसांका, भारत के सूर्यकुमार यादव और न्यूजीलैंड के टिम साइफर्ट को एक-एक स्थान का फायदा हुआ है। वहीं चोट के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ एक भी मैच नहीं खेलने वाले तिलक वर्मा को एक स्थान का नुकसान उठाना पड़ा है।

विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया। वे पांच मैचों की सीरीज में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। ईशान ने चार मैचों में कुल 215 रन बनाए।

नवाज को 8 स्थान का फायदा

पाकिस्तान के स्पिनर अबरार अहमद टी-20 गेंदबाजों की रैंकिंग में दो स्थान की बढ़त के साथ दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। वह अब भारत के वरुण चक्रवर्ती से सिर्फ 28 रेटिंग पॉइंट्स पीछे हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों में उन्होंने छह विकेट चटकाए।

वहीं बाएं हाथ के स्पिनर मोहम्मद नवाज ने भी बड़ी छलांग लगाई है। वे आठ स्थान ऊपर चढ़कर सातवें नंबर पर पहुंच गए हैं। सीरीज के आखिरी मैच में उनके पांच विकेट काफी अहम साबित हुए।

अयूब ने सीरीज में 119 रन बनाए

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज में सईम अयूब ने 119 रन बनाने के साथ तीन विकेट भी लिए। इसी प्रदर्शन के दम पर उन्होंने एक स्थान की बढ़त हासिल की और ऑलराउंडर्स रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर पहुंच गए।

उनके बाद 289 रेटिंग पॉइंट्स के साथ सिकंदर रजा दूसरे नंबर पर हैं। भारत के हार्दिक पांड्या 247 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर मौजूद हैं। पाकिस्तान के मोहम्मद नवाज चौथे और वेस्टइंडीज के रोस्टन चेज पांचवें स्थान पर हैं।

आईसीसी चेयरमैन जय शाह से मिले फीफा अध्यक्ष गियानी इनफैनटिनो

खेल डेस्क, 5 फरवरी (एजेंसियां)। वैश्विक खेल जगत से जुड़ी एक अहम तस्वीर इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई है। फीफा अध्यक्ष गियानी इनफैनटिनो ने इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के चेयरमैन जय शाह से मुलाकात की और इसकी तस्वीर साझा करते हुए अपनी खुशी जाहिर की। क्रिकेट और फुटबॉल, दुनिया के दो सबसे लोकप्रिय खेलों के शीर्ष प्रशासकों की यह मुलाकात कई मायनों में खास मानी जा रही है।

इनफैनटिनो ने सोशल मीडिया पर जताई खुशी

फीफा अध्यक्ष गियानी इनफैनटिनो ने इंस्टाग्राम पर तस्वीर साझा करते हुए जय शाह की जमकर तारीफ की। उन्होंने अपने कैप्शन में लिखा, 'आईसीसी चेयरमैन जय शाह से मिलना मेरे लिए बहुत खुशी की बात थी। क्रिकेट जैसे खूबसूरत खेल को आगे बढ़ाने के लिए उन्होंने जो शानदार काम किया है, वह काबिले-तारीफ है। मैं उन्हें और पूरी क्रिकेट बिरादरी को शुभकामनाएं देता हूं, क्योंकि क्रिकेट को ओलंपिक खेलों में दोबारा शामिल किया जा रहा है। मैं भविष्य में साथ काम करने और सहयोग को लेकर उत्साहित हूं, ताकि खेलों के जरिए दुनिया को एकजुट किया जा सके।'

क्रिकेट और फुटबॉल का साझा मंच

यह मुलाकात ऐसे समय पर हुई है, जब खेलों के वैश्विक स्तर पर सहयोग और विस्तार की चर्चा जोरों पर है। क्रिकेट को ओलंपिक में दोबारा शामिल किए जाने की प्रक्रिया और फुटबॉल की पहले से मजबूत वैश्विक मौजूदगी, दोनों खेलों को और व्यापक मंच देने की दिशा में यह बातचीत अहम मानी जा रही है।

एक ही साल में टी20 और फीफा वर्ल्ड कप

खास बात यह है कि इसी साल खेल प्रेमियों को दो बड़े महाकुंभ देखने को मिलेंगे। एक ओर आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप का आयोजन होगा, वहीं दूसरी ओर फीफा वर्ल्ड कप भी खेल जगत का सबसे बड़ा आकर्षण रहेगा। ऐसे में दोनों खेलों के शीर्ष प्रशासकों की यह मुलाकात फैंस के लिए भी उत्साह बढ़ाने वाली है।

जय शाह की बढ़ती वैश्विक भूमिका

जय शाह के नेतृत्व में आईसीसी ने कई बड़े फैसले लिए हैं, जिनमें क्रिकेट का वैश्विक विस्तार और ओलंपिक में वापसी जैसे अहम कदम शामिल हैं। इनफैनटिनो का बयान यह दिखाता है कि अब क्रिकेट और फुटबॉल जैसे बड़े खेल संगठन मिलकर भविष्य की योजनाओं पर काम करने के संकेत दे रहे हैं।

भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने तीन राष्ट्रीय रिकॉर्ड में किया सुधार, जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। ओलंपिक रजत पदक विजेता मीराबाई चानू ने राष्ट्रीय भारोत्तोलन चैंपियनशिप में महिलाओं के 48 किलोग्राम वर्ग का खिताब जीतते हुए अपने ही तीन राष्ट्रीय रिकॉर्ड बेहतर किए। कई बार की विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता चानू ने कुल 205 किलोग्राम (स्नैच में 89 किलोग्राम, क्लीन एंव जर्क में 116 किलोग्राम) वजन उठाया जिससे उन्होंने स्नैच, क्लीन एंव जर्क और कुल प्रयास में नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाए।

90 किग्रा की बाधा पार करने में संतुलन नहीं बना सकीं

उन्होंने 49 किलोग्राम वर्ग में 2020 राष्ट्रीय चैंपियनशिप में बनाए गए पिछले व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ स्नैच रिकॉर्ड 88 किलोग्राम से बेहतर किया। पिछले कुछ साल में मणिपुर की इस छोटी कद की भारोत्तोलक ने बार-बार 90 किग्रा की बाधा को पार करने की कोशिश की है और बहुत करीब आकर चूक गईं। उन्होंने अंतिम प्रयास में 91 किलोग्राम उठाने की कोशिश की लेकिन संतुलन नहीं बना पाईं। क्लीन एंव जर्क में भी चानू ने 112 और 116 किलोग्राम का वजन उठाया लेकिन आखिरी कोशिश में 120 किलोग्राम को नहीं उठा पाईं। मालूम हो कि चानू ने 2021 एशियाई चैंपियनशिप में क्लीन एंव जर्क में 119 किलोग्राम से विश्व रिकॉर्ड बनाया था।

चानू ने स्वर्ण पदक जीतने के बाद कहा, बहुत खुश हूं। इस प्रदर्शन से मेरा आत्मविश्वास बढ़ा है। पहले मैं 49 किलोग्राम वर्ग में प्रतिस्पर्धा कर रही थी, 48 किलोग्राम वर्ग में यह नतीजा हासिल करना बहुत बड़ी बात है। मुझे उम्मीद है कि अगली प्रतियोगिता में मैं 90 किलोग्राम का आंकड़ा पार कर लूंगी। आज भी मैंने कोशिश की थी, लेकिन मेरी ठीक से ट्रेनिंग नहीं हुई थी, इसलिए मैं ऐसा नहीं कर पाई। लेकिन एक बार जब ट्रेनिंग पूरी रफ्तार से शुरू हो जाएगी तो मुझे यकीन है कि मैं 90 किलोग्राम वजन उठा लूंगी।

लखनऊ में पहली बार होगी राष्ट्रीय महिला तीरंदाजी प्रतियोगिता

28 फरवरी और एक मार्च को होगा आयोजन

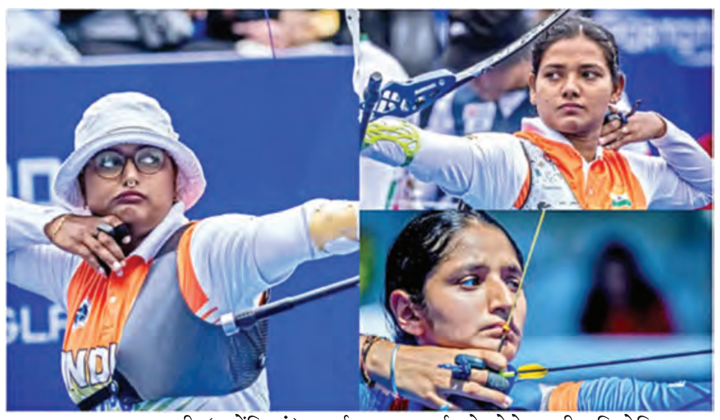

लखनऊ, 5 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व विश्व चैंपियन और चार ओलंपिक खेलने वाली एकमात्र भारतीय दीपिका कुमारी, पेरिस पैरालंपिक गेम्स की कांस्य पदक विजेता शीतल देवी, ओलंपियन भजन कौर और अंकिता भगत। विश्वस्तर पर भारत का परचम लहराने वाली ये सभी तीरंदाज लखनऊ में पदक पर निशाना लगाने उतरेंगी। बात हो रही है शहर में पहली बार होने वाली राष्ट्रीय महिला तीरंदाजी प्रतियोगिता की, जहां देशभर से तकरीबन 350 खिलाड़ी भाग लेंगी। केडी सिंह बाबू स्टेडियम में 28 फरवरी और एक मार्च को होने वाली प्रतियोगिता सब जूनियर, जूनियर और सीनियर वर्ग में खेली जाएगी। इसमें भाग लेने वाले यूपी टीम का चयन जल्द होगा। एसोसिएशन से मिली जानकारी के अनुसार प्रतियोगिता में गाजियाबाद की साक्षी चौधरी, मथुरा की वरन्या राणा, बिजनौर की निष्ठा गुप्ता और बागपत की मधु वेदवाल का यूपी टीम में चयन होना तय है।

यूपी आर्चरी एसोसिएशन के संयुक्त सचिव योगेंद्र सिंह राणा ने बताया कि यूपी में पहले भी तीरंदाजी की राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं हो चुकी हैं, लेकिन लखनऊ पहली बार तीरंदाजी में राष्ट्रीय स्तर के आयोजन की मेजबानी कर रहा है। दीपिका, शीतल देवी और भजन कौर जैसी दिग्गज खिलाड़ियों के भाग लेने से स्तर और भी बढ़ गया है।

दो वर्ग में होंगे मुकाबले

दो दिवसीय प्रतियोगिता के दौरान रिकर्व और कंपाउंड वर्ग में मुकाबले होंगे। एक ओर जहां रिकर्व स्पर्धा (दूरी 70 मीटर) ओलंपिक में शामिल है, वहीं दूसरी ओर कंपाउंड इवेंट (दूरी 50 मीटर) को पहली बार लॉस एंजिल्स में वर्ष 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों में शामिल किया गया है। ऐसे में लखनऊ में होने वाली राष्ट्रीय महिला तीरंदाजी प्रतियोगिता कई मायनों में अहम हो जाएगी। बाबू स्टेडियम के पूरे मैदान को इस प्रतियोगिता के लिए उपयोग में लाया जाएगा। स्टेडियम में बनी क्रिकेट पिच के एक तरफ रिकर्व और दूसरी तरफ कंपाउंड के मुकाबले होंगे। दोनों ही स्थानों पर 15 से 20 टारगेट लगाए जाएंगे। एक वर्ष पहले शहर में तीरंदाजी के प्रोत्साहन के लिए 1090 चौराहे पर एलडीए आर्चरी अकादमी शुरू हुई।

बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष अनुराग ठाकुर को सुप्रीम कोर्ट से राहत

बोर्ड के कामकाजों में ले सकेंगे हिस्सा

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बीसीसीआई से जुड़े एक मामले में अपने जनवरी 2017 के आदेश में संशोधन करते हुए पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष अनुराग ठाकुर को बड़ी राहत दी है। शीर्ष अदालत ने कहा है कि अनुराग ठाकुर अब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के मामलों में भाग लेने के लिए स्वतंत्र हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने अनुपातिकता के सिद्धांत को लागू करते हुए अपने पुराने आदेश में बदलाव किया। गौरतलब है कि जनवरी 2017 में अदालत ने अनुराग ठाकुर को बीसीसीआई के कामकाज से 'सीज एंड डिसिस्ट' यानी पूरी तरह दूर रहने का निर्देश दिया था। अदालत ने यह भी ध्यान में रखा कि उस समय अनुराग ठाकुर ने बिना किसी शर्त के बिना शर्त माफी दी थी। इसी आधार पर कोर्ट ने माना कि पहले दिया गया प्रतिबंध अब आवश्यक नहीं है और उसमें ढील दी जा सकती है।

पाकिस्तान के बायकॉट पर इरफान पठान ने किया तंज

मुंबई, 5 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने ऐलान किया है कि वो 15 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमादासा स्टेडियम में भारत के खिलाफ टी-20 वर्ल्ड कप का ग्रुप मैच नहीं खेलेगी. इसको लेकर इरफान पठान ने पीसीबी पर गहरा तंज किया है. भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान का मानना है कि टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले पाकिस्तान अपने बॉयकॉट की धमकी से पीछे हट जाएगा. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्डने हाल ही में ऐलान किया था कि उनकी नेशनल टीम 15 फरवरी को कोलंबो में होने वाले भारत के खिलाफ ग्रुप स्टेज मैच में नहीं खेलेगी.

पाकिस्तान ने किया बायकॉट का फैसला

स्कॉटलैंड के बांग्लादेश की जगह लेने और भारत आने से मना करने के बाद पाकिस्तान की टूर्नामेंट में पार्टिसिपेशन पर सवाल उठ रहे थे. हालांकि पूर्व चैंपियन ने टूर्नामेंट में अपनी मौजूदगी को कंफर्म किया, लेकिन उन्होंने अपने आर्क राइवल इंडिया के खिलाफ मैच का बॉयकॉट करने का फैसला किया.

भुगतने होंगे गंभीर नतीजे

अभी तक पीसीबी की तरफ से कोई और अपडेट नहीं आया है, जबकि आईसीसी ने उन्हें चेतावनी दी है कि अगर वो अपने रुख पर कायम रहते हैं तो इसके गंभीर नतीजे हो सकते हैं. हालांकि इरफान पठान का मानना है कि अब यू-टर्न का फैसला कभी भी हो सकता है.

'पाक कभी भी ले सकता है यू-टर्न'

इरफान पठान ने कहा, 'ग्रुप स्टेज में आपको कोई चुनौती नहीं दिखेगी. पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ मैच का बॉयकॉट करने का फैसला किया है, लेकिन वो यू-टर्न कभी भी हो सकता है. अगर वो यू-टर्न लेते भी हैं, तो क्या वो हमें चैलेंज दे पाएंगे? अगर आप उनके बीच पिछले मैच देखें, तो ऐसा नहीं लगता कि वो हमें चुनौती दे सकते है. भारत और पाकिस्तान को टी20 वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप ए में एक साथ रखा गया है, जिसमें अमेरिका, नीदरलैंड्स और नामीबिया भी शामिल हैं. अगर पाक टीम भारत के खिलाफ मैच नहीं खेलती है, तो उस मुकाबले के पूरे प्वॉइंट्स टीम इंडिया के हिस्से में चले जाएंगे. इसके अलावा आईसीसी पीसीबी और पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाफ कड़े एक्शन ले सकती है.

घुटना पकड़ा, लंगड़ाए, हर्षित राणा के लिए भारत बनाम यूएसए मैच से पहले ठीक से चल पाना भी मुश्किल

मुंबई, 5 फरवरी (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले टीम इंडिया के खिलाड़ियों को चोट लगने का सिलसिला तो थम ही नहीं रहा है. अब इस फेहरिस्त में तेज गेंदबाज हर्षित राणा का भी नाम जुड़ गया है. दाएं हाथ के इस पेसर को साउथ अफ्रीका के खिलाफ वॉर्म अप मैच में इंजरी हुई, जिसके बाद वो काफी मुश्किल में दिखे. उनके लिए ठीक से दो कदम चल पाना भी मुश्किल हो गया. घुटने को पकड़े और लंगड़ाते हुए हर्षित राणा की जो तस्वीर साउथ अफ्रीका के खिलाफ वॉर्म अप मैच में सामने आई, वो टी20 वर्ल्ड कप 2026 में यूएसए के खिलाफ होने वाले ओपनिंग मैच से पहले भारतीय टीम की टेंशन को बढ़ाने वाली रही. भारत और साउथ अफ्रीका के बीच T20 वर्ल्ड कप 2026 का वॉर्म अप मैच 4 फरवरी को नवी मुंबई में खेला गया. इस मैच में भारत ने साउथ अफ्रीका को 30 रन से हराया. इसी मुकाबले के दौरान हर्षित राणा को इंजरी हो गई, जिसकी गंभीरता का अंदाजा आप इस बात से लगा सकते हैं कि वो बड़ी मुश्किल से अपना एक ओवर डाल पाए, जिसमें उन्होंने 16 रन दिए. इंजरी के चलते हर्षित राणा को एक ओवर के दौरान दो बार अपना रन-अप रोकना पड़ा, जिसके बाद वो अपना घुटना पकड़कर लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर चले गए.हर्षित राणा की इंजरी कितनी गंभीर है, फिलहाल उस बारे में कोई भी आधिकारिक जानकारी नहीं है. हर्षित राणा की चोट अगर गंभीर निकली तो ये टीम इंडिया के लिए मुसीबत बढ़ाने वाली बात होगी. क्योंकि , वो गेंद और बल्ले दोनों से भारतीय टीम के लिए उपयोगी थे. हर्षित से पहले टीम इंडिया वॉशिंगटन सुंदर की इंजरी से पहले से ही जूझ रही है. सुंदर को न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के पहले मैच में चोट लगी थी, जिसके बाद से ही वो टीम इंडिया से बाहर है. हालांकि, ऐसी रिपोर्ट है कि वो समय रहते फिट हो जाएंगे मगर कुछ भी ऑफिशियल अभी नहीं है.

विनेश ने फेडरेशन कप के लिए चयन प्रक्रिया पर हरियाणा रेसलिंग एसोसिएशन पर निशाना साधा

चंडीगढ़, 5 फरवरी (एजेंसियां)। स्टार पहलवान विनेश फोगाट ने हरियाणा कुश्ती संघ की चयन प्रक्रिया पर कड़ी नाराज़गी जताई है। उनका कहना है कि फेडरेशन कप 2026 के लिए बनाए गए नियम बिल्कुल अनुचित हैं और इससे मेहनती पहलवानों के साथ अन्याय हो रहा है। विनेश फोगाट ने सवाल उठाया कि ट्रायल का मौका केवल 2025 की सीनियर राज्य प्रतियोगिता के पदक विजेताओं और 2025 में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में खेलने वालों को ही क्यों दिया जा रहा है। उन्होंने पूछा कि 2024 के राष्ट्रीय पदक विजेता अचानक अयोग्य कैसे हो गए। उन्होंने सवाल उठाया कि 2024 के नेशनल मेडलिस्ट और उम्र की पाबंदी के कारण सीनियर नेशनल 2025 में हिस्सा न ले पाने वाले खिलाड़ियों को क्यों बाहर किया जा रहा है। उन्होंने एक्स पोस्ट में कहा, ₹फेडरेशन कप 2026 के लिए हरियाणा कुश्ती संघ की चयन शर्तें पूरी तरह अन्यायपूर्ण हैं। सिर्फ 2025 के सीनियर स्टेट मेडलिस्ट और 2025 में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता खेलने वाले पहलवानों को ही ट्रायल में मौका देना, हजारों मेहनती पहलवानों के साथ धोखा है। क्या 2024 के नेशनल मेडलिस्ट अयोग्य हो गए? क्या सब जूनियर नेशनल में पदक जीतना अब बेकार हो गया? क्या चोटिल खिलाड़ी अपराधी बन गए?₹

उन्होंने आगे कहा कि वे खिलाड़ी जो 2025 में आयु सीमा के कारण सीनियर नेशनल नहीं खेल सके, 2026 में पूरी तरह पात्र हैं। इस साल एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप जैसे बड़े टूर्नामेंट्स होने हैं । ऐसी टूर्नामेंट्स में खेलना और देश के लिए पदक लाना हर खिलाड़ी का सपना होता है। परंतु इन नियमों की वजह से आप उन्हें अभी ही बाहर करके उनके भविष्य पर एक तरह से स्थायी रोक लगा रहे हो। यह केवल खेल के साथ अन्याय नहीं है, बल्कि खिलाड़ियों के जीवन और संघर्ष के साथ खुला खिलवाड़ है। हमारे खिलाड़ी जो इतने साल तक मेहनत करते हैं वो कहां जायेंगे?

आईसीसी भारत-पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में क्यों रखती है

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने टी-20 वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ मैच खेलने से मना कर दिया है। इसके बावजूद टीम इंडिया 15 फरवरी को कोलंबो रवाना होगी। जहां मैच खेला जाना है। टीम प्रैक्टिस भी करेगी, लेकिन मैच होगा या नहीं, इसका फैसला मैच रेफरी ही करेंगे। वर्ल्ड कप के बीच इस विवाद से भी बड़ा सवाल यह है कि पिछले 12-13 साल से भारत-पाकिस्तान को हर आईसीसी टूर्नामेंट के एक ही ग्रुप में क्यों रखा जाता है?

1992 में पहली बार दोनों टीमें वर्ल्ड कप के स्टेज पर आमने-सामने हुईं थीं। तब से 34 साल में 9 वनडे वर्ल्ड कप, 9 टी-20 वर्ल्ड कप और 9 चैंपियंस ट्रॉफी हुईं। 27 टूर्नामेंट में 22 बार भारत-पाकिस्तान मैच हुआ। 18 में भारत और महज 4 में पाकिस्तान को जीत मिली। अक्सर इस पैटर्न को राजनीति से जोड़कर देखा जाता है, लेकिन सच्चाई इससे कहीं आगे जाती है। व्युअरशिप, ब्रॉडकास्टिंग राइट्स और टूर्नामेंट डिजाइन जैसे कई कारणों के चलते आईसीसी भी हर बार भारत-पाकिस्तान मैच कराना चाहती है।

एक मैच 27 से 28 करोड़ लोग देखते हैं

भारत-पाकिस्तान का मुकाबला अब सिर्फ क्रिकेट नहीं रहा, यह एक ग्लोबल इवेंट बन चुका है। आंकड़े बताते हैं कि क्रिकेट इतिहास के टॉप-10 सबसे ज्यादा देखे गए मैचों में 6 भारत-पाक के ही हैं। भारत में इन मुकाबलों को औसतन 20 से 22 करोड़ लोग देखते हैं, जबकि दुनिया भर में यह आंकड़ा 27 से 28 करोड़ तक पहुंच जाता है।

यही वजह है कि आईसीसी हर बड़े टूर्नामेंट में कम से कम एक भारत-पाक मुकाबला तो शेड्यूल करने की कोशिश करती ही है। इसे एग्जाम्पल से समझिए- 2019 वनडे वर्ल्ड कप में कुल 48 मैच हुए, जिन्हें टीवी और डिजिटल प्लेटफॉर्म मिलाकर 70.60 करोड़ दर्शकों ने देखा, यानी प्रति मैच करीब 1.47 करोड़ दर्शक। उसी टूर्नामेंट में भारत-पाकिस्तान का मुकाबला सबसे अलग रहा। इस इकलौते मुकाबले को 27 करोड़ दर्शकों ने देखा, जो वर्ल्ड कप की कुल व्युअरशिप का लगभग 35% था। हालांकि, भारत-पाकिस्तान के बीच अब तक का सबसे ज्यादा देखा गया मैच 2011 के वर्ल्ड कप का सेमीफाइनल था। इसे 49.50 करोड़ लोगों ने देखा था। आईसीसी की सोच यही रहती है कि बड़े नंबर सिर्फ फाइनल या सेमीफाइनल तक सीमित न रहें। अगर लीग स्टेज में ही हाई व्युअरशिप मिल जाए, तो टूर्नामेंट शुरुआत से ही हाई गियर में दौड़ने लगता है। इसीलिए भारत-पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा जाने लगा है।

ब्रॉडकास्टर्स का दबाव

आईसीसी की भारत-पाक नीति के पीछे सबसे बड़ा फैक्टर पैसा है। 2024 से 2027 के मीडिया राइट्स को आईसीसी ने 3 बिलियन डॉलर (करीब 24 हजार करोड़ रुपए) में बेचा है। इतनी बड़ी रकम चुकाने वाले ब्रॉडकास्टर्स यह रिस्क नहीं लेना चाहते कि भारत-पाक मुकाबला सिर्फ नॉकआउट पर निर्भर रहे, जहां एक टीम के जल्दी बाहर होने से पूरा प्लान फेल हो सकता है। ग्रुप स्टेज में भारत-पाक मैच रखने से आईसीसी और ब्रॉडकास्टर्स को हाई टीआरपी मिलती है।

इसी सोच के तहत टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में भी भारत-पाकिस्तान मैच रविवार, 15 फरवरी को रखा गया। शेड्यूलिंग पूरी तरह व्युअरशिप को ध्यान में रखते हुए की गई। रविवार को ज्यादा से ज्यादा दर्शक मैच देखने के लिए जुटते हैं, जिससे व्युअरशिप तेजी से बढ़ जाती है।

क्रिकेट टूरिज्म से होस्ट सिटी को फायदा

भारत-पाकिस्तान मैच का मतलब होता है हाउसफुल स्टेडियम। टिकट की डिमांड इतनी ज्यादा रहती है कि इस मुकाबले के टिकट कई बार फाइनल के टिकट से भी महंगे बिकते हैं। इसके बावजूद फैंस बड़ी संख्या में स्टेडियम पहुंच जाते हैं।ब्रॉडकास्टिंग राइट्स, विज्ञापन और डिजिटल व्युअरशिप हर पैमाने पर भारत-पाक मुकाबला बाकी मैचों से आगे रहता है। इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स मानते हैं कि कई बार एक अकेला भारत-पाक मैच पूरे टूर्नामेंट के रेवेन्यू ग्राफ को ऊपर खींच देता है। इस कमाई का क्रिकेट टूरिज्म के रूप में होस्ट सिटी को सीधा फायदा मिलता है। भारत और पाकिस्तान ही नहीं, बल्कि दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से फैंस उस शहर में पहुंचते हैं, जहां यह मैच खेला जाता है। इसका बड़ा उदाहरण 2015 का वर्ल्ड कप मुकाबला है, जो मेलबर्न में खेला गया था। सिर्फ इस मैच के लिए करीब 30 हजार भारतीय और पाकिस्तानी फैंस मेलबर्न पहुंच गए थे। नतीजा- होटल बुकिंग फुल, फ्लाइट्स महंगी, लोकल ट्रांसपोर्ट, रेस्टोरेंट और छोटे कारोबारों की चांदी।

इमोशंस जो मैच को मस्ट वॉच बना देते हैं

भारत-पाकिस्तान मुकाबले को खास बनाने वाली सबसे बड़ी ताकत उसका इमोशनल कनेक्शन है। 1992 वर्ल्ड कप में जावेद मियांदाद का किरण मोरे की नकल करना हो या 1996 वर्ल्ड कप में वेंकटेश प्रसाद का आमिर सोहेल को आउट करने के बाद सेंडऑफ, ऐसे सीन इस राइवलरी की पहचान बन चुके हैं। इस इमोशनल एंगेजमेंट का सीधा फायदा आईसीसी को मिलता है। स्पॉन्सरशिप और ग्लोबल अटेंशन के चलते भारत-पाकिस्तान मुकाबला सिर्फ क्रिकेट का खेल नहीं, बल्कि कमाई और क्रेज दोनों के लिहाज से सबसे बड़ा मस्ट वॉच इवेंट बन जाता है।

क्रिकेट का एल क्लासिको

जैसे फुटबॉल में रियल मैड्रिड-बार्सिलोना या ब्राजील-अर्जेंटीना की राइवलरी दुनिया भर में एक अलग पहचान रखती है, वैसे ही क्रिकेट में भारत-पाकिस्तान मुकाबला भी एक ग्लोबल ब्रांड बन चुका है। इसलिए शेड्यूल चाहे जैसा हो, भारत-पाकिस्तान की टक्कर को बाहर रखना अब लगभग नामुमकिन हो चुका है।

साइबर सुरक्षा को प्रशासन के हर स्तर पर शामिल किया जाना चाहिए : सीएस

> तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो ने किया 'शील्ड–2026' का शुभारंभ

साइबर अपराध से निपटने के लिए विशेष प्रशिक्षण की आवश्यकता : डीजीपी

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो (टीजीसीएसबी), तेलंगाना पुलिस द्वारा राज्य के प्रमुख साइबर सुरक्षा सम्मेलन 'शील्ड–2026' के दूसरे संस्करण का आज हैदराबाद में भव्य शुभारंभ किया गया। सम्मेलन का उद्घाटन तेलंगाना सरकार के मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव तथा पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी की उपस्थिति में हुआ।

इस अवसर पर केंद्र व राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी, कानून प्रवर्तन एजेंसियों के प्रतिनिधि, उद्योग जगत के नेता, शिक्षाविद्, स्टार्टअप प्रतिनिधि और देशभर से आए साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ उपस्थित रहे। 'शील्ड–2026' साइबर अपराध की रोकथाम, जांच और पीड़ित सहायता के क्षेत्र में तेलंगाना की सतत नेतृत्वकारी भूमिका को आगे बढ़ाते हुए सरकार, पुलिस, उद्योग, अकादमिक संस्थानों, स्टार्टअप्स और शोध संस्थानों के बीच सहयोग का एक राष्ट्रीय मंच प्रदान करता है। इस सम्मेलन में 20 राज्यों के कानून प्रवर्तन अधिकारियों सहित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय हितधारकों ने भाग लिया, ताकि उभरते साइबर खतरों पर चर्चा कर सार्वजनिक सुरक्षा को सुदृढ़ किया जा सके।

सम्मेलन में बताया गया कि 'शील्ड–2025' की एक प्रमुख उपलब्धि मुख्यमंत्री द्वारा बाल संरक्षण इकाई (चाइल्ड प्रोटेक्शन यूनिट–सीपीयू) की शुरुआत थी। सीपीयू की स्थापना के बाद ऑनलाइन बाल यौन शोषण सामग्री (सीएसएएम) के विरुद्ध कार्रवाई में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है। जहां पहले लगभग 50,400 टिपलाइनों पर 37 मामले दर्ज कर 36 गिरफ्तारियां हुई थीं, वहीं सीपीयू के गठन के बाद 1,20,563 से अधिक टिपलाइनों पर कार्रवाई करते हुए 866 मामले दर्ज किए गए और 421 गिरफ्तारियां की गईं, जो तकनीक आधारित समन्वित प्रयासों का प्रमाण है। मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव ने साइबर खतरों से निपटने के लिए मजबूत नीतिगत समन्वय, प्रशासनिक तत्परता और विभागों के बीच सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि शासन, सार्वजनिक सेवाओं और महत्वपूर्ण अवसंरचना की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए साइबर सुरक्षा को प्रशासन के हर स्तर पर शामिल किया जाना चाहिए। पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी ने साइबर अपराध से निपटने में कानून प्रवर्तन एजेंसियों के सामने आने वाली चुनौतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि तेजी से बदलते खतरे और मामलों की बढ़ती संख्या के बीच उन्नत जांच तकनीक, विशेष प्रशिक्षण और सहयोगात्मक ढांचे की आवश्यकता है। सम्मेलन का स्वागत भाषण देते हुए टीजीसीएसबी की निदेशक शिखा गोयल ने उद्योग, अकादमिक संस्थानों और शोध संगठनों के साथ सह-नवाचार के माध्यम से भविष्य के लिए तैयार साइबर सुरक्षा तंत्र विकसित करने की टीजीसीएसबी की परिकल्पना को रेखांकित किया।

इस अवसर पर मुख्य सचिव ने टीजीसीएसबी द्वारा विकसित कई प्रमुख डिजिटल पहलों का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में हरिचंदना, कलेक्टर हैदराबाद, वासुदेवन-कार्यकारी निदेशक, आरबीआई, संदीप शांडिल्य, निदेशक, ईगल, संजय कुमार अग्रवाल, डीजी राजस्थान, डीजीपी तेलंगाना बी.शिवधर रेड्डी, मुख्य सचिव तेलंगाना के.रामकृष्ण राव, निदेशक, टीजीसीएसबी, शिखा गोयल, अभिलाषा बिष्ट, निदेशक, टीजीपीए, नीरजा, एडीजी, पंजाब, साईं मनोहर, एडीजी मप्र, भुवन रिभु, आईसीपी, दिल्ली ने भाग लिया।

ए.पी. जितेंद्र रेड्डी ने ओमान के राजदूत से की मुलाकात

द्विपक्षीय संबंधों को और सुदृढ़ करने पर विस्तृत चर्चा

नई दिल्ली, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सरकार के विशेष प्रतिनिधि (पूर्व सांसद) ए.पी. जितेंद्र रेड्डी ने आज नई दिल्ली स्थित ओमान सल्तनत के दूतावास में भारत में ओमान के राजदूत ईसा सालेह अलशिबानी से शिष्टाचार भेंट की।

सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुई इस बैठक के दौरान ओमान और तेलंगाना राज्य के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और सुदृढ़ करने पर विस्तृत चर्चा हुई। विशेष रूप से व्यापार, निवेश, उद्योग और रोजगार के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया।

जितेंद्र रेड्डी ने तेलंगाना की निवेश-अनुकूल नीतियों, सशक्त औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र तथा फार्मास्यूटिकल्स, लाइफ साइंसेज़, आईटी एवं आईटीईएस, खाद्य प्रसंस्करण, लॉजिस्टिक्स, नवीकरणीय ऊर्जा और आधारभूत संरचना जैसे क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों की जानकारी दी। ओमान के राजदूत ने तेलंगाना की तीव्र आर्थिक प्रगति की सराहना करते हुए कहा कि ओमानी उद्योगों और तेलंगाना स्थित कंपनियों के बीच सहयोग की व्यापक संभावनाएं हैं। बैठक में तेलंगाना में ओमानी निवेश तथा फार्मास्यूटिकल्स, कृषि आधारित उत्पादों, ग्रेनाइट और इंजीनियरिंग वस्तुओं के ओमान को निर्यात की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। आर्थिक सहयोग के साथ-साथ दोनों पक्षों ने खेल एवं युवा विकास के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं पर भी विचार साझा किए।

जितेंद्र रेड्डी ने खेलों को सांस्कृतिक आदान-प्रदान और युवाओं के सशक्तीकरण का प्रभावी माध्यम बताते हुए तेलंगाना और ओमान की टीमों के बीच एक मैत्रीपूर्ण फुटबॉल मैच आयोजित करने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि इससे खेल संबंधों को मजबूती मिलेगी, जमीनी स्तर पर खेलों को बढ़ावा मिलेगा और लोगों के बीच आपसी संपर्क प्रगाढ़ होंगे। राजदूत ने इस प्रस्ताव का स्वागत करते हुए नियमित खेल आदान-प्रदान और युवा सहभागिता कार्यक्रमों के लिए ठोस रूपरेखा पर कार्य करने में रुचि व्यक्त की। बैठक में दोनों पक्षों ने लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने, ओमान में कार्यरत भारतीय पेशेवरों एवं श्रमिकों के कल्याण तथा संस्थागत सहयोग के महत्व पर भी बल दिया, जिससे तेलंगाना–ओमान संबंधों को और गहराई मिल सके।

जितेंद्र रेड्डी ने राजदूत द्वारा दिए गए आत्मीय स्वागत और सकारात्मक चर्चाओं के लिए आभार व्यक्त किया तथा ओमान सल्तनत के साथ दीर्घकालिक साझेदारी विकसित करने के लिए तेलंगाना की प्रतिबद्धता दोहराई।

बाल अधिकार संरक्षण आयोग की टीम ने बालिका विद्यालय का निरीक्षण किया

शिकायतकर्ता एवं जिला शिक्षा अधिकारी को उपस्थित होने का निर्देश

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग (टीएससीपीसीआर) की सदस्य श्रीमती अपर्णा एवं श्रीमती वंदना ने जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) श्रीमती आर. रोहिणी तथा अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर आज आसिफनगर के मल्लेपल्ली सीतारामपेट स्थित सरकारी बालिका प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण किया। यह निरीक्षण तेलंगाना एजुकेशन डेवलपमेंट फाउंडेशन द्वारा दी गई एक शिकायत के बाद किया गया, जिसमें विद्यालय में बिजली, पेयजल एवं समुचित स्वच्छता सुविधाओं के अभाव की जानकारी दी गई थी।

निरीक्षण के दौरान आयोग के सदस्यों ने शिकायतकर्ता, विद्यालय के शिक्षकों एवं स्थानीय समुदाय के सदस्यों से बातचीत की। इसके साथ ही उन्होंने विद्यालय में उपलब्ध शौचालयों, पेयजल व्यवस्था तथा बच्चों के लिए उपलब्ध अन्य बुनियादी ढांचे का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के उपरांत आयोग के सदस्यों ने जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती आर. रोहिणी को शौचालयों की शीघ्र मरम्मत, उचित पेयजल सुविधा की व्यवस्था तथा निर्धारित मानकों के अनुरूप सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही डीईओ को इस संबंध में की गई कार्रवाई की रिपोर्ट (एक्शन टेकन रिपोर्ट) आयोग को प्रस्तुत करने के लिए कहा गया। इसके अलावा आयोग ने डीईओ को स्थानीय समुदाय के सदस्यों से परामर्श एवं उनकी सहमति से विद्यालय को वर्तमान स्थान से गोशाकट हाईस्कूल में स्थानांतरित करने की संभावना पर विचार करने के निर्देश भी दिए। आयोग ने शिकायतकर्ता एवं जिला शिक्षा अधिकारी को अंतिम निस्तारण हेतु 10 फरवरी को आयोग कार्यालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया है।

मुशीराबाद में महिला छात्रावास में आग

दो महिलाएं सुरक्षित निकाली गई

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुशीराबाद थाना क्षेत्र के गांधी नगर स्थित 'सुदामा पीजी अकॉमोडेशन फॉर वूमेन' छात्रावास में गीजर में शॉर्ट सर्किट से विस्फोट होने के कारण आग लग गई।

सूचना मिलते ही दमकल विभाग की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया गया। आग में फंसी दो महिलाओं को स्थानीय लोगों ने सीढ़ी की मदद से सुरक्षित बाहर निकाला।

अधिकारियों के अनुसार, अधिकांश छात्राएं उस समय छात्रावास में मौजूद नहीं थीं, जिससे एक बड़ी दुर्घटना टल गई। आग में फर्नीचर, कपड़े और अन्य सामान जलकर नष्ट हो गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और यह पता लगाया जा रहा है कि इमारत में अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन किया गया था या नहीं।

महाप्रबंधक ने आदिलाबाद–मुदखेड–पूर्णा खंड का निरीक्षण किया

> विधायक पायल शंकर ने महाप्रबंधक से मुलाकात की

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने आज नांदेड़ मंडल के अंतर्गत आदिलाबाद–मुदखेड–पूर्णा रेल खंड का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ नांदेड़ मंडल के मंडल रेल प्रबंधक प्रदीप लक्ष्मणराव कांबले सहित मुख्यालय एवं मंडल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

महाप्रबंधक ने अपने निरीक्षण की शुरुआत आदिलाबाद रेलवे स्टेशन से की, जहां उन्होंने अमृत स्टेशन योजना के अंतर्गत चल रहे पुनर्विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इसके साथ ही उन्होंने क्रू लॉबी, संयुक्त क्रू रनिंग रूम का निरीक्षण कर रनिंग स्टाफ को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की समीक्षा की। इस अवसर पर आदिलाबाद विधानसभा क्षेत्र के विधायक पायल शंकर ने महाप्रबंधक से मुलाकात कर क्षेत्र में रेल विकास परियोजनाओं पर चर्चा की। इसके अलावा विभिन्न जनप्रतिनिधियों ने भी महाप्रबंधक से भेंट कर अपनी मांगें एवं सुझाव प्रस्तुत किए। महाप्रबंधक ने आदिलाबाद–किनवट खंड के बीच स्थित लेवल क्रॉसिंग गेट संख्या 23 का निरीक्षण किया तथा गेट बूम, अभिलेखों एवं सुरक्षा उपकरणों की जांच की। उन्होंने गेटमैन से संवाद कर कार्य परिस्थितियों की जानकारी भी ली। इसके पश्चात श्री श्रीवास्तव ने किनवट रेलवे स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया, जहां यात्री सुविधाओं, बुकिंग काउंटर, प्रतीक्षालय, स्टेशन मास्टर कार्यालय एवं स्टेशन परिसर की समीक्षा की गई। अमृत स्टेशन योजना के तहत चल रहे पुनर्विकास कार्यों की प्रगति पर मंडलीय अधिकारियों द्वारा विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। महाप्रबंधक ने कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूर्ण करने हेतु गति बढ़ाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने नागड़ा नाले पर स्थित ब्रिज संख्या 110 का भी निरीक्षण किया और सभी सुरक्षा संबंधी पहलुओं की जांच की। इसके साथ ही उन्होंने कर्व संख्या 40 पर ट्रैक अनुरक्षण एवं सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया तथा गैंगमैनों से बातचीत की। संजय कुमार श्रीवास्तव ने हिमायतनगर रेलवे स्टेशन का भी निरीक्षण किया और वहां अमृत स्टेशन योजना के अंतर्गत चल रहे पुनर्विकास कार्यों की समीक्षा की। इसके बाद उन्होंने भोकर एवं मुदखेड अमृत स्टेशनों पर जारी विकास कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विभिन्न जनप्रतिनिधियों से भेंट कर उनके अभ्यावेदन प्राप्त किए गए। अंत में महाप्रबंधक ने पूर्णा अमृत स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों की समीक्षा की और अधिकारियों को यात्री सुविधाओं के उन्नयन हेतु कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने पूर्णा रेलवे स्टेशन पर उपलब्ध मेडिकल रिलीफ वैन एवं दुर्घटना राहत ट्रेन की तैयारियों एवं सुविधाओं का भी निरीक्षण किया।

सीएम का हार्वर्ड प्रमाण पत्र रद्द करने की मांग–प्रवीण कुमार ने लिखा पत्र

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के महासचिव और पूर्व आईपीएस अधिकारी आरएस प्रवीण कुमार ने हार्वर्ड विश्वविद्यालय को पत्र लिखकर मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को दिए गए पाठ्यक्रम पूर्णता प्रमाण पत्र को रद्द करने की मांग की है।

हार्वर्ड कैनेडी स्कूल के पूर्व छात्र प्रवीण कुमार ने विश्वविद्यालय प्रशासन को भेजे ईमेल में इस निर्णय पर नाराजगी और आक्रोश जताया है। प्रवीण कुमार ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर 89 आपराधिक मामले दर्ज हैं और उनका राजनीतिक जीवन विवादों से भरा रहा है। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी को एक मौजूदा विधायक को वोट के बदले रिश्वत देने के आरोप में एसीबी द्वारा रंगे हाथों पकड़ा गया था। इसके साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री पर विभाजनकारी राजनीति करने, राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ असंसदीय भाषा का प्रयोग करने और प्रतिशोध की राजनीति अपनाने के आरोप लगाए। प्रवीण कुमार ने अपने पत्र में कहा, "ऐसा राजनेता न केवल 21वीं सदी में अनुपयुक्त है, बल्कि पाषाण युग में भी ऐसा उदाहरण नहीं मिलता।" उन्होंने तर्क दिया कि इस तरह का व्यक्तित्व नैतिक नेतृत्व, शिष्टाचार और सार्वजनिक सेवा के उन मूल्यों के अनुरूप नहीं है, जिनसे हार्वर्ड जैसे प्रतिष्ठित संस्थान की पहचान जुड़ी है। एडवर्ड एस मेसन फेलो रह चुके प्रवीण कुमार ने हार्वर्ड के अल्पकालिक कार्यकारी पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि संदिग्ध छवि वाले राजनीतिक नेताओं को प्रमाण पत्र देना विश्वविद्यालय की वैश्विक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा सकता है। उनके अनुसार, रेवंत रेड्डी को प्रवेश देते समय न तो कड़ी पृष्ठभूमि जांच की गई और न ही कोई औपचारिक साक्षात्कार लिया गया, जो संस्थागत लापरवाही को दर्शाता है।

उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि क्या हार्वर्ड प्रतिष्ठा या फीस के लालच में विवादित व्यक्तियों को कार्यकारी कार्यक्रमों में प्रवेश दे रहा है। उन्होंने इसे विश्वासघात बताते हुए कहा कि उन्हें अपने शिक्षण संस्थान के इस स्तर तक गिरने पर गहरा अफसोस है। बीआरएस नेता ने हार्वर्ड विश्वविद्यालय से कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों की प्रवेश प्रक्रिया की समीक्षा करने और मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को दिए गए प्रमाण पत्र पर पुनर्विचार करने की मांग की है।

प्रत्येक पूर्ववर्ती जिले में कृषि महाविद्यालय की स्थापना : तुम्मला

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने घोषणा की कि राज्य सरकार प्रत्येक पूर्ववर्ती जिले में एक कृषि महाविद्यालय की स्थापना करेगी।कृषि शिक्षा को सुदृढ़ करने की राज्य सरकार की पहल के तहत मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी फरवरी माह में निजामाबाद जिले में एक नए कृषि महाविद्यालय का उद्घाटन करेंगे।

यह अत्याधुनिक कृषि महाविद्यालय निजामाबाद जिले में तेलंगाना विश्वविद्यालय परिसर के अंतर्गत सर्वे नंबर 265/1, 277 एवं 334 में स्थित 120 एकड़ भूमि पर स्थापित किया जाएगा, जो सुद्दापल्ली और दादापल्ली गांवों के समीप है। इस संस्थान में उन्नत तकनीकों, अनुसंधान, प्रशिक्षण और किसानों को सेवाएं एक ही परिसर में उपलब्ध कराई जाएंगी। मंत्री ने कहा कि इस महाविद्यालय के माध्यम से छात्रों को आधुनिक कृषि शिक्षा प्रदान की जाएगी।

टीजीएसआरटीसी अस्पताल को एनएबीएच एंट्री-लेवल प्रमाणन

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तारनाका स्थित टीजीएसआरटीसी अस्पताल ने एनएबीएच एंट्री-लेवल प्रमाणन प्राप्त कर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और मरीज सुरक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इस मान्यता के तहत अस्पताल में उन्नत आपातकालीन एवं क्रिटिकल केयर सेवाएं, आधुनिक सुपर-स्पेशलिटी ऑपरेशन थिएटर, पूर्ण रूप से कार्यरत कैथ लैब तथा आपातकालीन हृदय उपचार सुविधाएं विकसित की गई हैं। अस्पताल ने शैक्षणिक क्षेत्र में भी विस्तार करते हुए 100 सीटों वाला बीएससी नर्सिंग कॉलेज, व्यावसायिक कॉलेज तथा सर्जरी, ऑर्थोपेडिक्स और जनरल मेडिसिन में डीएनबी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू किए हैं। टीजीएसआरटीसी के उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक वाई. नागी रेड्डी ने अस्पताल अधीक्षक एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. शैलजा मूर्ति, चिकित्सा प्रशासक डॉ. पी. श्रीनिवास और पूरी चिकित्सा टीम को बधाई देते हुए कर्मचारियों और उनके आश्रितों को उच्च गुणवत्ता की स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करते रहने का आह्वान किया।

15वें वित्त आयोग के तहत ग्राम पंचायतों को 259.36 करोड़ की मंजूरी

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दो वित्तीय वर्षों के अंतराल के बाद केंद्र सरकार ने तेलंगाना की ग्राम पंचायतों को 15वें वित्त आयोग के तहत 259.36 करोड़ रुपये जारी करने की मंजूरी दे दी है। कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के तुरंत बाद राज्य में सरपंचों का कार्यकाल समाप्त हो गया था। इसके बाद से पंचायत चुनाव लगातार स्थगित होते रहे, जिसके चलते वित्त वर्ष 2024-25 और 2025-26 के लिए 15वें वित्त आयोग की राशि राज्य को नहीं मिल सकी। बीसी वर्ग को 42 प्रतिशत आरक्षण देने का मुद्दा और अन्य कारण भी पंचायत चुनाव में देरी के रूप में सामने आए। इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया था कि ग्राम पंचायत चुनाव संपन्न होने के बाद ही लंबित धनराशि जारी की जाएगी।

इस बीच पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री डी. अनुसूया उर्फ सीताक्का ने केंद्र सरकार से कई बार धनराशि जारी करने का अनुरोध किया। उन्होंने नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह, शिवराज सिंह चौहान सहित अन्य नेताओं से मुलाकात कर इस मुद्दे को उठाया। बताया गया कि यदि 31 मार्च से पहले धनराशि जारी नहीं होती तो इसके स्थायी रूप से रद्द होने की आशंका थी। पंचायत चुनाव संपन्न होने के बाद मंत्री सीताक्का ने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर लंबित राशि तत्काल जारी करने का आग्रह किया। मंत्री ने एक बयान में कहा कि 15वें वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुसार तेलंगाना को लगभग 3,000 करोड़ रुपये मिलने चाहिए। इनमें से 259.36 करोड़ रुपये पहली किस्त के रूप में जारी करने की मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा कि इस राशि से गांवों में बुनियादी ढांचे के विकास और अन्य कार्यों में तेजी आएगी। साथ ही केंद्र सरकार से शेष धनराशि भी शीघ्र जारी करने की मांग की गई है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence [illegible], Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.